The Gazette of I

PUBLISHED BY AUTHORITY NO140, 41, 45,4

*9, 42]

नई दिल्ली, शनिवार, अन्तूबर 15, 1983 (आश्विन 23, 1905)

NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 15, 1983 (ASVINA 23, 1905) No. 421

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

माग [[]--खण्ड 1

[PART III—SECTION 1]

*ा*क्र क्यायालयों, नियन्त्रक्त और पहालेखायरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विमाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसचनाएं

cations issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union wholic Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

केन्द्रीय सतर्कता आयोग

🐠 ं नई दिल्ली, दिनांक 20 सितम्बर 1983

99 पी० आर० एस०-II--श्री रमेश चन्द्रा, भार-्रे विज इंजीनियर्स सेवा के अधिकारी, जो केन्द्रीय सतर्कता मिं स्थानापन्न रूप से मुख्य तकनीकी परीक्षक के पद थे, का मुख्य इंजीनियर-लेवल I एव० श्रो० डी० 🚂 रेलवे में चयन होने पर, दिनांक 20 सितम्बर, अपराह्न से भार मुक्त हो गए।

सं० 2/1/83-प्रशासन-केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त एतद्-द्वारा श्री जगदीश चन्द्र कपूर, स्थाई सहायक, केन्द्रीय सतर्कता आयोग, को स्थानापन्न रूप से 650-(710)-30-740-85-810-द० अ०-35-880-40-1000-द० अ०-40-1200 रुपए के वेतनमान में तदर्थ अनुभाग अधिकारी के पद पर दिनांक 1-8-1983 से 29-10-1983 तक या अगले आदेश तक, इनमें जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं।

> कृष्ण लाल मल्होत्रा, अवर सचिव कृते केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त

गृह मन्त्रालय

का. एवं प्र. स्. विभाग

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 24 सितम्बर 1983 सं० ए०-20023/1/79-प्रशासन-5-प्रत्यावर्तन हो जाने पर, श्री राम सिंह शर्मा, लोक अभियोजक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, देहरादून की सेवाएं दिनांक 5 सिनम्बर, 1983 के पूर्वाह्व से उत्तर प्रदेश सरकार को सौपी जाती हैं।

सं० 20023/4/83-प्रशा०-5--निदेशक, केन्द्रीय अन्वे-षण ब्य्रो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुनिस स्थापना एतद्द्वारा श्री टी० एल० वीराकुमार को प्रतिनियुक्ति पर दिनांक 2 सितम्बर, 1983 के पूर्वीह्न से लोक अभियोजक, केन्द्रीय अन्वेषण व्यरो के रूप में निय्कत करते हैं।

श्री टी० एल० वीराकुमार को केन्द्रीय अन्त्रेपण ब्प्रो/ कोचीन शाखा में पदस्थापित किया जाता है।

> राम स्वरूप नागपाल, प्रशासनिक अधिकारी, (स्था०), केन्द्रीय अन्वेषण ब्यरो

महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई विल्ली-110003, विनांक 19 सितम्बर 1983

> ए० के० सूरी, सहायक निवेशक (स्थापना)

महानिवेशक का कार्यालय केन्द्रीय भौद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 5 सितम्बर 1983

सं० ई०-38013/(4)/12/83-कार्मिक-राष्ट्रपति, प्रोन्नति पर, श्री बी० पी० लाम्बा को 4 अगस्तः 1983 के पूर्वाह्म से सहायक कमाडेंट (कनिष्ठ प्रशासन अधिकारी) के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ई०-38013(4)/12/83-कार्मिक-राष्ट्रपति, प्रोन्नति पर, श्री रामसवरूप को 30 जुलाई, 1983 के पूर्वाह्न से सहायक कमाउँट (कनिष्ठ प्रशासन अधिकारी) के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ई०-38013/(4)/12/83-कार्मिक-राष्ट्रपति, प्रोन्नति पर, श्री नीलाम्बर दक्त को 30 जुलाई, 1983 के पूर्वाह्म से सहायक कमांडेंट (कनिष्ठ प्रशासन अधिकारी) के रूप में नियुक्त करते हैं।

विनांक 17 सितम्बर 1983

सं० ई०-16013(2)/2/79-कार्मिक-पुलिस उप-महानिरीक्षक के रूप में प्रोक्षति होने पर और दिल्ली विद्युत प्रदाय संस्थान के सतर्कता-निदेशक के रूप में नियुक्ति होने के फलस्वरूप, श्री प्रकाश सिंह, आई० पी० एस० (संघ शासित क्षेत्र : 64) ने 16 सितम्बर, 1983 के अपराह्म से के० औ० सु० व० मुख्यालय, नई दिल्ली के सहायक महा-निरीक्षक (कार्मिक) के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

> सुरेन्द्र नाथ, महानिदेशक, केन्द्रीय भौद्योगिक सुरक्षा बल

भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय नई दिल्ली, विनौक 22 सितम्बर 1983 मृद्धिपत्र

सं०ए० 11/12/81-प्रणा०-I—इस कार्यालय की तारीख 8 सितम्बर, 1983 की समसंक्यक अधिसूचना के पैराग्राफ 2 में निम्नलिखित पढ़ा जाए:—

2. "उनका मुख्यालय लखनऊ में होगा"।

कुष्णचन्द्र सेठः उप-निवेशक नई दिल्ली-110011, दिनांक 22 सितम्बर 1983

सं० 11/5/83-प्रशासन—1—राष्ट्रपति, निम्नलिखित अधिकारियों को, जो कि इस समय उनके नामों के सामने दिशित राज्यों के जनगणना कार्य निदेशालयों में कार्यरत हैं, उन्हीं कार्यालयों में उनके समक्ष दिशित तारीखों से एक वर्ष से अमिधक अविधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अविधि कम हो, प्रतिनियुक्ति पर, पूर्णतः अस्थाई और तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक (ग्रांकड़ें संसाधन) के पद पर सहुर्ष नियुक्त करते हैं:--

जन्म सं ०	नाम	कार्यालय का मुख्यालय नाम जहां कार्य- रत हैं		नियुक्ति की तारीख
1	2	3	4	5
1.	सर्वेश्वी हरीकृष्ण	जनगणना कार्यालय, राजस्थान, जयपुर	जयपुर	10 जून, 1983 (पूर्वाह्न)
2.	आर० नराय	णिन जनगणना कार्यालय, तमिलनाडु, मद्रास	मद्रास	1 सितम्बर, 1983 (पूर्वाह्न)

2. उपर्युक्त वो अधिकारियों की सहायक निदेशक (आंकड़े संसाधन) के बद पर प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति समय-समय पर यथा-संशोधित वित्त मंत्रालय के का॰ ज्ञा॰ सं॰ एफ॰- 10(24)ई॰- HI(w)/60 तारीख 4-5-1961 में दी गई शर्तों द्वारा शासित होगी। उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्ति को नियुक्ति प्राधिकारी के विवेक पर किसी भी समय बिना कोई कारण बताए रहं किया जा सकता है।

विनांक 23 सितम्बर 1983

सं० 11/2/80-प्रणा०-1-इस कार्यालय की तारीखं 12 मई, 1983 की समसंख्यक अधिसृषना के अनुकर्म में राष्ट्रपति, बिहार सिविल सेवा के अधिकारी श्री नगेश्वर प्रसाद की बिहार, पटना में जनगणना कार्य निदेशालय में प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर तदर्थ नियुक्ति की अवधि को तारीख 29 फरवरी, 1984 तक या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी भवधि पहले हो, सहर्थभीर बढ़ाते हैं।

श्री प्रसाद का मुखालय हजारीबाग में होगा।

दिनांक 24 सितम्बर, 1983

सं० 11/8/80-प्रशा०-I--राष्ट्रपति, महाराष्ट्र सरकार के अधिकारी सर्वश्री एम० एम० सांखे और एम० टी० आनसपुरे की महाराष्ट्रं, बम्बई में जनगणना कार्य निदेशासय Ψiο

में ऋमशः उप निवेशक जनगणना कार्य और सहायक निवशक जनगणना कार्य के पदों पर प्रतिनियुक्ति पर तदर्थ नियुक्ति की अविधि को तारीख 29 फरवरी, 1984 तक विधामान शतौं पर सहर्ष और बढ़ाते हैं।

सर्वश्री सांखे ग्रीर आनसपुरे के मुख्यालय क्रमशः पुणे ग्रीर जासिक में होंगे।

> पी० पद्मनाभ, भारत के महारजिस्ट्रार

मुक्रण निवंशालय

नर्ह विल्ली, विनांक 1 अक्तवर 1983

सं. एम (23)/प्रशा.-।। (खण्डा।)— मृत्रण निदांशक ने श्री दत्तात्रिय नामवं य माली, को भारत सरकार फोटोलियो मृत्रणालय, फरीवाबाद में स्थानापन्न रूप में सहायक प्रबंधक (प्रशा.) के पद पर रा. 650-30-740-35-810-व. रो.-35-880-40-1000-व. रो.-40-1200 के वेतनमान में 12 सितम्बर, 1983 के पूर्वाहन से अगले आवोश होने तक, नियुक्त किया है।

उप निवंशक (प्रशासन)

भारतीय लेखा परीक्षा एवं लेखा विभाग कार्यीलय महालेखाकार प्रथम मध्य प्रदेश ग्वालियर, दिनौंक 21 सितम्बर 1983

क्रमांक: प्रशासन --एक/ले० अ० प्रमो०: 245 ---महाले जाकार मध्य प्रदेश ने निम्नलिखित स्थाई अनुभाग अधिकारी को स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर बेतन मान ६० 840 -40-1000 द० रो०--40 -1200 में उनके नाम के आगे ∗ दर्शाए कार्यभार ग्रहण करने के दिनांक से आगामी आदेश सक पदोक्षत किया जाता है।

कर्मा क	नाम	स्पाई	कार्यभार ग्रहण करने का
		क्रमांक	विनोक/आर्बटन

श्री बी० डी॰ गुप्ता 02/308 19-9-1983 पूर्वा हा

(प्राधिकार : महालेखाकार प्रथम के आदेश विनाक 17-9-83) ।

> बी० के० राय बरिष्ठ उपमहालेखाकार प्रशासन

निदेशक लेखा परीक्षा का कार्मालय, मध्य रेलवे

बम्बई बी॰टी॰, दिनांक 26 सितम्बर 1983

सं० ले० प०-प्रशासन/विविध/गोपनीय--श्री ज० चं० शर्मा, स्थानापन्न प्रवरण कोटि अनुभाग ग्रिधकारी (लेखा परीक्षा) दिनांक 24-8-1983 (मध्यान्त्र) से इस कार्यालय में स्थानापन्न लेखा परीक्षा अधिकारी के पद पर नियुक्त किए गए हैं।

> एस० सौंदरराजन, निदेशक लेखा परीक्षा

रक्षा मन्त्रालय आर्डनैस फैक्टरी बोर्ड

कलकत्ता, दिनांक 20 प्रितम्बर 1983

सं० 43जी०/83---वार्षक्य निवृत्ति आयु प्राप्त कर श्री श्री० एन० साहा स्थानापञ्च एस० ओ० (मैलिक एवं स्थाई सहायक) विनांक 31 श्रगस्त, 1983 (अपराह्म) से सेवा निवृत्त हुए।

> बी० के० मेहता, निदेशक

> > पष्टि की तारीख

फलकत्ता, दिनांक 20 सितम्बर 1983

सं० 134/ए० एम० ओ०/ए०/एम० --राष्ट्रपति महोदय निम्नलिखित अधिकारियों को, सफनतापूर्वक उनकी परखावधि की समाप्ति कर, सहायक चिकित्सा अधिकारियों की श्रेणी में पृष्ट करते हैं।

अफसरों का नाम

मार्थ जापासरा का पान	पुष्टिकाताराज
सं ०	
सर्वभी	
1. डा० लिगराज नायक	31-8-75
2. डा० के० के० चौबे	31-8-75
 डा० आर० के० राजपाल 	1-1-79
4. डा० वी० वी० सुम्रज गुप्ता	1-1-79
5. ভা০ (श्रीमती) बी० मोता गुप्ता	1-1-79
 का० सुन्वरेश कुमार पी० 	1-11-79
7. डा० प्रतीपाल	1-11-79
8. डा०पी० के० एथ	1-11-79
9. बा० एस० मोहान्ती	1-11-79
10. डा० बी० राजेन्द्रन	1-11-79
11. बा० जे० एन० प्रस्ती	1-11-79
12. डा॰ पी॰ कृष्णामूर्ति	1-11-79
13. डा॰ हैमेन्द्र सिंह	1-11-79
14. इत्रा० एस०सी० मिश्र	1-11-79
15. डा० के० के० जैन	23-12-79
16. इति एमें विकेश लंग्यासा	23-12-79
17. इतः (श्रीमंती) सावित्री पाथकर	23-12-79
18. डा॰ बी॰ एन० साहा	23-12-79
19. डा० बी० के०. गौर	24-9-80
20. डा॰ (कुमारी) सुशीला कुमारी साहु	1-8-81
21. डा० सुधीर कुमार सा	1-8-79
22 डा० राम गोविन्द गुप्ता	1-8-81
23 डा॰ (श्रीमती) सुजाता चक्रवर्ती	1-8-81
24. डा॰ (कुमारी) विमला एस॰ अम्पर	1-10 -81
25. डा० वी० के० जहागीरदार	1-10-81
26. डा॰ एस॰ के॰ महापात	1-10.81
27. डा॰ (श्रीमती) छवि राय	1-10-81
28. डा० रोताय कंवर	1-10-81
29. डा० के० जे० पुलिया	1-10 .81
30. डा० फूलचन्द	1-10 .31
31. डा॰ पी० रचुनाथ	<u>1-10-81</u>

आर० के० चेल्पम, सवस्य/कार्मिक

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, आयात एवं नियति का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 21 सितम्बर 1983 आयात और निर्यात व्यापार नियन्त्रण (स्थापना)

सं० 6/372/56—प्रशा० (राज०)/7128—सेवा निवृत्ति की आयु होने पर संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, कलकत्ता में श्री आर० एन० हलदर, सहायक मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात को 31 अगस्त, 1983 के दोपहरबाच से सरकारी सेवा से निवृत्त होने की अनुमति दी गई है।

> एम० एल० भागंब, उप-नियन्त्रक, आयात एवं निर्यात कृते मुख्य नियन्त्रक, आयात एवं निर्यात

उद्योग मन्त्रालय

औद्योगिक विकास विभाग विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय नई विल्ली, दिनांक 22 सितम्बर 1983

> सी० सी० राय, उप निवेशक (प्रशा०)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय (प्रशासन अनुभाग-1) नई दिल्ली, दिनांक 23 सितम्बर 1983

सं० प्र०-1/1(1219)—निरीक्षण निर्देशक, मन्नास के कार्यालय में अधीक्षक श्री के० राजेश्वर राव को दिनांक 26-8-1983 से पूर्ति तथा नियटान निर्देशाल्य, मद्रास के कार्यालय में सहायक निर्देशक (प्रशा०) (ग्रेड-II) के पद पर पूर्णतः तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया जाता है। उनकी नियुक्ति श्री वी० के० शंकर्जिंगम, सहायक निर्देशक (प्रशासन) (ग्रेंड-1) की अवकाश रिक्ति में की गई है।

एस० बालासुन्नमणियन, उप निदेशक (प्रशासन) कृते महानिवेशक पूर्ति तथा निपटान

नई विल्ली, दिनांक 21 सितम्बर 1983

सं० प्र०-1/1(742) ---राष्ट्रपति, सहायक निवेशक (ग्रेड 2) भारतीय पूर्ति सेवा के समूह 'ए' के ग्रेड -III श्री के०

के० चक्रवर्ती को एक अस्थाई रिक्ति के महे दिनांक 27-8-1983 के पूर्वाह्न से अथवा जबतक कोई नियमित अधिकारी उपलब्ध हो, जो भी पहले हो, उपनिदेशक पूर्ति (भारतीय पूर्ति सेवा के समूह 'ए' के ग्रेड III के पद पर पूर्णतः तदर्थं ' आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

2. श्री चक्रवर्ती ने सहायक निदेशक के पव का कार्य-भार छोड़ कर विनांक 27-8-1983 के पूर्वाह्न से म० नि० पू० नि०, नई दिल्ली में उप निवेशक पूर्ति के पव का कार्य-भार सम्भाल लिया है।

सं० प्र०-1/1 (759)—राष्ट्रपति, श्री ए० के० श्रीवास्तव, उप निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रुप 'ए' के ग्रेड-II) को विनांक 21-7-83 के पूर्वाह्म से अथवा नियमित अधिकारी के उपलब्ध हो जाने तक/जो भी पहले हो, पूर्णतः तवर्ष आधार पर स्थानापन्न रूप से पूर्ति निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रुप ''ए'' के ग्रेड I) के रूप में अस्थाई रिक्ति के महे नियुक्त करते हैं।

2. श्री श्रीवास्तव ने उप-निदेशक पूर्ति के पद का कार्य-भार छोड़ दिया और पूर्ति निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में दिनांक 21-7-83 के पूर्वीह्न से पूर्ति निदेशक के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० प्र०-1/1(761)—राष्ट्रपति, श्री के० के० घोष उपनिदेशक पूर्ति (भारतीय पूर्ति सेवा के समूह "ए" के ग्रेड II) को अस्थाई रिक्ति के मद्दे दिनांक 5-9-83 के पूर्वाह्म से अथवा नियमित अधिकारों के उपलब्ध हो जाने तक, जो भी पहले हो, निदेशक पूर्ति (भारतीय पूर्ति सेवा ग्रुप "ए" के ग्रेड-I) के पद पर पूर्णतः तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियक्त करते हैं।

- 2. श्री घोष उप निवेशक पूर्ति के पद का कार्यभार छोड़कर दिनांक 6-9-83 के पूर्वाह्म से म० नि० पू० नि०, नई दिल्ली में निवेशक पूर्ति के पद का कार्यभार सम्भाल लिया है।
- सं० प्र-1/1(1216)—महानिदेशक, एतद् द्वारा पूर्ति सथा निपटान महानिदेशालय, नई विल्ली के कनिष्ठ क्षेत्र अधिकारी सर्वश्री के० बी० जोशो, आई० सी० जैन और कनिष्ठ प्रगति अधिकारी पूरन सिंह को इसी महानिदेशालय में दिनांक 9 सितम्बर, 1982 के पूर्वाह्म से आगामी आदेश दिए जाने तक पूर्णतः तवर्ष आधार पर स्थानापन्न रूप से सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के पद पर नियुक्त करते हैं।
- 2. सर्वश्री जोशी, जैन और पूरन सिंह की सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के पद पर तदर्थ नियुक्ति से उन्हें नियमित नियुक्ति के लिए दावा करने का कोई हक नहीं होगा और उनके द्वारा की गई सेवा उस ग्रेड में वरीयता और पदोक्षति तथा स्थाईकरण की पत्रता के लिए नहीं गिनी जाएगी।
- 3. सर्वश्री कें बीं जोशी, आई० सी० जैन ने कनिष्ठ क्षेत्र अधिकारी और पूरन सिंह ने कनिष्ठ प्रगति अधिकारी ने दिनांक 9-9-1983 के पूर्वीह्न से पूर्ति तथा निपदान

महानिवेशालय, नई दिल्ली में अपने पद्य का कार्यभार छोड़ दिया है और 9 सितम्बर, 1983 के पूर्वाह्म से इस महा-निवेशालय में सहायक निवेशक (ग्रेड-II) के पद का कार्य-भार सम्भाल लिया है।

> एस० बालासूत्रमणियन, उप निदेशक (प्रशासन)

प्रशासन विभाग-6

नई दिल्ली-110001, दिनांक 21 सितम्बर 1983

सं० ए०-17011/106/76-प्र०-6-राष्ट्रपित ने निरीक्षण अधिकारी (अभियांतिकी) (भारतीय निरीक्षण सेवा समूह ''ए'' अभियांतिकी शाखा के ग्रेड-III) श्री राजिन्त्र प्रसाद सिंह को दिनांक 23-8-83 के पूर्वाह्म से 6 महीने की अवधि के लिए अथवा पव के नियमित आधार पर भरे जाने तक जो भी पहले हो पूर्णतः तदर्थ आधार पर उप निदेशक निरीक्षण (अभियांतिकी) भारतीय निरीक्षण सेवा समूह ''ए'' अभियांतिकी शाखा के ग्रेड-II) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है। श्री राजेन्द्र प्रसाद सिंह की पदोन्नति । दिल्ली उच्च न्यायालय में लिम्बत सिविल रिट याचिका सं० 1457/81 1590/81 और 1973/81 के अन्तर्गत उएल० पी० ए० सं० 67/83, 68/83 और 69/83 पर अन्तिम निर्णय होने के अधीन होगी।

श्री राजेन्द्र प्रसाद सिंह को तवर्ष नियक्ति से उन्हें नियमित नियुक्ति के लिए दावा करने का कोई हुक नहीं होगा और उनके द्वारा की गई तदर्थ सेवा उस प्रेड में वरीयता, पदोन्नति की पाद्यता तथा स्थाईकरण के लिए नहीं गिनी जाएगी।

श्री राजिन्त्र प्रसाव सिंह विनांक 18-8-83 के अपराह्म से निरीक्षण निदेशक, कलंकत्ता के कार्यालय में निरीक्षण अधिकारी (अभियांतिकी) के पव का कार्यभार छोड़ विया तथा दिनांक 23 अगस्त, 1983 के पूर्वाह्म से निरीक्षण निदेशक महास के कार्यालय में निरीक्षण उप निवेशक (अभियांत्रिकी) के पव का कार्यभार सम्भाल लिया है।

> एस॰ एल॰ कपूर, उप निदेशक (प्रशासन)

इस्पात तथा जान मंत्रालय

(बान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 19 सितम्बर 1983

शुद्धि , पन

सं० 8165 बी०/ए०-19012/(4-एस० के० एस०)/64-19 बी०--भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वक्षण के ब्रिलर श्री एस० के० सेन की सेवा निवृत्ति सम्बन्धी दिनांक 1-8-1983 की अधिसूचना सं० 3564 डी०/ए०-19012(4-एस० के० एस०)/64-19 बी० की दितीय पंक्ति में प्रकाशित

'एफ० आर० 56(जे)' को क्रुपया 'एफ० आर०-56(जे) (1)' पर्वे।

> एस० के० मुखर्जी, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, विनांक 22 सितम्बर 1983

सं० 8258 बी०/ए०-19012 (3-एस० के० एस०) 78-19 बी०-कूबेमुख आइरन एण्ड ओर कम्पनी लिमिटेड पूर्ण रूप से भर्ती होने पर श्री एस० के० सान्याल ने भारतीय भूबैज्ञानिक सर्वेक्षण में सहायक रसायनज्ञ के पद का कार्यभार 7-11-78 के पूर्वाह्म से त्यागपत दिया है। यह इस कार्यालय के दिनांक 31-7-80 के अधिसूचना सं० 5693 बी०/ए०-19012(3-एस० के० एस०)/78-19-बी० का अधिक्रमण करते हुए जारीकी जा रही है।

अमित कुणारी, निदेशक (कार्मिक)

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण

नई विल्ली-110001, दिनांक 24 सितम्बर 1983

सं० 11/5/83-स्मारक---प्राचीन स्मारक, पुरातत्वीय स्थल व अवशव नियमावली, 1959 के नियम 6 के अधीन प्रवत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, मैं, (महेश्वरी दयाल खरे) निवेशक, (स्मारक) यह निवेश जारी करता हूं कि उत्खिनत स्थल नालन्वा और कुमराहार में दिनांक 27 सितम्बर को विश्व पर्यटन दिवस के उपलक्ष्य में प्रवेश निःशृल्क होगा।

महेश्वरी दयाल खरे, निदेशक (स्मारक)

आकाशवाणी महानिवेशालय

नई विल्ली, दिनां रु 20 सितम्बर 1983

सं० 4/6/82-एस०-1---महानिदेशक आकाशवाणी एतद्दारा श्री एम० पी० मोदी को 650-30-740-35 810-द० रो० 880-40-1000- द० रो०--40-1200 रुपए के वेतनमान में 12-8-83 (अपराह्म) से अगले आदेश तक, विज्ञापन प्रसारण सेवा, आकाशवाणी, बस्बाई में, अस्थाई रूप में, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं। सं० 4(88)/82-एस०--महानिदेशक आकाशवाणी एतवृद्वारा श्री सजल रंजन मैती को 23 अगस्त, 1983 से अगले आदेश तक 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880 -40 ·1000 द० रो०--40 ·1200 रुपए के वेतनमान में आकाशवाणी, सिलीगुड़ी में, अस्थाई रूप में, कार्य निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

> हरीशचन्द्र जयाल प्रशासन उपनिदेशक कृते महानिदेशक

सूचना और प्रसारण मंत्रालय निज्ञापन और वृथ्य प्रचार निदेशालय नई दिल्ली, दिनांक 5 सितम्बर 1983

सं० ए०-12011/15/70 प्रदर्शनी (ए०)--विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक, श्री सहदेव नेगी को 20 अगस्त, 1983 के पूर्वीक्ष से अगले आदेश तक अस्थानी रूप से इस निदेशालय में भण्डार अधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्रीमती एस० एल० भारक्काज, उपनिवेशक (प्रशासन) कृते निवेशक, विज्ञापन और वृश्य प्रचार निवेशालय

परमाणु कर्जा विभाग तारापुर परमाणु बिजलीघर टी०ए०पी०पी०, दिनांक 17 सितम्बर 1983

सं० टी॰ ए० पी॰ एस०/2/938/73 - अधिविषता की आयु प्राप्त पर करने भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र में स्थायी सहायक सुरक्षा अधिकारी और तारापुर परमाणु बिजलीधर में स्थानापन्न सुरक्षा अधिकारी श्री श्री श्री॰ बी॰ बनर्जी 31 अगस्त, 1983 की अपराह्म को केन्द्रीय सरकार की सेवा से सेवा निवृक्त हो गए हैं।

के० नारायणास्वामी, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी

अन्तरिक्ष विभाग विक्रम साराभाई अन्तरिक्ष केन्द्र स्थापना ग्रनुभाग

तिरुवन्तपुरम 695022, दिनांक 16 सितम्बर 1983

सं० वी॰ एस॰ एस॰ सी॰/स्था॰/एफ॰/1(17)--नियन्त्रक, श्री वी॰ एस॰ एस॰ सी॰, अन्तरिक्ष विभाग के विक्रम साराभाई अन्तरिका तिरुवन्तपुरम में निम्नलिखित व्यक्तियों को ६० 650 30 740 35-880 द० रो०-40 960 के वेतवमान में, उनके नाम के सामने दिए ब्यौरे के अनुसार स्थानापन्न रूप में पदोन्नति करते हैं:---

ক্ত	नाम ′	पदोन्नत पद	लागू तारीख
~			
	सर्वेश्री		
1.	पी० गोपीनाथन	सहायक भंडार,	19-7-83
	नायर	अधिकारी	(पूर्वाह्न)
2.	के०के० कृष्णन	सहायक भंडार	19-7-1983
	कुट्टी	अधिकारी	(पूर्वाह्म)
3.	के० बाहुलेयन	सहायक लेखा	19-7-1983
	नायर	अधिकारी	(पूर्वा ह)
4.	एन० वी०	सहायक लेखा	8-8-1983
	अध्यर	अधिकारी	(पूर्वाह्न)

कें पी० आर० मेनोन, प्रशासन अधिकारी—II (स्थापना) कृते नियंत्रक, वी० एस० एस० सी०

इन्सेट-1 मुख्य नियन्त्रक सुविधा

हसन-573201, विनांक 20 अगस्त 1983

सं० जी० एन० : 002 - अन्तरिक्ष विभाग में इग्सेट-1 अन्तरिक्ष खण्ड परियोजना के परियोजना निदेशक अन्तरिक्ष विभाग के स्थाई कर्मचारी श्री के० के० गोपी को इन्सेट-1 मुख्य नियन्त्रक सुविधा में सहायक भण्डार अधिकारी के पद पर दिनांक अगस्त 1, 1983 के पूर्वाह्म से आगामी आदेश तक नियुक्त करते हैं।

वी॰ पी॰ डी॰ निन्त्रसार, प्रशासन अधिकारी-1 कृते परियोजना निदेशक

महानिदेशक नागर विनानन का कार्यानय

मई विल्ली, विनोक 20 तितम्बर 1983

सं० ए०-32014/6/82-ई० सी० (पार्ट) - -महानिदेशक नागर विमानन ने निम्नलिखित तकनीकी सहायकों को उनके द्वारा उच्चत्तर पद का कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से छ: माम की अवधि के लिए ६० 650-1200 के वेतनमान में सहायक तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है तथा इन्हें प्रत्येक के नाम के सामने दिए गए स्टेशन पर तैनात किया है :—

म्	नाम	वर्तमान तैनाती स्टेशन	नया नैनाती स्टेशन	कार्यभार ग्रहण करने की तारीर
t o		· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·		
1	2	3	4	5
	सर्वश्री			
1.	आर० सी० खनी	अहमदाबाद	ए०सी० एस०, दिल्ली	23-5-83 (पूर्वाह्न)
2.	एस० एन० गुनाटी	सिक न्दराबाद	बारापानी'	5—8-83 (पूर्वाह्न)
3.	एस० वी० पटनायक	गुवाहाटी	कलकता	11-5-83 (पूर्वाह्म)
4.	एस० आर० रामाचन्द्रन	गुवाहाटी	गोहाटी	3 – 5 ∽ 83 (पूर्वाह्न)
5.	देवेन्द्र सिह्	न(गपुर	नागपुर	3—5—83 (पूर्वीह्न)
6.	ए० युसूफ	हैदराबाद	मदुरे	136 – 83 (पूर्वाह्न)
7.	टी० एस० बिन्द्रा	ब म्ब ई	ब म्बर्ध	2-5-93 (पूर्वाह्म)
	आनन्द आइजक	फरूखाबाद	आर० सी० जी० यू० दिन्ली	195-83 (पूर्वा ह्न)
9.	एस० पी० गूजर	बम्बई	बम्बई	5583 (पूर्वाह्न)
10.	जी० सी० छाबड़ा	जयपुर	सी॰ ए० टी॰ सी॰,इलाहाँबाद	2-7-83 (अपराह्न)
11.	रामधन	ए०सी० एस० दिल्ली	ए० सी० एस०,दिल्ली	28-4-83 (अपराह्म)
1 2-	आ र० के० शर्मा	ए० सी० एस० दिल्ली	मबुरै	24—6—83 (पूर्वाह्न)
13.	. गुरमुख सिंह	प नसोर	ए० सी॰ एस०,विल्ली	167-83 (पूर्वाह्न)
14.	एस० के० सेन	रांची	रांची'	5—5—83 (पूर्वा ह्न)
15.	के० कृष्णम	हैवरांबाद	हैदराबाद	28—5—83 (पूर्वाह्न)
16.	जी०.एस०बल	श्रीनगर	पन्तनगर	12 – 8 – 83 (पूर्वाह्न)
17.	एन० एस० रावत	वारा णसी	बड़ौदा	9783 (अपराह्म)
18.	महेश प्रसाव	एस० सी० पी० डी० जी०	ए० सी० एस०, दिल्ली	30-4-83 (पूर्वाह्न)
		सी० ए०, नई जिल्ली		
19.	आर०एस० परमार	अहमदाबाव	अहमवाबाद	27583 (पूर्वाह्न)
20.	- जे० पी० जै न	वम्बई	बम्बई	5 583 (पूर्वा ह्न)
21.	बी ० बी० का मध	नागपुर	नागपुर	17-6-83 (पूर्वाह्म)
22.	सुदर्शन सिंह	बम्बर्ह	अम्ब र्ह	2-5-83 (पूर्वाह्न)
23.	सी० राधवन	वि जयवाड़ा	मद्रास	28-5-83 (पूर्वाह्न)
24.	व ि एस० नायर	ति वेन्द्रम <u>ः</u>	त्रिनेन्द्रन	16-8-83 (पूर्वाह्न)
25.	एस० एस० भोपटकर	्र बम्ब ई	बम्बर्ष	5-6-83 (पूर्वा ह्न)
26.	एच० एत० मौमिक	गुवाहाटी	राउरकेला	25-5-83 (पूर्वाह्न)
27.	एस० सी० शर्मा	ए० सी० एस० दिल्ली	ए० सी० एस० दिल्ली	284-83 (पूर्वा ह्म)
28.	सी० पी० छाबड़ा	बे नुगांव	अहमवाबाद	30 – 6 – 83 (पूर्वाह्म)
29.	जे० बी० गुहा	जमगेदपुर	क्षिल च र	25-7-83 (पूर्वाह्न)
30.	बी० डी० संघल	ल खनऊ	गोवा	25-8-83 (पूर्वा ह ्य)
31.	जागीर सिंह	बम्बई	बम्बर्ष	9-8-83 (पूर्वा ह्न)
	ए० वी० जुम्हे	धम्ब६	वाशिम	30-7-83 (पूर्वाह्न)
	एस० एस० बुद्धिराजा	आर० सी० डी० यू०,	आर० सी० डी० यू०	15-6-83 (पूर्वाह्न)
	-	नई विल्ली	नई दिल्ली	
34.	जे० भट्टाचार्जी	कतकता	कलकत्ता	29-8-83 (पूर्वाह्न)
	श्रीमती के० एम० खोट	इ न्द ीर	इ न्दौ र	3-9-83 (पूर्वाह्न)

ओ० पी० अग्रवाल, सहायक निदेशक प्रशासन, कृते महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनोक 15 मितम्बर 1983

सं० ए०-32013/1/82-ई० डब्स्यू०--राष्ट्रपति ने श्री सुब्रम्हमण्यन, सहायक विद्युत यांत्रिक अधिकारी को दिनांक 12 फरवरी, 1983 से छः मास की अविध के लिए अथवा पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, विद्युत एवं यांत्रिक अधिकारी के ग्रेड में तदर्थ आधार पर नियुक्त किया जाता है।

- 2. इस तदर्थ नियुक्ति के फलस्वरूप वे नियमित नियुक्ति का दावा करने के हकवार नहीं होंगे तथा तवर्थ आधार पर की गई सेवान तो इस ग्रेड में वरीयता के लिए और न ही अगले उच्चलार ग्रेड में पदोन्नति की पानता के लिए गिनी जाएगी।
- 3. श्री एन० सुब्रम्हमण्यन को क्षेत्रीय निदेशक का कार्यालय मद्रास क्षेत्र नागर विमानन विभाग, मद्रास में तैनात किया गया है।

सं० ए० 32013/1/83-ई० डब्स्यू०--राष्ट्रपति ने श्री एल० सी० गुप्ता, सहायक निदेशक उपस्कर को दिनांक 20 अगस्त, 1983 के पूर्वाल्ल से छः मास की अवधि के लिए अथवा नियमित नियुक्ति के लिए संघ लोक सेवा आयोग द्वारा अनुशासित उम्मीदवार उपलब्ध होने तक, इनमें से जो भी पहले ही, ६० 1500-60-1800 के वेतनमान में उप नियेशक उपस्कर के ग्रेड में तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

- 2. श्री एल० सी० गुप्ता इस तदर्थ नियुक्ति के फलस्वरूप नियमित नियुक्ति का दावा करने का हकदार नहीं होगें तथा तदर्थ आधार पर की गई सेवा इस ग्रेड में न तो वरीयता के लिए और न ही अगले उच्चत्तर ग्रेड में पदोन्नति की पान्नता के लिए गिनी जाएगी।
- श्री एल० सी० गुप्ता को विद्युत एवं यांत्रिक वंकशाप, सफदर जंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली में तैनात किया गया है।

ठाकुर दत्त सहायक निदेशक (प्रशासन)

नई दिल्ली, दिनांक 19 सितम्बर 1983

सं० ए० 12025/3/71-ई०-1—इस कार्यालय की दिनांक 8 अप्रैल, 1983 की अधिसूचन। सं० ए० 12025/3/71-ई०-1 के ऋम, महानिदेशक नागर विमानन ने नागर विमानन विभाग में श्री कें के के शर्मा, हिन्दी अधिकारी के पद पर की गई तदर्थ नियुक्ति दिनांक 30-9-1983 तक अथवा पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक इनमें से जो भी पहले हो, जारी रखने की स्वीकृति प्रदान की है।

विनांक 20 सितम्बर 1983

सं० ए० 38013/2/83-ई० सी०--वैमानिक संचार संगठन के निम्नलिखित अधिकारियों ने निवर्त्तन आयु प्राप्त कर लेने पर प्रत्येक के नाम के सामने वी गई तारीख से अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है:—

क नामऔर पवनाम स्टेशन सं०	सेवा निवृत्ति की तारीख
सर्वंश्री	
 के० गणपति चै० सं० स्टेशन मद्रास 	30-6-83
सहायक संचार अधिकारी	(अपराह्न)
2. पी० एन० शर्मा वै० सं० स्टेशन विस्सी	30-6-83
सहायक संचार अधिकारी	(अपराह्म)
 आर० एल० वै० सं० स्टेशन बम्बई 	31-8-83
सुन्दरराज	(अपराह्न)
सहायक संचार	V VI7
अधिकारी	
	ओ० पी० अग्रवाल

ओ० पी० अग्रवाल सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, विनोक 22 सितम्बर 1983

सं० ए० 12026/2/83-ई० एस०---महानिदेशक नागर विमानन ने भी चन्द्रपाल शर्मा को विनांक 2 सितम्बर 1983 (पूर्वाह्म) से दो वर्ष की अविध के लिए प्रतिनियुक्ति के आधार पर नागर विमानन विभाग में हिन्दी अधिकारी के रूप में नियुक्त किया है और उन्हें इलाहाबाद स्थित प्रिंसिपल का कार्यालय नागर विमानन प्रशिक्षण केन्द्र में तैनात किया है।

जगवीश चन्द्र गर्ग उप निदेशक प्रशा०

केन्द्रीय उत्पादन मुल्क व सीमा मुल्क समाहर्तालय बड़ोदरा, दिनांक 22 सितम्बर 1983

सं० 20/1983—श्री वी० डी० बुलवन्वानी सहायक समाहर्ता केन्द्रीय उत्पादन गुल्क (वर्ग "क") मण्डल II अहमदाबाद वद्ववस्था में पेंशन की आयु प्राप्त होने पर दिनांक 31—8—83 के अपराह्म से निवृत्त हो गए हैं।

> एन० बी० सोनावणे समाहर्ता

निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय सीमा शुल्क व केन्द्रीय उत्पादन शुल्क नई दिल्ली, दिनांक 19 सितम्बर 1983

सं० 29/83—श्री एम० एल० गुप्ता ने वार्धन्य के कारण सेवा निवृत्त होने पर निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निवेशालय सीमा मुल्क एव केन्द्रीय उत्पादन मुल्क गाणियाबाद स्थित उत्तर क्षेत्रीय यूनिट से दिनाक 31 जुलाई 1983 के (अपराह्म) में निरीक्षण अधिकारी (सीमा व केन्द्रीय उत्पादन मुल्क) ग्रुप 'ख' के पद का कार्यभार त्याग दिया ।

दिनांक 22 सितम्बर 1983

सं० 30/8 3—भी ६० पी० बन्द्रासे ने जो पहले केन्द्रीय उत्पादन शुरुक समाहर्तालय बम्बई—2 मे अधिक्षक केन्द्रीय उत्पादन शुरुक सुप 'ख' के पद पर तैनात थे निदेशालय के दिनांक 30—7—1983 के पत्र सं० सी० सं० 1041/50/82 के अनुसार निरीक्षण एवं लेखा निदेशालय सीमा शुरुक तथा केन्द्रीय उत्पादन शुरुक के प्र० प्रादेशिक युनिट बम्बई मे बिनांक 2—9—83 (पूर्वाह्र) से निरीक्षण अधिकारी युप 'ख' का कार्यभार सम्भाल लिया।

सं० 31/83—श्री वीर जीर कुमार ने जो पहले कोचीन में सहायक ममाहर्ता केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के पद पर कार्यरन थे वित्त मंत्रालय राजस्व विभाग के दिनांक 26—4—83 के फार संर एर—2212/23/83—प्रशार —2 से जारी आदेश मर 73/83 द्वारा निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय सीमा शुल्क व केन्द्रीय उत्पादन शुल्क बम्बई की पश्चिमी प्रादेशिक एकक में स्थान्तरित हो जाने पर दिनांक 29—8—83 (पूर्वाह्म) से सहायक निदेशाक (मतर्कता) के पद का कर्यभार सम्भाल लिया।

ब० घ० रस्तोगी निरीक्षण निदेशक

निर्माण महा निदेशालय केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली-11, दिनांक 22 सितम्बर 1983

मं० 1/138/69/ई० सी०-9—राष्ट्रपति सहर्प श्री के० आर० जानी वरिष्ठ वास्तुविद् केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग को केवल 1-10-83 से 31-12-83 (अपराह्म) तक 3 माह के लिए सेवा में वृद्धि प्रदान करते हैं।

ए० के० नारंग, प्रशासन उप निदेशक विधि, न्याय और फम्पनी कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय कम्पनी अधिनियम, 1956 और कापुर एण्ड, बाँदा प्राइवेट लिसिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 9 सितम्बर 1983

सं० 23984/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप धारा (5) के अनुसरण में एतद्-बारा यह सूचना दी जाती है कि कापुर एण्ड बांदा प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित कर हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और सिण्डीकेट इन्जीनियर्स प्राइवेट लिमिटेढ के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 9 सितम्बर 1983

मं 328 75/560/(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्— द्वारा यह सूचना दी जाती है कि सिडीकेट इन्जीनियर्स प्राइवेट सिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और वेझाला इन्जीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड के विषय मे

कलकता, दिनांक 9 सितम्बर 1983

सं० 25867/560(5)—कम्पनी आभिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतबृहारा सूचना दी जाती है कि वेझाला इन्जीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

> एस० आर० वीं० वीं० सत्यनारायण कम्पनियों के सहायक रजिस्ट्रार, पश्चिम बंगाल

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

भाषक<u>र विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा</u> 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 सितम्बर 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 201/83-84---यतः मुझे एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 355/1 है तथा जो इनग्रावेली आम नापूरम में स्थित है (और इससे जपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आमला-पुरम, में भारतीय राजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी 1983

को पूर्वेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान तिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त किंधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वासित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

करः अब, उक्स अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्स अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्निलिखिस व्यक्तिसों, अर्थात्:—— (1) कें ० व्हीं ० प्रसाद और अन्य, द्वी, 9वां वार्ड,पालकोली, वेस्ट गोदावरी जिला ।

(अन्तरक)

(2) एन० वेंकटराव पिता वराहालय्या, इनआवेली, आमलापुरम, इस्ट गोदावरी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जात सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीं से 45 दिन की अविध या सस्संबंधी अयिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वाय, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुस्ची

खुली जमीन, विस्तीर्ण 2.52 सेंटस्, आर० एस० नं० 355/1, इनावेली, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 266/83, रजिस्ट्री-कर्त्ता अधिकारी आमलापुरम ।

> एम० जेगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैंबराबाद

दिनांक: 4--9--1983

प्रकप बाद , दी . एन . एस् .- -----

नायकर अभिनियम 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के स्थीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 4 सितम्बर 1983

मिर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 202/83-84---यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 23-11-117 है तया जो विजयवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजयवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय. विजयवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्तरह प्रतिशत से अधिक, है बार अन्तरक (अंतरकार) और अंशरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त न निम्निजिस्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति से वास्त-

- (क) जन्तरम् तं हुई किसी बाय की बायतः, उक्त् जीवित्यसं के जभीन कर वेने के जन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे वचने में स्विधा के शिष्ण; और/वा
- (क) एंसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ करे, विक्त आरतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गमा का या किया जाना आहिए था छिपान में सुनिभा के सिए;

(1) श्रीनिती सीयच मीनिकी पति नारायण राव गव्हरनरपेटा कोदंडा रोमीरेड्डी स्ट्रीट, डी० नं० 29/4/10 विजयवाड़ा।

(अन्तरक)

(2) के० सत्यनारायणा कंडटावारी स्ट्रीट, 24-14-4, दुर्गापुरम, विजयवाड़ा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की जारीख भे 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी म्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जी भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृतारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः च्ह्समें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर संपत्ति, डी० नं० 23-11-117, नागेंग्वर राव पंतूलू, रोड़, विजयवाड़ा, विस्तीर्ग 481 चौ० गज रजिस्ट्री इत विलेख नं० 259/83, रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी विजयवाड़ा ।

> एम० **जेगन मोहन,** सक्षम अधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, **हैंदराबाद**

अतः अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नृक्षित्वत व्यक्तियों, अर्थात् :--

दिनांक: 4-9-1983

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

शायुकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैधराबाध, दिनांक 4 सितम्बर 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 203/83--84----यत. मुझी, एम० जोगन मोहन,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परमात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 693 है तथा जो मंगनिंगी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मंगलिंगरी में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जनवरी, 1983।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल् के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण् है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित्त बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल् निम्न्लिखित उव्वदेश से उक्त मृत्तरण् लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है ---

- (क) ब्रुत्तरण से हुई किसी नाय की नावत उक्त निधु-निवृत्त के अभीत कड़ दोने के ब्रुत्तरक के वायित्व में कभी कड़ने वा उससे दचने में सुन्धिम के लिए; बीड्/या
- (स) एसी किसी आयु या किसी धन था अन्य आस्तियों की, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिभा के सिएं।

ores अन्य अञ्चल स्वीधिकाल स्त्री धारा १६० के से सन्यक्ता

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) क, अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—— (1) टी॰ परवतम्मा और रूलमीनम्मा पति छेट, रामकृष्णय्या, शांतापेट, नेलौर ।

(अन्तरक)

(2) मैं सर्स श्री लक्ष्मी इंटरप्राइजेस, मनेजिंग पार्टनर, जी० एम० शेंकर राव, मगलिगरी, जीं० टी० आर० (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथोंक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मरित के अर्थन के सम्भन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वार अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्दीकरण:--इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन, विस्तीर्ण 448-1/2, चौ० गज मंगलगिरी, डी० नं० 693, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 223/83, रजिस्ट्रीकृती अधिकारी मंगलगिरी ।

एम० जेगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैंदराबाद

दिनांक: 4 - 9 - 1983

प्ररूप . आइ⁵. टी. एन .. एस . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, विनांक 4 सितम्बर 1983

निर्देण सं० आर० ए० सी० नं० 204/83—84→-यत. मुझे, एम० जेगन मोहन,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- खू के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1-37-11 है तथा जो नझरपेटा, तेनाली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यात्रय, तेनाली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक जनवरी, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्न्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरक (जन्तरकों) त्र प्राया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कृथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम् के अधीन कर बने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः आवा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अने अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) के० वेंकटेश्वर राव पिता वसंता लता वेवी, मोडल कालोनी, बी० के० गुडा, है बराबाद ।

(अन्तरक)

(2) पीं क्षुब्बाराय पिता जगन्नाधम, भेड पी वहाई स्कूल, पेदाराऊरू, पेदापूडी, गूटूर जिला ।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, ओं भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- अद्घ किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर संपत्ति, डी॰ नं॰ 1-37-11, टी॰ एस॰ नं॰ 529/14, नझरपेटा, तेनाली, बिस्तीर्ण 465-1/2, चौ॰ गज रजिस्ट्रीकृत विलेख नं॰ 96/83, रजिस्ट्रीकर्त्ती अधिकारी तेनाली।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 4-9-1983

प्रकार आहें.टी.एवं.एवं..

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुवना

भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैं दराबाव

हैदराबाद, दिनांक 6 सितम्बर 1983 निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 205/83-84-यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया हैं), की धारा 269- खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 117-2, 174-2, है तथा जो चीलाकलुरीपेटा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, चीला-कलुरीपेटा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी 1983।

को पूर्वों क्स सम्परित के उचित बाजार मृत्यू से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपरित का उजित बाजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, ऐसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्योग्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक स्थम से किथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण सं हुद् किसी बाब की बाबब, डक्ट् निवृतिस्म के ज्यीन कर दोने के जुन्तरक की दासित्व में कमी करने या दससे व्यने के सुविधा के सिए; बार/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां की जिन्हों भारतीय अाय-कर सृषिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने से स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-एं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) के० रामकोटी रेड्डी और अन्य, पंढरीपुरम, चीला-कलूरीपेटा, गूंटूर जिना ।

(अन्तरक)

(2) बी ॰ सत्त्वनारायणा और अन्य 13, पिता वेंकटकृष्णाय्या, भी नाकल्रीपेटा, गृंटूर जिला ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कर सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोड़ भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताथील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारिक्ष से 45 दिन को भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किएं जा सकोंगे।

स्वक्रीकरण:--इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उत्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगरांची

खुली जमीन, 1-10, एस नं० 117-2, 174-2, चीला-कलूरीपेटा, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3/83, रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी चीलाकसूरीपेटा ।

> एमं० जेगन मोहन, सक्षम अधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, हैंदराबाद

दिनांक: 6-9-1983

मोहर: ँ

प्रकप साई क ही । एन । ग्रह ----

भायकर प्रधिनियम, 1981 (1981 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 6 सितम्बर 1983 निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 206/83-84--पतः मुझे,

एम० जेगन मोहन,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की छारा 269-ख के अधीन संभ्रम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थार मन्पत्ति, जिमका उचित्र वाजार मूल्य 25,000/- क्य से अविक है और

और जिसकी सं० 12-25-76 है तथा जो गूंटूर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्सी अधिकारी के कार्यालय, गूंटूर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक, जनवरी 1983

को पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिप्रांत के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकृत से, ऐने दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बोच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेषयों से उचित अन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) यन्तरण म हुई किमा अग्य की बाबन, उक्त ग्राधिक नियम के भ्रतीन कर केने के अन्तरक के दायिश्व में कभी करने या उसते बची में सुविधा के लिए; भौर/या
 - (स) एसी किसी शाय या किसी धन या अन्य आसिस्ताओं को जिन्हें भारतीय भाय-कर प्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से भृतिया के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थात् :----

(1) पी॰ सूर्यनारायणा पिता सुब्बया सालोविधी, सैकिड लाइन, आरुणदलपेटा, गुंटूर ।

(अन्तरक)

(2) जी० कोटेश्वर राव पिता अनकम्मा, सैंकिड लाइन, कोडीपेटा, गुंट्र ।

(असरिनो)

को यहं सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के शर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

प्राापनाति है अबँग है पन्त्रक्ष में कोई भी पार्क्षण।-

- (क) इस भूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर पूजना की तामील से 30 दिन की अविधि. जो भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (क) इस स्नूनना के राजवत में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर जनत स्वावर सम्पत्ति में हित बद्ध किमी भ्रत्य व्यक्ति क्षारा अक्षोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्कतिकरणः--इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो उन्कत अभिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

वनुसूची

डी० नं० 12-25-76, विस्तीर्ण 700 चौ० गज गुंदूर, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 209/83, रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी गुंदूर ।

एम० जेगन मोहन, सक्षम अधिकारी,, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैंदराबाद

दिनांक: 6-9-1983

नोहर:

प्रकप माई• दी• एन• एस•

आयकर अधिनियम, 1961 (1861 का 43) को धारा 369-ष(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैकराबाद हैकराबाद, दिनांक 6 सितम्बर 1983

निर्वेश सं० आर० ए० सी० नं० 207/83-84--यत मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर धिविनियम; 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'अका अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के मधीन सवाम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूक्ष 25,000/- च॰ से प्रधिक है

और जिसकी सं० 6-6-74 है तथा जो आहणदलपेटा, गुटूर में स्थित है (और इससे उपाबज अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, गुटूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी, 1983

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिये अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्स बन्तरण सिखित में वास्तविक कप से कवित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उसत अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा को चिए; और∕वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के निए;

बतः अब, उका अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में., मैं उक्त अिंकिनयम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्षिण व्यक्तियों, अधीत् हिल्ला (1) एम० जेगन्नाथ राव पिता छेट भिवरामङ्गण्णा, आरदः तपेटा, गुटूर ।

(अन्तरक)

(2) सी० एच० बी० सुब्बा राव पिता नरिसह राव, लक्ष्मी-पुरम, गुटूर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पुर्वीक्त सम्पत्ति के प्रजंत के लिए कार्यथाहियां करता हूं।

खक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राष्ट्रपत्र में प्रकाशन की तारीख हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा स्केंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा गया हैं।

अनुसूची

धर सपत्ति. डी० न० 6-6-74, आरुणदलपूटा, गुटूर, विस्तीर्ण 418 चौ० गज रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 443/83, रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी गृट्टर।

एम० जेगन मोहन, सक्षम अधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, हैवराबाद

विनाक: 6-9-1983

प्रकण् कार्षं . टो . एन् . एस . **********

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के ब्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैंदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 सितम्बर 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 208/83 ·84- -- यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 96/2, है तथा जो तूरंगी काकीनाडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ती अधिकारी के कार्यालय, काकीनाडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम् के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिश्व अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षल , निम्नलिख्त उद्देश्य से उक्त अन्तरम् लिखित में वास्तृविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वानिस्त्र में कभी करने या उससे वृत्रवे में सुविधा के लिए; बार/वा
- (ब) एसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः बन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधार (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 3--286GI/83

- (1) एस० वेंकटराव पिता रेड्डी, तूरंगी काकीनाडा (अग्तरक)
- (2) टी॰ बी॰ कृष्णा रेड्डी, गोलम्मामीवाडा, काकीनाडा (अन्तरिती)

क्षे यह सूचना जारी करके प्वॉक्त सम्परित के वर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संप्रीत के कर्षन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविभिया तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारी कर्स 45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में कितवर्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकोगें।

स्पंद्धीक रणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वम्स्ची

खुली जमीन, तूरंगी गांव, एस० नं० 96/2, विस्तीर्ण 1-75 सेंटस्, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 242 और 243/83, रजिस्ट्री-कर्त्ता अधिकारी काकीनाजा ।

> एम० जेगन मोहन, सक्षम अधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, हैवराबाद

विनांक: 6-9-1983

मोहरू 🚁

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कप्रयासिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैंदराबाद, दिनांक 6 सितम्बर 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 209/83--84---यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जिन्त आजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 118/2बी है तथा जो गोरंट्ला, गुंटूर में स्थित है (और इससे उपाबज़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्याक्ष्य, गूटूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उमके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (जन्तिरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाब्त, उक्त अधिनिय्म के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व मों कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; आर्र/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्यू आस्तियों को जिम्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर मधिनियम, या धन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः अब् उक्त अधिनियम क्षी धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) टी॰ नागरता रेड्डी और अन्य 15 रेड्डीयापालम, गुंट्र, जिला।

(अन्तरक)

(2) बी० गुंदूर को-आपरेटिय हाऊस कंस्ट्रक्शनस् सोमाइटी लि० गुंदूर ।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतार;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्घी

खुली जमीन विस्तीर्ण 7-41-1/2, सेंटस्, डी॰ नं॰ 118/2 2ए, 118/2बी, 119ए, 124/ए, और 307, गोरंट्ला गांव, गुंटूर, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं॰ 428, 431, 432, 483, 487, 488, 490, 491, 566, 500, 502, 518, 556, 559 और 561/83, रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी गुंटूर ।

एम० जेगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

विनांक: 6-9-1983

प्रकथ बाह्र सी एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 सितम्बर 1983

निर्देश मं० आर० ए० सी० नं० 210/83-84 --- यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपिता, जिसका उधित बाजार मृत्य 25,000/- रु. में अधिक हैं

और जिसकी सं० 12-25-18 है तथा जो कोथापेटा, गुंटूर में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुंटूर में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी 1983

को पूर्वों कत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है है ——

- (क) अन्तरण से हुर्द किसी आप की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सृष्टिया के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना वाहिए था, खिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित् व्यक्तियों, अधीत :---

(1) एम॰ रामकोटय्या पिता राट्टय्या, कोमुरु, बापट्ला, गंटर ।

(अन्तरक)

(2) ए० तुलसी रेड्डी करसपोंडंड, स्टेनीस इंगलीश मीडियम मैंद्रीकुलेशन स्कूल, कोथापेट, गुंटूर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के हिल्ए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृशीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्यक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरण:---इसमे प्रयुक्त शृथ्यों औ<u>र</u> पर्थों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हु^क, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर संपत्ति डी० नं० 12-25-18, कोयापेटा, गुंटूर, 5 वां वार्ड, विस्तीर्ण 868-1/2, चौ० गज रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 396/83, रिजस्ट्रीकृत्ती अधिकारी गुंटूर ।

एम० जेगन मोहन, मक्षम अधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 6-9-1983

मोहरः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की) भारा 269-म् (1) के भुषीन सूचना

भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धाक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाव

हैदराबाद, दिनांक 6 सितम्बर 1983

निर्देश सं० आर० सी० नं० 211/83-84---यतः मुझ, एम० जेगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 117/1, 174/2, है तथा जो चालाकलूरीपेट, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चीला-कलूरीपेट, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान्
प्रतिफल् के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्तृह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीज एसे अंतरण के लिए सय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंत्रण् लिखित
कें बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) जन्सरण से हुइ किसी आय की वाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक भी पायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (व) ऐसे किसी बाव या किसी अनुया बन्धु आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयुक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसीरण कों, मीं, उक्त अभिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) को अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, क्यांत् :---

- (1) के॰ रामकोटा रेड्डी, पढरीपुरम, चीनाकलूरीपेटा, गुंटूर जिला।
- (2) बी० रामसुज्याराव पिता राषवय्या ग्रौर अन्य, चीलाकलूरीपेटा, गुंटूर, जिला। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त, सम्मृति के वर्णन के दिल्ए कार्यवाहियां करता है।

उक्तु सम्पृति के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेपु :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बविध, ओं भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रायः;
- (ह) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वे पास लिसित में किए जा स्केगे।

स्यष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या हैं।

मम्स्वी

खुली जमीन श्री० नं० 117/1, ग्रौर 174/2, चीला-कलूरीपेटा, विस्तीर्ण 1 एकर, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 18/83, रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी चीलाकलूरीपेटा,

> एम० जेगन मोहन, सक्षम अधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 6-9-1983

प्ररूप आर्घ.टी.एन.एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैवराबाद हैदराबाद, दिनांक 6 सितम्बर 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 212/83-84-यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 969/1, है तथा जो गुंटूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुंटूर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक, जनवरी 1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्इ है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच तय पाया गया एसे अंतरण के लिए प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधितियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिषाने में सूविधा के लिए;

जतः अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अर्थात् :—- (1) श्री पी० नागेक्वर राव पिता श्रीरामुलू, बूडमपाडू, गुंटूर ।

(अन्तरक)

(2) नेमीचंव श्रौर अन्य, संगीडीगुंटा, गुंटूर जिला । (अन्तरिती)

उक्त संपरित को अर्जन को संबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीक रण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह³, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि बिस्सीर्ण 1.68 एकर, गुंटूर, डी० नं० 96/1 रिजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 273, 274 श्रौर 276/83, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी गुंटूर ।

एम० जेगन मोहन, सक्षम अधिकारी. सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, हैदराबाव

दिनांक : 6−9-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 सितम्बर 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 213/83-84-यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

धौर जिसकी सं० 16-3-5, धौर 6 है तथा जो गुंटूर में स्थित है (धौर इसने उगाबद अनुपूत्री में धौर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, गुंटूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी, 1983

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ष्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री के० सत्यनारायणा श्रौर अन्य पिता लेट आचय्या, पोटूक्वारी तोटा, नीसरी लाइन, गुंटूर-2, (अन्तरक)
- (2) पी० अकम्मा राव पिता श्रंजनेयुलु, डी० नं० 16-3-5, गुंटूर । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिए;
 - (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानार संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पच्छीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थहोगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर संपत्ति, डी० नं० 16-3-5, श्रौर 16-3-6, गुंटूर विस्तीर्ण 621-1/2 चौ० गज रिजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 563/83 रिजिस्ट्रीकर्त्ती अधिकारी गुंटूर ।

एम० जेगन मोहन, सक्षम अधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (हैदराबाद) अर्जन रेंज, हैक्राबाक्ष

दिनांक: 6-9-1983

मोहर 🛭

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 6 सितम्बर 1983

निर्वेश सं० आर० ए० सी० नं० 214/83—84—यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 58-5-1, है तथा जो श्रोंगल म स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्रोंगल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जनवरी 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के रूष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूष्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तिक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) बी॰ रामाराव धौर अन्य, फादर्स रोड़, स्रोंगल, (अन्तरक)
- (2) पी० वी० शिवनारायणा नरसिंह पिता वेंकटा सुब्बा राव गांधी रोड़, श्रोंगल,

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख म 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा गर्कोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

घर संपत्ति डी॰ नं॰ 58~5-14, विस्तीर्ण 326 ची गज रजिस्ट्रीकृत विलेख नं॰ 100, 101/83 रजिस्ट्रीकर्त्ता अधि-कारी भ्रोंगल,

> एम० जेंगन मोहन, सक्षम अधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, हैदराबाव

दिनांक: 6-9-1983

प्रथम बार्च, ही, न्त, एस. ********

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर माय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 सितम्बर 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 215/83—84—यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

नायकर निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त बीभीनयम' कहा गया हैं) की भार 269-च से नभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 6-46 है तथा जो कंड्ंकूरू में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, कंडुकुरु में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त स निम्नीलिक उद्देश्य से उकत कनारण लिकिन में बास्त-विक रूप से कथित मूही किया का हैं---

- (क) जन्तरण वं हुई किसी आनं की नावत सनत निध-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने वा उक्ते क्यने में तुनिधा के लिने; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) सी० एच० कोटम्मा पति सुब्बय्या सेंटी विद्यानाधा मुडाली स्ट्रीट, मद्रास-1

(अन्तरक)

(2) पी० बी० सुध्वय्या, पेदा ब्रांझार, कंडकुरु, प्रकशम जिला ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथेक्ति संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस स्वाम के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर स्वाम की तामील से 30 दिन की अवधि, जांभी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से
 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी को
 पास निकार यो किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुवत शब्धां और पद्यों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया पदा हैं।

अनुसूची

इमार विस्तीर्ण 207-1/2, चौ० गज डी० नं० 6-46, कंड्रकुरू, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 29/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कंडुकुरु।

> एम० जेगन मोहन, सक्षम अधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 6-9-1983

मोहरु 🖫

प्ररूप आईं. टी. एन एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय., सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 सितम्बर 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 216/83—84——यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 161/3 है तथा जो तूरगी काकीनाडा में स्थित है (श्रीर इससे उपाद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, काकीनाडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी 1983।

को पूर्वीक्त सम्मत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंग्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उज्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में किमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात्:——
4—286GI/83

- (1) श्री एम० रामवद्ग रेडडी स्नीर अन्य, गोत्रामामीदाडा, काकीनाडा, इस्ट गोदावरी ।
- (2) श्री मोहम्मद शममुद्दीन पिता मोहम्मद जनालूदीन, नीयर 11 टाऊन, पोलीस स्टेशन नूकलम्मा स्ट्रीट, काकीनाडा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

भूमि विस्तीर्ण 1 एकड, 50 सेंटस०, तूरगी गांव, एस० नं० 161/3, रजिस्ट्रीकृत किलेख न० 176, 202 श्रीर 95/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी काकीनाडा ।

> एम० जगन मोहन, सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद

विनाक: 6-9-1988

प्ररूप आहूर. टी. एन. एस.----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) की अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर घायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैंदराबाद हैदराबाद, दिनांक 6 सितम्बर 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 217/83-84--यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है स्थावर सम्पित्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 1-10-12 है तथा जो श्रीरामनगर, काकी-नाडा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, काकीनाडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रितफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिषक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः शव, उपत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:---

(1) श्रीमती पी० सुभ्रता पति वेंकटा चलपतिराव, श्री रामनगर, काकीनाडा ।

(अन्तरक)

(2) श्री सी० एच० जानकीराम प्रसाद पिता श्री भास्कर राव, वेंम्पती वारी स्ट्रीट, काकीनाडा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्ति में से किसी व्यक्ति इदार;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक्ष्भ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा जभोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हुँ।

अनुसूची

इमारत नं० 1-10-12, श्रीरामनगर, काकीनाडा, विस्तीर्ण 204 चौ० गज रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 592, 713 श्रौर 593/83, रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी काकीनाडा ।

एम० जेगन मोहन, सक्षम अधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 6~9−1983

मोह्रर:

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैपरबााद, विनांक 6 सितम्बर 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 218/83-84---यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 483 है तथा जो ताडेपल्लीगृडम में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, ताडेपल्लीगुडम में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी, 1983।

को पूर्वोक्त सम्मिरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिपक्त के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्मिरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सो, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय गा किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूतिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीत, निम्नुलिख्त व्यक्तियों, स्थीत :—

(1) श्री एन० विरराघवल् श्रौर अन्य पिता आ**नक्षा**, ताडेपल्लीगुडम ।

(अन्तरक)

(2) कें ० धर्मराव पिता विरभद्राराव, दी मीलर्स एजूकेशनल एंड कल्चरल सोसाइटी वेस्ट गोदावरी जिला, ताडेपल्लीगुडेम ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए या सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, खो उच्या अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

483 खुली जमीन, विस्तीर्ण 5 एकर, 89 सेंटस, काडेरू नलाजेरला रोड़, ताडेपल्लीगुडेम, आर॰ एस० नं० रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 305/83, रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी ताडेपल्लीगुडम ।

> एम० जगन मोहन, सक्षम अधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, **हैदराबाद**

दिनांक: 6-9-1983

प्ररूप साइ. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैंसराबाद हैदराबाद, दिनांक 6 सितम्बर 1983

निवेश सं० आर० ए० सी० नं० 219/83-84-एम० जगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों का, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० 9-2-19 है तथा जो रेलपेटा गूंटूर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुंटूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंग्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नुलिखित उद्देष्य से उचत अन्तरण लिखित में वास्तिक क्य से किथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा केलिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

मतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप्धारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तित्यों सर्थात्—ः

(1) श्री वी० एल० नरसिंह शास्त्री ग्रौर अन्य 2, रेलपेट, गुंटूर।

(अन्तरक)

(2) श्री टी० बी० श्रंजाय्यापिता श्रीरामुलू, रेलपेट, गुंटूर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोड़ भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारील सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा:
- (च) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारी च सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्ब द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे:

स्पव्यक्तिरणः-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, आं अक्ट्र अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुस्ची

घर संपत्ति, डी० नं० 9-2-19, रेलपेट गुंटूर, विस्तीर्ण 144 घौ० गज रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 259/260 घौर 265/ 83, रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी गुंटूर ।

> एम० जेगन मोहन, सक्षम अधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 6-9-1983

प्ररूप आहाँ.टी.एन.एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद दिनाफ 6 सितम्बर 1983

म० आर० ए० सी० नं० 220/83-84-यत मुझ एम०

जंगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)., की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० 299 है तथा जो नल्लाजरला. यलक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, यलूह में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक जनवरी, 1983।

को पूर्वोक्त संपित्त के उषित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उषित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एंसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रातिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत्थः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभीत् :--- (1) श्री बी॰ बालाराम मूर्ति और अन्य, आटीली, बेस्ट गोदावरी ।

(अन्तरक)

(2) श्री वी ० स्वक्त या और अन्य 4 श्री वेकटण्वर राइस मिल, नलाजरला, ताडेपल्लीगुडम, वेस्ट गोदावरी जिला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सपित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हू।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी **स से**45 दिन की अविधि या तत्संवधी अविकास पुर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्ण।

स्पष्टीकरण.--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुस्ची

खुली जमीन, विस्तीणं 15 सेटस्, मील का परीसर टीन शड हूलर के साथ, आर० एम० न० 299, नलाजेरला, तोडे-पल्लीगुडम, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 472/83 रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी येलूर ।

> एम० जगन मीहन, सक्षम अधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनाक: 6-9-1983

मोहर 😢

प्ररूप आई.टी. इन. एस. -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 6 सितम्बर 1983 निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 221/83-84--यत: मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 9/1, है तथा जो इथामपुडी पेनूगोंडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पेंनूगांडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी, 1983।

की पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास काने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, एसे दृश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिकास अधिक है और अन्तरक (अन्तरकॉ), और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफाल, निम्निलिखित उद्दोश्य से उच्त अन्तरण जिल्ला में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के तिए; और/या
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ कों, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

ज्ञतः भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (♦) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध-

- (1) श्री आर० नागेम्बर राव और अन्य पिता लक्ष्मी-नारायण आयाथमपुडी सूगर्स लि० पालकोलू। (अन्तरक)
- (2) श्री एस० रामकोटेक्वर राव पिता पेराजू, पेनुगोंडा, तनूके वेस्ट गोदावरी जिला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इस से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी ज्याबितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ज्याबितयों में से किसी ज्याबित ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्तिं में हित-वर्ष किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्पव्यक्तिरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

-

बंजर भूमि, विस्तीर्ण 3 एकर, भूमि 0 एकर, 34 सेंटस्, आर० एस० नं० 9/1, इथमपूडी, गांव, तनूकू, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 65/83, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी पेनुगोंडा ।

एम० जेगन मोहन, सक्षम अधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, हैदराबाद

विनांक: 6-9-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक भागकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाव, दिनांक 6 सितम्बर 1983

निर्वेश सं० आर० ए० सी॰ नं० 222/83-84-पतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 4-15 है तथा जो संगीत थियेटर ऊंडी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ऊंडी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यभापवोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकाल से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी भन या अस्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः शब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हि—

- (1) श्री के० रामा राव और अन्य, आकीबीडू, वेस्ट गोदावरी !
 - (अस्तरक)
- (2) श्री अहमद समसूद्दीन केर आफ संगीता थियेटर, आकिविड्, और अन्य एक ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्षं) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकेंगे।

स्पर्काकरणः --- इसमें प्रयुक्त शन्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

घर संपत्ति, छी० नं० 4-15, संगीत थियेटर, आकीविडू विस्तीर्ण 2640~1/2 घी० गज रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 184/83 185/83 रिजस्ट्रीकृती अधिकारी ऊंडी ।

एम० जेगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

विनांक: 6-9-1983

मोहर 🗓

प्ररूप आई दी. एच. एफ. ------

आयकार अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 6 सितम्बर 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 223/83-84--यतः मुझे एम० जेगन मोहन ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रू. से अधिक है

और जिसकी सं० 5 है तथा जो सोमवारपाडू यूलक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय यूलक मे भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक जनवरी 1983।

को पृषों क्स संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के ६२४ मान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृदयमान प्रतिफल से एसे दृदयमान प्रतिफल के पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिशत उद्वेदिय से उसत अन्तरण निश्वित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-केर अधिनिया, 1057 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपान में सूविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु :—→ (1) श्री मल्यापू रेड्डी रामू पिता वेंकटराव गांधीनगरम येलरू ।

(अन्तरक)

(2) प्रसीडेंट दि येलूरू को-आपरेटिव बिल्डींग सोसाइटी लि० चाणक्य कालोनी रामचन्त्रारात्र पेट येलूरू वेस्ट गोदावरी जिला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यबाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जनु के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ब से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राअपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बस्थ कि.मी अन्य व्यक्तिन व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

बंजर भूमि विस्तीर्ण 3.90 एकर सोमवारपाडु आर० एस० नं० 5 रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 281/282/83 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी येनुरू।

> एम० जेगन मोहन मक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)-अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 6-9-1983

प्ररूप बाधै.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर वाय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैवराबाद, दिनांक 6 सितम्बर 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 224/83-84-यतः मुझे एम० जेगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 512 है तथा जो भीमावरम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भीमावरम मे भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मूभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरिकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल मैननलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृत्रिधा के लिए, और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हां भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन. निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 5-286G1/83

(1) श्री एम॰ रामराव और अन्य पिता नागराजू आपूस्वामी कोइर स्ट्रीट मद्रास ।

(अन्तरक)

(2) प्रसीडेंट दि भीमात्ररम एजूकेशनल ोानाइटी सोसाइटी वार्ड नं० 20 भीमात्ररम--1

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति क अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील है 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास कियों जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया ग्या है।

अनुसूची

बंजर भूमि विस्तीर्ण 7-22-1/3 एकर, भीमाधरम, आर० एस० नं० 512 और 514/1, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 252, 264, 265, 278-569, 627/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भीमावरम ।

एम० जेगन मोहन, सक्षम अधिकारी, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 6-9-1983

मोद्धर :

प्ररूप वार्ड. टी. एत. एस. - - = =---

नामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैवराबाद हैवराबाद, दिनांक 6 सितम्बर 1983 निर्देश सं० आर० ए० सी॰ नं० 225/83-84-यतः मुझे, एम० जोगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25.,000/- रा. से अधिक ही

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिश्त उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत, उक्त 'अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुजिधा के किए; और/या
- (क) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यार प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-में की उपभारा (1) के अभीन, निस्निलिखित व्यक्तियों, अथीत्:— (1) श्री एन० वी॰ राजूस पिता बुचीराजू मोगलू, भीमा-वरम, वस्ट गोवावरी जिला ।

(अन्तरक)

(2) मैं सर्स अस्टा पेपर मिल्स लि॰ वेंड्री, भीमावरम, वेस्ट गोवावरी जिला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थाना के राज्यन में प्रकाशन की तारी हा से 45 बिन की अविधि वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 बिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वाम के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वक्रीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसल अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जी उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

बंजर भूमि विस्तीर्ण 3-56 एकर, मोगलू, आर० एस० नं० 787/1, और 3, 793/1, और 2, रजिस्ट्रीकृत विलेख सं 239, 240, 241, 199/83, रजिस्ट्रीकृत अधिकारी भीमावरम

एम० जेगन मोहन, सक्षम अधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनोक: 6—9—1983

प्रकप शाइ. टी. एन. एस. -----

नावकार् अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के अभीत स्नाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 13 सितम्बर 1983

निवेश सं० ए० सी० एस०आईसें/रेंज-4/कल०/83-84— यसः मुझे एस० के० चौधुरी,

आयक र अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 का अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अभिक हैं

और जिसकी सं० है सथा जो मौजा, गांव थाना मालिपांचघरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक 29-1-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्ति, रत की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृष्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिषात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और जेत-रिती (अंतिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चेश्यों से उक्त अंतरण निचित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी कर्ने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/का
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था विध्या आना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचित्र व्यक्तियों, अर्थात् :—

- 1. (1) सरजित कुमार
 - (2) इन्द्रजीत सेषिया,
 - (3) मालकावति,
 - (4) बिमला अरोरा,
 - (5) महेन्द्रसि चावला

(अन्तरक)

2. श्रीमती पुष्पदेवी, भाहोदिया

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाच लिखित में किए जा सक्ति।

स्पद्धीकरणः --- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्वां का, जौ जनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय भी दिया गया है।

वन्सूची

जमीन 11 काठा, 8 छटाक, 32 स्का० फीट, जमीन के साथ मकान, पता : मौजा, गांव थाना, मालिपांचधरा, जिला सबड़ा, दलिल सं० 1983 का 794

एस० के० चौधुरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, कलकत्ता-16

तारीख 13-9-1983 मॉहर:

प्रारुप् नार्षं .टी .पन् .पन .--------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्याजय, सहायक आयकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4,

कलकत्ता, दिनांक 13 सितम्बर, 1983 निदेश सं० ए० सी० एस० आई०/रेंज-4/कल०/83-84---यतः मुझे एस० के० चौधुरी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पोत, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 35 है, तथा जो जलापाहार रोड, वार्जिलिंग में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 13-1-1983

को पूर्वोक्त सम्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरितो (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वाने के अन्तरक के वायित्व मा कमी करने या उससं बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय भा किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भग्रतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था क्षिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की जन्सरण मो, मी उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा ---(1) को अधीन निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थाल् क्ष---- 1. बेंगाल नेशनल टेक्टसटाइल मिल्स लि०

(अन्तरक)

2. कांकारिया फिनानस कारपोरेशन,

(अन्तरिती)

कां वह स्वना वारी करके प्रांक्त सम्पत्ति के अर्थन के निष् कार्यनाहिया शुरू कारता हुं।

जस्त सम्पन्ति के अर्जन के सम्बन्ध भा कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिकित में किए जा सकोंगे।

स्पष्डीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसुची

जमीन 107, काठा जमीन का साथ मकान पता: 35, जलापाहार रोड, जिला दार्जिलिंग, दिलल सं० 1983 का 321।

एस० के० चौंधुरी, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 4, कलकत्ता

तारीख 13-9-1983 मोहर : प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के स्थीन सुवना

शारत सरकार

कार्यालय, सहाय्क आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4,

कलकत्ता, दिनांक 8 सितम्बर, 1983 निर्देश सं० ए० सी० /रेंज-4, कलक०/1983-84-- यतः मुझे एस०के० चौध्री

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिजसकी सं० 5/2 है, तथा जो प्रासिटन प्लेस, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता, अधिकारी, के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 28-1-83

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्मान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जनसदुष् चं हुइ किसी नाम की नान्त्, जनस् अर्थितम्ब मी नशीन कर धने के नन्तरक के वाधित्व में कुनी करने वा उससे वृत्रने में सुविशा के लिए; ब्रीड/का
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, पूज्नहें आद्रतीय आवु-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, छिपाने में स्विधा के अध्यः

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1), अधीन, निम्निसिक्त स्थिक्तयों, अर्थात् ह---

- श्री अब्दुल आलि हुसैनभाई खायेहुरूल्ला, और दूसरा, (अन्तरक)
- 2. उमांग टिकमानि ।

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके प्वाँक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप: --

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जा भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस भूकान के राजपन्न में प्रकाशन की तारीक हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टोकरण:---हममें प्रयुक्त शब्दों और त्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय भें दिया गमर है।

अनसची

5/2, ग्राहटिन प्लेस, कलकत्ता। 2-के, 3 छ० 37 स्ववा० फीट जमीन। साथ मकान (1/4 शेयर)।

> एस० के० चौधुरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 3, कलकत्ता

तारीख 8-9-1983 मोहर ब प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अंशीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 8 सितम्बर, 1983 निर्देश सं० ए० सी०/रेंज-4,/कल०/83-84—अतः मुझे,

एस० के० चौधुरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 5/2 है, तथा जो प्रासिटन प्लेस, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सारीख 28-1-1983

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रितिक के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रितिक ले ऐसे स्वयमान प्रितिक का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक ल, निम्नलिखित उच्चेत्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्न लिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. श्री अब्दुल अ।लि हुसैन भाई, खायेस्टला

(अन्तरक)

2. श्री हर्ष बर्धन ढिकमानि

(अन्सरितीः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन से लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थितताों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

नमृत्यी

5/2, ग्रासटिन प्लेस, कलकता। 2क० 3 छ० 37 स्कवा० फीट जमीन के साथ मकान (1/4 शेयर)।

> एस० के० चौधुरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्ट (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

तारीख 8-9-1983 मोहर: त्ररूप नाइं. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-∏I, कलकत्ता

कलकत्ता, विनांक 8 सितम्बर, 1983

निदेश सं ० 1323/एक्यू०-आर०-III/83-84--अतः मुझे, एस० के० चौधुरी,

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 5/2 है, तथा जो ग्रासटिन प्लेस, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 28-1-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत में अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या मन्य मास्तियों को,
 जिन्हें भारतीय मायकर मिनियम, 1922 (1922
 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर मिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य
 पर्नारती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
 जल्ल नाहिए था, किसाने में युनिया के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री अब्दुल आलि हुसैन भाई, खाये रूल्ला

(अन्तरक)

2. श्री नृपेन्द्र कुमार टिकमानि ।

(अन्सरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ववारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्तबद्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा स्केंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, तो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

5/2, ग्रासटिन प्लेस, कलकसा। 2 क० 3 छ० 37 स्क्या० फीट जमीन साथ मकान। (1/4 षोयर)।

एस० के० चौधुरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

तारीख 8-9-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की) धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 8 सितम्बर, 1983 निर्देश सं० ए० सी० व्यू०/रेज-III/83-84—अतः मुझे, एस०के० चौध्री

बायकार अधिनियमः, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परधात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 5/2 है, तथा जो ग्रासटिन प्लेस, कलकत्ता में स्थित है (और इसमें उपाबंध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 28-1-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और स्फे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (च) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह³ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः— 1. अब्दलअलि हसैनभाई खायेम्हला

(अन्सरक)

2. श्री शिव कुमार टिकमानि

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त, सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अम्स ची

5/2, ग्रासटिन प्लेस, कलकता । 2 कं ० 3 छ० 37 स्क्वा० फीट जमीन के साथ मकान (1/4 शेयर) ।

एस० के० चौधुरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

तारीख : 8-9-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 8 सितम्बर 1983

निदेश सं० 1320/एसीक्यू०-आर०-III/83-84---ग्रतः मुझे, एस० के० चौधुरी

कारकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चीत् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 203 है तथा जो आचार्य प्रफुल्ल चन्द्र रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 21-1-1983

करं प्वेंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के श्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा क लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- 6--286GI/83

1. श्री अफ्त दस

(अन्सरक)

2. श्री रिनादास और दूसरा ।

(भन्तरिती)

 श्री विरेन्द्रनाथ दास, हनुमान दास रंगा,

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कररता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस स्थाना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीश्व से 45 दिन को भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं., वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

203, आचार्य प्रफुल्ल चन्द्र रोड, कलकत्ता। 5 कट्टे जमीत के साथ मकान । दलिल सं० 541 ।

> एस०के० चौघुरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

तारीख 8-9-1983 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस.,-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकता
कलकत्ता, दिनांक 13 सितम्बर, 1983
निर्देश सं० टी० आर०-14/83-84/एस० एल० 77 2/माई०
ए० सी०/एक्यू०-आर०-I/कल०/—यतः मुझे, एस० के० चौधुरी
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके परनात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृल्य
25.,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० है तथा जो 4 विक्टोरिया टेरास, और 4 प्राचार्य जगवीश चन्द्र बोस, रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबड अनुसूची भें और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय एस० आर० ए० कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक 17-1-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और म्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबस्, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अल्प आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीचः निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री अमर नाथ राय एण्ड अवर्स

(अन्तरक)

2. डा० सुबीर कुमार चटर्जी तथा धन्य

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में दिये था सकने।

स्थाक्तीकारण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषितः है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जो डीड नं० 526,अनुसार 17-1-83 की तारीख में भार० ए० कलकत्ता में रिजस्ट्री हुआ।

> एस० के० चौधुरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-III, कलकत्ता

ता**रीख : 13**-9**-1983**

प्ररूप मार्ड. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-ज् (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धाक्ष्ण) अर्जन रेंज,-III, कलकत्ता कलकत्ता, विनांक 12 सितम्बर, 1983

निदेश सं० टी० आर० 22/ए०सी० क्यू०/रेज-I/83-84/773-धतः मुझे, एस० के० चौधरी

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्म्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मूस्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 70 है, सथा जो रिपन स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (और इससे छपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० अंर० ए०, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 27-1-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आयकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन फर देने के अंतरक के वायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्सियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कक्तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. मल० हानिफ एंड अदर्स

(अन्सरक)

2. श्री सबुरान्नेवा एंड मेहेसन्नेवा

(अन्सरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्स सम्मित्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप : --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यागः;
- (का) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में अन्य किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुस्ची

70, रीपन स्ट्रीट, कलकत्ता में अवस्थित, 2 कट्टा, 4 छटांक 30 वर्ग फिट, जमीन पर दो शल्ला मकान जो दिनांक 27-1-83 तारीख में डीड नं० 686 के अनुसार, एस०आर० ए० कलकत्ता के दफतर में रिअस्टर हुआ है।

> एस० के० चौधुरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्राथकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

तारीख: 12-9-1983

प्रवासाई० टी० 'न० ग्राच--

मायकर म्रिवियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मिन्नीत सुचाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 13 सिसम्बर, 1983

निदेश सं० टी शार०-9/83-84/सं० 774/आई० ए० सी श्रिय् शार-1/कलकता—यहः मुझे एस० के० चौधुरी प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (असे इसमें इसके प्रचात् 'खन्त अधिनियम' कहा प्याहै), की धारा 269 ख के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी की पह विश्वास करने का कारण है कि स्याजर सम्पति, जिपका उवित जाजार मूख्य 25,000/- व० से अधिक है

और जिसकी सं० 54 है, तथा जो सैयद आमीर भालि एमिनिठ, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीवर्ता अधिकारी के कार्यालय आर० ए० कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 21-1-1983

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मृश्वे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत जवत अधि-नियम के अधीन कर धोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या जससे बचने में सुविधा के लिये; और/यः
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

1. श्री सईयद् मह० जाफर एन्ड अवर्स ।

(अन्तरक)

2. दर्शन सिंह, कोहली

(अन्सरिती)

को यह सुचना जारी करक पूर्वीका सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप !--

- (क) इस सूचना के राजाश्च में प्रकाशन की तारी ख से 45 विन की अंत्रिध या उत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की शब्धि, जो भी शब्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा।
- (त्र) इस पूजना के राजनत में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर एक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मर्कों ।

स्वध्धे हरमा च-इसम अपूनन शन्द्रों और पदौ का, जो जनत अखिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही भवें होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

54, सईद आमिर आली, एमिनिड में अवस्थित सम्पत्ति जो 21-1-83 की तारीख में डीड नं० 548 के अनुसार आर० ए० कलकत्ता के दफ्तर में रजिस्ट्री हुआ।

एस० के० चौधुरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुमर्ण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख: 13-9-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

कामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-स (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

कलकत्ता, विनांक 14 सितम्बर, 1983

निदेश संव रावेव एस० सी०/ए० सीव्वयू०/आर-I/कल०/ 83-84/संव 775---यतः, मुझे, एस० के० चौध्री

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 66 है, था जो तिजजला रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एस० आर० ए० कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 13-1-1983

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे नचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था., छिपाने भें स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री पार्था सार्थि बैनजी तथा अन्य

(अन्तरक)

2. श्रीमती सैरा बेगम, तथा जुबेर अहमद

(अन्तरिती)

3. किरायेवार

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्तिहै)

को यह स्वना जारी करके पृशांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वों करा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितवर्ष किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिन्दित में किए का सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं वृधि होगा जो उस अध्याय में दिल्ह गया है।

अनुसूची

66, तिनजना स्ट्रीट कलकत्ता में अवस्थित 11 कट्टा, जमीन और स्टाकचर जो डीड नं० 310 अनुसार एस० आर० ए० कलकत्ता के वफ्त रमें 13-1-83 की तारीख में रजिस्टर हुआ।

> एस० के० चौधुरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज III, कलकत्ता

तारीख: 14-9-1983

प्ररूप आई. दी. एन्. एस्.-----

सायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भारा 269-म (1) के मधीन स्वना

भारत सरकार

कार्बालय, सहायक काथकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 सितम्बर 1983

निर्देश सं० टी॰आर०-1/आई०ए०सी/ए०सी॰क्यू०/आर-I/कल०/83-84/सं० 776---यत: मुझे, एस० के० चौधुरी,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 97 है, तथा जो पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आर० ए० कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 20-1-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्यें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफस, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण जिल्कित में बास्तीक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में स्विधा के सिए; और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन वा अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था छिणाने में सविधा की लिए;

अतः अव, उक्त अधिनीयमं की धारा 269-गं के, अनुसरणं में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (1) के अधीन, निम्निल्खित व्यक्तियों अधित् :— 1. श्रीमती अनुश्री पाल

(अम्तरक)

2. श्रीली प्रोजैक्डस प्रा० लिमिटेड

(अन्तरिती)

3. टेनेन्डस

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्तिहै)

मने यह सुचला जारी करके पूर्वोक्त संम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्ग।

स्पस्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त श्रुक्तें आरे पक्षे का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

सम्पत्ति जो डीड नं० 482, अनुसार 20-1-83 की तारीख में आर० ए० कलकत्ता के दक्तर में रिजस्ट्री हुआ है।

> एस० के० चौधुरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

तारी**ख**: 13/14-9-1983

प्रक्रम आई. टी. एत. एत. '----

जायकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 14-9-1983

निदेश सं० टी० आर०-2 श्राई०ए०सी०/ए० सी० क्यू/आर-1/ कल०/83-84 सं० 777 --यतः मुझे, एस० के० चौधरी

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 97 है, तथा जो पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यानय आर० ए० कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 20-1-83

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल की लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित के सारितिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क्प) अन्तरण संहुर्श किसी जाम की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अप्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐती किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्कत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग को अनुकरण वॉं, मॉं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— 1. श्री जयश्री मलिक

(अम्तरक)

2[.] जैली प्रोजेक्टस, प्रा० लि०

(अन्तरिती)

टेनेन्ट स

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्तिहै)

को यह सृ**भ**ना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लि**ए** कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्परित को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षोप ∴——

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि यो तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतार पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब्रह्म बर्भ किसी व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/24 हिस्सा सम्पत्ति जो 97 पार्क स्ट्रीट कनकत्तो में अवस्थित और डीड नं० 483 अनुसार, दिनांक 20-1-83 में आर० ए० कजकत्ता के दफ्तर में रजिस्टी हुआ।

> एस० के० चौधुरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

तारीख: 14-9-1983

प्ररूप. आइ. टी. एन. एस. ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकत्त आधृक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज,-I, कलक ।

कलकत्ता, दिनांक 14 सितम्बर 1983

निदेण सं० टी०आर०-3/ग्राई०ए० सी० ए० सी० क्यू०/आर-1/कलक०/83-84/सं० 778--यतः मुझे, एत० के० चौधुरी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिमकी सं० 97 है तथा जो पार्क स्ट्रीट, कनकत्ता में स्थित है (और इनमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यानय आर० ए० कनकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 20-1-83

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निरुवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिका) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए।

अतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्रीमती अर्पणा आटा,

(अन्तरक)

2. डौली प्रोजेक्टस प्रा० लि०

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, औ उन्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्त्ची

सम्पत्ति जो डीड नं० 484 के अनुसार दिनांक 20-1-83 में आर०ए० कलकत्ता के दफ्तर में रजिस्टर हुआ।

> एस० के० चौघुरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

तारीख: 14-9-83

मोहर 🗈

प्रसप भाई। टी। एन। ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1861 का 43) की धारा 269-च (1) के ग्रधीन सूचना

भारत संरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज~I, कलकत्ता

कलकत्ता, विनांक 14 सितम्बर 1983

निदेश सं० टी० घार-4/83-84/एस०एल० 779/घ्राई०ए० सी० एक्पू० आर०-1/कल०—अतः मुझे, एस० के० चौधरी बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 97 हैं तथा जो पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची हैं श्रौर पूर्ण रूप से बिणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आर० ए० कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20 जनवरी, 1983

कां पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृति से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्विध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-िनयम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (का) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

शत अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) ♣ अधीर, निम्निचित्त व्यक्तियों, अर्थात्ः—— —286GI/83 (1) श्री गांति लाल आप्टा।

(अन्तरक)

(2) डिच प्रोजेक्टस प्रा० लि०।

(अन्तरिती)

(वह व्यक्ति) अभियोग में सम्पत्ति है

को यह सूचना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की सर्वीध या तत्सम्बन्धी स्पित्तरा पर स्वना को तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त स्पितराों में से किसी स्पित्त द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उत्तत स्थावर संपत्ति मों हित- विकास किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पष्ट्रीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

भनुस्ची

1/10 हिस्सा सम्पत्ति जो 97 पार्क स्ट्रीट, में भ्रवस्थित है भौर डीड नं० 489 अनुसार 20 जनवरी, 1983 तारीख ; आर० ए० कलकत्ता के वफ्तर में रजिस्ट्री हुआ।

> एस० **के० चौधुरी** सक्षम प्राधिका**री** सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज—I, कलकत्ता

तारीख: 14-9-1983

मोहर 🛚

प्रकृष आहे. टी. एन्. एस्. =----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सुरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर कायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता कलकत्त, दिनांक 14 सितम्बरप् 1983

निर्देश सं० टी० म्रार०-5/83-84/एस० एल० 780/म्राई० ए० सी० एक्यू० आर०-1/कचकत्ता—अतः सुझे, एस० के० चौधुरी मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृष्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सें० 97 है तथा जो पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबच्च अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आर० ए० कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20 जनवरी, 1983

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उषित् बाजार मृत्य से कम के ब्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उषित बाजार मृत्य, उसके ब्रयमान प्रतिफल से ऐसे ब्रयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) सन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आदि/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्याप प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

सतः अस, उक्त अधिनियम की धार् 269 ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को सधीन, निम्निशिवित व्यक्तियों, अर्थाद् ध--- (1) श्री अपूर्व कुमार आप्टा।

(अन्तरक)

(2) डचि प्रोजेक्टस प्रा० लि०।

(अन्तरिती)

(वह भ्यक्ति अभियोग मे सम्पत्ति है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वां क्षत् संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्ति या किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मनुसूची

97 पार्क स्ट्रीट में स्थित है सम्पत्ति का 1/16 हिस्सा जो डीड सं० 490 के अनुसार 20 जनवरी, 1983 तारीख में आर० ए० कलकत्ता के दफ्तर में रजिस्ट्री हुआ है।

> एस० के० चौधुरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

तारीख : 14-9-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, फलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 सितम्बर, 1983

निदेश सं० टी० आर०-6/83-84/एस०एल० 781/प्रार्ह० ए० सी० एक गू० प्रार०-1 कलकत्ता—अतः मुझे, एस० के० चोधरी धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है श्रीर जिसकी सं० 97 है तथा जो पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आर० ए० कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के

अधीन, तारीख 20 जनवरी, 1983
को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के पश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुओ यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्स संपत्ति का उचित बाजार
मृख्य उसके पश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तविक रूप से किथान नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वोने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे ब्चने में सुविधा के सिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सृविधा के लिए;

अतः अवं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-यं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री समिति अरुणा आप्या।

(अन्तरक)

(2) डिच प्रोजेक्ट्स प्रा० लि०।

(अन्तरिती)

(3) किरायेदार (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मस्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित्- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में गीरभाधित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

97 पार्क स्ट्रीट में श्रव स्थित है 1/16 हिस्सा जो 491 डीड नं॰ अनुसार 20 जनवरी, 1983 तारीख में आर॰ ए॰ कलकक्ता के दफ्तर में रजिस्ट्री हुआ ।

> एस० के० चौधरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-, कलकत्ता

तारीख : 14-9-1983

प्रुरूप् **भाइ<u>ँ.</u> टी. एन<u>.</u> एस<u>.</u> ----**

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धिक्षण)

अर्जन रेंज-, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 13/14 सितम्बर 1983

निदेश सं० टी० प्रार०-7/83-84/एस० एल० 782 प्राई० ए० सी० एक्यू० प्रार-1/कलकत्ता—अतः मुझे, एस० के० चौधरी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मत्ति, जिस्का उचित नाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 97 है तथा जो पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (भौर इससे उपाबढ़ अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आर० ए० कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 20 जनवरी, 1983

को पूर्वोंक्त संपत्ति के उचित बाजार भूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपूष्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कृषित नहीं किया गया है है—

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी अपुने या उससे अचने में सूबिधा के हिस्द; अपुर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमुक्ता लाल आया।

(अन्तरक)

(2) इलि प्रोजेक्ट प्रा० लि०।

(अन्तरिती)

(3) टेनेन्टस

(बह व्यक्ति,) जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के शर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शक्षेप ;----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

अनु**स्**ची

97 पार्क स्ट्रीट में स्थित है सम्पत्ति का 1/8 हिस्सा जो डीड न० 492 अनुसार 20-1-1983 नारीख़ में आर॰ ए० कलकत्ता के दफ्तर में रजिस्ट्री हुआ।

> एस० के० चौधरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-, कलकत्ता

तारी**ख** 13/14-9-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एम. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, विनांक 13/14 सितम्बर 1983

निदेश सं० टी० श्रार०-8/83-84/एस० एस० 783 आई० ए०मी० एकप० अपर०-1/कल०——अतः मुझे, एस० के० चौधरी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 97 है तथा जो पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता ; स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आर० ए० कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20 जनवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में नास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तर्ण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-- (1) श्री मोतीलाल आया।

(अन्तरक)

(2) डलि प्रोजेक्टस प्रा० लि०।

(अन्तरिती)

(3)

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति क अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त श्रावितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्दर्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

97 पार्क स्ट्रीट में स्थित है सम्पत्ति का 1/8 हिस्सा जो डीष्ट नं० 493 अनुसार नारीख 20 जनवरी 1983 में आर० ए० कलकत्ता के दफ्तरमें रजिस्ट्री हुआ।

> एस० के० चौधरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज−, कलकत्ता

मारीख : 13/14-9-198**3**

प्ररूप आर्ड्.टी.एन.एस.-----

आयकार जीपनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 13/14 सितम्बर 1983

निवेश सं० टी० आर०-10/83-84/एस०एल० 784 प्राई०ए० सी०एक्यू० ग्रार-1/कल—अतः मुझे, एस० के० चौधरी सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृष्य 25,000/- रु. से अधिक है

औरजिसकी सं० 97 है तथा जो पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री हर्ता अधिकारी के कार्यालय, आर० ए० कलकत्ता में रजिस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20 जनवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निखित उच्चेश्य से उचत अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी नायु की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी नाय या किसी भन् या जन्य जास्तियों करे, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

जतः अब उक्त अभिनियम को भारा 269-ग के अनुसरण भें, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् अस्त्र (1) श्रीमति शिखा आद्वा।

(अन्तरक)

(2) डलि प्रोजेक्ट्स प्रा० लि० ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पव्यीकरणः -- इसमें प्रमुक्त शक्यों और पर्यों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा ओ उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

97 पार्क स्ट्रीट कनकत्ता में स्थित है सम्पत्ति का 1/10 हिस्सा जो सेल डीड सं० 487 अनुसार 20 जनवरी, 1983 तारीख में आर० ए० कलकता के दक्तर में रिजस्ट्री हुआ है।

> एस० के० चौधरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

तारीख : 13/14-9-1983

प्रक्ष आहें. टी. एन . एत . -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुभना

श्रारत ब्रकार

कार्यालय, सहायक बायकार बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, कलकत्ता कलकत्ता, विनांक 13/14सितम्बर 1983

निदेश सं० टी॰ प्रार०-11/83-84 एस० एस० 785 प्राई० ए० सी० एक्यू श्रार-1/कल—अतः मुझे, एस० के० चौधरी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25.000/रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 97 है तथा जो पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आर० ए० किलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का

- 16) के अधीन, तारोख 20 जनवरी, 1983 को पूर्वों कर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुम्ने यह विष्वास करने का कारण है कि यथाप्वों कर संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिचृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का, निम्नलिखित उच्चेष्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तिवक कप से कथित नहीं किया गया है :---
 - (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के यायित्व में कमी करने या उससे वचने में सूबि्धा के लिए; बॉर/या
 - (थ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया आ या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों अर्थात् :—— (1) श्रीमती ए० सेठ।

(अन्तरक)

(2) डलि प्रोजेक्ट्स प्रा० वि०।

(अन्तरिती)

(3)

(बहु व्यक्ति, जिसके अधिभोगमें सम्पत्ति है) को यह सूचना चारी कर्ड पृत्तिक सम्मत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के नर्पन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की समिथ या तृत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, वो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्त्वी

97 पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है सम्पत्ति का 1/10 हिस्सा जो डीड नं० 485 अनुसार आर० ए० कलकत्ता के दफ्तर में 20 जनवरी, 1983 तारीख में रजिस्ट्री हुआ है।

एस० के० चौधरी सक्षम प्राधिकारी सहायकआयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

तारीख : 13/14-9-1983

प्ररूप. आई. टी. एन. एसं. -----

कामकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर '''यक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 13/14 सितम्बर 1983

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 97 है तथा जो पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबब अन्सूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्रार० ए० कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का

16) के अधीन, नारीख 20 जनवरी, 1983

करे पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मृल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृभे यह विष्वास करने का कारण हैं कि स्थाप्बेक्ति सम्पत्ति का उषित बाजार मृल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत., उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, व्यक्ति :---

(1) श्रीमती शिप्रा साहा।

(अन्तरक)

(2) डलि प्रोजेक्ट्स प्रा० लि०।

(अन्तरिती)

(3) Tenants (वह व्यक्ति जिसके मधिभोग में सम्पिति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुर्न।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिकरण: -- इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदौं का, जो उनत अधिनियम के अध्यान 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा आ उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूचो

97 पार्क स्ट्रीट, कनकत्ता में स्थित है। सम्पत्ति का 1/10 हिस्सा जो 20 जन गरी, 1983 की तारीख में आर० ए० कनकत्ता के दस्तर में 488 छीड नं० ग्रनुसार रजिस्ट्री हुग्रा है।

> एस० के० चौधुंरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–I, कककत्ता

तारीखा : 13/14~9~1983

भोहर:

प्रकृप आहे. टी. एन्. एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 13/14 सिनम्बर 1983

निदेश सं० TR-16/83-84/SL. 787 I.A.C. Acq. R-I/ Cal —अतः मुझे, एस० के० चौधरी

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, गह व्हिश्तम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृत्य 25,000/- रूट. से अधिक है

और जिसकी सं० 97 है तथा जो पार्क स्ट्रीट, कनकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आर० ए० कनकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20 जनवरी, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से ए'से इत्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण ते हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बिधनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे ब्यने में सविधा के सिए; ब्रॉड्/बा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्सियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

नतः भव, उक्तं अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, मिम्निसिक्त व्यक्तिस्यों, अधीत्:——
8—286GI/83

(1) श्री सोभन लाल आदु।

(अन्तरक)

(2) डलि प्रोजेक्ट्स प्रा० लि०।

(अन्तरिती)

(3) Tonants (वह व्यक्ति जिसके प्रभिभोग में सम्पति है)

को यह सूचना जारी कारके पृशाकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप ध--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- विश्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, को अध्याय 20 का में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

97 पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है। सम्पत्ति का 1/10 हिस्सा जो डीड नं० 486 अनुसार आर० ए० कलकत्ता के वक्तर में 20 जनवरी, 1983 तारीख में रजिस्ट्री हुआ है ।

एस० के० चौधुरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, कलकम्प

तारीख : 13/14-9-1983

प्ररूप काई. टी. एन. एस. -----

(1) श्री अजित सिंह एण्ड अदर्स।

(अन्तरक)

(2) श्री दलबीर सिंह एण्ड अदर्स ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–I, कलकत्ता

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000 '- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 12 (फर्स्ट फ्लोर) है तथा जो 4 ए, अक पन्ड स्केयर, कलकत्ता में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आर० ए० कलकत्ता में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 22 जनवरी, 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित कि लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया :——

- (च) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हू ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियां में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-फ में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

4ए अकलपन्छ स्केयर कलकत्ता में स्थित है दस तल्ला मकान का पहला पलोर में फलैंट नं० 12 जिसका एरिया 1100 वर्ग फीट हैं और जो 22 जनवरी, 1983 की तारीख में डीड नं० 593 अनुसार आर० ए० कलकत्ता के दपतर में रिजर्टी हुआ हैं।

> एस० के० घौधुरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–I, कलकत्ता

तारीख: 12-9-1983

प्ररूप भाई. टी. एन. एस.----

जायकर अभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धाय 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I कलकता

कलकत्ता, दिनांक 12 सितम्बर 1983

निवेश सं०टी श्रार 20/83-84/एस एल 789/श्राई ए सी एक्यू आर-1/कल०.— अन: मुझे, एस० के० चौध्री,

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क् के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 13 (पहला फ्लोर) है तथा जो 4ए अकलपन्ड स्केयर कलकता में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आर० ए० कलकता में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 22 जनवरी 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मून्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्वर्थों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसे किसी आध या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन िनम्निलिखित व्यक्तियों, मुर्धात् :---

(1) श्रीअजित सिंह एण्ड अदर्स।

(अन्तरक)

(2) श्रीतारा सिंह एण्ड अदर्स।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्स सम्पत्ति के उन्न क लिए कार्यवाही शरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कार्ज भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अक्षेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

4ए, श्रक्तलपन्ड स्केयर फस्ट फ्लोर में श्रवस्थित प्लाट नं० 13 जिसका एरिया 1140 वर्ग फिट, श्रौर जो डीड नं० 592 अनुसार 22 जनवरी 1983 तारीख में आर० ए० कलकत्ता के दफ्तर में रिजिस्ट्री हुआ है ।

> एस० के० चौधुरी सक्षय प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–I, कलकत्ता

ता**रीख** : 12**-9-**19**83**

मोदर :

प्ररूप आड' टी.एन.६म.-----

अगवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 260 भ (1) क अधीन सचन।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-VI, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 13 सितम्बर 1983

निदेश सं० ए० सी० 28/रेंज-II/कलकत्ता/1983-84---अत मुझे, एस० के० चौधुरी,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० 55 है तथा जो इन्द्र विश्वाण रोड कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एस० आर० सियालदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अीन तारीख 25 जनवरी 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की., जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था., छिपान में सृविधा क लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः— (1) डा० विजय गोपाल मुखोपाध्याय और अन्य ।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री विथिका भाइनि ।2. श्री राजेन्द्र नाथ भाइनि ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना हे राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन ह भीतर उना स्थावर सम्पन्ति में हितबढ़ किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित हैं किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम. के अध्याय 20-क में परिभाणिल हैं, वहा अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

जमीन--2 कठा 8 छटाक 8 वर्ग फुट जमीन के साथ मकान

पता—55 इन्द्र बिश्वाश रोड कलकत्ता-37, थाना चिनपुर।

दलील सं०--1983 का 43 ।

एस० के० चौधुरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज—II, कलकत्ता

तारीख: 13-9-1983

प्रस्य साई॰ टी॰ एन॰ एत०-

भाषकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कामीलय, सहायक आयकर आयूक्त (निरीक्षणं) अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 13 सितम्बर 1983

निर्देश सं० ए० सी ० 49/रंज-IV/कलकत्ता-I/1983-84 --अतः मुझे, एस० के० चौधुरी,

स्रायकर संघितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- रु० में प्रधिक है

और जिसकी सं० 107, 108 है तथा जो धर्मतला रोड हावड़ा में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीफर्ता अधिकारी के कार्यालय हावड़ा में रिजस्ट्रीफरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 7 जनवरी 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचिन बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भ्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, छसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रिष्ठिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है:——

- (क) प्रश्तरण से हुई किसी आगय की बाबत, छक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिक्ष में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रभ्य ध्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रश्चितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधितियम, या धन-कर अधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, ख्रिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रय, उक्त शिधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री प्रनब, बंकिम, आसिश, अरुणा, अर्चना, अमिता दाव, बीनापानी, प्रतिमा बनिक, प्रतिमाहालदार, अजाता दत्ता ।

(अन्तरक)

(2) श्री गजानन्द उपाध्याय ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथोंक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजेन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की घनिंघ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घनिंघ, जो मी घनिंघ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
 हितंबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., को उक्त श्रिश्वित्यम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रयं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

जमीन---1 बीधा 8 कठा 10 छटाक 22 स्केयर फीट जमीन के साथ मकान ।

पता---107, 108 धर्मतल्ला रोड थाना माली-पाचघरा जिला हवड़ा ।

दलील सं०---1983 का 24 ।

एस० के० चौधुरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, कलकत्ता-16

तारीख: 13-9-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर् अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालंधर

जालंधर, विनांक 13 मितम्बर 1983

निदेश सं० ए०पी०सं० 4659—यतः मुझे, जे० एलं० गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पच्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है) तथा जो गाँव बाजाखाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण-रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जैतो में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1983

को पूर्वोंकत सम्पत्ति के उचित् बाजार मृत्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण्से हुई किसी आय् की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने बाउससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अत:, अब,, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

- 1. श्री हरमेल सिंह उर्फ गुरमेल सिंह पुत्र अर्जन सिंह वासी गांव बाजाखाना, तहसील जैतो जिला फरीदकोट (अन्तरक)
- 2. श्री सरवजीत सिंह पुत्र हरबख्श सिंह वासी गांव बाजाखाना तहसील जैतो जिला फरीवकोट

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यम् में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी क्यन्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित् में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया इै।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जमीन 29 कनाल 11 मरले जो गांव बाजाखाना में स्थित है जैंसा कि विलेख नं० 1380 दिनांक जनवरी, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जैतो में लिखा गया है।

> जे० एस० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 13-9-83

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 13 सितम्बर 1983 निर्देश सं०ए०पी०नं० 4660—यतः, मुझो, जे०एल० धर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं०.....हैं, तथा जो जालन्धर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1983

को प्वोंकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उदयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूभी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके श्रवमान प्रतिफल से, एसे उश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :—— श्री अमृत लाल सेंह्गल पुत्र जीया लाल 123-आदर्श नगर, जालन्धर

(अन्तरक)

 श्री जीवन कुमार पुत्र बरकत राम वासी डब्स्यू टी 41, बस्ती शेख जालन्धर और जीवन पेट्रोल पम्प, बाई पास जी० टी० रोड, नजदीक सुची पिड, जालन्धर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप: --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति फैक्ट्री बिल्डिंग जो बाई पास जालन्धर में स्थित है । जैसा कि विलेख नं० 6715 दिनांक जनवरी, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में निखा गया है ।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 13-9-1983

प्रस्प आई. टी. एन. एस.-- -----

आयक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जासन्धर, विनांक 13 सितम्बर 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 4661, यत:, मुझे, जे० एल० गिरधर,

भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मुख्य 25,000/-इपए से भ्राधिक है

और जिसकी सं०.....है, तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबब अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृष्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है बोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृष्य जनके वृश्यमान अतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत श्रिधिक है भीर धन्तरक (अन्तरकों) शौर अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरन के निए तम पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखिल उद्देश्य से उच्त धन्तरण लिखित में वास्त-विक क्ष से कवित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी माय की बाबत उपन प्रधि-निवम के संधीन कर देने के प्रन्तरफ के वाबित्त में कमें करने या उससे बचने में सुविधा के किए। भीर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ज्तः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपचारा (1) को अधीन, निम्निकिस्तित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- श्रीमती राम कौर पत्नी प्रीतम सिंह वासी आबादपुर जालन्धर, जनरल अटोरनी आफ श्रीमती करतारी (अन्तरक)
- 2. (1) श्री सुभाष चन्द्र पुत्र गिरधारी लाल
 - (2) श्री सुरिन्द्र सिंह पुत्र ज्ञान सिंह
 - (3) श्री प्रीतम सिंह पुत्र छज्जू सिंह
 - (4) श्री नरिन्द्र पुत्र दौलत राम वासी माङल टाउन जालन्धर

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पृथा कित सम्परितृ के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्णम के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस स्चान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपश में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त ६ घ्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जमीन 1 कनाल 15 मरले जो बूटा भण्डी जालन्धर में स्थित है । जैसा कि विलेख नं० 6463 दिनांक जनवरी, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है ।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 13-9-1983

प्ररूप आर्क्ट. टी. एन. एस.----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनाक 13 सितम्बर 1983

निर्देश सं० ए० पी० 4662—यन , मुझे, जे० एल० गिरधर,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्यात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० . . . है, तथा जो जालन्धर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनमूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल् के लिए अन्तरित की गई है और मूर्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अन्तरित (अन्तरितीयार) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेषय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) वन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हां भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिये;

अतः अब उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269- घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिसिस व्यक्तियों, अर्थात् :--- 9—286GI/83

शि तुलसी राम पुत्र मुन्शी राम वासी---बूटा मण्डी, जालन्धर

(अन्सरक)

 श्रीधनी राम पुत्र दास राम, अमर नाथ पुत्र मेला राम, नसीब चन्द पुत्र अात्मा राम वासी—बूटा मण्डी, जालन्धर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जमीत 3 कनाल 3 मरले जो बस्ती शोख जालन्धर में स्थित है। जैसा कि विलेख नं० 6871 दिनांक जनवरी, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अपधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> जे ० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर

वारीख : 13-9-1983

सोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायृक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जानन्धर, दिनांक 13 सितम्बर 1983

निर्देश सं० ए०पी० नं० ४६६३----पतः मुझो, जे० एल० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रह. से अधिक है

और जिसकी मं० जेसािक अनुसूची में लिखा है, तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबड अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है),रिजिर्द्री स्ती अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजस्ट्री रूपण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1983

को पूर्वीक्स सम्पर्सित के उचित बाजार मूल्य से कम के छ्रयमान प्रिप्तिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से सुद्ध किसी आय की बाबत., उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए बौर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का. जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री मोहिन्द्र सिंह पुत्र हरी सिंह, 9—अशोक नगर, बस्ती नौ, जालन्धर

(अन्तरक)

2. श्री जसपाल सिंह पुत्र मोहिन्द्र सिंह वासी 40 दशमेश नगर, जालन्धर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर गम्भित्त में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण ——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जमीन 18 मरले 153 स्क्वेयर फुट जो अशोक नगर (बस्ती नो) जालन्थ्रर में स्थित है जैसा कि विलेख नं० 6544 विनांक जनवरी, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर में लिखा गया है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 13-9-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एम.-----

जासकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (!) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 13 सितम्बर 1983

निर्देश सं० ए०पी० नं० 4664—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपाति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसको सं० जैसाकि श्रनुमूची में है, तथा जो जालन्छर में स्थित है (और इसमें उपाबड़ अनुशूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजम्द्रीकर्ता अधिकारी के दार्यालय, जालन्धर में रिजम्द्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 दा 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1983

को पूर्वावित सम्पिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मूर्फ यह विश्वास करने का कारण है कि यथायूबों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत कस निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक स्प से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अस्तरण सं शुर्व किसी आय को आवत उपना आव निवन के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य म कभी करने मा उससं बचने में सुविधा के लिए. और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तिय। को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का भन कर अधिनियम, का भन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की जपधारा (1) के अधीन, निम्निश्चित व्यक्तियों अर्थात् ुरू 1. श्री जगमोहन सोनी पुत्र रामलाल सौनी मुखतिथार-ए-खास ऑफ जसवन्त सिंह पुत्र इन्द्र सिंह, मुखतियार-ए-आम सरदारा सिंह पुत्र प्रकाश सिंह वासी नजदीक रेलवे स्टेशन जालन्धर

(अन्तरक)

2. श्रीमती अरुणा देवी परनी सूरज प्रकाश वासी एच/17 जालन्धर कैन्ट

(अन्सरितीः)

का यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति संपरित के अर्जन के लिए कार्य-शाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारोख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जमीन, 19 मरले 142 स्क्वेयर फुट जो नजदीक दादा कालोनी जालन्धर में स्थित है जैसा कि विलेख नं ० 6636 दिनांक जनवरी, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्योलय जालन्धर में लिखा गया है ।

> जे० एल० गिरधर सक्षमं प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

नारीख : 13-9-1983

प्ररूप आई टी. एन. एस.----

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सु**च**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 13 सितम्बर 1983

निर्देई सं० ए० पी० नं० 4665---यतः मुझे जे० एल० गिरधर,

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिमे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-स के अधीन सक्षम पाधिकाण का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (ग्रीर इस उपाबद्ध ग्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुफे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्न्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण निचित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:--

- '(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के सिए; और/या
- (श) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविभा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण भों, भीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) को अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित् :--- (1) श्री रामसिंह पुन्न मूला राम अटोरनी आफ सरदारा सिंह पुन्न प्रकाण सिंह दादा कालोनी जालन्धर।

(अन्सरक)

(2) श्री रखजीत सिंह भीर बलबीर सिंह सपुत्र चरण राम राम सिंह वासी कमेटी बाजार, करतारपुर, जिला जालन्धर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवर्षेक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हो ।

अक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप:--

- (क) इस स्वना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी अ्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त भ्यक्तियों में से किसी अ्यक्ति बुवारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्रित में हित्सवर्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्ष्रप्र के प्रका लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरण:---६समें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया क्या है।

अनुस्ची

सम्पति तथा व्यक्ति जमीन 18 मरले, 119 स्कवेयर फुट जो दादा कालोनी, जालन्धर में स्थित हो जैसा कि विलेख नं० 6639 दिनांक जनवरी 1983 को रजिस्ट्री कत्ती अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

जै० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 13-9-1983

प्रकप् वार्षः, टी., हम्,, एम्,,-------

क्रायक ड विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मुभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेज जालन्धर जालन्धर, दिनांक 15 सितम्बर 1983

निर्वेश सं० ए० पी० नं० 4666—यतः मुझे जे० एल० गिरधर,

मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000 कि. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के जीवत बाजार मूल्य से कम के सहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का जिसत बाजार मूल्य, उसके दहयमान प्रतिफल से, एसे सहयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है (और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त कि निम्नलिखित उद्देश्य से जक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण वे हुई किसी बाय की वावत, डब्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्यने में सुविधा के लिए; और/या
- (था) एनेसी निकसी माय्या किसी भन्या अन्य अस्तियाँ करे, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसद्गा भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री रामकुमार पृत्न मिलक जीत लाल 7 आवर्ष नगर जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) श्री दीवान चन्द, पन्ना लाल सुपुन्न हरी चन्द वासी डब्ल्यू० एम०-90 वस्ती गुजा जालन्धर। (ग्रन्सरिती)

को यह जूनना नार्री करके पूर्वोंक्त सम्पृत्ति के सूर्यन के दिस्पृ कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के वर्षम् के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेपः ~

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज़ ते 45 दिन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवभि, जो भी अवभि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ज) इस सूचना को राजपच में प्रकाशन की तारीच से
 45 विन को भीतर उक्त स्भावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अस्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी की पास जिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पाकित्याः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, इसे ज्रव्स अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया न्या हैं।

अनुसूची

सम्पितिया व्यक्ति जमीन 23 1/2 मरले जो शहीद बाबू लाभ सिंह जालन्धर में स्थित हैं। जैसा कि विलेख नं० 6473 दिनांक जनवरी, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> जे० एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 13-9-1983

2 (Section 2011)

प्ररूप आहें. टी. एन. एस. - -- -

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 13 सितम्बर 1983

निर्वेई सं० ए० पी० नं० 4667—यतः मुझे जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- छ. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16), के अधीन, जनवरी 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मून्य से क्रम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मून्य उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्त- विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बह्यत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; आहु/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

- (1) श्रीमती शान्ती देवी पत्नी श्रमरजीत कुमार वासी गरहा वहीदौँ तहसील जालन्धर। (अन्तरक)
- (2) श्री राज गुरु शर्मा पुत्र पंडित नथू राम वासी गरहा बहीदा तहसील जालन्धर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारील सं 45 दिन के भीतर उक्त म्थावर संपत्ति में हिस-बव्ध किसी जन्म व्यक्ति दवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास् लिखित में किए जा सक्तेगी।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

सम्पति तथा व्यक्ति जमीन 12 1/2 मरले जो गांव गरहा वहीदौँ में स्थित है जैसा कि विलेख नं० 6499 दिनांक जनवरी, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयूक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, जालन्धर

श्रतः बब, उक्त वीभीनयम की भारा 269-ग के अनुसरण भों', मीं, उक्त वीभीनयम की भारा 269-ग की उपभारा (1) को अधीन, निस्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:----

तारीख: 13-9-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अध्यकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 13 मितम्बर 1953

निर्देश मं० ए० पी० नं० ४६६८—यतः मुझे जे० एल० गिरधर,

न्नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात उक्त अधिनियम नहां गया है) की धारा 269- के कि धीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. में अधिक है

श्रौर जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची मे श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख जनवरी 1983

को पूर्वोक्स सम्पति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूजिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अवः, जक्त अधिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण कों, मैं जक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निस्निलिखिल व्यक्तितयों, अर्थात् :--- (1) श्री भोग सिंह पुत्र फतेह सिंह वासी गाँव गखाल द्वारा जनरल अटोरनी श्री गुरबख्श सिंह एडवोकेट योगा भवन मिलाप चौक जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) गुरु नानक बैलफेयर ट्रस्ट, योगा भवन मिलाप चौक जालन्धर द्वारा श्रीमित वजीर कौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथांकित संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिसिया में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जमीन 9 कनाल जो बस्ती पीरवाद खान जालन्धर में स्थित है, जैसा कि विलेख नं० 6616 दिनांक जनवरी, 1983 को रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में लिखा गया है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर

सारीख: 13-9-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्कना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनोक 13 सितम्बर 1983

निर्देई सं० ए० पी० नं० 4669---यतः मुझे, जे० एल० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 2'69-भ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है) जो तथा जालन्धर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सारीख जनवरी 1983

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, ऐसे रूपमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देशों से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे दवने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एंसी किसी अप्तय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्राजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में.. में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री मलिकयात सिंह पुत्र रन सिंह वासी गाँव सगाल सोटल द्वारा जनरल अटारनी श्रीमती वजीर कौर।

(अन्तरक)

(2) श्री गुरबरण सिंह पुत्र नरैण सिंह अडबोकेट वासी योगा भवन, मिलाप चौक, जालन्धर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृषोंकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति से
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य त्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह*, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

सम्पति तथा व्यक्ति जमीन 8 कनाल 13 मरले जो पीरदाव खान जालन्धर में स्थित है जैसा कि तिलेख नं० नं० 6617 दिनांक जनवरी 1983 को रजिस्ट्रीकर्त्ता अधि-कारी जालन्धर में लिखा गया है।

> जे० एल० गिरघर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 13-9-1983

प्रारूप आईं.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जम रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 13 सितम्बर 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 4670—यतः मुझे, घें० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रूठ. से अधिक ही

ग्नौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है, तथा जो जालन्धर में स्थित है (ग्नौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी 1983 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करमें या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग कें, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ,अर्थात् :---10—286GI/83 (1) श्री पुरकार मनी पुत्र सीता राम वासी 346 आदर्श नगर, जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) श्री गोवरधन दत्त पुत्र जगदीण राम एन० ए० 243 किशनपुरा जालन्धर श्रीर कुलदीप कुमार पुत्र श्रोम प्रकाश एन० डी० 183 विक्रमपुरा, जालन्धर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मे कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सूवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्वव्यक्तिकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसुची

सम्पति तथा व्यक्ति मकान नं० ई० के०-215 जो फगवाडा गेट जालन्धर में स्थित है जैसा कि विलेख नं० 6678 दिनांक जनवरी, 1983 को रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

सारीख: 13-9-1983

प्ररूप धाई• टी॰ एन॰ एस•-

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की खारा 269 व (1) के ग्रधीन सूचमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 13 सितम्बर 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 4671—यतः मुझे जे० एल० गिरधर,

आयकार विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है) तथा जो गांव डोगरी में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनूसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से ऐसे इस्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अक्तरक के दायिश्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी श्रायया किसी घन या प्रान्य प्राक्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, पाधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अभ, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मों., मौं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थास्:--- (1) श्रीमती अमरजीत कौर पत्नी मेज : गुरदियाल सिंह वासी 30/2 सैन्टरल टाउन जालन्धर द्वारा सपैणल अटोरनी राम लाल।

(अन्तरक)

(2) श्री वेद प्रकाश, जोगिन्द्र कुमार, चशपाल सपुत राम लाल वासी 46 विजय नगर जालन्धर। (अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन कें लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की घविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घविध, जो भी घविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किखिस में किए जा सकेंगे।

हपन्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्वो का, जो उकत श्रिक्षिनियम के शब्दाय 20-क में परिभाषित है, बही भवं होगा, जो उस भव्याय में दिया गया है

अनुसूची

सम्पति तथा व्यक्ति जमीन 18 कनाल 3 मरले जो गाँव डोगरी में स्थित है जैसा कि विलेख नं० 6370 दिनांक जनवरी, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 13-9-1983

माहर 🖫

प्ररूप बाइ. टी. एन्. एस्.-------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर विनांक 13 सितम्बर 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 4672--यतः मुझें, जें० एल० गिरधर,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-स के अधीन स्क्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर स्मित्ति, जिसका उचित् बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद अनूसूची में भ्रौर पूर्ण रूप में बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिख्त उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक ख्या से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आयुकी बाबत, उक्त अभिनियम् के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निस्ति ख्यक्तियों, अर्थास्:—

- (1) श्री चानन सिंह पुत्र हरनाम सिंह वासी 463-464 प्रीत नगर सोडल रोड, जालन्धर।
 - (अन्तरक)
- (2) श्री मगत राम पुत्र जवाला राम वासी 463-64 सोडल रोड़ प्रीत नगर, जालन्थर।

(प्रन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ु---

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि शव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया ही।

नन्सची

सम्पति तथा व्यक्ति जमीन 8 मरले जो प्रीत नगर जालन्बर में स्थित है। जैसा कि विलेख नं 6381 दिनांक जनवरी, 1983 को रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> जे० एल० गिरघर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालक्षर

तारीख: 13-9-1983

मोहर 🗄

प्रकृप आहे. टी. एन्. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायुक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 सितम्बर 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 4673—यतः मुझे जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सारीख जनवरी 1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है (और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पाम स्या प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित्त में अस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आयुकी वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अजने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों जिन्हें भारतीय आयुक्तर अधिनिय्म, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनिय्म, या धन्-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना जाहिये था, डिज्याने में सृत्धित के लिए;

अतः अन्न, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (१) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्री जगीर सिंह पुत्र प्रताप सिंह वासी गांव गरहा तहसील जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती प्रेमगुप्ता पत्नी विमोद गुप्ता वासी ईई— 100 शालीमार बाग, देहली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्परिता के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सक्वन्धी व्यक्तियों प्र सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकासन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्याग, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शन्यों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

सम्पति तथा व्यक्ति 1/5 हिस्सा दुकान नं० 9 जी चिलकुश मार्कीट जालन्घर में स्थित है जैसा कि विलेख नं० 6772 दिनांक जनवरी, 1983 को रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> जें० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 14-9-1983

प्ररूप आहुँ.टी.एन.एस. -----

बायुकर ज्भिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के स्थीन स्वा

भारत सरकाड

कार्यासय, सहायक भायकर भायकर (निरक्षिण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 सितम्बर 1983

मिर्वेश सं० ए० पी० नं० 4674—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

कायकर किथिनियम, 1961 (1961 का 43) (िकसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है की भार 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय जालम्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, ऐसे रूपमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तर्क (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिशत उद्विष्य से उसत अन्तरण सिकित में वास्तिक रूप से किशत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तद्भन् से हुई किसी बाबुकी बाबत, अबल जीभीनवध के मुधीन कहा की के बन्तुरक के वाबित्य में कभी कहने या उससे द्वाने में सुविधा के सिए; ब्रीट्र/वा
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य जास्तियों का, जिन्हें भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री स्वर्ण सिंह पुत्र लाभ सिंह वासी सिविल लाईन्स जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती प्रेम गुप्ता पत्नी विनोद गुप्ता वासी बी ई-100, शालीमार बाग, वेहली-33। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों क्तु सम्परित के अर्जन के बिष्ट कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पृत्वतीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों शौर पदों का, जो अक्छ अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया एया हैं।

मन्सूची

सम्पति तथा व्यक्ति 1/5 हिस्सा दुकान नं० 9 जो दिलकुश मार्किट जालन्धर में स्थित है जैसा कि विलेख नं० 6673 दिनांक जनवरी 1983 को रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> जे० एल० गिरघर सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालम्बर

बतः जब, उक्त जिभिनियम काँ भारा 269-म के अनुसरण में., में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ज की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख: 14-9-1983

मोहर

प्ररूप आहा. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 14 सितम्बर 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 4675—यसः मुझे ए जें० एल० गिरधर,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- छ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

धौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (धौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में धौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सारीख जनवरी 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृल्य, उसके स्रयमान प्रतिफल से एसे स्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विश्य से उक्त अन्तरण लिखित में भास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री बीर सिंह पुत्र गंकर सिंह वासी गाउर्न कलोनी जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती प्रेम गुप्ता पत्नी विनोद गुप्ता वासी बी ई-100, शालीमार बाग देहली-33 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पद सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यध्दीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है ।

जनसूची

सम्पति तथा व्यक्ति 1/5 हिस्सा बुकान नं० 9 जो दिलकुश मार्कीट, जालन्घर में स्थित है जैसा कि विलेख नं० 6774 दिनांक जनवरी 1983 को रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> जे० एल० गिरघर सक्षम अघिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्घर

तारीख: 14-9-1983

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस. -----

भायकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 सितम्बर 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 4676 - यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रह. से अधिक है

भौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (भौर इससे उपाबक्ष अनुसूची में भौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भिधकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इरयमान प्रतिफक्ष को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, ऐसे इर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विदेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक इप से किश्वत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अभि-भियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बाँड/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री नौनिहाल सिंह पुत्र गोपाल सिंह वासी गरहा तहसील जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती प्रेम गुप्ता पत्नी विनौद गुप्ता वासी बी० ई०-100, शालीमार बाग, देहली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त संपृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 विन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी की पास लिखित में किए वा सकोंगे।

स्पष्टीकरण ८--इसमें प्रयुक्त शस्त्रों और पर्दों का, जो उत्कत्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

जनसर्वर

सम्पति तथा व्यक्ति 1/5 हिस्सा दुकान नं० 9 दिलकुण मार्कीट जालन्धर में स्थित हैं। जैसा कि विलेख नं० 6775 दिनांक जनवरी, 1983 को रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी, जालन्धर में लिखा गया है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज जालक्धर

जतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्न्लिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—-

तारीख: 14-9-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्िक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 सितम्बर 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 4677—यतः, मुझे जे० एल० गिरधर,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भ्रौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी 1983

को प्योंक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नील्चित उद्वेष्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कृषित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शांबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करों जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् ः--- (1) श्री करम सिंह मान पुत्न बसन्त सिंह वासी जनता कालोनी जालन्धर ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती प्रेम गुप्ता पत्नी विनोद गुप्ता वासी बी० ई० 100, शालीमार बाग, देहली—33 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अव्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितजबूध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का आहे उत्कल अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या हैं।

अनुसूची

सम्पति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 6779 दिनांक जनवरी 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम अधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज, जालन्धर

तारीख: 14-9-1983

प्ररूप आइं. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 सितम्बर 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 4678——यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चीत् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रोर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है दथा जो गांव किगरा में स्थित है (ग्रोर इसमे उपाबद्ध अनूसूची में ग्रोर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी, 1983

को पूर्वांक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सांपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशतः से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की धावत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचन में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्यत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 11--286GI/83

(1) श्री तरलोचन सिंह पुत्र दर्शन सिंह वासी गाँव किरगरा तह० जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती बलविन्त्र कौर पत्नी मैजर मलकीत सिंह वासी 47 वरिया नगर, जालन्धर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के गर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की रारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितंबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁴, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

सम्पति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 6505 विनांक जनवरी 1983 को रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम अधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 16-8-1983

प्ररूप आई. थी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 सितम्बर 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० ४६७९—यतः मुझे जे० एल० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो करतारपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय करनालपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी 1983।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुत्रिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी लाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त विधिनियम की धारा २६०-म के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा २६०-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिति व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री हरसहाए भटनागर पुन्न गौरी सहाए वासी मोहल्ला करतार पुर, हाल में मकान नं० 285 गली न० 6 थापड़ नगर मेरठ।

(अन्तरक)

(2) श्री राधे प्याम जौली पुत्र लाहोरी लाल ली मोहल्ला मुलना करतार पुर जिला जालन्धर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर स्वना की तामील से 30 दिन की बविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पति तथा व्यक्ति जिसकी विलेख नं० 834 दिनांक जनवरी 1983 को रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी करतार पुर में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्घर

तारीखा: 15~9-1983

प्रस्पृ वाहै. टी. एन. एस.- - - ----

भारक पुष्पिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 16 सितम्बर 1983 निर्देश सं० ए० पी० नं० 4680---यतः, मुझे, जे० एल० गरधर,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी 1983

को पूर्वोक्त सम्पृत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल् के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पृत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई फिसी जाय की भावत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

- (1) श्री तरलोक चन्द पुत्र किरपाराम वासी किशन नगर जालन्धर द्वारा स्पेशल अटोरनी श्री णुभष सूरी वासी एन० के० 259, चरणजीत पुरा जालन्धर ।
- (2) श्रीमती मनजीत कौर पत्नी भूपिन्द्र सिंह वासी गांव नडाला जिला कपुरथला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

्रमष्टिकरण: ---इसमें प्रयुक्त कब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमसची

सम्पति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 6331 दिनांक जनवरी 1983 के रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीख 16-9-1983 मोहर: प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, संहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 16 सितम्बर 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 4681—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

भायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालम्धर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर, मे रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यान प्रितिफल के लिए अन्तरिती की गईं हैं और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथिस नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय ब्याय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था ख्याने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्नरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (!) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात् :-- (1) श्री तरलोक चन्द पुत्न किरपा राम द्वारा स्पेशल अटोरनी शेर सिंह पुत्न जीवन राम वासी इञ्जयु० ई० 362 अली मोहल्ला नजदीक गुरद्वारा जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जसवन्त कौर पत्नी अमरीक सिंह वासी एस० एम० 299 माडल हाऊस जालन्धर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकं पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वार;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

सम्पति तथा व्यक्ति जैसा विलेख नं० 6332 दिनांक जनवरी 1983 को रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर ।

तारी**ख** : 16-9-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यात्तय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज, जालन्धर जालन्धर, दिनाक 16 सितम्बर 1983

जालाबर, विनास 16 वितास्वर 1983

निर्देश स० ए० पी० न० 4682—यत मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

ग्रीर जिसकी सख्या जैंसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी 1983।

को पूर्वांक्त सपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफ ल के लिए अतिरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रममान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आव की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्चने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (19922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए।

(1) श्री तरलोक चन्य चुन्न किरपा राम द्वारा स्पेशल अटोरनी मुभाष सूरी पुन चरण दास वासी एन० के० 259, चरणजीत पुरा जालन्धर ।

(अन्तरक)

(2) श्री हरदेव सिंह पुत्र शाम सिंह वासी लिंक कालोनी, नजदीक आदमपुर, जालन्धर ।

(अन्तरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की क्विधि या तत्सबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा,
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति ह्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो सकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विष्या गया है।

अनुसूची

सम्पति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख न० 6557 दिनाक रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर ।

अत. अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में,, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिश्त व्यक्तियों, अर्थातु:——

तारी**ख :** 16-9-1983

प्ररूप भाइ. टी. एन. एस.----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के मुभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 16 सितम्बर 1983

निर्वेश स० ए० पी० नं० 4583—यतः मुझी जे० एल० गिरधर,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्णात 'उसत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह बिरवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या जैसा कि अनसूची में लिखा है) तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालवधर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी 1983।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री तरनोक चन्द पुत्र किरग राम द्वारा स्पेगान्त अत्टोरनी प्रताप सिंह पुत्र माम सिंह, लिंक कालोनी, जालन्धर मुख्तयारे आम मोहिन्द्र सिंह पुत्र गुरूदत सिंह वासी तरनतारन जिला अमृतसर

(अन्तरक)

(2) श्रीमित सुखवंत कौर पत्नी मोहिन्द्र सिंह, वासी लिक कालोनी, जालन्धर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सुम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए था सकोंगे।

स्पथ्डीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

वगुसूची

सम्पति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 6558 विनांक जनवरी 1983 को रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक अयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज, जालन्धर ।

तारीख : 16-9-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन सुचना

भारत स्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 16 सितम्बर 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 4684—यतः, मुझे, अ०एल० गिरधर.

अग्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी 1983।

को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह दिश्याम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेषय से उद्धर अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिश नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सृविभा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिथा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) को अधीन, निम्निचित्ति व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री जीवन दास पुत्र बहादुर चन्द बासी नकीदर रोड़ जानन्धर मुख्तयार राज रानी पत्नी रतन लान बासी ई० एन० 36, रस्ता मोहल्ना जालन्धर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री रतन लाल पुत्र राम लाल वासी ई० एन० 36, रस्ता मोहल्ला, जालन्धर।

(अन्तरती)

को यह सूचना जारी करके पृशींक्त सम्परित के शर्थन के सिष् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यास अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याव 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया व्याह⁸।

अनुसुधी

सम्पति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 6665 दिनांक जनवरी 1983 को रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जलन्धर ।

तारीख: 16-9-1983

श्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 16 सितम्बर 1983

निर्देश स० ए० पी० नं० 4685—-यतः, मुझे, जे० एल० गिरधर,

भागकर ब्रॉधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावार सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में निखा है तथा जो जानन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्या ग्र जालन्धर में रिजस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी 1983

को प्रांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण सं हुइ किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी अय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, मैं, डक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थास्:—— (1) श्री सननाम मिह पुत्र लघा सिह वामी लिक कालोनी नकोदर रोड, जालन्धर।

(अस्तरक)

- (2) 1. श्री मलिकयत सिंह पुत्र लख्डमन सिंह वासी गाव तलवडी संगोराय तहसीज नकोदर जिना जालन्धर और कनेडियन फरनीचर,
- 2. मैक्स इन्बेस्ट मैन्ट और जनरल सेविन्ग्ज जि०
- 3. सन्दीप ऐंटरप्राइजिज
- 4. अरजैन्ट डराई कलीनरज,
- वीतम इलैक्ट्रिकन स्टोर,
- 6. गोल्डन स्टुडियो,
- 7. अरोड़ा खाल हाउस,
- 8. अरोडा मैडिकल सेन्टर,
- 9. धीमन टी० वी० सेन्टर.
- 10. असाम कनास हाउस,
- 11. दीप वुडवनर्स,
- 12. विजय लक्ष्मी एन्ट्रप्राईजिज,
- 13. ज्योति सेन कापोरेशन ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाहर सम्पत्ति में हित-श्रद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अभाय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में विया गया है।

अमुस्ची

सम्पति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 6604 % 6580 विनांक जनवरी 1983 को रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

जे० एल० ।गरबर, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयरक आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्घर।

तारीख 16-9-19**83** मोहर : प्रस्प आर्ड्.टी.एम.एस.------प्रविनियम, 1901 (1961 का 43) की घारा 268-म(1) के प्रवीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर विनांक 16 सितम्बर 1983

निर्देश सं॰ ए० पी० नं० ४६८७—यतः मुझे जे० एल० गिरधर,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विदवास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है) तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनूसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी 1983।

को पूर्वो कित सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो कित सम्परित का उचित बाजार मूक्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्म्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्कन, निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत बीधृतियुक्त, के अधीन कर दौने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और्/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जत्य आस्तियों की, किन्हुं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविशा के सिए;

अतः अअ, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :---- 12—2860I/83

(1) श्री हरबन्म सिंह पुत्र जनन सिंह वासी लिंक कालोनी नकोवर से जालन्धर

(अन्तरक)

- (2) श्रीमती सुरजीत कौर पत्नी मनकियत सिंह, वासी तलबंडी सगोराय तहसीन नकोदर वलजा जालन्धर
- (1) कनोडियन फरनीचर
- (2) मेक्स इन्वेस्टमेंट फार जनरेल सेविंग लि०
- (3) सदीप एन्टरप्राईजिज
- (4) अरजैंट ड्राईकलीनर्ज
- (5) बीनस इलेक्ट्री स्टेट
- (6) गोलडन स्ट्डियो
- (7) अरोडा खल हाउम (8) अरोडा मैडिसिन केन्द्र
- (8) धीमन टी॰ वी॰ सेन्ट्र (10) असाम गलास हाउस
- (11) दीप बुड वर्कस (12) विजय लक्ष्मी एन्ट्रप्राईजिज
- (13) ज्योति सेलकारण

(अतरितीः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का की 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच चैं
 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्च
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताशारी को पास
 सिसित में किए जा सकोंगे।

स्थव्हीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याम में दिया गया है।

अनुसुची

सम्पति तथा व्यक्ति जैसा कि विलख नं० 6607 दिनांक जनवरी 198 को रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा।

> (जे० एल० गिरधर सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज जालन्धर

तारीख: 16-9-1983

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

अ।यक ९ अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

भोपाल, दिनाक 26 अगस्त 1984

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3809—अत मुझे देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सज्या प्लाट न० 45 है, तथा जो लाला लाजपत राय का० हा० सोसायटी, शाहपुरा, भोपाल में स्थित है श्रौर इससे उपाबद अनुसूची में भौर पूण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता भिंधकारी के कार्यालय भोपाल में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 20 जनवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, इसके रहयमान प्रतिफल से, ऐसे रहयमान प्रतिफल का अन्दर प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिता (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबता, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सिविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री प्रसाद कुमार बेनर्जी पिना सत्येन्द्र नाथ बेनर्जी निवासी ई०/7/37, स्टेट बैंक कालोनी, अरेरा कालोनी, भोपाल।

(अन्सरक)

2 श्री कमल जैन पिता सेजमल जैन, निवासी जैन मन्दिर रोड, लोहा बाजार, भोपाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अधिध या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षणी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अमुसूची

प्ताट न० 45, लाला लाजात राय को० हा० सोमायटी, शाहपुरा भोपाल में स्थित हैं।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) (अजन रेज, भोपाल

तारीख 26 अगस्त 1983 मोहर. प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

श्रायकर श्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के श्रीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 26 अगस्त 1983

निर्वेश सं० आई० ए० एम०/अर्जन/भोपाल/3810—अतः मुझे देवप्रिय पन्त

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

भ्रौर जिसकी संख्या प्लाट नं० 44 है, जो मेजर णापिंग सेंटर स्कीम नं० 13 हबीबगंज, भोपाल में स्थित हैं (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भोपाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तिबक रूप से कथिस नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुर्ष किसी आयकी बाबत, उथत अधिनियम् के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रिपाने में सुविधा के लिए;

 श्री राम गंकर तिवारी पिता पी० एन० तिवारी, निवासी: 90/28, साउथ टी० टी० नगर, भीपाल।

(अन्तरक)

 श्री सतोष डी० वैश पिता श्री प्रहलाव सिंहजी, निवासी : खालियर ।

(अन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पृथा कित सम्परित के अर्जन के सिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन की अवधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्थव्दीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्स अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो इस अध्याय में किया ग्या हैं।

अनुसूची

एक किता प्लाट नं० 44, मेजर शापिग सेंटर नं० 2, स्कीम नं० 13, हबीबगंज, भोपाल में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राघ्निकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

अतः कब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत् :---

तारीख: 26-8-1983।

प्रकृप्, काइ⁴. टी. एक. एस. ----

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरक्षिण) अर्जन रेज,भोपाल

भोपाल, दिनांक 26 अगस्त 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3811—अतः मुझे वेबप्रिय पन्त

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 52 एफ० है, तथा जो उद्योगनगर इंदौर में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित, है) रजिस्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इंदौर में, रजिस्द्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 21 जनवरी 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच् ऐसे अंतरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की शाबत, उक्त अधिनियम के ब्राधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी भन् या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए;

जतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- सर्वश्री (1) आदेश्वर जैन पिता छविलाल जैन, निवासी रेडियो कालोनी, इंदौर ।
 - (2) श्रीमती विदोद जैन पित सरजू प्रसाद जैन, निवासी 3/3, नार्थ राज मोहल्ला, इंदौर।
 - (3) राजेन्द्र कुमार अग्रवाल पिता टीकमचंदजी अग्रवाल निवासी 109/4, मुराई मोहल्ला, इंदौर।

(अन्तरक)

- 2. श्री किरतराम पिता कोड़ोमल भौर
 - मुरलीधर कोड़ोमल निवासी 136, जयरामपुर कालोनी, इंदौर
 - (3) जयपाल पिता दीपचंदाणी निवासी 36, जयरामपुर कालोनी, इंदौर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारी से 45 बिन की अविध या तत्संबंधी अयिक्तमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में डितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वाय, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 52 एफ०, जयरामपुर कालोनी, इंदौर में स्थित हैं।

देवप्रिय पत सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपास

तारीख: दिनांक 26 अगस्त, 1983।

प्रक्ष कार्च. टी. इन. एस. --------

नाथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धा<u>र</u> 269-भ (1) के नभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 26 अगस्त 1983

सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3812-अतः मुझे देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- एउ. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 131/3 है, तथा जो महाराणा प्रताप काम्पलेक्स, हबीबगंज, शापिंग सेंटर, भोपाल में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय भोपाल में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 4 जनवरी, 1983

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि मथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का बाजह प्रतिचत से बीच एसे अन्तरण के विष् तम पाता ज्या मृदि-फल मिक्नीसृद्धित उद्देश्य से उचल संतरण निचत में बाल्तिक कथ से किया नहीं किया ग्या है :---

- (क) वन्तरण दे हुद्दं किसी वाय की वायत करत विभ-नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए बीट्र/वन
- (च) येसी किसी अाय या जिसी धन ना अच्य आस्तिनों की, चिन्हें भारतीय आवकर निधितयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधितयम, या धन- कर निधित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या जिस्सा चाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा से लिय;

अतः जब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिचित व्यक्तियों, अर्थात्:—— श्री गुरपीप सिंह जसपाल पिता दिलीप सिंह, निवासी एस० ई० कालोर प्रोजेक्ट, भोपाल।

(अन्तरक)

- 2. श्रीमती सुधा वाधवा पत्नी श्री वी० सी० वाधवा,
 - (2) राजीय, (3) संजीव दोनों पुत्र श्री पी० सी० वाधवा
 - (4) भ्रोमप्रकाश वाधवा (5) ऋष्ण कुमार वाधवा निवासी कृष्ण गंज, गांधी रोड, ग्वालियार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि था तत्संबंधी व्यक्तियों प्र सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा म्थोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्यक्कीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और वर्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित् ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्स्ची

प्लाट नं० 131/3, महाराणा प्रताप काम्पलेक्स, हबीबगंज शापिंग सेंटर, भोपाल में स्थित है।

देव प्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, भोपास)

तारीख: दिनांक 26 अगस्त, 1983।

मोहर ⊯

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयुक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) को अधीन सृधना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, विनांक 2 सितम्बर, 1983

निर्देश सं० आई०ए० सीं०/अर्जन/भोपाल/3813---अतः मुझे, वेवप्रिय पन्त,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 12/12, ख० नं० 143/3 है, तथा जो पंडरी तराई, रायपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यौलय रायपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 12 जनवरी, 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से काम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार्ने) और अंतरिती (अंतिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण संहुद् किसी जाग की नाबत्, उस्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बच्ने में सुविधा के सिए: कार्ड्यना
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अत्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निल्सित व्यक्तियों अर्थात् :--

- 1. (1) श्रीमती शीला कौर चावला,
 - (2) अमरजीत सिंह पिता संपूर्ण सिंह चावला, निवासी—जेल रोड, रायपुर

(अन्तरक)

 श्री परमजीत सिंह वल्द कुलदीप सिंह, निवासी—गोल बाजार, रायपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पृथाँकत सभ्यत्ति को अर्थन को तिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपृत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पृथ्वीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

परिवर्तित भूमि खसरा नं 143/3, प्लाट नं 12/12, पंड़री तराई, रायपुर में स्थित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल ।

तारीख: 2 सितम्बर, 1983।

प्ररूपु आई. टी. एन. एस. - - - ----

भायकर अधिनिय्म, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 2 मितम्बर, 1983 निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3814——अतः मुझे, वेवप्रिय पन्त,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुमंजिला मकान है, है, तथा को बाम्हणपारा, किस्टापारा, दुर्ग में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दुर्ग में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 24 जनवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंग्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सूविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए:

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलस्ति व्यक्तियों, अर्थात्:— श्री महादेव प्रसाद पिता पं० कामता प्रसाद तिबारी, निवासी--बाम्हणपारा, दुर्ग ।
 (अन्तरक)

 डा० नाथू प्रसाद तिवारी पिता एम० पी० तिवारी, निवासी - -आम्हणपारा, दुर्ग।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाक्षत की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पध्योकरण: -- इसमें प्रयुक्त कब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

दुर्मजिला मकान, जो कि बाम्हणपारा केस्टापारा, दुर्ग में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा मत्यापित फार्म नंबर 37 जी मे निहित है।

देनप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल ।

तारीख: 2 सितम्बर, 1983

त्ररूप जाइ.टी.एन.एस.-----

जायकर जिथितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्योलंग, सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 सितम्बर 1983 निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3815--अतः मुक्ते, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269 क ले अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० मकान ख० नं० 141/1 है, तथा जो ग्राम देव गुराड़िया तहसील इंदौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकरर्ती अधिकारी के कार्यालय इंदौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 29 जनवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति, का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्त्रीक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अभिनियम के अभिन केंद्र दोने के अन्तरक कें वाबित्य में कभी करने या उसते बचने में सुविभा के सिए; और/या
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ता अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, विश्व (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नृहीं किया गया भा वा किया जाना चाहिए था, ख्विपाने से सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्तः आधिनियमः, की धारा 269-त के अनुसरणः माः, गाः, उक्तः अधिनियमः की धारा 269-त की उपधारा (1) के अधीनः, निम्निचिता व्यक्तियाः, अधीतः ॥ — श्री कन्हैया पिता श्री शंकरलाल यादव 2/5, छोटी ग्वाल टोली, इंदौर।

(अन्तरक)

 श्री स्वरूप चन्द पिता श्री रबुवीरदयाल गुप्ता, निवासी-4/5, पारसी मोहरुला, इंदौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपर्तत के अर्जन के क्षिए कार्यवाहियां करता हुं।

उंक्त सँपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं) इस स्चना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसक्द्रंथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सक्ति?

स्पष्टीकरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में ९रिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान खा०नं० 141/1 पर बना हुआ, ग्राम देवगुराड़िया तह० व जिला इंदौर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्स सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मोपाल ।

तारीख: 9 सितम्बर, 1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 सितस्वर, 1983

निर्देश मं० आई० ए० मी०/अर्जन/भोपाल/ 3816---अतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 105 व उस पर वना ग्यारेज है, तथा जो इंदौर विकास प्राधिकरण की योजना नं० 47 में स्थित है (ओर इससे उपाबद्ध अनुसूचा में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इंदौर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 31 जनवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यां से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्दर्शिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिए। में से सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उदर अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 13—286GI/83 1. श्री भजन ताल लखमीचंद जी मेबार्ना,
34, ज्ना तुकागंज, इदार
तरके आम मुल असरनाथ पिता श्री मेलारामजी,
निताली-प्री, डा० सरजू प्रताद भंडारी, मार्ग
इदौर ।

(अन्तरक)

2. श्रीमतो चमेलीकाई पति श्री मनुरालालजी अग्रवाल, निवासी- १, प्रजापतनगर, (कुम्हार वाखल) इंदौर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकारन की तारीस में 45 दिन की अवधि या तत्समान्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 20 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र ें प्रकाशन की तारीस्थ भें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः—-इसमें प्रय्क्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया एक हैं.

अनुसूची

प्लाट नंबर 105 व उस पर बना ग्यारेज, इंदौर विकास प्राधिकरण योजना कमांक 47, इंदौर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सःगम प्राधिकारी सद्याग आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल) ।

तारीख: 9 सितम्बर, 1983

प्ररूप आर्ह.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भोपाल, दिनांक 15 सितम्बर 1983 निर्देण सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3817—-अतः

मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर पम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 6/98 (ओल्ड नं० 6/296) है, तथा जो भरावा की कई, रत नाम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण का से विणित है) रिजिन्ट्री कर्ता अधिक की के कर्या नय रतनाम में, रिजिन्ट्री करण अधिनियम 1903 (1908 का 16) के अधीन जनवरी, 1983

को पूर्वी गत सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य में कम को द्श्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि ग्धापविकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तस पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आसत, उक्त आधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए;
- (क) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए;

अन्तः अय, उक्त अधिनियम की धार्य 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धार्य 269-घ की उपधार्य (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

- (1) श्री कालूराम पिता पञ्चालाल,
 - (2) श्रीमती कंचनबाई पति काल्रामजी,
 - (3) श्रीमती सज्जनबाई पति कालुरामजी,
 - (4) श्री डीइमचंद पिता कालूर मजी,
 - (5) श्री आनंदी लाल पिता कालूर।मजी,
 - (6) झमकान पिता कालूरामजी,
 - (7) दिनेशचब्र पिता कालूरःमजी महाजन,
 - (8) सुभाषचन्द्र पिता कालूरमंत्री महाजन,
 - (9) णेलेन्द्र -कुमार पिता कालूराम , निवासी : माणक चौक, रतलाम ।

(अन्तरक)

- (1) श्री इकबाल हुसैन पिता हाजी फखरूद्दीन बोहरा निवासी : ईमामबाडा, रनलाम ।
- (2) कुतुबद्दीन पिता हाजी फखरुद्दीन बोहरा, निवासी--ईमामबाड़ा, रतनाम ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु^न।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा स्कोंगे।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

मकान नंबर 6/98 (घोल्ड 6/296) भवारा की कुई, रतलाम में स्थित हैं।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, भोपाल ।

तारीख: 15 सितम्बर, 1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलुर

भोपाल, दिनाक 1 सितम्बर 1983 निर्वेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3818—-अतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहे. से अधिक है

और जिसकी स० भूमि सर्वे न०15 है, तथा जो इटावा सर्किल, देवास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय देवास में, रिजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी, 1983

को पूर्वोक्त संपर्तित को उचित बाजार मूल्य से कम के इद्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण निचित्त मे वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी कारने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयक,र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए;

 श्री उंकारसिंह पिता शंकर सिंह ठाकुर, निवासी --ग्राम इटावा तह० देवास ।

(अन्तरक)

 मैसर्स उत्तम लेंड एंड फायनांस कंपनी सुभाष चौक, देवारा द्वारा पार्टनर ईश्वरसिंह पिता जालमसिंह चौधरी, निवासी—-सुभाष चौक, देवास।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकार म की तारीख से 45 दिन की अविधि या सत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, आंभी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकारों।

स्पच्छीकरण:--इसमे प्रयूक्त शब्दों और पदौं का, ओ उच्चत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा औं उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि मर्वे नं० 15, इटावा तह० देवान में स्थित है।

देव प्रिय पन्त, सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज, भोपाल

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसित स्यक्तियों, सर्भात् :---

तारीख: 1 मितम्बर, 1983।

प्ररूप भार्ष. टी. एन. एस. - - - - --

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 2 सितम्बर, 1983

निर्देश सं० अःई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3819--अतः मुझे देवप्रिय पन्त,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक ही

और जिसकी सं० भूमि सर्वे नं० 15 है, तथा जो इटावा सिंकल, देवास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्री किया आंधकारी के कार्या तथ देवास में, रिजस्ट्री करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 20 जनवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृशमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण संहुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य मों कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वाग प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए।

 श्री उंकार सिंग पिता शंकर सिंग ठाकोर, निवासी: ग्राम इटावा, देवास।

(अन्तरक)

2. मेसर्स उत्तन लेड एंड फायनॉस कम्पनी रिजस्टड कम्पनी भागीदार फर्म, सुभाष चौक देवास, (भाष प्रव) द्वारा पार्टनर ईश्वरसिंह जालमसिह निवासी: सुभाष चौक, देवास।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारों करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यविहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन् को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उम अध्याय में दिया गया ही।

अन्स्ची

भूमि सर्वे नं० 15, इटावा सर्किल, देवास में स्थित है।

देव प्रिय पन्त सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु :---

दिनांक 2 सितम्बर, 1983। मोहर: प्रकप जाहाँ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 2 सितम्बर 1983

निर्देश स॰आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3820---अतः मुझे दैर्याप्रय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क ने अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० म० नं० 57 है, तथा जो णिक्षक नगर, इंदौर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय इंदौर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 4 जनवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित वाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल स, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्वह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित्सें (अंतरित्यों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व से कभी करने या उससे बचने से स्विधा के लिए; और/या
- (म) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया या था या किया जाना चाष्टिए था, छिपान में स्विधा के लिए,

अतः असं, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 1 डा० राजेन्द्र कुमार पिता निरमल कुमार जैन, निवासी: हुकुम चन्द मार्ग, इंदौर।

(अन्तरक)

 श्री रामप्रसाद पिता बालाप्रसाद कानूनगो, निवासी : 57, शिक्षक नगर, इंदौर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी झाक्षेप: --

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बस्थ किसो अन्य व्यक्तित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोये।

स्पद्धीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

अनुसूची

मकान नं० 57 शिक्षक नगर, एरोड्राम रोड़, इंदौर में स्थित हैं।

देव प्रिय पन्त सक्षम अधिकारी, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल ।

तारीखाः 2 सितम्बर, 1983।

प्रस्य बाइं.टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 सितम्बर 1983 निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3822---अतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उिचत बाजार मृस्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि खसरा नं० 167/2/2 है, तथा जो प्राम समरदा किनयासीत तह० हजूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण क्य से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भोपाल में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का

16) के अधीन तारीख 31 जनवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफाल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफाल निम्निलिखित उद्देश्य में उवा अन्तरण लिखित में अस्तियिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्रास्तयों की, जिन्ह भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री बाबूलाल पिता श्री श्रीकिशन निवासी-मण्डीदीप तह् गोहरगंज, जिला रायमेन।

(अन्तरक)

2 चैंगरमेन, डनीश हाउसिंग कापरेटिव सोसाइटी लि० भोपाल ।

(अन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पृत्रों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृसुची

एक किता भूमि खसरा नं० 167/2/2 में से 1 एकड़ 26 डेसीमल ग्राम समरदा कलियासोत तह० हजूर जिला भोपाल में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम अधिकारीः सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल ।

नारीखाः ३ सितम्बर, 1983

प्ररूप कार्ड. टी एन एस -----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 सितम्बर 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3823—अतः मुझे, वेवप्रिय पन्त

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-स के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी की, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक ही

और जिसकी सं० भूमि खसरा नं० 167/4 है, तथा जो ग्राम समरवा कलियासोत, जिला भोपाल में स्थित है (और इससे उपाबञ्ज अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भोपाल में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 31 जनवरी, 1983

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरित (अन्तरित्यां) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अक्ष, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निस्तिसित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री रषुनाथ पिना श्री श्रीकिशन, निवासी-मंडीदीप जिला रायसेन।

(अन्तरक)

 चेयरमैन, डनीण हार्जीमग कोओअ।परेटिय सोसायटी लि०, भोपाल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यक्तीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों शीर पदों का, जी उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्त्वी

एक किता भूमि ख० नं० 167/4 में से 1 एकड 26 डेसीमल ग्राम समरदा कलियासोत जिला रायसेन में स्थित हैं।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोगाल।

तारीख: 3 सितम्बर, 1983

प्ररूप गाइ". टी. एन. एस्.-----

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 सितम्बर 1983

निर्देश सं० आई० ए० मी०/अर्जन/भोपाल/3824— अतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 29 है, तथा जो हेलीपेड जयविलास परिसर लशकर, ग्वालियर में स्थित है (और इससे उपाबब अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ग्वालियर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी, 1983

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करनेया उससे बचने में सृविधा केलिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिट व्यक्तयों, अर्थात्:--- मैं ० गोविन्द बल्तभ पंत गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्यादित, ग्वालियर।

(अन्तरक)

 श्री प्राणनाथ पुत्र प्रेम नाथ, खासगी बाजार, लक्ष्कर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा कत् संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्ित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि मा सत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति स्वार;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारित से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा कथोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:---क्रामें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में तथा परि-भाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया ही।

अनुसूची

प्लाट नं० 29, सेक्टर 12, हेलीपेड, जयविलास परिसर, लक्कर, ग्वालियर में स्थित हैं।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोषाल ।

तारीख: 3 सितम्बर, 1983

प्रकम बाइं.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 व (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक स्नायकर स्नायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, विनांक 3 सितम्बर 1983

निर्देण सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3825—अतः, मुझे देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 31 है, तथा जो जयविलास परिसर, ग्वालियर में स्थित है (और इसमें उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ग्वालियर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 29 जनवरी, 1983

को प्वेंक्ति सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विष्वास करने का कारण है कि यथाप्वेंक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षत , निम्नीलिमिन उद्देष्य से उन्तर अन्य रण निश्वत में बास्तिबक कम से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया सवा था किया चाना चाहिए था, खियाने में स्थिधा के लिए;

अतः अथ, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारः (1) के अधीन, निम्नितिषित व्यक्तियों, अर्थात् '——
14—286GI/83

ग मै० गोविन्द बल्लभ पन्त गृह निर्माण महकारी संस्था, मर्यादित, ग्वालियर।

(अन्तरक)

2 श्री लक्ष्मीचिद रहेजा पिना जय रामदास रहेजा, निवासी-निम्बानकर की गाठ, लक्ष्कर, ग्वालियर । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बच्च किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के तास विचित्त में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

मन्स्ची

ष्ताट नं० 31 हेली पेड, जयविलाम परिमर ग्वालियर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राविकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज. भोपाल।

नारीख: 3 मिनभ्बर, 1983

मोह्य 🖫

प्ररूपः जार्दः टी. एनः एसः -----

आयकर अधिनियम, 1061 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 सितम्बर 1983

निदेश सं० म्राई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल 3826 म्रतः मुझे, वेवप्रिय पन्त,

ग्रायकर प्रावितिया, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उका अधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विक्यास करने का कारण है जि स्थावर सम्यति, जित्रका उतित बाजार मृह्य 25,000/- का से ग्रीक्षक है

और जिसकी संख्या प्लाट नं० 38 है तथा जो जयविलास परिसर ग्वालियर में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29 जनवरी 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के सिम्ये अक्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त पम्लित का उचित बाबार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से धिनक है और प्रन्तरक (मन्तरकों) भीर मन्तरित। (मन्तरितयों) के बीच ऐसे प्रन्तरक के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिबित उद्देश्य से उच्ट धन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिबित उद्देश्य से उच्ट धन्तरण कि खित में वास्तविक रूप मे कियत नहीं किया गया है।——

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्ध में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया सविधा के लिए,

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुहरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपभारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—- श्री गोविन्द बल्लभ पन्त गृह निर्माण सहकारी संस्था जयविलास परिसर लण्कर ग्वालियर ।

(अन्तरक)

(2) श्री सुरेण कुमार शर्मा पिता श्री भगवती प्रसाद शर्मी द्वारा दिलीप कुमार शर्मी निवासीं -13 एस० ग्रार सेंट्रन एक्सचेंज के सामने, खेंडापति कालोनी लाकर। (अस्तरिती)

को यह मुचना जानो करहे पूर्वोका सम्यक्ति के अर्जन के लिए कार्यकाहियां करना हं।

उना प्रमालि के अर्वत के सम्बन्ध में कोई भी धाओं र :---

- (ह) इस सूबता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध जें भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इ. सूचना के राजपत्र में प्रकाशनं की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकद किमी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रश्लीहरूलांकारी के पास लिखित में किए जा मकेंगे।

स्पन्धी करण:----(पर्ने प्रपुत्त अव्यों प्रौर पर्शे का, जो जबत प्रधि नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रवे होना जो उन प्रधार में विया गया है।

अनुस्ची

प्लाट नंबर 38, जयविलास परिसर, ग्वालियर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम अधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख 3-9-1983

प्ररूप आहें. टी. एन्. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सृष्ना

भारत संरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 सितम्बर 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3827---अतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रप्रिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 72 है, तथा जो हेली पेड, जयिवलास परिसर, ग्वालियर में स्थित है (श्रीर इसमें उपा-बद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में, रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29 जनवरी 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंसरित की गई है और मूफ्ते य विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सर्गत का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्ध्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कृथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; आदि/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के सभीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- श्री गोविन्द बल्लभ पंत गृह निर्माण महकारी संस्था
 मर्यादित हेली पेड, जयविलास परिसर, ग्वालियर।
 (अन्तरक)
- श्रीमती सरोज गोर पत्नी डा० श्री आर० एस० गोर निवासी—अलंकार होटल के पीछे, लक्ष्कर, ग्वालियर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूचींकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संस्पत्ति में हिराच्याप किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो जनके अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया ही।

अभूत्रची

प्लाट नं० 72, हेली पेड, जयिवलास परिसर, ग्वालियर में स्थित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 3-9-1983

प्ररूप आद्दी टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सर्कार

कार्थालय, सहायक प्रायकर मायुक्त (निरीक्षण)

अजंन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, विनांक 3 सितम्बर 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3828----अतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

कायकर अधिनिय्मं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियमं कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 70 है , तथा जो हेली पेड, जयिवलाम परिसर ग्वालियर में स्थित है (ग्रौर इससे उपा-बद्ध अनुसूची में ग्रौर पूणं रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29 जनवरी 1983

को पूर्वोक्स संपरित के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे एश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत,, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने से सृविधा के सिए; और/था
- (च) एसी किसी जाय या किसी धन मा अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अ अयोजनार्थ अन्तरिती क्यारा प्रकट नहीं किया गया था किया जान काहिए या जिल्लाम में स्तिया के सिए;

अत अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम कीधारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री गोविद वरुलभ पन्त गृह निर्माण सहकारी संस्था जयविलास परिसर, ग्वालियर।

(अन्तरक)

2. श्री जवाहरलाल गुप्ता पिता श्री दुर्गाप्रसाद गुप्ता निवासी टोपी बाजार, लक्ष्कर, ग्वालियर। (अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संप्रित के बर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपृत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी क्यांत्रत्या पर सूचना की सामील से 30 विम की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यांवित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुआ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, कं अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, यो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृसुची

प्लाट नं० 70, हेली पेड, जयविलास परिसर, लक्ष्कर, ग्वालियर में स्थित हैं।

देवप्रिय पन्त सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्7ेज, भोपाल

तारीख: 3-9-1983

प्ररूप आई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

धायकर अधिनियन, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-म (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 सितम्बर 1983

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3829—अतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

भायकर अग्नितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उन्त अग्नितियम' गर्या गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम बाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ ध्यमं स अग्निक हे भ्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 49 है, तथा जो हेली पेड, जयविलास परिसर, लक्ष्कर, में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्वालयर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29 जनवरी 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल स, एस इस्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नालिखत उद्वेद्य से उक्त अन्तरण लिखिन दो वास्तिविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अम्तरण से हुई किसी आय की नानत उक्त आधि नियम के अधीन कर दोन के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिये; और/या
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी धन जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जिन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ जन्तिरितो व्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविभा के सिए;

कतः वृद, उस्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उस्त अधिनियम को धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-- श्री गोविन्द वल्लभ पंत गृह निर्माण सहकारी संस्था जयविलास परिसर, ग्वालियर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती तारा पेढ़ारकर पत्नी श्री बी० आर० पेढ़ा-रकर निवासी-13, गांधी नगर, लक्ष्कर, ग्वालियर। (अन्तरिती)

को **ग्रह म्**चना जारो करके पूर्वोक्त सम्पोत्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पति ह पना २ थम्बर र हाई भी जाजर. -

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकारन की तारी हसे 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मृत्रा के राजरत में प्रकाशन की गरीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पित में हितबद किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

राद्दो हरण:- इन्हें प्रयुक्त ाच्दों होर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गना है:

मन्स्ची

प्लाट नं० 99, हेली पेड, जयविलास परिसर लक्ष्कर, ग्वालियर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 3-9-1983

मोहर .

प्ररूप वार्दं. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 सितम्बर 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3830---अतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 82, सेक्टर नंबर 12 है, तथा जो जयविलास परिसर, लक्ष्कर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, खालियर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का दृद्ध प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तिकल हैं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूविधा के लिए;

अताः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु :— 1. श्री गोविन्द वल्लभ पन्त गृह निर्माण सहकारी सस्था गेंदगर, हेली पेड, जयविलास परिसर, लक्ष्कर, ग्वालियर।

(अन्तरक)

 श्री सुरेन्द्र सिंह रघुवंशी ,प्रेम नगर, लक्ष्कर, ग्वालियर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में को हैं भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 षिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पंक्टोकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

प्लाट नंबर 82, सेक्टर नंबर 12, हेली पेड, जयविलास परिसर, लक्ष्कर, क्वालियर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम अधिकारी सहायक आयकर[]] आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख": 3-9-1983 मोहर: प्ररूप आइं.टी.एन.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोषाल

भोपाल, दिनांक 3 सितम्बर 1983

निर्देश सं० आई० ए० मी०/अर्जन/भोपाल/3831---अतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० प्लाट नं० 40 है, तथा जो जयविलास परिसर, लक्कर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1983 को पूर्वोक्त सम्पस्ति के उचित बाजार मूल्य से कम् के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मूझे यह विश्वास करने आ कारण है कि स्थापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति- कल निम्बलियत उद्देष्य ये उक्त अन्तरण निस्तित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की वाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे कचने में सृष्टिभा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए आ, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- श्री गोविन्व बल्लभ पंत गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्यादिन, ग्वालियर।

(अन्तरक)

 श्री कुलदीप राज पिता लम्बोराम गन्दोतरा निवासी दौलतगंज, लश्कर, ग्वालियर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पोक्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इतमें प्रयुक्त सम्बां आहेर पतां का, जो सकतः जिथितियम, के जभ्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मे- दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 40, सेक्टर नंबर, हीली पेड, जयविलास परिसर, लक्कर, ग्वालियर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 3-9-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोषाल भोपाल, दिनांक 3 सितम्बर 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3832— अतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० प्लाट नंबर 34 है, तथा जो जयिबलास परिसर, लक्कर में स्थित है, (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1983 को पर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मल्य से कम के स्क्रमान

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—-

- (क) अन्तरण से हुर्द हैकसी आय की बाबत उक्त आभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वासित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/भा
- (क) एसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अक्षः अज्ञ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण ा, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीनः, निम्निलिसित व्यक्तियों. अर्थात् :--- श्री गो(बन्द गृड् तिर्माग सहकारो संस्था मर्यादित ग्वालियर।

(अन्तरक)

 श्रीमती विमला जानी पत्नी जयराम दास निवासी धाडगे की गोठ दौलतगंज, लक्कर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के सिए कार्यवाहियां कारता हूं।

उक्स सम्परित को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप.--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सबधी व्यक्तियों पर सूचना की दामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 4.5 लिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित वहीं पर्यं होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 34, सेक्टर नं० 2, जयविलाम परिसर, लक्ष्कर, ग्वालियर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-भोपाल

तारीख: 3~9~1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 सितम्बर 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3833— अतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपए से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० मकान म्यू० नं० 38/166 है, तथा जो नया बाजार, लक्ष्कर, ग्वालियर में स्थित हैं (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन, निम्न[लिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 15--28 GI/83

- श्री गोपालदास पुद्र श्री कन्हैयालाल
 सौ० भगवतीबाई पत्नी कन्हैयालाल निवासी-गण नया बाजार, लश्कर, ग्वालियर।
- 2. श्री गणेशचन्द्र पुत्र श्री राधामोहनजी बंसल निवासी लोहिया बाजार, लग्नर, ग्वालियर।

(अन्तरिती)

(अन्तरक)

को यह स्वाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृद्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

वन्सर्जी

मकान म्यू० नं० 38/166, नया बाजार, लश्कर, ग्वालियर में स्थित है। यह वह स्थावर संपत्ति है, जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा संध्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

> वेवप्रिय पन्त सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 6-9-1983

प्रस्य वृद्धः टी. एन. एस. -----

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनौक 6 सितम्बर 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3834---अतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

जायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० मकान म्यू० नं० 38/166, है, तथा जो नया बाजार, लक्कर, ग्वालियर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1983

को पूर्वों बस सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) क बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक कें दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/मां
- (भा) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्दरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

 श्री गोपालदास पिता कन्हैयालाल जी
 सौ० भगवतीबाई पत्नी गोपालदासजी निवासी नया बाजार, लक्ष्कर, ग्वालियर।

(अन्तरक)

 श्री गणेशचन्द्र बंगल पिता राधामोहनजी निवासी लोहिया बाजार, लग्कर, ग्वालियर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत् व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्यख्यीकरण -- इसमें प्रगुक्त शन्दों और पदों का, जो उक्त जीभीनयम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अभ्याय में दिया क्या है।

अमृत्त्वी

मकान म्य० नं० 38/166, नमा बाजार लक्कर, ज्वा-लियर में स्थित है। यह वह स्थायर संपत्ति है, जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

> द विप्रिय पन्त सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपास

अतः अब उन्तत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख: 6-9-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 सितम्बर 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3835—अतः, मुझे, देवप्रिय पन्त

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रौरिजिसकी सं० भूमि ख० नं० 457 है तथा जो तेलीबन्धा, रायपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुर ने रजिस्ट्रीकर ण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24 जनवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उिषत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उिचत बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स्त) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह³ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की-उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री पुनऊ बल्व श्री सक्ष्मण , तेलीबन्धा, रायपुर ।

(अन्तरक)

(2) कविता सहकारी गृह निर्माण समिति, रायपुर ।

(अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तांशीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः - - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन खसरा नं० 457, तेलीबन्धा, रायपुर में स्थित है

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राघिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 5-9-1983

प्रकृष आहे. टी. एन. एस. ----

जायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निर्दाक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 सितम्बर 1983

निवेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3836—अतः, मुझे, वेवप्रिय पन्त

बायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विदवास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/— रुपये से मधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० खासरा नं० 457 है तथा जो तेलीबंधा, रायपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुर; रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम, तारीख जनवरी, 1983

को पूर्वोक्त संम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिषक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्त्रण से हुई किसी आय की बाब्स, उक्त अधिनिय्म के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम,, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्त्रिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः, अव, उक्तं अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्तं अधिनियम की भारा 269-मा की उपभारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तित्यों, अर्थात् :--- (1) श्री पुनऊ बरूद श्री लक्ष्मण, तेलीबन्धा, रायपुर।

(अन्तरक)

(2) कविता सहकारी गृह निर्माण समिति, रायपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपुत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास् सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पथ्डीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

वन्स्वी

भूमि खसरा नं० 457, तेलीणन्धा, रायपुर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 559-1983

मोहर ।

प्ररूप आइ². टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 सितम्बर 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3837—अतः मुझे, देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० भूमि खसरा नं० 322 है तथा जो ॄैतेलीवन्धा रायपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबक अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रायपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6 जनवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथिस नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए;

(1) श्री तनऊ बल्द श्री बल्लू, तेली बन्धा, रायपुर।

(अन्तरक)

(2) कविता सहकारी गृह निर्माण समिति, रायपुर।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन् के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खसे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति हात;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिसित में अन्य किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्त्र्ची

भूमि खसरा नं० 322, तेलीबन्धा, रायपुर में स्थित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीख: 5-9-1983

मोहर 🗓

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.------

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269- ज् (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकार आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, विनांक 5 सितम्बर 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3838—अतः सुक्षे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है कि धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहे. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० भूमि खसरानं० 454 है तया जो तेलीबन्धा, रायपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 10 जनवरी 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मूफे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिश्चित उद्देश्य से उस्त अन्तरण विष्क्रित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आयु की बाबत, उनस अधिनियम के अधीन कर देने के अंत्रक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे,, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखिक व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मु० कचराबाई व केजा पिता अक्षार, निवासी तेलीबन्धा, रायपुर।

(अन्तरक)

(2) कविता सहकारी गृह निर्माण समिति, रायपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बार्च में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्नाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

भूमि खसरा नं० 454, तेलीबन्धा, रायपुर में स्थित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीखा : 5-9-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुभाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनाक 5 सितम्बर 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3839—अत मुझे, देवप्रिय पन्त,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ३सके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक हैं

भौर जसकी स० भूमि खसरा नं० 454 है तथा जो तेलीबन्धा, रायपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाग इ अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 10 जनवरी 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्भति का छित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निसित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की आबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्न्लिखित स्युक्तियों अर्थात् १—

(1) मु० कचराबाई व केजा पिता अधार, निवासी तेलीबन्धा, रायपुर।

(अन्तरक)

(2) कविता सहकारी गृह निर्माण समिति, रायपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों वर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्कीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

जनसची

भृमि खसरानं० 454, तेलीबन्धा, रायपुर में स्थित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, भोपाल

तारीख 5-9-1983 मो**हर** द्व मुक्स बाइ .टी. एन्. एस . -----

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के धधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 सितम्बर 1983

निदेश सं० आई० ए० सीः०/अर्जन/भोपात्र/3840—अतः मुझो, देवप्रिय पन्त,

ष्ठायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-छ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-४० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि खसरा नं० 332 है तथा जो तेली— बन्धा, रायपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10 जनवरी, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकृत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण् से हुई किसी जाय की वाबता, उक्त् वृधिनियम् के जभीन कर देने के जन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सृष्टिभा के लिए; जौर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या धन्य मास्तियों की, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या धनत अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिही हारा प्रकट नहीं किया गया था ना किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः जब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ए के बनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1) के अभीन निम्निणिकित व्यक्तियों, अभृति ह— (1) मु० कचरा वो मु० केजा पिसरान अधार, निवासी तेलीबन्धा, रायपुर।

(अन्तरक)

(2) कविता सहकारी गृह निर्माण समिति, रायपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

ज्यत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों केट व्यक्तियों में से किसी अविक्त ब्वारा;
- (व) इस् सूचना के रावपत्र में प्रकासन की दारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि खसरा नं० 332, तेलीबन्धा, रायपुर में स्थित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर अध्युक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोषाल

तारीख : 5-9-1983

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल,दिनांक 5 सितम्बर 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3841—-अतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त पश्चित्यम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वान करने का कारण है कि स्थावर संगत्ति, जिमका उवित बाजार मूल्य 25,800/- ६० में अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो तेलीबन्धा, रायपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या नय, रायपुर में रिजस्ट्री— करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10 जनवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार म्हय से कम के दृश्यमान प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मुने यह निश्व स करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त लंगित का उचित बाजार मूल्य, उमके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्र अतिशतसे अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गरा प्रति-फन निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्वित म बाम्निबक इन से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) रेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना वाहिए या, जियाने में, सुविधा के निए;

(1) मु० कचरा वो केजा पिसरान अधार, तेलीबन्धा, रायपुर।

(अन्तरक)

(2) कविता सहकारी गृह निर्माण समिति, रायपुर।

(अन्तिरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त तम्मति के श्रर्जन के लि कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन हे सम्बन्ध में काई भी आशेप

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4 र दिन की खबलि या नरपम्परको व्यक्तित पर स्चना के तामील से 3 वित्त के प्रविध, के भी अबिश्व बाद के प्रवाशन होता हो के भीत पूर्वोक्त व्यक्तियों से ने किसो व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूबना के राजात्र में प्रकाणन की लारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा मर्केंगे।

स्पद्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वनी शर्व होगा, जो उर पत्र य में दिस गर्ग

अनुसूची

भूमि, तेलीबन्धा, रायपुर मे स्थित है ।

देव प्रय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन, रेज भोपाल

तारीख: 5-9-1983

प्रकृष् आहें. टी. एन. एस. ------

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के मुभीन सूचना

भारत परकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज. भोपाल

भोपाल, विनांक 9 सितम्बर 1983

निवेश सं० आई० ए० सी०/म्रजन/भोपाल 3842-अतः मझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसर्ने इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की प्रारा ⁵269ना के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उक्ति बाजार मूल्य 25,000/-क्पए से अधिक है

और जिसकी सं० म्य० पा० नं० 47 है तथा जो पढरीनाय पय बाजार) इंदौर में स्थित है (ध्राडा उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित रजिष्टीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3 जनवरी, 1983 ।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मुल्य, उसके बरयमान प्रतिफल से, एसे बरयमान प्रतिफल् का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के वीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तर्क की दायित्व में कमी करने या उससे वचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एेसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तिओं का, जिन्हें भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्कत अधिनियम, भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया वाना चाहिए था, स्क्रियाने सें सावधाको लिए:

बतः अ.घ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भों, भीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) 1. श्री वौलत सिंह पिता भेरू सिंह।
 - श्रीमती गीताबाई पित श्रीवायु रावजी।
 - 3. श्री मदन सिंह पिता श्री सोदान सिंह ।
 - 4. श्री अशोक कुमार पिता श्री गणपत राव जी होलकर, निवासी 47, पढ़रीनाथ पथ, आड़ा बाजार, इन्दौर ।

(अन्तरक)

(2) सौ० वसि राघा बाई सुन्दरलाल जी, 129, पढ़रीनाथ पथ, इन्दौर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचनाके राजपत्र में प्रकाशन की तारी**स से** 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर लुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्ति में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति बुवारा अधोहस्ताकारी को पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त मिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याम मे विया गया 💅 ।

अनुसूची

म्य० पा० नं० 47, पढ़रीनाथ पथ, आड़ा बाजार, इम्बौर में स्थित है ।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 9-9-1983

प्रकृप बार्च . टी . एन . एस ,------

माय्कर मधिन्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-य (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (नि**रीक्षण**) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 सितम्बर 1983

निर्देश सं० यआई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3843—यतः मुझे, वेवप्रिय पन्त,

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त मधिनियम' कहा पया है), की घारा 269-च के मबीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नंबर 4 है तथा जो जब्हेरी कालोनी, इंदौर में स्थित है (और इसने उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 28 जनवरी, 1 83।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐने दृग्यमान प्रतिफल का पन्द ह प्रतिशत से प्रधिक है और श्रन्तरक (श्रन्तरकों) और अन्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है:--

- (क) मन्तरण से दूई किसी भार की बाजत, उका भाक्ष-नियम के प्रधीन कर देने के भन्तरह के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में मुविधा के लिए, और/या
 - (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनते अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया म्या था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण भौ, मौ उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री विजय कुमार पिता नंदलालजी 145, जय-रामपुर कालोनी, इंदौर।

(अन्तरक)

(2) फर्म क्लामेक्स केमिकल्स नि-1 जन्हेरी कालोनी; इंदौर सरफे पार्टनर प्रकाश नवलानी पिता गजुमल व शमुंहन अवानी पिता श्री हप्पोमलजी। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जकत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविधि मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति इतारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकाये।

स्पब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृसची

प्लाट नंबर 1 पर बना हुआ फ्लट नंबर 4, ब्लाक नंबर ए, जन्हेरी कालोनी, इंदौर में स्थित हैं।

> देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज,भोपाल

दिनांक: 9-9-1983

मोहर :-

प्ररूप जाई.टी.एन.एस.-----

आयहर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) हे सधीन पूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 सितम्बर 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3844--यतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इमके एक्वात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की एए १६५० के अधीन मजम पाधिकारी को, यह रिश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित कालार क्रिय 25,000/- रुपये में प्रधिक है और जिसकी सं० भूमि ख० नं० 207 है तथा जो ग्राम कनाड़िया तहसील व जिला इंदौर में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अर्थान दिनांक 18 जनवरी, 1983।

का पूर्वोक्त सम्मति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यान प्रतिहत है है सौर मुझे यह विश्वात करते का कारण है कि प्रवाद्ग्रोंकत सम्मति का उचित बाजार पूल्य, उत्तह दृश्यमान प्रतिकत ते, ऐसे दृश्यमान एतिकत ते, ऐसे दृश्यमान एतिकत ते, ऐसे दृश्यमान एतिकत के सौर प्रतरह (प्रवार हैं) सौर प्रवार के (अन्तरित में) के बीच ऐसे अन्तरण है जिए तय पाना यह प्रतिकत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित ने वास्तविक हम उ कथित नहीं किया। यस ई :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एतो जन। ग्राय या किसी श्रव या ग्रन्य ग्रास्तियों को निन्हें भारतीय साय-कर श्रिष्टितियम, 1922 11932 का 11) या उनत ग्रीष्टितियम, या धाउ-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के वयोजनार्थ प्रन्तारेती द्वारा एकट नहीं किया गया था ए किया जाना चाहिए था छिपाने में सुत्रिधा के लिए:

श्रत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के धनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध---

- (1) श्री रामप्रसाद पिता जयराम कुलमी निवासी-ग्राम खजराना जिला इंदौर ।
 - (अन्तरक)
- (2) श्रीमती सुशीला बाई पतिन मनोहर लाल जी बड़जात्या निवासी-666, महात्मा गांधी मार्ग, इंदौर । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति हे प्रजन के तस्त्रन्ध में कोई भी ब्राक्षेप :--

- (ा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- ख) इस सुजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे!

स्वष्टी करण: ---इसमें प्रयुक्त शक्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रिष्ट-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही पर्य होता, जो उत्र ग्रह्मात्र में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि ख० नं० 207, ग्राम कनाड़िया तहसील व जिला इंदौर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण), अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 9-9-1983

मोहर 🚁

प्ररूप आहु^र.टी.एन.एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्योलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 सितम्बर 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3845—यतः भुक्ते, देवप्रिय पन्त,

आयक रे जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अथीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. में अधिक हैं

और जिसकी संग्मकान म्युग्नंग् 2 है, तथा जो राजवाड़ा जौक, इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक, 4 जनवरा, 1983।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से इस के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चदेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं का बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक कें बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-- (1) श्री गणपतराव पुराणिक पिता रामचन्द्र पुराणि क निवास(-53 व्यासकला, इंदौर ।

(अन्तरक)

- (2) श्री इंद्रकुमार
 - श्री अशोक कुमार
 - 3. श्री मुकेश कुमार
 - 4. शेखर पिता मनसुखलालजी सोजितिया निवासी

29 राजवाङ्ग चौक, इंदौर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हंू।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिष्ठ हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकात म्यु ॰ नंबर 29, राजवाडा चौक, इंदौर में स्थित है।

देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 9-9-1983

प्ररूप आहाँ. टी. एन. एस.,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की चारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, विनांक 9 सितम्बर 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3846—यतः मुक्तो, देवप्रिय पन्त,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुट. से अधिक है

और जिसकी सं मकान म्यु ं नंबर 29 है, तथा जो राजवाड़ा जौक, इंदौर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय इंदौर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 12 जनवरी, 1983

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के एक्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफें यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सो, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्वेच्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अधिक नही किया ग्या है:---

- (क) बन्तर्भ से हुई किसी जाय की बाबत्, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रम्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बुबने में सुविधा के निए; बार/या
- (ख) ऐसी किसी आयं या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री गणपतराव पुराणिक पिता श्री रामचन्द्र पुराणिक निवासी--53, व्यासफला, इंदौर । (अन्सरक)
- (2) श्रीमती कांताबाई पहिन ओम प्रकाश जी सोजितया निवासी-29, चौक राजशाड़ा, इंसौर । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्कत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ममुस्ची

मकान म्यु०नं० 29, राकवाड़ा चौक, इंदौर में स्थित है।

देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 9-9-1983

अरूप आर्ड्ड. सी. एन . एस . ------

जामकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की भारा 200-भ (1) के समीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 सितम्बर 1983

निवेंश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3847—-यसः, मुझ, देवप्रिय पन्त,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'जनत निधिनियम' कहा गया है, की आरा 269-ख के प्रधीन सम्माप्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर संपत्ति जिसका छवित बाजार मूल्य 25,000/- व० से अधिक है

और जिसकी सं भूमि सर्वे कि 391/1 है तथा जो प्राम पिथमपुर, जिला घार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, घार में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक, 24 जनवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, ऐसे रहयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती '(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विष्य से उक्त अन्तरण िलिखत में बास्तीवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबता, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (छ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अश्य आस्तियों को; जिल्हें भारतीय धाय-कर घिषित्यम; 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के लिए:

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तिरायों, अर्थात् ६—— (1) श्री सियाराम पिता जगन्नाथ दास बैरागी, निवासी—-पिथमपुर, जिला धार ।

(अन्तरक)

- (2) मैसर्स शक्ति इलेक्ट्रीकल्स इंडस्ट्रीज, पिथमपुर द्वारा भागीदारान—
 - 1. श्री रामचन्द्र
 - 2. श्री शिव नारायण
 - 3. श्री अमित कुमार
 - 4. श्री मनोहर लाल
 - 5. श्री चन्द्रशेखर
 - 6. श्रीमती कमलाबाई
 - 7 श्रीमती भागवन्ती बाई, निवासी-देवास ।

(अन्तरिती)

की यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्प्रित, की अर्थन, के बिग्र कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपरित के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पच्चीकरणः :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि--भाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि सर्वे० ऋ० 391/1, ग्राम पिथमपुर, जिला धार में स्थित है।

देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिका री सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोन्ज, गंगोत्री बिल्डिंग, जीथी मंजिल, टी. टी. नगर, भोपाल

दिनांक: 9-9-1983

प्ररूप आहुर. टी. एन. एस.-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 (1) के अभीन सुपना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 सितम्बर 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/-3848—यतः, मुक्ते, देवप्रिय पन्त,

मायकर मिथिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की वारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित, जिसका उचित्र बाजार मूल्य 25,000/~ रा. से अधिक हैं

और जियकी सं० भूमि सर्वे० ऋ० 97 है तथा जो ग्राम अकोल्या तहसील धार मे स्थित है (और इयसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, धार मे, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 13 जनवरी 1983

को पूर्विक्श सम्परित के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान् प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों), और अंतरितीं (अन्तरितयों) के बीज एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखत में वास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है है——

- (क) जन्तरण से हुई किसी मानु की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी क़रने या उससे ब्वने में सुविधा के किए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन धा अन्य-आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

चतः शव, उक्त विधिनियम, की धारा 269-ए को अनुसरण मो, मो, उक्त विधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात् क्र— (1) श्रीमती सौदराबई पत्नी सीताराम, निवासी-ग्राम अकोल्या, जिला धार ।

(अन्तरक)

(2) मालव मेटल्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा संचालक प्रमोद कैलाश चन्द्र कुलवाल, निवासी-170, रवीन्द्रनाथ टैगोर मार्ग, इंदौर ।

ं(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए धार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की वर्वीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि , जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा स्केंगे।

स्पृष्टिंकरण:—इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, को न सकत् अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिश्राचित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

भूमि सर्वे० कमांक 97, ग्राम अकोल्या, तहसील व जिला धार में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोन्ज, गंगोत्री बिल्डिंग, **चौथी मंजिल,** टी. टी. नगर, भोपाल

दिनांक: 9-9-1983

मोहर 🖫

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

वायफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 सितम्बर 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3849——यतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है की भाग 269-ह के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति जिसका उपित नाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० खेत जिसका नया नंबर 33/1 है तथा जो ग्राम महमंदपुरा, जिला बुरहानपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बुरहानपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी 1983।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त का निम्नीलिंचित उद्देश्य से उक्त जन्तरण निचित में बास्तिक क्य से की सह नहीं किया नवा है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त जीध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बामित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ण) एसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

वतः जब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के, अनुवरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन : निम्नलिनित स्यक्तियों, सर्धाद :---17-28 6GI/83

- (1) भी सांडू पिसा किया महाजन काण्छी माली वर्गेरा, निवासी -बहादुरपुर तहसील बुरहानपुर जिला खंडवा। (अन्तरक)
- (2) श्री चन्द्रकांत पिता सोहनलाल शाह गजराती निवासी-- णिकारपुरा वार्ड वरहानपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकत सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामौल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्वच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

चत, जिसका नया नंबर 33/1, ग्राम महमंवपुरा में स्थित है जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा मस्यापित फार्म नंबर, 37 में निहित हैं।

> देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी, जहायक आयकर आक्युत (निरीक्षण), अर्जन रोन्ज, गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी संजिल, टी. टी. नगर, भोपाल

दिनांक: 9-9-1983

प्रस्प आइं.टी. एन. एस. -----

श्राय कर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 16 सितम्बर 1983

भिर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3850---यतः, मझे, देवप्रिय पन्त,

सायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- व० से अधिक है

और जिसकी सं० एक मंजिला मकान एवम् भूमि प्लाट नं० 170 हैं तथा जो सेक्टर ई-1, अरेरा कालोनी, भोपाल में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उनित नाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्नरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मंपत्ति का उचित नाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रक्षिक है और धन्तरक (धन्तरकों) भीर धन्तरिती (धन्तरितों) के नीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में नास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (का) प्रस्तरण से तुई किसी प्राय की बाबत उक्र अधि -नियम के अधीन कर देने के भन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; भौर/मा
- ख) ऐसी किसी आप या िक्षी अन या अन्य प्रास्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रिधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त प्रिधिनियम, या अन्
 कर प्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थं अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया या वा किया जाना चाहिए था, छिपान में
 मुविधा के चिए;

मतः मन, उन्त मधिनियम को धारा 269-न के मनुसरण में, मैं, उन्न मधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 (1) श्रो एय० गर्मा, चिता श्रो चरग गर्मा निवासो-श्रो मुणन फेब्रीकेटर्स रोड़ न० 8, गोविन्दपुरा, इंडस्ट्रियल एरिया, भोपाल ।

(अन्तरक)

(2) श्रोमनी स्तेहनता सरकार पत्नी श्री एल० एम० सरकार, निवासी-सिविल लाईन्स, रोवा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा वित सम्पत्ति के अर्जन् के लिए ् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व वे 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वो कर व्यक्तियों में से किसी स्पक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उचत स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया, गया है।

अनुसूची

एह मंजिता सकान एयम् प्राट नंत्रर 170, सेक्टर \S_{-1} , अरेरा कालोनी, भोगात में स्थित है।

देवश्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सह्यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेन्ज, गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल, टी टी नगर, भोपाल

दिनांक: 16-9-1983

प्ररूप आर्थ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, स**हायक श्रायकार बायुक्त** (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 नितम्बर 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3852—यतः, मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परुचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० मकान है तथा जो लक्ष्मीबाई कालोनी, लक्ष्कर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनमूचों में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक 19 जनवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मृत्य उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और मन्तरिती (अन्तरितियों) के मीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उब्दोध्य से उक्त मंतरण सिखित में वास्तिवक रूप से कायत नहीं किया गया है:—

- (क) अनुतरण से हुई किसी आवृक्षी वावत, उक्त विधिनियम के विभीन कर दोने के अन्तरक के वायत्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (श) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों कर जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा को लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीत, निम्निलिखित व्यक्तिसर्यों, अर्थात :— (1) श्री बाबू सिह आत्मज श्रो ओछे सिह, निवासी-लोहिया बाजार, लक्कर ।

(अन्तरक)

(2) सौ॰ फूबारानी पत्नी श्री राममूर्ति सूरी, निवासी---पाटनकर बाजार, लक्कर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्स सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजयत में प्रकाशन की सारीब से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंहर-बच्छ किसी अन्य व्यक्ति क्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्योकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गया है।

अनुसूची

मकान, लक्ष्मीआई कालोनी, लक्ष्कर, ग्वालियर में स्थित है।

देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रोन्ज, गंगोत्री बिल्डिंग, घौथी मंजिन, टी. टी. नगर, भोगाल

दिनांक . 8-9-1983

प्रकृष नाहाँ. टी. एन्. एस.------

जावकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 सितम्बर 1983 निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3853—यतः, मुझे, देवप्रिय पन्त,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं कान म्यु नं 14/72 है तथा जो फीगंज रोड, रतलाम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रतलाम में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक 28 जनवरी 1983

को पूर्विकत संपरित के उचित नाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के निच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उत्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) जुन्त दुण से हुद किसी जायुकी वावत, अक्त विभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दावित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के तिए; जीर/वा
- (च) ऐसी किसी नाय या किसी भन या अन्य जास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर जिथिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर जिथिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिज्याने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उन्तर अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के उधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

(1) श्रीमती लीलाबाई पत्नों मूलभन्द जी जेसवाणी, निवास रतलाम के मु० आम नंदलाल पिता हमनदाम टिन्बाणी, निवासी: रतलाम हाल अहमदाबाद मो० बारा बारा जुलेलाल सोसायटी, जवाहर चौक, सावरमनी, अहमदा-बाद, गुजरात ।

(अन्तरक)

(2) श्री फिदा हुसैन आत्मज रजवअलीजी निवासी— बम्बई 79, पानमोडीया स्ट्रीट सर आलमजी पीरभाई की चाल, बम्बई (महाराष्ट्र)।

(अन्तरिती)

को य**ह सूचना जारी** करके **पूर्वोक्ट सम्पत्ति के धर्जन** के लिए का**र्यवाहियां गुरू करता** हूं।

उन्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजनल में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद म समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्चना के राजपत्र में प्रकासन की तारी आसे
 45 दिन के भीतर उक्त क्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रज्ञोहस्ताकारी के पास
 लिखिन में किए जा नकोंगे।

स्पष्टी तरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो सकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचाचित है, नहीं अबंहोगा जो उस मध्याय में दिया गया है।

मनुस्की

मकान म्यु॰ नं॰ 14/72, फीगंज रोड, रतलाम में स्थित है।

देवप्रिय पन्त, सक्षम अधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रोन्ज, गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल, टी. टी नगर, भोपाल

दिनांक 8-9-1983

प्ररूप आहाँ, टी. एन्. एस.-----

स्राय कि अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-स (1) के अधीन सुसना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भौपाल

भोपाल, दिनांक 8 सितम्बर 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/38 54—यतः मुझ, देवप्रिय पन्त,

आयवर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 सा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

अंदि जिसकी सं० भूमि ख० नं० 395/2 है तथा जो ग्राम लाहोर पिपल्य जिला देवास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्बा अधिकारी के क.यीलय, देवास में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 27 जनवरी, 1983।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित् बाजार मृत्य से कम के श्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचितः बाजार मृत्य, उसके श्रयमान प्रतिफल से एसे श्रयमान प्रतिफल का पंन्द्रह प्रतिशत से अध्क है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरित (अंतरित्यों) के बीच एसे अंतरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल का मन्त्र, निम्नलिखित उद्देषय से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आयुकी बाबत, सक्त जिथानिक्स के ज्योग कर देने के अन्त्रक के बाजित्व में कभी करने या उच्छे ब्चने में सुविभा के सिए; बॉट/वा
- (क) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्सियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया असा चाहिए था स्थिपने में सुविधा के लिए;

अतः अत्र उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, सुर्धातः —

- (1) श्री रमेश नंदवानी पिता जवाहरलाल नंदवानी निवासी-19 पलसीकर कालोनी, इंदौर।
 - 2. श्री एम० के० शरवेकर, निवसी 74/2 मनोरमा-गंज, इंदौर ।
 - 3. डा० जे० जे० निरूरकर पिता जयराम निरूरकर निवासी-2, बाइट चर्च कालोनी, इंदौर। (अन्तरक)
- (2) 1 श्रीकान्त पिना मोहनलालजी अग्रवाल, निवासी— 25/4, उपारांज, इंदौर ।
 - अमरनाथ पिता मोहनलाल जी अग्रवाल, निवासी—
 25/4, उषागंज, इंदौर ।

(अन्तरिती)

को बह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

सकत सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी जाकोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्स, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्नरा, अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि ख० नंबर 395/2, ग्राम लाहोर पिपल्या जिला देवास में स्थित हैं।

> देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रोन्ज, गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल, टी. टी. नगर, भोपाल

विनांक: 8-9-1983

प्रभाव आपे ही एस एस .-----

सायकर स्थिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के स्थीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 सितम्बर 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी'०/अर्जन/भोपाल/3857----यत:, मुझे, देवप्रिय पन्त,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25.900/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० म० नं० 564 है तथा जो महात्मा गांधी मार्ग, इंदौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक, 13 जनवरी 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिय तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखत में बास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वाक्त्, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दावित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बीट़/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्नारा प्रकट नहीं किया भवा था वा किया जाना चाहिए जा, जियाने में सविभा के सिए;

अतः अध्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण तें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती कमलाबाई पित कैलाणचन्द सेठी, निवासी— 14 हुकुमचंद मार्ग, इंदौर ।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री हुकुमचंद पिता फूलचंद
 - 2. श्री मुशीलचंद
 - 3. श्री' णरदचंद
 - 4. संतोष कुमारी पति सुरेश चन्द पाटनी, निवासी 564, महात्मा गांधी मार्ग, इंदौर ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

यनत् सम्पृतित् के नर्शन् के सुम्बुन्ध् में कोई भी कालीय्य---

- (क) इस स्वना के राज्यन में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की नविश्व मां तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति व्यक्ति
- (च) इस् सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 विन् को भीतर खबत स्थान्त सम्मस्ति में हितबद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा नभोहस्ताकारी को पास् सिन्धित में किए जा सकोंगे।

स्थानीकरणः--इसमें प्रयुक्त क्षव्यों और पदों का, जो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

म० नं० 564, महात्मा गांधी मार्ग, इंबीर में स्थित है। (भूमि तथा भवन)

> देवप्रिय पन्तः सक्षम प्राधिकारीः सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोन्ज, गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल, टी. टी. नगर, भोपाल

दिनांक: 8-9-1983

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल दिनांक 12 सितम्बर 1983

निर्वेश सं० आई० ए० सी॰/अर्जन/भोपाल/3860---यतः मझे, देवप्रिय पन्त,

अग्रयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और है जिसकी सं० फ्लैट नं० 6—सी मेघ बिल्डिंग है तथा जो 13/2 एम० जी० रोड़ इंबीर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) (और जिसके अन्तरण से संबंधित विवरण उक्त अधिनियम की धारा 269 ए बी के अन्तर्गत सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय भोपाल में जनवरी 1983 को पंजीकृत माना गया है।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और सफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया बया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिदानं तें सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्ष्मां, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिया उपर्यात ----

(1) श्रीमती उपा मुरेका पत्नी नथमल सुरेका निवासी, वी-92 ईशीना अपार्टमेंट, कार्मस कालेज के पीछे नव रापुरा, अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सावित्री देवी पत्नी देवेन्द्र कुमार, नियामी 22/2 मनोरमा गेंज इंदीर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां श्रूक करता हुं।

उक्त संपत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसिस में किए जा सकी।

स्पक्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुधी

फ्लैट नंबर 6-मी मेध बिल्डिंग, महात्मा गांधी रोड़ इंदौर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सह।यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोन्ज, गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल, टी. टी. नगर,, भोपाल

विनांक: 12-9-1983

प्ररूप आर्घ टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, विनांक 12 सितम्बर 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3861—यतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

क्षायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० मकान अमांक 38/375 है तथा जो ग्वालियर टाकीज के पास, ग्वालियर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी 1983

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, ऐसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आय की बाबत, उनस अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्जिधा के लिए:

गतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित कालियों, स्थित :---

(1) श्री रामदयाल पुत्र श्री रामरखामल, निवासी-फालके की गाठ, रशानियर टार्काज के गारा, स्वालियर ।

(अन्तरक)

(2) डा॰ गोविन्द प्रसाद गुप्ता पुत्र सामलदास गुप्ता, निवासी गोविन्द आयल मिल शिवपुरी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां श्रूष्ट करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचनां के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितनब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्तित में किए वा सकेंगे।

स्यच्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया नया हैं।

अमुसूची

मकान कमांक 38/375 खालियर टाकीज के पास, ग्वालियर में स्थित है।

देवप्रिय पन्त जजजज सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोन्ज, गगोत्री बिल्डिंग, चौधी मजिल, टी. टी. नगर, भोषाल

विनांक: 12-9-1983

प्रका माई० टी०ए ७० एस •---

प्रायकर ऋक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की झार। 269-च(1) के ग्रधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज भोपाल

भोपाल, दिनाक 12 सितम्बर 1983

निर्देश स० आई० ए० सी॰/अर्जन/भोपाल/38 62—पत, मझे, देवप्रिय पन्त.

बाय तर ब्रिबिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन अक्षम प्राधिकारों का, यह विक्तास करने का कारण है कि स्थावर संति जिसका उक्ति वाजार पूर्व 25000'- ६० व अधिक है

और जिसकी स० मकान नबर 38/375 है तथा जो लश्कर, ग्वालियर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीफर्ता अधिकारी के कार्यालय ग्वालियर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी 1983

को पूर्व कित गंपित्त के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) प्रस्तरम ये हुई किसी आय की नावत उसा प्रक्रिक नियम के ग्रिष्ठीत कर देने के ग्रस्तरक के दायित्व में कला करते या उसने वजते में मुविधा के लिए; ग्रीर प्र
- (ख) ऐसी कि स बार स कि ती स या पान स्मास्त्यों की, जिन्हें भारतीय स्नायकर स्रिधिन नम, 1922 (1922 का 11) या उका प्रतिन नम, स धनकर स्रिधिन नम, स धनकर स्रिधिन नम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं सन्तरिती द्वारा प्रकट नदी कि स स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 18-286GI/83

- (1) श्री रामदयाल पिता रामरखामल, निवासी——फालके की गोठ, ग्वालियर टाकीज के पास, ग्वालियर। (अन्तरक)
- (2) श्रीमती सुमन गुन्ता पत्नी श्री डा० गोविन्द प्रसाद गुन्ता, निवासी-गोविन्द आयल मिल, शिवपुरी । (अन्तरिती)

को यह रूवता नारो करते (शीका गम्बीक के पर्जंग के लि<mark>ए कार्य</mark>वाहिया शुरू करताह।

उका सम्यानि के प्रकृत हमाराज्य में काई को प्राक्षेप

- (क) इप भूचा। क राजा। में प्रकामन का नारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उका स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सक्य।

स्वाद्धीकरण ——इनर्ग प्रमुक्त नज्दा प्रौर गद्दी का, जो अक्त स्रिधितियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहा प्रग्रंताग, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकात का भाग जो लग्कर, ग्वातिगर में स्थित है और जिसका भवन कंमाक 38/375 है।

> देशिय पन्त, सक्षम प्राधिका**री,** सहायह आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेन्ज, गगोती बिल्डिग, चौथी मजिल, टी टी नगर, भोपा**≅**

दिनाक: 12-9-1983

प्रकार आर्थ: टी. एत. एस.------आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 15 सितम्बर 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3863—यतः, मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रा से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि ख० नं० 145 है तथा जो मीजा खैरी तहसीत करेली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, नरसिंहपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 21 जनवरी 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने के कारण है कि यथापृत्रों क्त संपरित का उचित बाजार मृल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेषय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक एप में कथित नहीं किया गया है:~~

- (का) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हूं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनुकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती वृत्रारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री बाबू गाल पिता श्री छदामी नाल कौरव नित्रासी खमिरिया सह० गाडरवारा, जिता नर्रासहपुर। (अन्तरक)
- (2) कपिल विनियोग प्राइवेट निमिटेड कनकत्ता । (अन्तरिती)

को मह स्पना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यशिष्ट्यां करता हुं।

उक्त सम्परित को अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (ख) इ.स. सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयाकत शब्दों और पदों का, जो 'जक्स अधिनियम', के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया कथा हो।

अनुसूची

भूभि ख॰ न्॰ 145, मौजा खैरी तहसील करेली में स्थित है !

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रोन्ट, गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल, टी. टी. नगर, भोपाल

विनाक: 15-9-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 सितम्बर 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी'०/अर्जन/भोपाल/3864---यतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है:

और जिसकी सं० भूमि ख० नं० 145 है तथा जो मौजा खैरी तहसील करेली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय, नर्रासहपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 21 जनवरी 1983।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान पितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, .1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री मनोहर बिह पिना श्री छिदामी नाल कौरव नियासी खमरिया तहसीत गाडरवारा जिना नरसिहपुर।

(अन्तरक)

(2) कपित विनियोग प्राइवेट तिमिटेड कलकत्ता । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थार सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिसा में किए जा सकीगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

भूमि ख०नं० 145, मौजा खैरी तहतीत करेली म स्थित है।

> देवप्रिय नता, सज्जन प्राप्ति करो, सहायक अत्य कर अत्युक्त (तिरोज्जण), अर्जन रोन्ज, गंगोकी विल्डिंग, चौथी मंजिल, टी टो. नगर,, भोषाल

दिनांक: 15-9-1983

त्रक्ष बाई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के मभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 सितम्बर 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3865---यतः मझे, देवप्रिय पन्त,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० म० नं० 619/1 है तथा जो बनदेव बाग निवाडगंज वार्ड, जब नपुर में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, जब नपुर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 25 जनवरी 1983।

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एंगे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करनेया उससे कथने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, गा धन-कर अधिनियम, गा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) 1. श्री योगन्द्र कुमार पांडे
 - 2. श्री महेन्द्र कुमार पाण्डे
 - श्री सत्यन्द्र कुमार पाण्डे आत्मन श्री पूरन गान पाण्डे निवासी –निवाडगंज, जबलपुर ।

(अन्तरक)

(2) श्री सरदार धर्म सिंह अत्मज श्री मंगा सिंह 2. श्री सरदार ज्ञान सिंह अत्मज श्री सरदार सिंह निवासी-750, सराका बाजार, जबनपुर । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सपित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन की अविश्व या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होतीं हो, के भीतप प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस झ्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिटबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया मना है।

अनुसूची

मकान नंबर 619/1 खा०नं० 267, बनदेव बाग, निवाइ-गंज वार्ड, जबलपुर तथा भूमि ।

> देवप्रिय पन्त, सञ्जम पाधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रोन्ज, गंगोत्री बिल्डिंग, **चौथी** मंजिल, टी. टी. नगर, भोपाल

दिनांक : 12-9-19**83**

माहर :

प्रकप भाई । डी । एन । एस -----

भावकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थं (1) के प्रजीत मुक्ता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोगान

भोपान, विनांक 15 सितम्बर 1983

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3866---यतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है,) की धारा 269 खं के अधीन सञ्जन प्राधिकारी की, यह विकास करने का कारण है जिल्लाकर संस्त्रति, जिन्हा उजित जाजार मूल्य 25000/- कार से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नंबर 264, बनाक नं० 14, वार्ड नं० 16 है तथा जो दाऊदपुरा, बुरहानपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) राजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, बुरहानपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अजीन दिनांक जनवरी 1983।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :~~

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीत कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः अव, उक्त भ्रमिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-क की उपधारा (1) के अधीन, निम्न्लिखित स्यक्तियों, अधीत्:--- (1) श्री अबाहुसैन वल्द शखयुसुफ अली कनकत्तेवाना निजासी -राजदगारा, बरहानपुर ।

(अन्तरक)

(2) श्रोमतो कमनाबाई पत्नी आनाराम मोरे निवासी-आलमार्गम, बुरहानपुर ।

(अन्तारिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उपक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पच्छीकरण :—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

मन्सूची

म् काल नंबर 264, बनाक 14, वार्ड नंबर 16, दाऊदपारा बुरहानपुर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रोन्जु, गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल, टी. टी. नगर, भोपाल

विनांक: 15-9-1983

प्ररूप माई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 सितम्बर 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भीपाल/3867~-यतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिमकी संख्या मकान नं 753/3, 752/ए है तथा जो सराफा बादार, जबलपुर में स्थित है (श्रीर इसमें उगाबद अनुसूची में श्रीर पूर्व का से विणित है रिजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यात्य, जबनपुर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अशीन दिनाक 5 जनवरी 1983

दो प्वेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एमे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिये था ख्रियाने में सविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-- (1) श्रीमती गंगाबाई पत्नी जगन्नाय प्रसाद निवासी-मेन रोड, कटनी

(अन्तरक)

(2) श्रीरमेश हुमार पिता राम दुलारे सोनी निवासी-675, सराफा बाजार, जबलपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संस्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त संपरित के वर्जन संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यादर;
- (स) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नंबर 753/3, 752/1 ए, ब्रनाक नंबर 48, मेन रोड़, सर्राफा बाजार, जबलपुर में स्थित है।

देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रोन्ज, गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल, टी. टी. नगर, भोपाल

दिनांक: 15-9-1983

प्ररूप **वार्** .टी . एन् . एव . -------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक बायकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 सितम्बर 1983

निर्वेश सं० आर्ड० ए० मी०/अर्जन/भोपाल/3868—-यतः, मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25 000/- रा. से अधिक है

न्नौर जिसकी सं० मकान नम्बर 753/3, 752/1-ए है तथा जो सराका बाजार, जबलपुर में स्थित है भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीखा 6 जनवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाधार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पंद्रष्ट प्रतिदात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्ष कि निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मे कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भवकर अधिनियम, या भवकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्रीमती गंसाबाई पत्नी जगन्नाथ प्रसाद कनकने निवासी---मेन रोड़, कडनी।

(अन्तरक)

 श्री राजेन्द्र प्रसाद बल्द गंलजारीलाल सोनी निवासी—-लार्ड गंज, जबलपुर

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकतें।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दौ और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उन्म अव्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

मकान नं \circ 753/3, 752/1 ए, ब्लाक नम्बर 48, मेन रोड़, सराफा बाजार, जबलपूर में स्थित हैं।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रन्ज, गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल, टी. टी. नगर, भोपाल

तारीख: 15-9-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 सितम्बर 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3869—यत, मुझो, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० म० नं० 753/3, 752/1 ए है तथा जो सर्राफा बाजार जबलपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 6 जनवरी 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन रूर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्रामितो गंनवाई पत्ती जानान प्रनद कारुने निवासी मेन रोड, कटनी।
 - (अन्तरक)
- (2) श्रानतो नावई जात महेग कृतार मोतो, दोक्कित-पुरा, जबनपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चन्म के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

महान नंबर $753^{1}3$ $752^{1}1$ ए, उराह नंबर 48, सर्राका बाजार, जबनपुर में स्थित है।

देत्रप्रिय पन्त मक्षम प्राधिकारी महायक अ यक्र अ पुक्त (निरोक्षण), अर्जन रेन्ज, गंगोत्री बिल्डिण, चौथी मंजिल, टी. टी. नगर, भोपाल

दिनांक: 15-9-1983

प्रकप् भाव . दी. एन्. एस् . ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन स्चेना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, विनांक 15 सितम्बर 1983

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3870-यतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इंसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- से अधिक हैं

और जिसकी सं० म० नं० 766 है तथा जो मढ़ाताल वार्ड, जबलपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक, 24 जनवरी 1983

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रयमान प्रित्तिक्ल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का प्रमुद्ध प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिस्तित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कनी करने या अतत वचने में सुविधा के तिए, आर्र/या
- (च) एसी किसी बाय या किसी वन वा अन्य आस्तिवीं को, जिन्हीं भारतीय आये-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) को प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा को तिए;

अत., अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्तिलिखित व्यक्तिएयों, अर्थात् :--- 19--286GI/83

- (1) श्री हरिश्रसाव जायसवाल वस्त स्व० बिन्द्रा प्रसाद जायसवाल, निवासी-766, मढ़ाताल वार्ड, जबलपुर। (अन्तरक)
- (2) श्री रामदास जायसवाल आस्मज स्व० धनीराम निवासी म० नं० 29 मुकादमनंज, जबलपुर। (अन्तरिती)

को यह सृचना जारी कारके पूर्वोक्त संपक्ति को अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाहोप :--

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन की अविध या तत्सी बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितमद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए का सकारी।

स्वक्कीकारणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाजित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

एक मंजिला मकान नं० 766, मढ़ाताल वार्ड, जबलपुर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त, संभग प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रोन्ज, गंगोची बिल्डिंग, चौथी मंजिल, टी. टी नगर, भौपाल

विनांक: 15 -9-1983

मोहरः

प्ररूप आर्च. टी. एन. एस.,-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 13 सित्तम्बर 1983

निवेश सं० सी० ए० 5/37 ईई०/83-84/231--अतः मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर स्म्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं ं पूर्णट नं ं 750 प्लाट नं 469/ए, गुलटेकड़ी, पूना-37, क्षेत्र 682 स्केयर फीट है तथा जो पूना-37 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप मे विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज पूना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख जनवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूम्हें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, इस स्थमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंति,रितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फस निम्निलिखत उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अत: अत्, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों- अधीत :--- (1) मैसर्म मुथा अवार्टमेंट्स।
 322/11, शंकरपेठ रोड,
 पूना-2।

(अन्सरक)

(2) (2) श्री अरुण ओम प्रकाश बजाज, 12, बी० साईकल को० आपरेटिय हाऊसिंग सोसाइटी, पूना-11 ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० फाईनल प्लाट नं० 469/ए गुलटेकड़ी, पूना-37।

क्षेत्र 682 स्के० फीट।

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत नं० 2844/37 ईई/82-83 तारीख 28-1-1983 को सहायक-आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है)।

शशिकांत कृलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

सारीख : 13-9-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

अ।यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 13 सिसम्बर 1983

निदेश सं० सी० ए० 5/37 ईई०/83-84/232--अत:

मझे, शशिकांत कुलकर्णी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 ∕- रत. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लोर अपार्टमेंट, सी० टी० एस० नं० 216, नारायण पेठ, पूना-411030 है तथा जो पूना-411030 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्दीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में रजिस्द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 दा 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के धरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उक्देश्य से उक्त अन्तरण सिसित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से <mark>हुई किसी</mark> आयं की **या**बत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा को लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

(1) मैसर्स श्री साई बिल्डर्स, अमोध, 48, मुकुन्दवार, पूना-37।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स पण्डित एण्ड एसोसिएट्स, 216, नारायण पेठ, पूना-411030।

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्स संपरित के अर्जन के लिए .कार्यवाहियां करता हो।

उन्कत संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ **पर** स्चनाकी तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्कत में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्कत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ैं[40/5, अ० सिटी एस० नं० 216, नाराय पेठ, पुना-411030।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 279/37 ईई०/82-83 जनवरी, 1983 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

> शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 13-9-1983

त्ररूप काइ . टी. एन . एस . ------

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269∗म (1) के स्थीन सूच्छा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, विनांक 13 सितम्बर 1983

निदेश सं० सी० ए० 5/37 ईई०/83-84/233--अतः मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 15 तृष्ति अपार्टमेंट्स, 247/1, रास्तापेठ, पूना—11 क्षेत्र 550 स्के० फीट है तथा जो पूना—11 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्ममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्ष्ममान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंक्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरिप्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उन्त् अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया ग्या है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उच्ल अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करन या उत्तस वच्ने में सुविधा के सिए; और/वा
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भून-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोखनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया भा या किया जाना चाहिए था, जिन्मा में सुविधा हो किया

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिंखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) मैसर्म मकवाना कत्स्ट्रक्शन्स कं०,
 डिवाईन टेरेस, 913, 914,
 सिने गागे स्ट्रीट,
 पूना--11

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शकुन्तला एस० राव और अन्य, 247/1, रास्ता पेठ, पूना-11

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सुम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवादा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध रिज्सी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विस्ति में किए जा सकांगे।

स्वय्यक्तिरणः :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थहोगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

वनुत्त्री

प्लैट नं 15, तृष्ति अपार्टमेट्स, 247/1, रास्ता पेठ पूना-11, क्षेत्र 550 स्कं फीट,

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37 ईई/आर०-366/82-83 जनवरी, 1983 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना के वफ्तर में लिखा है)।

> गणिकात कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख . 13-9-1983

प्रकृप बाइं. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना पूना,दिनांक 13 सितम्बर 1983

निदेश सं० सी० ए० 5/37 ईई०/83-84/234--अतः भृक्षे, ग्रामिकांस कूलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- का अधीन स्थम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्म्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 8, प्लाट नं० 41, आईडियल कालोनी, पूना—29 क्षेत्र 682 स्के० फीट है तथा जो पूना—29 में स्थित है (और इ.से उपाबढ़ अनुसूर्चा में और पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),अर्जन रेंज, पूना में रिज-स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख जनवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कर निम्नलिखित उद्देश से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक स्प से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी काय की वाबत्, उक्त अधिनियम के अभीन कार दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने से वजने में सुविधा के लिए; और∕या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिसित स्यक्तियों, अर्थातः :— (1) मैसर्स कटारिया एसोसिएट्स,1363, सदाणिय पेठ,पूना-30

(अन्तरक)

(2) श्री धनंजय श्रीपाद गन्धे, 46/2, शिक्षाजी नगर, पुना-5।

(अन्सरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृतितः के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शृक्यों और पतों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं., वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

मनुसूची

फ्लैट नं० 8. प्लाट नं० 41, आईडियल कालोनी, पूना— 29. क्षेत्र 682 स्के० फीट ।

जैसे कि रिजस्ट्रीकृत नं० 37 ईई०/आर०-523/82-83 जनवरी, 1983 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।

> मणिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 13-9-1983

प्रकप वार्षं .टी . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 13 सितम्बर 1983

निदेश सं० सी॰ ए० 5/57 ई०ई०/83-84/235—अतः मुझे शशिकात कुलकर्णी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी स० फ्लैट नं० 44/2 रामबाग कालोनी स नं० 121/122, कोयकड पूना क्षेत्र 74 स्के० मीटमं है तथा जो पूना में स्थित है (और इसते उपाबद्ध अनसूबी में और पूर्ण रूप संवर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1983

को पूर्वांक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूको यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वस्मान प्रतिफल से, एसे स्थयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिक्क कम निम्नलिक्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिक्तित में बास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिमियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे अजमे में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य नास्तियों करें, जिन्हें भारतीय नाय-कर निभिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निभनियम या भन-कर निभिन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने ये संविधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अनुतरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) म सर्स स्वानन्द कन्सर्नेट्रश्यान्स, 36/3, एडरवना, पूना--4।

(अतरक)

(2) श्री के० आर० जोशी और अन्य, 1391, सदाशिय पेठ, पूना-30।

(अन्तरिती)

का यह सूचना चारी करके पृशीक्त सम्पृत्ति के अर्थन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे प्रवित्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिख्स में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शुक्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में तथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मन्सूची

फ्लैट 44/2, रामबाग कालोनी, सं० नं सं० 121/122, कोथरुड, पूना-29।

जैसे कि रिजिस्ट्रीकृत नं० 37 ईई०/आर०-432/82-83 जनवरी, 1983 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।

गणिकांत कुलकर्णी , मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 13-9-1983

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 13 सितम्बर 1983

निवेश सं० सी० ए० 5/37 ईई०/83-84/236--अतः मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- सं अधिक है

भौर जिसकी सं० पर्लंट हैंपी कालोनी कोथरु, पूना-29, क्षेत्र 690 स्के० फीट है, तथा जो पूना-29 में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजरट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में रिजिम्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1983

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वाक्ति संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरकों और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल हम्मिसिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; आर./या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) यां उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरकः में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

(1) मैंसर्स अंकुर प्रोमोटर्स एण्ड बिल्डर्स, 37/2, आविष्कार अपार्टमेंट्स, पूना-411004।

(अन्तरक)

(2) श्रीराम विश्वाम सोहनी और अन्य, 1118/ए/7, स्वानन्द एकाकी रोड, पूना-5।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पर्योक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कीई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर स्वान की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उच्त स्थावर संपत्ति में हित- सब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्यव्यक्तिरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा उत्त अध्याय में दिया भ्या हैं।

अनुसूची

फ्लैट --हैपी कालोनी, कोथरु४ पूना 29, क्षेत्र 690 स्कें फीट।

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत नं० 37 ईई०/आर०-276/ 82-83 जनवरी, 1983 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

> शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 13-9-1983

मोहरु 🖫

प्ररूप आई.टी एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 13 सितम्बर 1983

निदेश सं० सी॰ ए० 5/37 ईई/83-84/287--अतः

मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० प्लाट नं० 29, फ्लैंट नं० 2 डहानूकर कालोनी, कोथरुड पूना 29 है तथा जो पूना-29 ों स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज, पूना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह रिष्ट्राम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत. उन्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अयः, रुक्त अधिनियम की धारा 260-म के लवसरण मों, मीं उक्त अधिनियम की धारा 260-घ की रुपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) मसर्स पद्मावती एन्टरप्राइजेस, 619, सदाशिव पेठ, पूना-30।

(अन्तरक)

(2) श्री वी० एम० पुरनदरे श्रौर अन्य, 36, बुद्धवार पेठ, पूना-2।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थार सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियन के अध्याय 20-क में परिभाषित हौं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 29, फ्लैंट नं० 2, डहानूकर, कालोनी, कोथरुड, पूना-29।

(जैसे कि रिजिस्ट्रीकृत निं० 37 ईई \circ /462/82-83-जनवरी, 1983 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

शिक्षकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 13-9-1983

भाहर:

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.-----

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

ब्राइव ब्रुकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 13 सितम्बर 1983 निवेश सं० सी०ए० 5/37 ई०ई० /33-84/238

यतः मुझे शशिकान्त कुलकर्णी

बायक र अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 8, नीलकष्ठ अपार्टमेंट्स, 60, रास्ता पेठ, पूना—11 क्षेत्र 410 स्के० फीट है तथा जो पूना—11 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का बन्त्रह प्रशिष्ठत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (जंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक स्प के कथित नहीं किया गया है:--

- (फ) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उसर आधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों का, जिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः. अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 20.—286GI/83

(1) मैसर्स मकवाना कल्स्ट्रक्शन्स, कम्पनी डिवाईन टरेस, 913-914, सिनेगाग स्ट्रीट, पूना-1।

(अनगरक)

(2) श्री प्रह्लाद शंकर गायकवाड़,255, नाना पेठ,पूना-2।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) ६स सूचना के एजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसर्भे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसुची

फ्लट नं० 8, नी तकण्ठ अपार्टमेंट्स, 60 रास्ता पेठ, पूना-11 क्षेत्र 410 स्के० फीट ।

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत नं० 37 ईई०/आर०-364/82-83 जनवरी, 1983 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

> शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 13-9-1983

मोह्यर 🗓

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

न्नायकर प्रक्रितियम, 1961 (1961 का 43) की झारा 269-च (1) के मंत्रीत सुचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, विनांक 13 सितम्बर 1983

निदेश सं० सी० ए० 5/37 ईई/ 83-84/239—अत: मझे, शश्चितांत कूलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 17, तृ प्ति अपार्टमेंट्स, 247/1, रास्ता पेठ, पूना—11 क्षेत्र 641 स्के० फीट है तथा जो पूना—11 में स्थित है (और इससे उपाग्रद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का तिचत बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिता (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निस्निविधित हर्देश्य से उक्ष अन्तरण लिखिन में शस्त्रिक कर से कथिन वहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी फरनेया उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (छ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

(1) मकवाना कन्स्ट्रक्शन कं० (एस० एस० डब्ल्यू०) डिवाईन टेरेस 913-914 सिनेगाग स्ट्रीट पूना-1।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जमुना सुख्वाराव मोहरकर 247/1 रास्ता पेठ, पूना-11।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उन्तर स्थावर सम्पत्ति में हित- इस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकर्ति।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्सूची

फ्लैंट नं० 17 तृष्ति अपार्टमेंट्स 247/1 रास्तापेठ पूना-11 क्षेत्र 641 स्के० फीट ।

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत नं० 37 ईई०/आर०-367/ 82-83 जनवरी 1983 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है)।

> शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 13-9-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज पूना

पूना, दिनांक 13 सितम्बर 1983

निदेश सं० सी० ए० 5/37 ईई/83-84/240—अतः मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

नायकर निर्मान । 961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त निर्मिनयम्' कहा गया है), की भार 269-ज के निर्मान सक्षम प्राप्तिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रत्पर्य से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 13 तृष्ति अपार्टमेंट्स 247/1 रास्ता पेठ, पूना—11 क्षेत्र 641 स्के० फीट है तथा जो पूना—11 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना मे रिजस्ट्रीकरण अधि—नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी 1983

को पूर्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृइं है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एक दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है (और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरण से हुई किसी बायकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के बायित्व में कामी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नालिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मैसर्स मकवाना कन्स्ट्रशन्स **कं०** (एस० एस० डब्ल्यू०) डिवाईन टेरेंस 913, 914 सिनेगाग स्ट्रीट पूना-1।

(अन्तरकः)

(2) श्रीमती रकुमाबाई विट्ठल राव 247/1 रास्ता पेठ, पूना-11।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदद्यारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिल्बाइंध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्या है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 13 तृष्ति अगार्टमेंट्स 247/1 राम्ता पेठ, पूना-11 क्षेत्र 264 स्के० फीट।

(जैंसे कि रिजिस्ट्रीकृत नं० 37 ईई/आर०-365/ 82-83 जनवरी 1983 को महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)- अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

> णिकातंत कुनकर्गी, सत्तम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज• पूता

तारीख : 13-9-1983

प्रकृष बार्ब . दी . एव . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-ा, अम्बर्द

बम्बई, दिनांक 14 सितम्बर 1983

निदेश सं० ए० आर०-1/48 4 2/8 3-8 4-अत: मुझे, आर० के० बकाया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- ए. से अधिक है

और जिसकी सं० सं१० एस० नं० 2/1080, फोर्ट डिवीजन तथा जो मिट रोज, बम्बई में स्थित है और इस से उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27 जनवरी, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करंने का कारण है कि यथापूर्वाकत सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, ऐसे द्रायमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में भास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोनें के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृषिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्रीमती अमतुजराबाई उर्फ अमतुजेहराबाई हसन अली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मीना हिमत मेहता और हिमत हरगोविन्द मेहता।

(अन्तिरिती)

ह्याईट एण्ड कम्पनी, प्रभुदास खुशाल

ईस्टर्न ट्रेडिंग एण्ड इन्जीनियरिंग कम्पनी।

4. प्राप्तर एण्ड कम्पनी ।

वह ठ्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पति है को ग्रह सूचना जारी करके पृत्रों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवाय;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हिंत- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के वाम लिखित में किए जा सर्कांगे।

म्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय २०-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

जैसा कि विलेख सं० बम्बई 2304/82 और जो उप-रिजस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 27 जनवरी, 1983 को रिजस्टई किया गया है।

> आर० के० बकाया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उवत अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीख: 14-9-1983

प्रस्प आही. टी एन एस -- ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज--1, बम्बई

बम्बई, दिनाक 14 सिनम्बर 1983

निदेण मं० ए० अ।२०-1/37 ईई०-113/83-84--अत मुझे, आ२० के० बकाया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिमका उचित वाजाए मृत्य 25,000/ रा. से अधिक है

और जिसकी सं० ब्लाक नं० डी 8, आदिताथ को० आपरेटिव हाऊसिंग सोसाइटी लिमिटेड है तथा जो बडाला, बश्बई में स्थित है (और इससे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप से बिणत है), और जिमका करारतामा आयकर अधिनित्मम, 1961 की बारा 269 केख के अधीन, बम्बई स्थित, सक्षम प्राधिकारी, महायक आयकर आयुक्त अर्जन इलाका-1 के कार्यालय में दिनाक 27-1-1983 को रजिस्ट्री है।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति से उचित बाजार मूल्य से कम के स्वरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे पास्किक रूप में किथत नहीं किया गया है.——

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए आर/बा
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ कारे, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के बिए:

कत कत्र, उक्त विधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीबीं० जी० धरेद्र ।

(अन्तरक)

(2) श्री अ(२० पी० डिसिल्बा।

(अन्तर्रती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रिक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किशी ध्या क्त सूवारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसे। अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
 पास किखित में किए जा मकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ब्लाक डी॰-८, चीथा माला, आदि नाथ को॰-आपरेटिव हाऊसिंग सोसाइटी लिमिटेड, शेख मिसरी रोड, अनटॉप हिल, वडाला (पूर्व), बस्बई-37।

अनुसूची जैसा कि अर्जन इलामा क्रमांक 1/103/82-83 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई ढारा दिनांक 27 जनवरी, 1983 को रजिस्ट्री किया गया है ।

> आर० के० बकाया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेज-1, बम्बई

तारीख : 14--9-1983

प्रकाप बाहु . टी. पृत्. एस. ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुभना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर 1983

निदेश सं० ए० आर०-1/37 ईई0/50/83-84—अतः मुझे, आर० के० बकाया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं

और जिसकी सं० पर्लंट नं० 2, 'सी० लार्ड ए' है तथा जो कफ परेड, बम्बई मे स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची मे और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के प्रधीन, बम्बई स्थित, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयुक्त अर्जन इलाका—1 के कार्यालयों में दिनांक 25 जनवरी 1983 को रजिस्ट्री है

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिदृश्त से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिस्ति उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिसित में कास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाक्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्करक के वायित्य में कामी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री सोमेणचन्द्र बोस, श्री अरुण कुष्ण सर्वाधिकारी, भागीदार : मैसर्स बोस इन्जीनियरिंग एण्ड कन्स्ट्रक्शन्स कम्पनी ।

(अन्तरक)

(2) इसार कन्स्ट्रक्मन सिमिटेड।

(अन्तरिती)

- (3) (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्मित्त में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त रुम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से कियी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताकारी के पास निक्तित में किए जा सकते।

स्पाकिरण :--इसमें प्रयुक्त कन्दों निर पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मा दिया गया है।

मनुसूची

पलैंटनं० 2, दूसरा माला, 'सी-लार्ड ए' 117 कफ रोड, बम्बई-400005।

अनुसूची जैसा कि अर्जन इलाका कम 1/100/82-83 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 23-1-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

आर० के० बकाया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

जतः अब उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भाग 269-प की उपभाग (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीखा : 13-9-1983

प्ररूप आर्च. टी. एन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बम्बई बम्बई,दिनांक 15 सितम्बर 1983

निवेश सं० ए० आर०-3/37ईई/248/83-84--अतः मुझे, एस० एच० ग्रब्बास ग्रबिदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० बी-1, शीतल एपार्टमेट, महात्मा फुले रोड, मुलुंड, बम्बई-81 है तथा जो बंबई में स्थित है (और इससे ऊपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका

करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित, सक्षम प्राधिकारी आयकर आयुक्त अर्जन इलाका 3 के कार्यालय में दिनांक 17 जनवरी, 1983 को रजिस्ट्री है

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृज्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की यद्दें हैं और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृज्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल, से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकार्ने) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिचित उद्देश्य से उक्त अंतरण विचित्त में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:---

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने को अंतरक को दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा को लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय अध्यकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना थाहिए था, छिपान में सूविधा के निए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) मैं मर्स शीतल कन्स्ट्रवशन कम्पनी ।

(अन्तरक)

(2) श्री रमेश नामदेव माने ।

(अन्तरिती)

(3) भ्रन्तरक

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) प्रन्तरक

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति मे हितबद्ध है)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करतः हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस के किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जे उकत अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हीं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० बी-1, शीतल अवार्टमेट, म्युनिसिपल हास्पिटल के सामने, महात्मा फुले रोड, मुलुंड बम्बई 81!

अनुसूची जैसा कि अर्जन इलाका कर्मोंक 3/453/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17 जनवरी, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एस० एच० अब्बास आबिदी सञ्जाम प्राधिकरी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 15-9-1983

्रा १ मा. एस. एस

शयकर अधिन्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज—ाा, वस्वई वस्वई, दिनां रु 15 सितम्बर 1983 निदेण सं० ए० आए०-3/37 ईई०-203/82--83---अनः मुझे, एस० एच० अब्बास आविदी,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उनत अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-स के अधीन सक्षम जीधकारी को, यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थाप पर्याति, है है। है है जाजार पूज्य 25.000/- है है विश्वास के

और जिसकी सं० पनैटनं० ए-5, अरीहंत गोपाल कृष्ण गोबले, रोड, मुलुंड (पूर्व), बम्बई-81 है तथा जो मुलुंड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयार अजिन्यम,

1961 की धारा 269 अख के अधीन, बन्बई स्थित, रक्षिम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन इलाका 3 के कार्यालय बम्बई में दिनां के 14 जनवरी, 1983 को रजिरड़ी है। को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूरे यह तिश्वास करने का कारण है कि यथाय्कीयत सम्पत्ति का उचित्र पाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरक्तें) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्तर अन्तरण लिखित में बास्त- विक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दािण्ल नें कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसा किसो आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1932 11 ज उक्त अधिनियम, 1957 या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या विद्या जाना चाहिए था, छिपाने में मुविशा के नित्त,

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, एक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

(।) श्री तमजी भान जी भहा।

(अन्तरक)

(2) श्री उत्तम रामजीभाई गाला।

(अन्तरिती)

(3) अन्त्रती

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

(4) मैसर्स गोगाल बिल्डर्स,
3/83, अनुभव पार्क,
गोराडिया नगर,
वाटकोपर (पूर्व),
वम्बई-77 ।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह मूचना जारी करके एवा कित सम्पत्ति के अर्जन के लिए अर्थवाहिया करता हा ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षंप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अविधि या तत्मम्बन्धी त्यिक्तयो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि तत्र १ सम्बद्धानी को, के भीतर पूर्वामर करी, नवीं को किस्ट व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस मूचना के राजपान मो प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर प्राप्त स्थावन सम्पत्ति मो हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पाम

स्पष्टीकरण :—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याप 20-क में परिभाषित हाँ, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अन्सूची

पर्यटनं ० ए-5, दूसरा माता, अरीहन्द विल्डिंग, गोपाल कृष्ण गोबले रोड, मुलुंड (पूर्व), बम्बई-81।

अनुमूची जैसा कि अर्जन इलाका 3/210/82-83 और जो सअम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14 जनवरी, 1983 को र्राजस्टर्ड किया गया है।

एस० एच० ग्रब्बास आबिदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, बम्बई

तारीख: 15-9-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

म्रायकर त्रिश्चितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 सितम्बर 1983

निदेश सं० ए० आ४०-3/37ईई/484/82-83--अत मुझे, एस० एच० अब्बास आबिदी,

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इनमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, को धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फलैंट नं० 20 माल बिका को० आपरेटिय हार्ऊ सिंग मोसाइटी लिमिटेड कांति नगर है तथा जो बामनपुरी रोड, अन्धेरी (पूर्व), बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप के वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन इलाका 3 के कार्यालय में दिनांक 17 जनवरी, 1983 को रजिस्दी है।

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मभ्रे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत अधिक है और अंसरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तु-विक रूप से कथिस नहीं किया गया है :--

- (कः) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ग्रंचने में सुविधा के लिए; गौर/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचित्रित व्यक्तियों, अर्थात :----21—286GI/83 (1) श्री आर० एन० ग्प्ना ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती गील।देवी मार्नामह ठाकुर।

(अन्तरिती)

को यह स्थान जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के आनि के लिए कार्यवाहिया करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप .---

- (क) इस सूचना के राज्यित में पकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी त्यिक्तयों पर सूचना की तामीज से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सचना के राजपप्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपन्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोत्र-पाक्षरी के पास लिस्ति में किए जा सकींगे।

स्पद्धीक रण: -- इसमें प्रयुक्त इंद्वों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 20, मालबिका को० आपरेटिय हाऊसिक सोमाइटी लिमिटेड, अन्धेरी (पूर्व), अम्बई-59 । अनुसूची जैसा कि अर्जन इलाका क्रमांक 3/503/82-83 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ब्रारा दिनांक 17 जनवरी, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> एस० एच० अब्बास आबिदी सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज–III, बम्बई

तारीख . 14-9-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आय्क्स (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, बम्बई बम्बई, दिनाक 12 सितम्बर 1983 निर्देश स० ए० आर०-2/37 ईई/349/82-83--अत मुझे, एस० एच० अब्बास अबिदी

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क सं अधिक है।

और जिसकी म० प्लाट न० 3, प्रकृति को० आपरेटिव हाऊ— सिंग सोमाइटी लिमिटेड, पराजपे स्किम रोड, न० 2, विले— पार्ले (पूर्व), वम्बई—57 है तथा जो विलेपाले में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिसका करारनामा आयकर

अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन इलाका 1 कि कार्यालय, में दिनाक 15 जनवरी, 1983 को रजिस्ट्री है।

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है, और मुभे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्मान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकास, निम्नलिखित उद्देषय से अन्तरण केन्तरियां निकास में बास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया अर्थ:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आग की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत अष, अक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण भें, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती ऊषाबेन इन्द्रकात ग्रहा।

(अन्तरक)

(2) श्री शांतिलाल लहेरचन्द शहा।

(अन्तिरिती)

(3) जैसा ऊपर स० 2 में कोई किराएदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप '——

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों., के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबदा किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास खिखित में किए जा सकेंगे।

स्थलकीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट न० 3, प्रकृति को० आपरेटिय हाऊसिंग सोसाइटी लिमिटेड, पराजपे स्किम रोड, न० 2, विलेपार्ले (पूर्व), बम्बई-57।

अनुसूची जैसा कि अर्जन इलाका क्रमाक 2/459 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 15 जनवरी, 1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

एस० एच० अब्बास अबिदी
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज--2, बम्बर्ध

नारीख 12-9-1983 मोहर:

श्रुक्य वाही, दी. एन. एस.------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत् सरकार

कार्यालय., सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर 1983

निर्देश मं० ए० आर०-2/37ईई/454/82-83--अतः मुझे, एम० एच० अब्बाम अविदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० ए-4, दूसरा माला णमास फ्लेस की अपरेटिव हाऊसिंग सोसाइटी लिमिटेड, हिल रोड बान्द्रा, बम्बई-50 है तथा जो बान्द्रा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा

269 कख के अधीन, बम्बईस्थित, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन इलाका 2 के कार्यालय में दिनांक 25 जनवरी, 1983 को रजिस्ट्री है।

को पूर्विक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ध है और भूमे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; ब्रीट/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती राभिया मोहम्मद हमीद काश्मी । (अन्तरक)
- (2) 1. श्री शफाकत हुसेन,
 - श्री लोखंडवाला।
 - 2. श्रीमती मरीयम एस० लोखंडवाल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथावित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मित्त के वर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ;---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो और अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूकां कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंने।

स्पस्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याद 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

वन्स्ची

पलैट नं ० ए/4, दूसरा माला, णमास प्लेस को० आपरेटिय हाऊसिंग सोसाइटी लिमिटेड, 98 हिल रोड, बान्ध्रा बम्बई-501 अनुसूची जैसा कि अर्जन इलाका क्रमांक 2/396/ और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ब्रारा दिनांक 25 जनवरी, 1983 को रजिस्ट्रंड किया गता है (

> एस० एच० अब्बास अबि**दी** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बर्फ

तारीख: 13-10-1983

प्रकृप आहे .टी .एन . एस . -----

आयुक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांव: 13 सितम्बर 1983

निदेश सं० ए० आर०-2/37 ईई/425/82-83—अतः मुझे, एस० एच० अब्बाग अबिदी.

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् जिन्त को धिनियम कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, किस्का उनित बाजार मूख्य 25,000/-रु. से अधिक ही

और जिसकी सं० ग्रीन पार्त को० आपरेटिय हाऊसिंग मोसायटी लिमिटेड, नं० 27, 4था माला लिकिंग रोड, एक्सटेंजन, मिड चौक, ओरलेम, मालाड (पिषचम), बम्बई-64 है तथा जो मालाड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में ऑर पूर्ण रूप सं विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन इलाका 2 के कार्यालय में दिनांक 25 जनवरी, 1983 को रजिस्ट्री है

को पूर्विक्त सम्पत्ति कं उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किश्वास नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसा आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिबित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) मैसर्म पट्टाथू ब्रदर्स।

(अन्तरक)

(2) मि० फांसिस झेवियर चाको।

(अन्तरिती)

करे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपह्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्यक्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में क्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

ग्रीन पार्क को० आपरेटिय हाऊसिंग सोसाइटी लिमिटेड नं० 27, चौथा माला, लिकिंग रोड, एक्सटेंशन मिड चौक, ओरलेम, मालाड (पश्चिम), बम्बई-64।

अनुसूची जैसा कि प्रर्जन इलाका कं० 2/368 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-1-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एस० एच० अब्बाम अबिवी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 13~9-1983

प्ररूप वार्इ.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बम्बई बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर, 1983

निर्देश स० ए० आ५०-2/37 ईई/672/82-83—अतः मुझे, एस० एच० अब्बास अबिदी

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 33, गौरव बिल्डिंग भन्न नगर, कांदिवली, बम्बई-67, सी० टी० एस० नं० 414, से 416, 418 से 422 और 427 है तथा जो कांदिवली में स्थित है (और इसमे पाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), और जिसकी कर।रनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित, सक्षम प्राधिकारी, सह।यक आयकर आयुक्त अर्जन इलाका 2 के कार्यालय में दिनाक 14 जनवरी, 1983 को रजिस्ट्री है।

का पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उाचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में मास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना थाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिस्ति व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मैसर्स जितेन्द्र बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) श्री आर० डी० परव।

(अन्तरिती)

(4)

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काहर भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास् लिखित में किये जा सकोंगे।

स्मष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अधे होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 33, ग्राउण्ड फ्लोर, गौरव बिल्डिंग, भद्र नगर, कांदिवली, बस्बई-67 ।

सी॰ टी॰ एस॰ नं॰ 414 और 416, 418 से 422 और 427।

अनुसूची जैंसा कि अर्जन इलाका कमाक 2/649 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14 जनवरी, 1983 को रजिस्ट्री किया गया है।

एम० एच० अब्बाम अबिदी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज्-2, बम्बई

तारीख: 13-9-1983

मोहर ।

प्ररूप. आई. टी. एन्. एस. ----

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दाक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

वम्बई, दिनांक 15 सितम्बर 1983

निदेश मं० ए० आर०-2/37ईई/397/83-83--अतः मुझे, एस० एच० अब्बाम अविदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० प्लाट नं० 3, दीप माला नमार को० आप-रेटिव हाऊमिंग सोसाइटी लिमिटेड, आर० रोड, बम्बई-400052 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-1-1983 श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन, बम्बई स्थित, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (नियुक्त), अर्जन इलाका-2 के कार्यालय, में दिनांक 15-1-1983 को र्राजस्ट्री है। को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के धरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित वाजार मल्य, उसके खर्यमान प्रतिफल से, एसे खर्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पागा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उदधेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तीवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोनें के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उपसे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सिवधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (।) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री मत्यनारायण रमणलाल अग्रवाल।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मोहीनी गांतिलाल गर्मा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा. जो उस अध्याय में विया गया है।

अमुसूची

प्लाट न० 3, "दीपमाला" नासीर को० आपरेटिब हाऊसिंग सोसाइटी लिमिटेड, खार, बम्बई-400052 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि अर्जन इलाका-2/315/82-83 और जो, सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 15 जनवरी, 1983 को रिजस्टई किया है।

एस० एच० अब्बास अबिदी सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

नारीख : 14-9-1983

प्ररूप आई॰ टी॰ एन॰ एस०---

भ्रायक र ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2 वम्बई वम्बई, दिनांक 15 सितम्बर 1983

निर्देश सं० प० आर०-2/37ई०है/671/82-83—अतः मुझे एस० एच० अब्बास अबिदी,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)., की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट ऋ० 1, प्लाट नं० 39-ए, पांड्रंग वाडी गोरेगांव (पूर्व), बम्बई-400063 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), जिसका करारनामा ग्रायकर 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन, बम्बई स्थित, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन इलाका-2, के कायलिय में दिनांक 14-1-1983 को रजिस्ट्री है। को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान पतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्तेयह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती ग्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय् या किसी धन्या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम्, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम्, या धनकर अधिनियम्, 1957 (1957 का 27) के प्रभोगीयं तिस्ति हारा कर नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए;

अतः म्रब, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. मेसर्स राम ग्रॅन्ड असोसीएट्स

(यहारक)

2. श्रीमती वसुंधरा प्रमोद देवघर

(अन्नरिती)

3. अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उवत सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचमा की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कों।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेंट ऋ० नं० 1, पांडुरंग वाडी गोरेगाव, (पूर्व), वस्वई 400063 में स्थित । अनुसूची जैसा की अर्जन इलाका-2/648, ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 14-1-1983 को रजीस्टर्ड किया गया है।

एस० एच० अव्वास अबिदी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, 2 वम्बर्ड

तारीख: 15-9-1983

प्ररूप आहाँ. टी. एन. एस.-----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर, 1983

निर्देश मं० एआर-II $/37 \xi \xi /715/82-83$ —अतः मुझे एम० एष० अब्बास अवीदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000∕- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 91 श्रीर जो मीं० टी०एस० नं० 1120, बेर्ली माला रोड, बान्द्रा है तथा जो बान्द्रा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारों के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 14 जनवरी 1983 श्रीर जिस का करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 कखके श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन इलाका-2 के कार्यालय में दिनाँक 14-1-83 को रिजस्ट्री है

को पूर्वोक्स संपरित के उचित नाजार मूल्य से के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित प्रचित नाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के नीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिचित उद्वदेश से उच्स अन्तरण लिचित में नास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीर, निम्नितिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. मैसर्स कामधेनु एंटरप्राईसेस।

(अन्तरक)

2. श्रीमती आयरिन मेहता।

(अन्तरिती)

- 3. प्राप्त नहीं है
 - (वह व्यक्ति जिसके अधिमोग में सम्पत्ति है)
- 4. मैसर्स कामधेनु इंटर प्राईसेस श्रीर
 - (2) कुमारी आयरिन मेहता।

(वह व्यक्ति जिसके वारे में अधोहस्ताक्षर जानता है कि वह सम्पत्ति में हित वढ़ है

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपर्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पस्तीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दी और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

फ्लेट नं० 91, 9वीं मंजिल श्रौर जो सी० टी० एस० नं० 1120, बेर्ली माला रोड़, बान्द्रा, बम्बई में स्थित है। अनुसूची जैसा कि अर्जन इलाका-2/687 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी वस्वई द्वारा दिनांक 14-1-1983 को रजिस्द्रुफ किया गया है।

एस० एच० अव्बास अबिदी) सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बर्ड

नारीख: 13-9-1983

मोहुर 😗

प्रकृष बाइ. टी. एन्. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 2, बम्बई रेटिनंक 14 सिमामर 16

बम्बई, दिनांक 14 सिसम्बर, 1983

निर्देश सं० ए० आर० 2/37**६**\$1/-350/82-83—-भ्रत: मुझे, एस० एच० अब्बास अबिदी

आयंकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थामर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या प्लाट न० जी-5, कल्पना को-श्रपरेटिव हाऊसिंग सोसायटी लिमिटेड, बेसंट स्ट्रीट, सांताकुज (पश्चिम) बम्बई-54 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 के अधीन, बम्बई स्थित, समख प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज-2, के कार्यालय में तारीख 15 जनवरी 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्तें यह विश्वास करने का कारण है कि यभाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथ्त नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-**ग की उपधारा (1)** के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---22---286GI/83 1. श्रीमती क्मुद चदुलाल पाव।

(अन्तरक)

2 श्री मुरेंद्र सी० बुटाला।

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के एजपृत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्थिक्त दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित, ह¹, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कल्पना को-श्रापरेटिय हाऊसिंग सोसायटी लिमिटेड प्लाट नं जी०-5, बसंत स्ट्रीट, सांताकूज ('पिष्चम), बम्बई-54, । अनुसूची जैसा की अर्जन इलाका क्रमांक 2/291 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 15 जनवरी 1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

एस० एच० अब्बास अबिदी सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2 **ब**म्बई

नारीख: 14-9-1983

मोहर 🕄

प्ररूप आहें. टी. एन. एस.------

आयफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, अम्बई

बम्बई, दिनांक 14 सितम्बर, 1983

निर्देश सं० ए० आर०-2/37 ईई-425/82-83—यतः मुझे एस० एच० अब्बास अबिदी

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० बी०-9, 2रा माला, निर्मला निकेतन, प्लाट नं० 21-डी० टी० पी० एस 17/एस०, एस० बी० रोड़, मांताकूज (पश्चिम), बम्बई-54; स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका कर 1रनामा श्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रंज-2, के कार्यालय में 25 जनवरी 1983 की रजिस्ट्री है को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य स कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्त यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (गंतरकों) और अंतरिती अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्भ के लिए तय पाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुईं किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ए'सी किसी आय या किसी भन या जन्य आस्तियों को जिन्ह³ भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री जयंती लाल माधवजी पुरोहित ग्रौर श्रीमती धनलक्ष्मी जयंतीलाल पुरोहित।

(अन्तरक)

2. श्रीमती गौतम ईश्वरलाल शाह।

(अन्नरिती)

3. अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकरा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकरी।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० बी-9, 2रा माला, निर्मल निकेतन, प्लाट नं० 21-डी०, टी०पी०एस० 17/ए०, एस० बी० रोड, सांता-कूज (पश्चिम), बम्बई-54। अनुसूची जैसा की अर्जन इलाका कमांक 2/369 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25 जनवरी 1983 को रजिस्टेंड किंवा गया है।

> एस० एच० अब्बास अबिदी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2 बम्बई

तारीख: 14-9-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियस,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (नित्रीक्षण) श्रर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 सितम्बर 1983

निर्देश सं० एआर- 2/37ईई-33/82-83—यतः मुझे मझे एस० एच० अब्बास आविदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 1057, राजदीप, 319 टैन्क रोड, सान्ता कूज (पिक्षिम) बम्बई 400054 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाश्रद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 कख के श्रिधीन, बम्बई स्थित, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर अयुक्त (निरीक्षण) अर्जन इलाका-2, बम्मई के कार्यालय में 15 जनवरी 1983 को रिजस्ट्री है।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिचत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

न्तः मंग उनतः अधिनियम की भारा 269-ण के ननुसरण में, में, उनतः अधिनियम की भारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिप्ति व्यक्तियों, अर्थात् : 1. मैसर्स राज एण्ड कम्पनी।

(अन्तरक)

2. श्री जसवंतलाल जयकिशनदास शाह।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं श से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब इध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकों गे।

स्पष्डीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

प्लाट नं० 1057, राजदीप, 319 टैन्क रोड, सान्ताकूज (प), बम्बई-400054 में स्थित । अनुसूची जैसा कि अर्जन इलाका-2/343/82-83, श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 15-1-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

एस० एचं० अध्यास अविदी सक्षमं प्राधिकारी सह्युक्रम आयकर **आयुक्**त (निरीक्षण) अर्जन^{ा स्}य <u>२ बस्</u>बाई

तारीखः 14-9-1988

मोहर 📜

प्ररूप भाइ . टी. एत. एस. -----

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज 2, बम्बई

बम्बई, दिनाक 13 सितम्बर 1983

निर्देश स. ए० आर०-2/ 37 ईई-670/82-83—यत मुझे, एस० एच० अब्बास अबिदी आयकर मिसिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् जक्त प्रवित्यम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राविकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्यत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/-द० से प्रविक है

श्रौर जिसकी स० ग्रीन पार्क को-आपरेटिय हाऊसिंग मोसायटी लिमिटेड सी० एस० न० 325 (भाग), एस० न० 28, हिस्सा न० 4 (भाग), लिक रोड श्रोरलेम, मालाड (पश्चिम), बम्बई, स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), (2) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 कल्म के श्रिधीन, बम्बई स्थित, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रीयुक्त श्रजन इलाका 2 के कार्यालय म तारीख 14 जनवरी 1983को रजिस्टड किया गया है।

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से पश्चिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रम्तरण के लिए तय पाथा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथिय नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किमी धन या अन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर प्रश्निनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर श्रविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोद्धनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया स्था या वा किया जाना चीक्ष्य था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः सम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अने क्रूनरण कें, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखिस अयुक्तियों, अर्थात् :— 1 श्री अन्टोनी जोसेफ पट्टाथा।

(अन्तरक)

2 श्री विलियम उन्टेस।

(अन्तरिती)

3 अन्तरक।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4 अन्तरक।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्बत्ति के अवन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वादा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकातन की तारीचा से 45 जिन के मीतर उत्तर स्थावर सम्मति में हितवड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्ववहीक्तरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो **एक्**त ग्रिश्चियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रयें होगा, जो उस भध्याय में विया गया है।

मन्त्रची

ग्रोन पार्क को-आपरेटिय हार्ऊसिंग सोसायटी लिमिटेड, सी० एस० न० 325 (पार्ट) एस० न० 28, हिस्सा न० 4 (पार्ट) लिंकिंग रोड, श्रोरलेम, मालाड (पिष्टिम), बम्बई। अनुसूची जैसा कि अर्जन इलाका 2/647 श्रोर जो सक्षम प्राधिकारी वस्बई यद्वारा विनाक 14-1-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

एस० एच० अब्बास अबिदी सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षम) अर्जन रेज 2, बम्बई

तारीख : 13-9-1983 मोहर प्रकृष आहे. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के सभीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय., सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर, 1983

निर्देश सं० एआर-II/37-ईई/698/82-83—यतः मुझे एस० एस० अब्बास अबिदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जि इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं0 (2) स्रौर जिसका करारनामा स्रायकर स्रधिन्यम 1961 की धारा 269 कख के स्रधीन, बम्बई स्थित, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त सर्जन इलाका 2 के कार्यालय में तारीख 15 जनवरी 1983 को रजिस्ट्री है। सेट जॉन बापटिस्ट रोड़, बाद्रा बम्बई-50 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची स्रौर पूर्ण रूप मे वर्णित है),

को पूर्वोक्त संपित् के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास् करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिव्क रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बच्चने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्रीमती गेरास्डिन हाजल बोडी।

(अन्तरक)

- 2. (1) श्रीमती थेरेसा एल० एम० पेरिआरा ग्रीर (2) श्री जोसेफ एल० एम० पेरिआरा। (अन्तरिती)
- 3. अन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और ५वों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं 0 25, बिल्डिंग इ, निर्मेला कालौनी, सेंट जॉन वापिटस्ट रोड़, बाद्रा, बम्बई-50। अनुसूची जैसा कि अर्जन इलाका ऋमांक 2/670 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 15-1-1983 को रिजस्टई किया गया है।

एस० एच० अब्बास अबिदी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, बम्बर्द

नारीख: 13-9-1983

मोहय:

प्रस्य नार्षे, दी, एन्, एस,-----

माय्कर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) मी भारा 269-च (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2 बम्बई

वम्बई, दिनांक 13 सितम्बर, 1983

निर्देश सं० ए० आर० 2/37 ईई-367/82-83—यतः मृझे, एस० एष० अब्बास अबिदी

मायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पृथ्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- इस के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० बी०-108, विध्याचल माऊंट मेरी रोड, बांद्रा, बम्बई 50 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबक अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), (2) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त ग्राजन इलाका 2 के कार्यालय में तारीख 15 जनवरी 1983 को रजिस्टी है।

को पूर्वियस सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभाप्वेक्ति संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके धरमान प्रतिफल से, एसे धरमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिवात से अधिक है और जन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक हम से कृषित नहीं किया ग्या है ६—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उत्से अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी भाय या किसी धन या बन्य भास्तियों को, जिन्हों भारतीय सायकर मिंधनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त मिंधनियम, या धनकर मिंधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः जब उक्त अभिर्नियम की भारा 269-ग के अनुसुर्ण मंं , में , उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1)। के अधीन , निम्नलिखित व्यक्तियों , अर्थातु :—— 1. श्री ए० कम्कर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती जेबन्निसा अनवर काजी।

(अन्तरिती)

अन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उनत सम्पति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप्र---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृष्टी कत ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में कए जा सकेंगे।

स्पच्छीक स्ण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के मध्याय 20-क में परिभाषित, हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस् अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

प्लाट नं ० 108, विध्याचल , बिल्डिंग, माऊंट मेरी रोड़, बांब्रा (पश्चिम) , बम्बई-50 अनुसूची जैसा कि अजन इलाका फ्रमांक 2/307 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 15-1-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है

> एस० एच० अब्बास अबिदी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजंन रज 2, बम्बई

तारीख: 13-9-1983

-`T T :

प्रकप जाइ . दी . एत . एस : ------

माथकर स्थितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 सितम्बर 1983

निर्देश सं० ए० आर०-2/37ईई-685/82-83—यतः
मुझे, एस० एच० अब्बास अबिदी
आयकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा
269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का

कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 1, सी-साईड बिल्डिंग, चिमबाई रोड, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बिलित है), (2) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर आयुक्त ग्राजन इलाका 2 के कार्यालय में तारीख 15 जनवरी 1983 को रजिस्टर्ड है।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे जन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिक्का, निम्मलिखित उच्चेच्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- '(क) अन्तरण से **हुइं किसी आय** की बाबत, उप्कत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्**विधा** के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनक र अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ अस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था खिपाने में स्विधा के लिए;

मैसर्स प्रवर एन्टरप्राईसेज।

(अन्तरक)

2. श्री लखमीचन्द मोतीराम करतारी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथाँक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (कं) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित्र व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त धान्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भनस्ची

प्लाट नं० 1 प्राऊंड फ्लोर, सी०-साईड बिल्डिंग, चिमबाई रोट, बांद्रा, बम्बई-50। अनुसूची जैसा कि अर्जन इलाका $\frac{1}{2}$ $\frac{1}{658}$ और जो प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक $\frac{1}{5}$ -1-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

एस० एच० अब्बास अबिदी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

भतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारी**ख**: 12-9-1983

प्रकप चाई० टी० एन० एस०-

आयकर धिविषम; 1981 (1961 का 43) की बारा 269 व (1) के घंधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, एरणाकलम

कोच्चिन-16, दिनाक 6 सितम्बर 1983

निर्देश मं० एल० सी०-655/83-84---यतः मुझे पी० जे० थोमसक्ट्री

घायकर प्रधिनियम, 1981 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम पाधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/-द० ने प्रधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, तथा जो पालघाट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पालघाट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित को गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से प्रधिक है भौर प्रस्तरक (धन्तरकों) भौर प्रस्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किमी साय की बाबत, बक्त प्रश्नित्यम के प्रधीन कर देते के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के किए। पौर/या
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भ्रम्य भारितयों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रिष्ठनियम, 1923 (1922 का 11) या उक्त श्रिष्ठित्यम, या भ्रमकर श्रिष्ठित्यम, या भ्रमकर श्रिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः जन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री मोहम्मद हिन्निफा और चार अन्य सुपुत्र मुथु एलियास मोहम्मद इसमैल रोयर पजाया कोटै पालघाट। (अन्तरक)
- 2 श्री सैंदाली श्रीर उसकी पश्नी पाथुमोबी फजल मेडिकल्स, मार्केंट रोड, पालघाट।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकातन की तारीख से 45 विन की धवधि या तत्सक्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की व्यक्ति, जो भी प्रविध बाद में समाध्य होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हपब्डोन्नरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो स्वत अधिनियम के ध्रध्याय-20क में परिभाषित है, यही प्रयं होगा जो उस प्रध्याय में दिया बया है।

भन्स्ची

0.008 Hectare in Sy. No. 819/1, 0.008 Hectare in Sy. No. 820/1 and 0.0026 Hectare in Sy No. 822/1 and a shop room extending 1200 sq. feet in area therein in Koppam Amsom and Kizhmuri Desom in Palghat town village No. I as per schedule attached to Doc. Nos. 168 and 169/83 of SRO Palghat.

पी० जे० थोमसक्ट्टी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, एरणाकुलम

ता्रीख . 6-9-1983

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोचीन-16, दिनांक 7 सितम्बर 1983

निर्देश सं० एल० सी० 656/83-84---यतः मुझे पी०ज० धोमसक्ट्री

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स फे अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्णास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ष्मौर जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार जो पट्टांबी में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पट्टांबी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1983

को प्रांक्त सम्पर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्येंक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, मिन्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (का) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के क्षीन., निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- 23—286GI/83

 श्री के० पी० कुन तवी कोपयपरमिबल हाऊस मैन रोड, पट्टाम्बी।

(अन्तरक)

 श्री कुन्ही बाबा मोइदीन का पुत्र, मनोयवनिष्यत, पट्टाम्बी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिश्वित में किए जा सकरेंगे।

स्पर्व्हीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

3/4th cent in Sy. No. 35/4 and 1/4th cent in Sy. No. 35/5 and two shop rooms therein situated in Neythiri Mangalam Amsom and Desom in Pattambi village as per Schedule attached to Doc. No. 47/83 of SRO Pattambi.

पी० जे० योमसकुट्टी), सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, एरणाकुनम

तारीख: 7-9-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, एरणाक्लम

कोच्चिन-16, दिनांक 6 सितम्बर 1983

निर्देश सं० एल० सी० 654/83-84--यतः, मुझे, पी० जे० थोमसक्ट्री

लायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रतपये से अधिक हैं

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, तथा जो पालघाट में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से र्वाणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पालघाट में रजिस्दीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1983

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरज लिखित में बास्तबिक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: गौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए;

अन्तः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिनों, अर्थात :---

- 1. श्रीमती सरस्वती अस्मा, राव्नीकुट्टी मेनन की पत्नी मट्टायोड़ी हाऊस पेरुम् दियूर, पट्टाबी (अन्तरक)
- 2. श्री प्रतीम कुमार संरक्षक और विताश्री ए० शिवरामन के द्वारा नुरनी हाई स्कूल, पालवाट।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हाउटोकरम :--इसमें प्राक्त गब्दों ग्रीर पदों का, जो उनत अधिनियम के अध्याग 20 क में परिभाषित उँ, वही अर्थ होगा, जो उम अध्याय में दिया नता है।

अनुसूची

14 cents of land with a building in Survey No. 2523 in Koppam Amsom and Desom in Palghat village No. 2 as per Schedule attached to Doc. No. 297/83 of SRO Palghat.

> पी० जे० थोमसकुट्टी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख: 6-9-1983

प्ररूप आहु". टी. एन. एस. ------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के नधीन सुचना

भारत सर्कार

कार्वानय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 12 सितम्बर 1983

निर्देश सं० ए० एस० आर०/83-84/181--यतः मुझे पी० एस० काहलों, आई० आर० एस०

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट है तथा जो तुंग बाला अमृतसर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुपूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक, जनवरी 1983

को प्वेंक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह थिश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के चन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथन नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर्/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिभा के लिए;

सत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलीखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री दलजीत सिंह पुत्र सेवा सिंह वासी बाजार बाग झंडा सिंह, अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री कमल किशोर पुत्र कृष्ण कुमार, बाजार कसेरियां, अमृतसर ।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि व**ह** सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियां पर स्थान की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पक्तीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक भूमिका प्लाट जो तुंगबाला सरकुलर रोड अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 14777/4-1-83 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

पी० एस० कोहलों, आई० आर० एस० सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरी**क्षण**), अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक: 12-9-1983

भोहर :

प्रकृप काई • टी • एन • एस • ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजंन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 12 सितम्बर 1983

निर्देश सं० ए० एस० आर०/83—84/182——यत:, मुझे, सी० एस० काहलों आई० आर० एस०

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुँ), की धारा 269-रू के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- द० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट है तथा जो तुंग नींाला अमृतसर म स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक जनवरी 1983

को प्रांकित संपरित के उणित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से जिथक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तविक रूप से किथान नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयं-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री दलजीत सिंह पुत्र सेवा सिंह, वासी बाजार बाग झंडा सिंह, अमृतसर ।

(अन्तरक)

(2) श्री सुरिन्द्र कुमार राना पुत्र ज्ञान चंद राना ढाब खटीकां, अमृतसर ।

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) श्रौर कोई।

(वह ध्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति को अर्थन के सिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 विन की अविधि, जो भी सविध बाव में समाप्त हाती हो, के भीतर वृवाँ कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृतारा;
- (च) इस सूचना के राचपत्र में प्रकाशन की तारीच है

 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबब्ध

 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 निचित में किए जा सकेंगे।

स्यध्दोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

वन्स्ची

एक भूमि का प्लाट जो तुंग बाला सरकुलर रोड, अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं॰ 14778/4-1-83 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

> सी॰ एस॰ काहलों, आई॰ आर॰ एस॰ सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, अमृतसर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

विनांक: 12-9-1983

प्रस्प बाह् ्रटा. पुन. पुस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 12 सितम्बर 1983

निर्वेश सं० ए० एस० अ:र०/83-84/183--पतः मुझै, सी० एस० काहलों, आई० आर० एस०, अग्रयकर अभिनियम 1961 (1961 का 42) (जिस्से इस्स

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट है तथा जो काशमीर ऐवेन्यू अमृतसर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची म श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक, जनवरी 1983

को पृथोंक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृथोंक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्बेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथल नृहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वामित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1), के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तित्यों, अर्थात् :----

- (1) श्री जसवंत सिंह पुत्र नंद सिंह, मकान नं० 2399 गली नं० 2 बाग रामा नंद, अमृतसर। (श्रन्तरक)
- (2) श्री रघबीर सिंह भूलर पुत्र केसर सिंह, वासी मकान नं० 295 के० जी० आर० सामने माल मंडी, अमृतसर।

(अन्तरिती)

- (2) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएवार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) भौर कोई । (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्त-बस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीक पुण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बनुस्ची

एक भूमि का प्लाट जो कश्मीर एवेन्यू अमृतसर में है जैसा सेलडीड नं० 15092/10-1-83 रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

> सी० एस० काहलों, आई० आर० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक: 12-9-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर भाषिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 12 सितम्बर 1983

निर्देश स० ए० एस० आर०/83-84/184—यतः, मुझे, सी० एस० काहलों, आई० आर० एस०

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इरामें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट है तथा जो निरकारी कालोनी, अमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके ६ श्यमान प्रतिफल से, एसे ६ श्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिकास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अव, उचत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों अक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन, निम्निविश्वत व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री अनिल कुमार पुत्र तिलक राज, हरीण चन्द्र बीबरा पुत्र बेन्नंत लाल, फतहगढ़ चूडिया, अमृतसर। (अन्तरक)
 - (2) डा॰ दर्शन सिंह पुन्न भगवान सिंह बग्गा 850/9 गली कलकतियां कटड़ा सुफैंद, अमृतसर ।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) श्रीर कोई।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति क्रे अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्हीकरणः — इसमें अयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

एक प्लाट भूमि का प्लाट जो निरंकारी कालोनी अमृतसर में हैं जैसा सेलडीड नं० 15564/19-1-83 रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

सी० एस० काहलों, आई० आर० एस० सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक: 12-9-1983

शरूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतस्रर, दिनांक, 12 सितम्बर 1983

निर्देश सं० ए० एस० आर०/83-84/185--प्रतः, मुझे, सी० एस० काहलों आई० आर० एस०,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट है तथा जो तुंग बाला, अमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरअ अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक, जनवरी 1983।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के धर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विरवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके धर्यमान प्रतिफल से, ऐसे धर्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिष्ठत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उपत अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उपसे बचने में सुविधा के लिए; कौर/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में स्विधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखत व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री राकेश कुमार पुत्र दर्शन कुमार, वासी लोह अमृतसर। (अन्तरक)
- (2) श्री बाऊ राम शर्मा पुत्र लाला चंद, वासी टंडन नगर अमृतसर। (अन्तरिती)
- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) ग्रौर कोई । (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य य्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्यब्दीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लाट जो तुंगबाला अमृतसर में है जैसा सेलडीड नं॰ 15521/19-1-83 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

> सी० एस० कोहलों, आई० आर० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, अमतस्रर

दिनांक: 12-9-83

प्ररूप आइं. टी. एन एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 209-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 12 सितम्बर 1983

निर्देश सं० ए० एस० आर०/83-84/186- यतः, मुझे, सी० एस० कोहलों, आई० आर० एस०,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट है तथा जो माडल टाउन अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1008 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कमः के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके स्थमान प्रतिफल से, ऐसे स्थमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी क्षाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित अधिनत्यों, अधीन हि—

- (1) श्रीमती देवेन्द्र कौर पत्नी महिन्द्र सिंह 16/12 गागर मल रोड कटड़ा ग्रेर सिंह, अमृतसर। (अन्तरिती)
- (2) श्रीमती राज करनी पत्नी प्यारा लाल, गांव कसेल, सहसील तरन तारन, जिला अमृतसर। (अन्तरिसी)
- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) और कोई । (बह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपर्शित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, वो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लाट जो माडल टाउन जी० टी० रोड़, निकट मयूर होटल, अमृतसर में है जैसा सेलडीड नं० 15928/ 25-1-83 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

> सी॰ एस॰ कोहलों, आई॰ आर॰ एस॰ सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंण, अमृतसर

दिनांक: 12-9-1983

मोहर 🛭

प्ररूप. आइ. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर अमृतसर, दिनांक 12 सितम्बर 1983

निर्देश सं० ए० एस० आर०/83-84/187---यत:, मुझे, सी० एस० काहलों, आई० आर० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि का प्लाट है तथा जो तिलक नगर अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक, जनवरी 1983

को पूर्वेक्स संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और स्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित वाजार मृल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल को पंत्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहों किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अक्षः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों ,अर्थात :—— 24—286GI/83

(1) श्री राम लुभाया पुत्र मोहन लाल, वासी लोहगढ़, अमृतसर ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती देव कुमारी शर्मा पत्नी धर्म चन्द शर्मा, 278 बंसत एंथेन्यू, अमृतसर ।

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अद्योहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसबद्ध है)

को यह स्चना जारी करके पूर्वीकत रापित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अयधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लाट जो तिलक नगर, अमृतसर में है जैसा सेल जीड नं० 15091/10-1-83 रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

> सी० एस० काहलों, आई० आर० एस०, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, अमृतसर

विनांक: 12-9-1983

प्ररूप आई टी.एन एग -----

बागकर जीधनियन, 1961 (1961 का 40) करें धारा 269-ए (1) के अभीर समन

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांकः 12 सितम्बर 1983

निर्देश सं० ए० एस० आर०/83-84/188---यत मुझे, सी० एस० कोहलों, आई० आर० एस०,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट है तथा जो बंसत ऐवेन्यू अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक, जनवरी 1983

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार म्ल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक हूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने का उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का ?7) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरा में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) इंप्रवमेंट ट्रस्ट अमृतसर ।

(अन्तरकः)

(2) श्री अरुण खन्ना और सुनील खन्ना पुतान बृज मोहन खन्ना 569 बसत ऐवेन्यू अमृतसर ।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा ऊपर मं० 2 में कोई किराएदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) और कोई (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरो जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूवावत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संनंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्भम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारील मं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में दितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगें।

स्पष्टीकरण:--इसमा प्रयन्त शब्धा लार पदों का. जा उसत अधिनियम, के अध्याप 20-क मो पीरभाषित है, वही अर्थ हागा. जो उस अध्याय मो दिया गमा है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लाट जो बंसत ऐवेन्यू अमृतसर में है जैसा सेलडींड नं० 15149/11-1-83 रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

सी॰ एस॰ कोहलों, आई० आर॰ एस० सञम अधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक: 12-9-1983

प्ररूप आइ'. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनाक 12 सितम्बर 1983

निर्देश सं० ए० एस० आर०/83-84/189--- ग्रतः मुझे, सी॰ एस० कोहलों, आई० आर० एस०,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाल 'उन्ता अधिनियम' वहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो रइया तहसील बावा बकाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में बाणित है), रिजस्ट्री क्रिता अधिकारी के कार्यालय बावा बकाला में रिजस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनां क जनवरी 1983।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार म्ल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के तीच एसे जन्तरण के लिए त्य पाणा गया प्रतिफल कित निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिए में वास्तिवक रूप से किश्यत नहीं किया गया है:——

- (व मनरण ने हुई किसी झाल ए बाबन, उक्त अधिनयप ने प्रधीन कर देने के प्रश्नरक के क्षिश्व में कमा करा प्र उसके बचने ने पुविधा क चित्र, प्रीर/पा
- (1) रैना किन्छ प्राप्त । जना प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त

एन: प्रवः उनन प्रितियम की धारा 269-म के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, गिम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् — (1) श्री विनोद कुमार पुत्र ओम प्रकाश लाहोर बुक डिपो कैरों मार्कीट अमृतसर

(अन्तरक)

- (2) श्री कुदन सिंह पुत्र अर्जुन सिंह बस्ती निजामुद्दीन फिरोजपुर (अन्तरिती)
- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो। वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) और कोई (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविध या तत्संबंधी ब्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हिसबद्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक जायदाद जो रइया तहसील बाबा बकाला में है जैसा सेल डीड नं० 2838/रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी बाबा बकाला में दर्ज है।

> सी॰ एस॰ काहलों, आई० आर॰ एस॰, सक्षम अधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक: 12-9-1983

प्रसप नाइ. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 12 सितम्बर 1983

निर्वेश सं० ए० एस० आर०/83-84/190---यतः मुझे, सी० एस० काहलों, आई० आर० एस०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो रइया तहसील बाबा बकाला में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय बाबा बकाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गद्दें हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंग्नह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पारा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुईं किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा अर्थ लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सुविधा के सिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिखत व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री ओम प्रकाश पुत्र धीरत राम मार्फत लाहौर बुक डिपो कैरों मार्कीट अमृतसर (अन्तरक)
- (2) श्री जगतार सिंह सुपुत लाभ सिंह 166 रेलवे रोड़ फिरोजपुर छावनी । (अन्तरिती)
- (2) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई िकराएदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) और कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परिस के अर्थन के लिए कार्यवाही करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में को हैं भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्षित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक जायबाद जो रह्या तहसील बाबा बकाला में है जैसा सेल डींड नं० 2839/4-1-83 रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी बाबा बकाला में दर्ज है।

> सी॰ एस॰ काहलों आई॰ आर॰ एस॰ सक्षम अधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक: 12-9-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 12 सितम्बर 1983

निर्देश सं० ए० एस० आर०/83-84/191--यतः मुझे, सी० एस० काहलों, आई० आर० एस०,

लायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो रइया तहसील बाबा बकाला में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बाबा बकाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक, जनवरी 1983।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्भ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से एसे छ्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकारें) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (का) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उकत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उकत अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिखित व्यक्तिसयों, अर्थात् :--- (1) श्री विजय कुमार पुत्र ओम प्रकाश लाहोर बुक डिपो कैरों मार्कीट अमृतसर ।

(अन्तरक)

(2) श्री मुखतार सिंह पुत्र लाभ सिंह 166 रेलवे रोड़ फिरोजपुर छात्रनी।

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो। (वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई

(वह व्यक्ति जिनके बारे में भ्रबोहस्ताकारी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवदध् है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

मन्सूची

एक जायदाव जो रहया तहसील बाबा बकाला सेल डीड नं० 2840/4-1-83 रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी बाबा बकाला में दर्ज है।

> सी० एस० काहलों, आई० आर० एस०, सक्षम अधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनाक: 12-9-1983

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 12 सितम्बर 1983

निर्देश सं० ए० एस० आर०/83--84/192---थत. मुझे, सी० एस० फाहलों, आई० आर० एस०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाहार मृत्य 25,000/-रः. से अधिक है

और जिसकी सं० एक जायदाद है सथा जो रइया तहसील बाबा बकाला में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बाबा बकाला में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक, जनवरी 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक हम किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की प्रावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एरेंट्री किसी आय ए। किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों, अधीक्षः :--- (1) श्री अशोक कुमार पुत्र ओम प्रकाश लाहौर बुक डिपो कैरों मार्कीट अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री महिन्द्र सिंह पुत्र लाभ सिंह 166 रेलवे रोड़ फिरोजपुर छावनी।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) और कोई

(वह व्यक्ति, जिनके वारे में अधोहस्ताक्षरी) जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध हैं)

का यह सूचना जारी करके पृथीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्शिक के अर्जन के संबंध में को**र्ड भी आक्षे**प '--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अप्रिथ या तृत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा:
- (स) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बच्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अन्स्ची

एक जायदाद जो रह्या सहसील बात्रा बकाला में है जैसा सेन डीड गं० 2841/4-1-83 रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी बाबा बकाला में दर्ज है।

> सी'० एस० काहलों, आई० आर० एस०, सक्षम अधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक: 12-9-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

अ।यकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार। 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर मायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर दिनाक, 12 सितम्बर 1983

निर्देश सं० ए० एस० आर०/83-84/193—यतः मुझे, सी॰ एस० कोहली, आई० आर० एस०,

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी स० एक जायदाद है तथा जो रक्क्या तहसील बाबा बकाला में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय बाबा बकाला मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक, जनवरी 1983।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे रूश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य मे अक्त अंतरण निक्ति मे बास्ति विक रूप मे कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-हर अधिन्यम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-च उपधारा (1 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

- (1) श्री ओम प्रकाश पुत्र धीरत राम मार्फत लाहौर बक डिपो करों मार्कीट अमृतसर ।
 - 2 विजय कुमार पुत्र ओम प्रकाश 40 उपरोक्त (अन्तरक)
- (2) श्रीमती इद्रजीत कौर पुत्री इन्द्र सिंह वासी बाजारा पापड़ा वाला अभृतसर ।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा ऊपर म० 2 में कोई किराएदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) और कोई (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हा।

जक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अव्धि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियां;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वार अधोहस्टाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टिकिरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 29-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

एक जायबाद जो रहया तहसील बाबा बकाला में है जैसा सेलडीड नं० 2872/6-1-83 रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी बाबा बकाला में वर्ज है।

मी० एस० कोहली, आई० आर० एस०, मक्षम अधिकारी, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनाक: 12-9-1983

प्ररूप आर्च. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर दिनांक, 12 सितम्बर 1983

निर्देश सं० ए० एस० आर०/83-84/194-यतः मुझे, सी० एस० काहलों, आई० आर० एस०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० एक जायवाद है तथा जो रहया तहसील बाबा बकाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बाबा बकाला में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक, जनवरी 1983।

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण दै कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिता (अन्तित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया मया प्रतिफल निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय का बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनयम, या धनकर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजन नंतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्षित व्यक्तियों, अर्थातः—— (1) 1. श्री अशोक कुमार पुत्र ओम प्रकाश लाहौर बुक डिपो केरो मार्कीट अमृतसर। 2. श्री विनोद कुमार पुत्र ओम प्रकाश उपरोक्त फगवाड़ा।

(अन्सरक)

- (2) राम सक्ष्य पुत्र बाह्र राम सुनाम निकट हसपताल (अन्तरिती)
- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो। (यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) और कोई (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेष :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक जायदाद जो रहया सहसील बाबा बकाला में है जैसा सेल**डीड** नं० 2873/6-1-83 रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी बाबा बकाला में दर्ज है।

> सी । एस । काहलों, आई । आर । एस ।, सक्षम अधिकारी , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक: 12-9-1983

प्ररूप काई. डी. एन. एस.-----

बायकार जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के बधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर दिनांक, 14 सितम्बर 1983

निर्देश सं० ए० एस० आर०/83-84/195-यतः मुझे, सी० एस० कोहली, आई० आर० एस०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजाई मृल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो अंदर हाथी गेट अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पुंर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के के अधीन दिनांक, जनवरी 1983।

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निसित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) बन्तरण संहुई किसी-जाय की वावत, उचत विधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे ब्यमे में सुविधा के लिए; बर्रि/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हीं भारतीय आयंकर विविधियम, 1922 (1:922 का 11) या उनत अधिनियम, न्या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का,27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ज्जात: जब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरध मों., मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :---

25—286GI/83

(1) श्रीमती रमा रानी कपूर पत्नी राज कुमार कपूर कूचा बेली राम अंदर हाथी बेट अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री सुरिन्द्र कुमार पुत्र किशन दत्त कूचा बेली राम अंदर हाथी गेट अमृतसर ।

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके म्रधिधोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रदोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबद्ध है)

को यह सचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई बाक्षेप:--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सपाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

एक जायदाद जो कुचा बेली राम अंदर हाथी गेट अमृतसर में है जैसा सेलडींड नं० 15611/20-1-83 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

> सी । एस । कोहली, आई । आर । एस ।, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमतसर

दिनांक: 14-9-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर दिनांक, 14 सितम्बर 1983

निर्देश सं० ए० एस० आर०/83-84/196--यतः मुझे, सी० एस० कोहली, आई० आर० एस०,

अग्रयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुं), की धारा 269-इन के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- एउ. से अधिक हैं

और जिसकी सं० एक जायवाद है तथा जो अंदर हाथी गेट अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्द्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक, जनवरी 1983।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए पंजीकृत की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, असके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए।

सतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः—

- (1) श्रीमती रमा रानी कपूर पत्नी राज कुमार कपूर कूचा बैली राम अंदर हाथी गेट अमृतसर। (अन्तरक)
- (2) श्री किशन दत्त पुक्ष सालिग राम कूचा बेली राम अंदर हाथी गेट अमृतसर। (अन्तरिती)
- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार है। (वह व्यक्ति, जिसकेअधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) और कोई

(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंबे 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पद्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक जायदाद जो कूचा बेली राम अंदर हाथी गेट अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 15670/21-1-83 रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

> सी' एस कोहली, आई० आर० एस०, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, अमृतसर

विनांक: 14-9-1983

प्ररूप आहाँ.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, विनांक 14 सितम्बर 1983

निर्देश सं० ए० एस० आर०/83-84/197—यतः मुझे, सी० एस० कोहली, आई० आर० एस०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो अंदर हाथी गेट अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक, जनवरी 1983।

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यान प्रितिफ ल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निल्हित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नेजिखित व्यक्तियों, अर्थीत् :---

- (1) श्रीमती रमा रानी कपूर पत्नी राज कुमार कपूर कूचा बेली राम अंदर हाथी गेट अमृतसर। (अन्तरक)
- (2) श्रीमती सत्या वंती पत्नी कृष्ण दत्त वासी कूचा बेली राम अंदर हाथी गेट अमृतसर ।

(अन्सरिती)

- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) और कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपरिस के अर्जन के **जिए** कार्यवाहियां करता हुंा।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वाना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हु⁴, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ह⁸।

अनुसूची

एक जायवाद जो कूचा बेली राम अंदर हाथी गेट अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 15562/19-1-83 रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

> सी॰ एस॰ कोहली, आई० आर॰ एस॰, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

विनांक: 14-9-1983

मोहार :

प्ररूप आई. टी० एन० एसः ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (भिरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलीए

बंगलीर दिनांक, 9 सितम्बर 1983

निर्देश सं० 62/38137/82-83-यतः सुझे मंजुमाजवन, जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स० 66 है तथा जो ईस्ट पार्क रोड़, 14 कास मल्लेम्बरम, बंगलीर--3 में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गांधीनगर मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक, 28 फरवरी 1982।

को पूर्वोक्त सम्परित के उकित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि कि सिकत उद्देश्य से अक्त अन्तरण निवित में कार्सिक कि सा गवा हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की वाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कुर दोने के अन्तुरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सृविधा के निये; और/वा
- (च)- प्रेसी किसी-शाय गा किसी धन या अस्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था-या-किया जाना जाहिए आ, छिपाने में सृविभा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसर्ण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, नर्भाक् ह—

- (1) श्रीमती कमला वाइफ/आफ लेट के० गोपालन, सं० 66, ईस्ट पार्क रोड़, 14 कास, मल्लेश्वरम, बंगलौर। (अन्तरक)
- (2) श्री के० एस० गोपालाकृष्ण 73/1, V टेम्पल रोड़, 15 कास, मल्लेक्बरम, बंगलौर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पृथेक्ति सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

चक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समार्थ्य होती हो, कें भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी क् से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपरित में हित्र बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, दहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अन्स्ची

(वस्तायेण सं० 3580/82-83 दिनॉक 28-2-83) सब सम्पत्ति है जिसका सं० 66, जो ईस्ट पार्क रोड़, 14 कास मल्लेश्वरम, बंगलीर में स्थित है।

> मंजु माघवन, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलीर

विनांक: 9-9-1983'

मोहर 🖫

शुक्रम आहे", टी. एनं. एसं .----------

आवृक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 12 सितम्बर 1983 निदेश सं० 62/37050/82-83--अतः मुझे, मंजु माध्यन

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु० से प्रधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० नं० 117/1 ए, टी० एस० सं० 53 ए है तथा जो कोडिवनबैंन विलेज, मंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुभूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मंगलूर में रिजस्ट्री—करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9 जनवरी, 1983

को पूर्वों क्त संपरित के उचित बाजार मृस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्परित का उचित बाजार मृस्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बंतिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वंश्य से उचत अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किशत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से सुद्र किसी आय की वानत, उक्त अभिनियत से अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने वा उससे वचने में सुविधा से किए; बॉर/शा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा ची सिएं।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) को मुभीन विमन्तिष्वित व्यक्तियों व अर्थात् मान (1) मेजर घाडफे टी० लोबो, 333, I मेन, केम्ब्रिज, ले आउट, बेंगलूर।

(अन्तरक)

(2) श्री सन्ततोश डिसौजा, रोजे विल्ला, बाई पास रोड, मंगलूर ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्चन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मित्ति के अर्जेर्न के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अवित्य या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो और अविध् बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क्ष) इस स्थाना के राजपेंत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया है।

मन्त्रवी

(दस्तावेज सं० 611/82-83 ता० 7-1-83)। सम्पत्ति के सं० आर० एस० 117-1ए टी० एस० नं० 53-1ए, जो कोडियलबैल विलेज, मंगलूर तालुक में स्थित है।

(भाग चालीस सैंट है।)

मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षपण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख : 12-9-1983

प्रकृष बाई॰ टी॰ एन॰ एड॰----

यायकर **प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की बार**। 269-थ (1) के प्रधीत सुवता

भारत सरकार

भायां सय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, विनांक 15 सितम्बर 1983

निदेश सं० नोटिस नं० 37232/82-83---अतः मुझे, मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 698 है तथा जो 6 मेन रोड, विजय नगर, एक्सटेंशन, बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्रीरामपुरम में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4 जनवरी, 1983

(1908 का 16) के अधीन, तारीख 4 जनवरी, 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का फारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितयो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्वरेथ से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी माय की वाबत; उन्त मधि-निवम के बन्नीन कर बेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उत्तसे बन्नने में नुविचा के निए; बौर/या
- (क) ऐसी कियी माय या किसी धन या प्रस्य धास्तियों को जिन्हें भारतीय सायकर घिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर घिषित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए चा, कियाने में सुविधा के लिए;

भतः श्रब, उरत भिर्मानयम की बारा 269-म के यनुसरण में,मैं, उस्त भिर्मानयम की बारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती सेराफिना लोबो, नं० 698, 6 मेन रोड, विजय नगर एक्सटेंशन, वेंगलूर-40।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री जोसफ मैंकेल लोबो और
2. श्रीमती सिलविया वेरोनिका लोबो,
नं० 698,6 मैंन रोड
विजय नगर एक्सटेंशन,
बेंगलुर-40।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

वन्स्ची

(वस्तावेज सं० 3329/82-83 ता० 4-1-83)। सब सम्पत्ति है जिसका सं० 698 जो 6 मेन रोड, विजय नगर एक्सटेंशन, बेंग्लूर -40 में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगसूर

तारीख: 15-9-1983

प्रकृप बाइ . टी. एन. एस. ------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर बेंगलूर, दिनांक 9 सितम्बर 1983 निदेश सं० 62/37432/82-83--अतः मुझे, मंजु भाधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं 0 166/1 है तथा जो 8 मेन रोड, मल्लेश्वरम, बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजाजी नगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19 जनवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिचित उद्वेदयों से उक्त अंतरण लिचित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण ते हुई किसी आय की बाबतः, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सूविधा के जिए; और/या
- (ख) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के शृथीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथ्लु ६(1) श्री बी० जी० एस० रोयन्गार, नं० 50/10, एच० बी० सी० (एल० ग्नाई० जी०), आचार्य विनोबा भावे नगर, कुरला, बम्बई--70।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती बी० एस० विनुता, सं० 248, 5 मैन, वैयालिकावल, बेंगलूर ।

(अन्तरिती)

को यह सृचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वव्यक्तिरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनस्ची

(दस्तावेज सं० 4057/82-83 ता० 19-1-83)। सब सम्पत्ति है जिसका सं० 166/1, जो 8 मेन रोड, मस्लेक्नरम, बेंगलूर में स्थित है।

मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलर

तारीख: 9~9~1983

प्रचल नाइ. डी. एन. एस.------

मायकर अधिनियम, 1961 (1981 का 43) की धार। 269-कः (i) के कार्योन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक 'आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 12 सितम्बर 1983

निषेश सं० 62/37051/82-83/--अतः मझे, मंजू माधवन,

मायकर प्रिमित्यम, 1961 (1961 'का 43) (जिसे इसके इसके परवात् 'उकत प्रिमित्यम' कहा गया है); की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का सारण है कि स्थावर सम्यत्ति, जिसका छित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक ही

और जिसकी सं० आ२० एस० नं० 117/1 ए, टी० एस० नं० 53-1ए है तथा जो कोडियलबैल बिलेज, मंगलूर तालुक में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, मंगलूर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7 जनवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित् बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का वन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय धाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेष्य से उच्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित महीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की वावता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; बौद्र/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भ्रम्य भास्तियों को, जिन्ह भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या छक्त भ्रधिनियम, या अन्त-कर अधिनियम, 1987 (1987 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रम्तिसी हॉरा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना व्याहिए व्या, छिपाने में सुविधा के लिए;

ं अतः शवः, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अधीत् ः— (1) मेजर आडफे टी० लोबो,
 सं० 233, 1 मेन,
 केम्ब्रिज लेआउट,
 बेंगलूर।

(अन्तरक)

(2) श्री जायचिम डिसौजा, अयुलावाडि, घर, बन्डेल, मंगलूर !

(अन्तरिती)

को यह मूचना जारी ¹करके पूर्वीकन संस्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करनाःहं।

चनत सम्पति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेपः--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों हो,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्त- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकती।

समक्तीकरण:--इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उच्चत अधिनियभ के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही अथ होगा, जो उस आज्याय में विष् गया है

विकस की

(दस्तावेज सं० 610/82-83 ता० 7-1-83)। सम्पत्ति के सं० आर० एस० 117-1ए टी० एस० सं० 53-1ए जो कोडियलबैल विलेज, मंगलूर तालुक में स्थित है।

(भाग चालीस सैंट है)।

मंजु माघवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख : 12-9-1983

प्ररूप आहें.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर बेंगलूर, दिनांक 12 सितम्बर 1983

निदेश सं० 62/37303ए/82-83--अतः मु**से, मंजु** माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचिक्ष बाजार मृख्य 25,000/- रहे. से अधिक हैं

और जसकी सं० 525 है तथा जो बनशंकरी 2 स्टेज, बेंगलूर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19 जनवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रह्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है आरे मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित याजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से ऐसे रहयमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-फर अधिनियम, या धन-फर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण, मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारः (1) के अधीन. निम्निसित व्यक्तियों, सर्थात् ध--- 26—286GI/83

(1) श्री एस० गोवाल कृष्ण, नं० ६ ई० 1 स्ट्रीट, अलसूर, बेंगलूर।

(अन्तरक)

 (2) श्री राजरणी विसष्ट, सं० 206, सी० 27 कास, उडलाक, जथ नगर, बेंगलुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचमा जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यमाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सविधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पव्यक्तिकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

(दस्तावेज सं० 3623/82-83 ता० 19-1-83)। सब्सम्पत्ति है जिसका सं० 525, जो बनाशंकरी 2 स्टज, वेंगलूर में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलर

तारीखा : 12-9-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा 269-घ (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 14 सितम्बर 1983

निदेश सं० सीं० एच० डीं०/208/82-83--अतः मुझे, सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)., की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 1312 है तथा जो सेक्टर 37— बी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजि:द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1983

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृष्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके रूथमान प्रतिफल से, ऐसे रूथमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नेलिखित व्यक्तितयों, उर्धातः :--- (1) श्री जितेन्द्र पाल सिंह, निवासी 82, सेक्टर 18-ए, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्री राम कुमार और श्रीमती कृष्णा देवी, मार्फत लक्ष्मी बिल्डिंग, ए० सी० ओ० नं० 341—42, मेक्टर 35—बी.

(अन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया ही।

अनुसूची

प्लाट नं । 1312, सेक्टर 37-बी, चण्डीगढ़ । (जायदाद जैसा कि पंजीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख सं । 1388, जनवरी, 1983 में दर्ज हैं।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 14-9-1983

प्रस्य गाइं.टी.एन्.एस. ------

नायकर निधिनयम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

नारत् सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना,दिनांक 15 सितम्बर 1893

निवेश सं० सी० एच० डी०/210/82-83--अतः मुझे,

सुखदेव चन्द,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 2029 है तथा जो सेक्टर 15— सी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिका के कार्याला चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1608 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए त्य पाया गया प्रतिक्त कल निम्मलिखित उद्वेष्य से उच्त अन्तरण सिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तसे वचने में सुविधा के सिए; जॉर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विया की विषयी

जत: अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) की अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६——

(1) श्रीमती प्रकाश कौर,निवासी 2099,सेक्टर 15--सी,चण्डीगढ़ ।

(अन्तरक)

(2) श्री भुलवीप सिंह भट्टल, और श्रीमती सुखजिन्द्र कीर भट्टल, निवासी 2029, सेक्टर 15-सी, चण्डीगढ़ ।

(अन्तरिती)

(3) श्री हरचरण सिंह, निवासी 2029, सेक्टर 15-सी, चण्डीगढ़।

> (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्स्यम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक्ष के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकेंगे।

स्वध्योकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 2029, सेक्टर 15-सी, चण्डीगढ़। (जायदाद जैसा कि पंजीकर्ता अधिकारी धण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख सं० 1391, जनवरी, 1983 में दर्ज है।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

ता रेखा: 14-9-1983

मोहः

प्रक्ष्य नाई े दी प्रकृतिहुँ क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट मार्थ मार्थ (1961 क्रिक्ट क्रिक्ट 43) की भारा 269-स् (1) के क्रिक्ट स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 सितम्बर 1983

निदेश सं० सी'० एच० डी०/211/82-83--अत: मुझे, ःसुखंदेय चन्द

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा नवा हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका अधित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० प्लाट नं० 1514 है तथा जो सेक्टर 34— डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के सिए कर्तिरत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जीचत बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुं इंकिसी आय की बाबत अक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी नाम या किसी धन या अन्य आस्तिर को, जिन्ह भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा चर्च कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के तिए;

अतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थीन :--- (1) मेजर डी० एन० छाषड़ा, द्वारा श्रीमती मीना खन्ना, नियासी डी-9, निजामुद्दीन पश्चिमी, नई विस्ली।

(अन्तरक)

(2) लेफ्टिनेंट कर्नल आर० खन्ना सुपुत श्री ए० एस० खन्ना, निवासी **डी**-9, निजा**सुदी**न पश्चिम, नर्ई दिल्ली।

(अन्तरिती)

ंको यह सूचना जारी करके पृथांकत सम्यक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उनत सम्परित को नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि 'बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्कान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष में 45 दिम के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकित में किए जा सकरेंगे।

स्पब्हीकरण:-- ५ समें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्कत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिसा गया है।

सनसची

प्लाट नं० 1514, सेक्टर 34-सी, चण्डीगढ़। (जायदाद जैसा कि पंजीस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख सं० 1393, जनवरी, 1983 में दर्ज है।)

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (नि क्षिण) अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15-9-1983

प्ररूप बाइ . टी. एन. एस.----

नायकर् अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायुक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 14 सितम्बर 1983

निदेश सं० सी० एच० डी॰/217/82-83-अतः मुझे, सुखदेव चन्द,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क् के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 279 है तथा जो इण्डस्ट्रीयल, एरिया, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप संवर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1983

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय्भाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अविनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- .(श) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य ऑस्तियों को , जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:—

- (1) श्रीधर्मराज सुपुत्र श्री श्रीराम,
 - 2. श्री राम प्रकाश पूझ बाबूराम द्वारा पापूलर मोटर वर्क शाप, मनी माजरा, चण्डीगढ़ द्वारा मुख्तयारे आम : श्री हर भजन सिंह सुपुत श्री अर्जन सिंह, निवासी 3467, सेक्टर 35-डी, चण्डीगढ़ ।

(अन्तरक)

(2) श्री गुरुदेव सिंह सुपृत श्री बच्चन सिंह, निवासी 270, इण्डस्ट्रीयल एरिया, चण्डीगढ ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविध या तत्संबंधी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-बद्ध किसी ब्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्तिस में किए जा सकेंगे।

स्पक्तीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, अही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट सं० 279, इण्डस्ट्रीयल एरिया, चण्डीगढ़। (जायदाद जैसा कि पंजीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख सं० 1486 जनवरी, 1983 में दर्ज है)

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लधियाना

तारीख: 14-9-1983

प्ररूप बार्ड . टी . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक रोहतक, दिनांक 15 सितम्बर 1983

निदेश सं० बल्लभगढ़/261/82-83—अतः मुझे, आर० के० भयाना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृत्य 25,000/- रहे. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० बाबा डाइंग मिल्स की प्लाट एवं मशीनरी है तथा जो फरीदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुस् भूषी में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बल्लभगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और म्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में नास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्हलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) मैं० बाबा डाइंग मिल्स, फरीदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) मैं रूसामन्ता प्रा० लिर, एनर 146, पंचशील पार्क, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वर्ष्मची

सम्पत्ति मैं बाबा डाइंग मिल्स, फरीदाबाद की प्लाँट एवं मणीनरी फरीदाबाद में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बल्लभगढ़ में रिजस्ट्री संव 11279 दिनाक 21 जनवरी, 1983 पर विया है।

> आर० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 15-9-1983

प्रकर माई० डी• एन• एस०~~~

धायकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्<mark>जन रेंज</mark>, रोह्तक

रोहतक, दिनांक 17 सितम्बर 1983

निवेश सं० हिसार/350/82-83--अतः मुझे, आर०के० भयाना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- द० से प्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं० भूमि 8 कनाल है तथा जो मायड (हिसार) में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हिसार में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1983

को प्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंकत संपत्ति का उचित् बाजार मृत्य, उसके बृष्यमान प्रतिकल से, ऐसे बृष्यमान प्रतिकल का पण्डे प्रतिकल का पण्डे प्रतिकत से प्रविक्त है घीर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) भी अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:--

- (क) ग्रन्तरण मे हुई कियो अ(य की बाबन उनन अधिनियम के ध्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या इससे बचने में सुविका के लिए, और/या
 - (म) ऐसी किसी आय या किसी धन मा अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय धायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धक्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुबिधा के लिए;

अतः शव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थास् :--

(1) श्री ईण्वर सिह पुत्न श्री रिसाल सिह, गांव व डाकखाना महीयार, नहसील व जिला हिसार।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती किरनो देवी पत्नी श्री पवम कुमार जैन, निवासी मोहल्ला भिवानी वाला, बाजार निवाधियान हिसार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रवासन की तारीख से 45 दिन की अवधि वा तत्त्वभ्याची व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविष, जो भी भविष बाद में समाप्त होती हो, के भीवर पूर्वोंदत व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितबद्ध किसी अभ्य व्यक्ति द्वारा, श्रघोहरूताकारी के वास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिन्यम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस कथ्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 8 कनाल मायड मे स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्द्रीकर्ता के कार्यालय, हिमार में रजिस्द्री सं० 4131 विनांक 27 जनवरी, 1983 पर दिया है।

> आर० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, रोहतक

तारीख : 17-9-1983

प्रकृष आहे. टी. एत. एस्.-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सुभीन सुचना

भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निर्काशक)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहसक, दिनांक 13 सितम्बर 1983

निदेश सं० हिमार/353/82-83-अतः मुझे, आर० के० भयाना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269 म्ह के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह जिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० भूमि 15 कनाल 14 मरले है तथा जो सातरोड में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हिसार में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) अधीन, तारीख जनवरी, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिबित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिबित में बह्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जनतरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरका के बायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के निए; और या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सविधा के लिए;

ब्त: अब, उक्त बीधनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् .——

- (1) मै॰ राजमोनी उद्योग, सातरोड खुर्व, हिसार, बजरिए श्री किदारमल पुत्र रामजी लाल, श्री दीपचन्द पुत्र श्री किदार मल।
 - (अन्तरक)
- (2) मैं विपती रसायन उद्योग प्रा० लि०, सातरोड खुर्व हिसार द्वारा श्री राजेन्द्र प्रसाद कोडिया, (डायरेक्टर)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्स संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 4.5 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक्ष से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बंद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 15 कनाल 14 मरले सातरोड में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ती के कार्यालय, हिसार में रजिस्ट्री सं० 4212 दिनांक 31 जनवरी, 1983 पर दिया है ।

> आर० के० भयाना मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्ष्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहनक

तारीच : 13-9-1983

प्ररूप जाईं. टीं. एन. एस.----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, रोहतक रोहतक, दिनाक 13 सितम्बर 1983 निदेश सं० हिमार/354/82-83—अत मुझे, आर० के० भयाना

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-छ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्नौर जिसकी सं० भूमि 16 कनाल 16 मरले है तथा जो सातरोड में स्थित है (ग्नौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्नौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हिसार में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का काश्ण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आज की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविभा के लिए. और√या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में मूजिधा के लिए:

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियो, अधीत् :-→
27—286 GI/83

(1) मै० राजमोती उद्योग, सातरोड खुर्द, बजरिए श्री किदार मल अग्रवाल पुत श्री राम जी लाल, श्री दीपचन्द अग्रवाल पुत्र श्री किदार मल।

(अन्तरक)

(2) मैं० क्षिपती भ्रॉयल्प प्रा० लि०, सातरोड खुर्द द्वारा श्री राजेन्द्र प्रसाद कोडिया, (डायरेक्टर)।

(अन्तरिती)

क्ये यह सूचना जारी करके पृवाँक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के गर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वार;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे यथा परि-भाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 16 कनाल 16 मरले साप्त रोड में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, हिंसार में रजिस्ट्री सं० : 4213 दिनाक 31 जनवरी, 1983 पर दिया है ।

> आर० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, रोहतक

तारीख: 13-9-1983

प्रक्ष आहे. टी. एन्. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर शामकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 सितम्बर 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 200/83-84--यतः मुझी, एम० जेगन मोहन,

बाग्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/- रह में अधिक है

और जिसकी सं० 12/1, है तथा जो रूसीकोंडा वैझाक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वैझाक में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सरिधा के लिए;

अतः, अब, अक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, में, अवन अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निस्तिसित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) बी॰ पोलाराव और अन्य, वैझा क, रूसीकोंडा येंदाडा, बैझाक ।

(अन्तरक)

(2) आर० सूर्येनारायणा, श्रीकृष्णा को -आपरेटिव हाऊसिंग बिल्डिंग सोसाइटी, 49-26-17, रानी हाऊस, मुधूरा नगर, वैझाक-530004 ।

(अन्तरिती)

का यह सूथना जारी करके पृथाँक्स संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विकास में किए जा सकेंगें।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन, विस्तीर्ण 0.21 सेंटस्, एस० नं० 12/1, रूसीकोंडा, वैझाक, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 261/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी वैझाक।

एम॰ जेगन मोहन, सक्षम अधिकारी, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 4-9-1983

सघ लोक संवा आयोग

नोटिस

सम्मिलित चिकित्सा सेया परीक्षा 1984 न**र्इ** दिल्ली, दिनाक 15 अक्टूबर, 1983

स एफ 14/2/83-प । (म)—संघ लोक सेवा आयोग द्वारा नींचे पैरा 2 में दी गई स्वाओ तथा पदों पर भर्ती होतें 8 अप्रैल, 1984 को अगरतला, अहमदाबाद, एजल, इलाहाबाद, बगलौर, भोपाल, बम्बई, कलकत्ता, चडीगढ़, कींचीन, कटक, दिल्ली, दिसप्र (गोहाटी),, हदरोबाद, इम्फाल, इंटानगर, जयपुर, जम्मू, जोरहाट, कोहिमा, लखनऊ, मद्रास, नागपूर, पणजी (गोदा), पटना, पार्ट ब्लेयर, रायप्र, शिलाग, शिमला, श्रीनगर, तिरुपति, त्रिवेन्द्रम और विशाखापट्टनम् में एक सम्मिलित परीक्षा ली जाएगी।

आयोग यदि चाहे तो परीक्षा के उपर्णूक्त केन्द्रों तथा तारीक्षों से परियर्तन कर सकता है। यद्यपि उम्मीदवारों के उक्त परीक्षा के लिये उनकी पसन्व के केन्द्र दोने के सभी प्रयास किए जाये गें तो भी आयोग परिस्थितिवश किसी उम्मीदवार को अपनी विवक्षा पर अलग केन्द्र दो सकता है। जिन उम्मीदवारों को उक्त परीक्षा से प्रवेश दो दिया जाता है उन्हों समय सारणी तथा परीक्षा स्थल (स्थलों) की जानकारी दो दी जाएगी निचे परा 19(11) दोलए।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि केन्द्र से परिवर्तन से सबद्ध अन्रांध की सामान्यसया स्वीकार नहीं किया जाएगा। किन्तू जय कोई उम्मीदवार अपने इस केन्द्र से परिवर्तन चाहता है जो उसने उक्त परीक्षा होतू अपने आदेदन से निर्विष्ट किया था तो इस सचिद, सच लोट सेवा आयोग को इस बात का पूरा औचित्य बताते हुए एक पत्र रिजस्टर्ड डाक से अवस्य भेजना चाहिए कि वह केन्द्र में परिवर्तन क्यो चाहता है। एसे अन्रांधो पर ग्णवता के आधार पर यिचार किया जाएगा टिन्त् 8 मार्च, 1984 के बाद प्राप्त अन्रांधो को किसी भी स्थित से स्वीकार नहीं किया जाएगा।

- 2 जिन सेवाओ /पदो पर भर्ती की जानी है वे तथा भरी जाने वाली रिक्तियों की अनुमानित सख्या नीचे दी गई है ----
 - (1) रोलघे में सहायक प्रभागीय चिकित्सा अधि-कारी---**
 - (2) आय्ध तथा आय्ध उपस्कर कारखाना स्वास्थ्य सेवा से कनिष्ठ वेतनमान पद लगभग—**
 - (3) केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा मे किनष्ठ वेतनमान पद--200*
 - (4) विल्ली नगर निगम में सामान्य ड्यूटी चिकित्सा अधिकारी 50 (इनमें अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित 8 रिक्तियों तथा अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों के लिए आर-धित 4 रिक्तियों सिम्मिलत हैं)।

इस सख्या में परिवर्तन किया जा सकता है।

**रिक्तियो की सख्या सरकार द्वारा अभी तक स्चित नहीं की गई है। अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियो के उम्मीदवारों के लिए आरक्षण भारत सरकार द्वारा निश्चित रिक्तियों के अनुसार होगा।

3 कोई उम्मीदनार उपर्यंक्त परेत 2 से उल्लिखित किसी एक या एक से अधिक सेवाओं/प्दों के सम्बन्ध में परीक्षा में प्रवेश के लिये आवेदन कर सकता है। उम्मीदनारों को उच्चित समय पर सेवाओं/पदों के लिये अपना वरीयता कम बनाना होगा।

यदि कोई उम्मीववार एक में अधिक सेवाओं /पर्दों के लिये परीक्षा में प्रवेश पाना चाहता है तो भी उसे एक ही आबँदन पत्र भेजने की आवश्यकता है। नीचे पैरा 5 में उल्लिखित श्लक भी उसे केवल एक ही बार दोना होगा उसे प्रत्येक सेवा/पद के लिये अलग-अलग नहीं, जिसके लिए यह आवदेन कर रहा है।

- 4 पात्रता की शर्ते
- (क) राष्ट्रीयता

उम्मीदवार को या तो ---

- (1) भारत का नागरीक होना चाहिए, या
- (2) नेपाल की प्रजा, या
- (3) भूटान की प्रजा, या
- (4) एसा तिब्बती शरणार्थीं, जो भारत से स्थायी रूप से रहने की इच्छा से पहली जनवरी 1962 से पहले भारत आ गया हो, या
- (5) कोई भारत सूल का व्यक्ति जो भारत से स्थायी रूप से रहने की इच्छा से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलका, और कीनिया, उगडा तथा सय्क्त गणराज्य तजा- निया, (भूतपूर्व तगानिका और जजीवार) के पूर्वी अफ्रीका के देशों से या जाविया, मलावी, जेरे और इथोपिया और वियतनाम से आया हो।

परन्तू (2), (3), (4) और (5) गर्गे के अन्तर्गरा आने वाले उम्मीददार के पास भारत सरकार द्वारा जारी किया गया पात्रता (एल्जिजीबिलिटी) प्रमाण पत्र होना चाहिए।

परीक्षा मे एसे उम्मीदवार को भी जिसके लिये पात्रता प्रमाण-पत्र आवश्यक हा परीक्षा मे बैठने दिया जा सकता है परन्त् उसे निय्क्ति पस्ताव भारत सरकार द्वारा आवश्यक प्रमाण-पत्र दिए जाने पर ही दिया जाएगा।

(स) आयु-सीमा — पहली जनदरी 1984 को 30 वर्ष से कम।

उज्यारी आय-सीमा मे निम्न प्रकार अधिक छूट प्राप्त हैं :--

- (1) ग्रीव उम्मीदवार किसी अन्सूचित जाति या अन्-सूचित जनजाति का हो तो अधिक से अधिक पांच वर्ष तक,
- (2) यदि उम्मीदयार भूतपूर्व पूर्णी पाकिस्तान (अब बगला चोर) का वास्सविक विस्थापित व्यक्ति हो और वह 1 जनवरी 1964 और 25 मार्च 1971 के बीच की अविधि के दौरान प्रदूजन कर भारत आया हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक,
- (3) यदि उम्मीदवार अनुमृचित जाति अथवा अनुस्चित जनजाति का हो और वह 1 जनगरी 1964 आर 25 मार्च 1971 के बीच की अविध क दारान भतपूर्व पृथ्वी पाकिस्तान (अब बगला देश) से प्रवृजन

- कर आया वास्तविक विस्थापित व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष तक,
- (4) यि उम्मीववार अक्तूबर 1964 के भारत श्रीलंका करार के अधीन 1 नयम्बर 1964 की या उसके बाद श्रीलंका से अस्तृत: प्रत्यावर्तित होकर भारत से आया हुआ या आने वाला मूल रूप से भारतीय व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक सीन वर्ष तक,
- (5) यवि उम्मीवनार अन्सूचित जाति अथवा अन्सूचित जनजाति का हो और साथ ही अक्तूबर 1964 के भारत श्रीलंका करार के अधीन 1 नवम्बर 1964 को या उसके बाद श्रीलंका से वस्त्तः प्रत्यायितित होकर भारत में आया ह्या या आने वाला मूल रूप से भारतीय व्यक्ति हो, तो अधिक से अधिक आठ वर्ष तक,
- (6) यदि उम्मीवनार भारत मूलक व्यक्ति हो और उसने कीनिया, उगांडा, तंजानिया के संयक्त गणराज्य (भूतपूर्व टांगानिका और अंजीबार) से प्रवृजन किया हो या जांबिया, मलावी, जेरे और इधियोपिया से प्रत्यावर्तित हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक,
- (7) यदि उम्मीववार अन्सूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का है और भारत मूल का वास्तियक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है तथा कीनिया, उगांडा तथा संयुक्त
 गणराज्य संजानिया (भूतपूर्व तांगानिका तथा जंजीबार) से प्रवृजन कर आया है या जाम्बिया, मलाबी,
 जरे तथा इथोपिया से भारत मूल का प्रत्यावर्तित
 व्यक्ति है तो अधिक से अधिक 8 वर्ष,
- (8) यदि उम्मीदवार 1 जून, 1963 को या उसके बाद बर्मा में नस्तुतः प्रत्यावितित होकर भारत मे आया हुआ भारत मूलक व्यक्ति हो, तो अधिक से अधिक तीन वर्ष दक,
- (9) यदि उम्मीदवार अन्सूचित जाति अथवा अन्सूचित जगजाति का हो और साथ ही 1 जून, 1963 या उसके बाद बर्मा यस्तृतः प्रत्यायितित होकर भारत में आया ह्आ भारत मूलक व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष तक,
- (10) रक्षा मेवाओं के उन कर्मचारियों के मामले से अधिक से अधिक तीन वर्ष तक जो किसी विदेशी वेश के साथ संघर्ष के अथवा अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्र-वार्ध के दौरन विकलांग हुए तथा उसके परिणाम स्वरूप निम्मू कत हुए,
- (11) रक्षा सेवाओं के उन कर्मचारियों के मामले में अधिक से अधिक आठ वर्ष तक जो किसी विद्येषी देश के साथ संघर्ष में अथवा अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फाँजी कार्रवार्ष के बाँगन विकलांग हुए तथा उसके एरिणामस्वरूप निर्मृक्त हुए हों और जो अनुसूचित जातियों के हैं,
- (12) यदि कोई उम्मीववार वास्तिवक रूप से प्रत्यावितत मूलत. भारतीय व्यक्ति (जिसके पास भारतीय पार-पत्र हो) और एसा उम्मीववार जिसके पास वियत्ताम

- में भारतीय राजव तावास ब्वारा जारी किया गया आपात प्रमाण-पत्र है, और जो वियतनाम से जुलाई 1975 से पहले भारत नहीं आया है तो उसके लिये अधिक से अधिक तीन वर्ष.
- (13) यदि कोई उम्मीदवार अनुस्चित जाति या अनुस्चित जन जाति का हो तथा वास्तविक रूप से प्रत्यावितित भारत मूलक व्यक्ति (जिसके पास भारतीय पारपृत्र हो) और एसा उम्मीदवार जिसके पास वियतनाम में भारतीय राजद्तिवास द्वारा जारी किया गया आपात प्रमाण-पत्र है तथा जो वियतनाम से जूलाई 1975 से पहले भारत नहीं आया है तो उसके लिए अधिक से अधिक 8 वर्ष तक,
- (14) जिन भूतपूर्व सीनिकों और कमीशन प्राप्त अधिन कारियों (आपातकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों अल्पकालिक सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों सिहत) ने 1 जनवरी, 1984 को कम से कम 5 वर्ष की सीनिक सेवा की ही और जो कदाचार या अक्षमता के आधार पर बर्सास्त या सीनिक सेवा से हुई शारीरिक अपंगता या अक्षमता के कारण कार्य मुक्त न हो कर अन्य कारणों से कार्यकाल के समापन पर कार्यम्वत हुए हैं। (इनमें वे भी सिम्मलिस ही जिनका कार्यकाल 1 जनवरी 1984 से छः महीनों के अन्दर पूरा होना ही) उनके मामले में अधिक से अधिक 5 वर्ष तक,
- (15) जिन भृतपूर्व सीनिकों और कमीशन अधि-प्राप्त कारियां (आपातकालीन कमीशन प्राप्त अधि-कारियों / अल्पकालीन सेवा कमीशन प्राप्त कारियां सहित) ने 1 जनवरी, 1984 को कम से कम पांच वर्ष की सीनिक सेवा की है और जो कदाचार या अक्षमता के आधार पर वर्खास्त या सैनिक सेवा से हुई शारीरिक अपंगता या अक्षमता के कारण कार्य-मुक्त न होकर अन्य कारणों से कार्यकाल के समापन पर कार्यमुक्त हुए हैं। (इनमे वे भी सम्मिलित हैं जिनका कार्यकाल 1 जनवरी 1984 से छः महीनो के अन्दर पुरा होना है । तथा जो अनुसुचिस जातियां या अनुसूचित जन जातियां के हैं उनके मामले में अधिक से अधिक दस वर्ष तक।
- (16) यदि कोई उम्मीदवार तत्कालीन पिष्धमी पाकिस्तान से दास्तिदिक विस्थापित व्यक्ति हैं और भारत से 1 जनवरी, 1971 तथा 31 मार्च 1973 के बीच की अविध के दौरान प्रवृजन कर आया था तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक।
- (17) यदि कोई उम्मीदवार अन्सूचित जाति या अन्सूचित जनजाति का है और तत्कालीन पिक्सी पाकिस्तान से वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है और भारत में 1 जनवरी, 1971 तथा 31 मार्च 1973 के बीच की अधिक कोठ वर्ष तक।

उपयुक्ति व्यवस्था को छोड़कर निर्धारित आयु सीमा में किसी भी स्थिति में छूट नहीं दी जाएगी।

आयोग जन्म की वह तारील स्वीकार करता है जो मैट्रिक लेशन या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण पत्र या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मैट्रिक् लंकन के समकक्ष माने गये प्रमाण-पत्र या किसी विश्वविद्यालया द्वारा अन्रक्षित मैट्रिक् लंटों के रिषस्टर में दर्ज की गई हो और वह उद्धरण विश्वविद्यालय के सम्बित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित हों या उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या उसकी समकक्ष परीक्षा प्रमाण-पत्र में दर्ज हो, ये प्रमाण-पत्र परीक्षा के लिखित भाग के परिणाम की घोषणा के बाद प्रस्तुत करने हैं।

आयुं के सम्बन्ध में कोई अन्य वस्तावेज औसे जन्म कुंडली, शपथपत्र, नगर निगम से और सेवा अभिलेख से प्राप्त जन्म सम्बन्धी, उब्धरण, तथा अन्य एसे ही प्रमाण स्वीकार नहीं किए जायोंगे।

अनुदोशों के इस भाग में आए हुए ''मैट्रिक लेशन / उच्चेतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण पृत्र'' वाक्यांश के अन्तर्गत उपयुक्त वैकल्पिक प्रमाण-पत्र सम्मिलित है।

टिप्पणी 1—उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि आयोग जन्म की उसी तारीख को स्वीकार करेगा जोकि आयेदन पत्र प्रस्त्त करने की तारीख को मैट्रिक्लोशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण पत्र में दर्ज ही और इसके बाद उसमें परिवर्तन के किसी अनुरोध पर न विचार किया जाएगा और ग उसे स्वीकार किया जाएगा।

टिप्पणी 2—- उम्मीदवार यह भी ध्यान रखें कि उनके ब्वारा किसी परीक्षा में प्रवेश के लिये जन्म की तारीख एक बार घोषित कर देने और आयोग व्वारा उसे अपने अभिलेख में दर्ज कर लेने के बाद उसमें बाद में या किसी परीक्षा में परिवर्तन करने की अनुमित। नहीं दी जाएगी।

(ग) श्रीक्षक योग्यताएं :

ं उक्त परीक्षा में प्रवेश के लिये उम्मीदवार फाइनल एमः बी बी. एस. परीक्षा के लिखित तथा प्रायोगिक भागों में उत्तीर्ण हों।

टिप्पणी 1—वह उम्मीदिवार भी आवेदन कर सकता है जिसने फाइनल एम. बी. बी. एस. परीक्षा दे ली है या जिसको अभी देनी हैं। यदि एसे उम्मीदिवार अन्यथा पात्र हुए तो उन्हें उक्स परीक्षा में प्रवेश के दिया जाएगा परन्तु उनका प्रवेश अनंतिम रहाँगा तथा फाइनल एम. बी. बी. एस. परीक्षा के लिखित तथा प्रायोगक भागों को उन्तीर्ण करने का प्रमाण प्रस्तुत न करने की स्थित में रद्द कर दिया जाएगा। उक्त प्रमाण विस्तृत आवेदन पत्र के, जो उक्त परीक्षा के लिखित भाग के परिणाम के आधार पर अर्हाता प्राप्त करने वाले उम्मीदिवारों द्वारा आयोग को प्रस्तुत करने पड़ाँगे, साथ प्रस्तुत किया जाएगा।

टिप्पणी 2—अक्त परीक्षा में प्रवंश के लियं वह उम्मीदवार भी शैक्षिक रूप से पात्र हैं जिसे अभी अनिवार्य राटेंटिंग इन्टर्निश्चप्री करनी हैं, किन्तु चयन हो जाने पर उन्हें अनिवार्य राटेंटिंग इन्टर्निश्चप्रा करने के बाद ही नियुक्त किया जाएगा। 5. शुस्क:

एरीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदयारों को आयोग को रा. 28.00 (अट्अईस रुपए) (अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के मामले में रा. 7.00 (सात रुपए)) के शुल्क का भुगतान करना होगा जोकि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली की स्टेट बैंक आफ इंडिया की मूख्य शासा प्र देय स्टेट बैंक आफ इंडिया की किसी भी शासा द्वारा जारी किए गए रोखांकित बैंक डाफ्ट या गचित संघ लोक मेवा आयोग की नई दिल्ली के प्रधान डाकधर पर देय रोखांकित। भारतीय पोस्टल आर्डर के रूप में हों विदेश में रहने वाले उम्मीदनारों को निर्धारित शुल्क भारत के उच्च आयुक्त या विदेश स्थित प्रतिनिधि के कार्यालय में, जैसी भी स्थिति हो इस अनुरोध के साथ जमा करना होगा ताकि वह "051 लोक सेवा आयोग परीक्षा शुल्क" के लेखा शीर्ष में जमा हो जाए और आवेदन पत्र के साथ उसकी रसीद लगाकर भेजनी चाहिए। जिन आवेदन प्रपत्रों में इस अपेक्षा की पूर्ति नहीं होगी उन्हें एकदम अस्वीकार किया जाएगा।

टिप्पणी 1— उम्मीदवारों को अपने आवेदन-पश्च प्रस्तूत करते समय बैंक डाफ्ट की पिछली और उत्पर के सिरो पर अपना नाम तथा पता लिखना चाहिए। पोस्टल आर्डिंगों के मामले में उम्मीदवार पोस्टल आर्डिर के पिछली ओर इस प्रयोजन के लिये निर्धारित स्थान एर अपना नाम तथा पता लिखें।

टिप्पणी 2—यदि कोई एसा उम्मीदवार 1984 की परीक्षा में प्रवेश होतु आवेदन करने का इच्छु क हैं जिसने ''सिम्मिलित चिकित्सा सेवा परीक्षा, 1983'' दी हैं तो उसे परिणाम या नियुक्तिप्रस्ताव का इन्तजार किए बिना आयोग के कार्यालय को अपना आवेदन एक निर्भारित तारीख तक अवश्य भेज दोना चाहिए। यदि उसे 1983 की परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्ति होतु अनुशंसित कर दिया जाता है तो 1984 की परीक्षा के लिये उसकी उम्मीदवारी उसके कहने पर ख़द कर दी जाएगी बशतें कि उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी बशतें कि उम्मीदवारी स्वृद्ध करने और शुक्त वापसी का उसका अनुरोध आयोग के कार्यालय में 1983 की परीक्षा के फाइनल परिणाम के ''रोजगार समाचार'' में प्रकाशन की तारीख से 30 दिन के अन्दर तक प्राप्त हो जाता है।

6. आबंदन कौसे करी

प्रारम्भिक परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारौँ की ''रोजगार समाचार'' विनांक 15 अक्तूबर, 1983 में यथा प्रकाशित आयोग के नोटिस परिशिष्ट II मे प्रकाशित आये**द**न-प्रपत्र पर सचिव, संघ लोक संया आयोग, धौलपुर हाउस, नयी दिल्ली-110011 को आवंदन करना चाहिए। उम्मीदवार समाचार-पत्रों या 'रोजगार समाचार' में प्रकाशित आवेदन-प्रपत्र मल रूप में उपयोग कर सकते हैं और उसके कालम स्वयं अपने हाथों से बाल पेन से भर सकते हैं। वे सफेद कागज (कुल स्केप साइज) पर क्वेवल एक तरफ सफाई के साथ उबल स्पेस पर टिकित आवंदन प्रपत्र को भी प्रयोग में ला सकते हैं। उम्मीदवार प्राइवेट एजेंसियों से उपलब्ध छपे हुए आवंदन-प्रपत्र तथा उपस्थिति पत्रकों को प्रयोग में ला सकते हैं, बशर्तों कि वे इस विज्ञापन के "रोजगार समाचार" दिनांक 15 अक्तूबर, 1983 में गथा-प्रकाशित आयोग के नोटिस के परिकिष्ट ।। में प्रकाशित नम्ने के अनरूप हों। उम्मीववार ध्यान रखें कि पिछली परीक्षाओं के लिये प्रयुक्त प्रपन्नों पर भरे गए आवेदन-पत्र स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

आबंदन-पत्र के लिफाफे पर साफ-माफ मोटे अक्षरों में ''सिम्मिलिस चिकित्सा सेवा परीक्षा, 1984 के लिए आबंदन'' लिखा होना चाहिए।

- (क) उम्मीदवार को अपने आवेदन-प्रपत्र के साथ निम्निलिखित प्रपत्र भेजने चाहिए .
- (1) निर्धारित श्ल्क के लिये र सािकत बैं क डापट/भारतीय पोस्टल आर्डर या भारतीय मिशन की रसीब, (2) फ्ल स्केंप साइज पेपर पर विधिवत भरा हाजा उपस्थित-पत्रक ''राजगार समाचार'' दिनाक 15 अक्तूबर, 1983 में यथा प्रकाशित आयोग के नोटिस के परिशिष्ट II, के अन्सार, (3)। उम्मीदवार के हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 से मी ×7 से मी) के फीटों की दो एक जैसी प्रतिया—एक आवेदन-प्रपत्र प्रत तथा बासरी उपस्थित पत्रक में निर्धारित स्थान पर लगी हों, (4) एक पोस्ट कार्ड अपने पत्ते के साथ, (5) 11 5 से मी × 27 5 से मी आकार के बिना टिकट लगे हुए दो लिफाफे अपने पत्ते के साथ।
- (ख) उम्मीदवार ध्यान रखे कि आवदन प्रपत्र भरते समय भारतीय अको के केवल अन्तर्राष्ट्रीय रूप को प्रयोग करना है। चाह माध्यमिक स्कूल छोड़ने के प्रमाण-पत्र या समकक्ष प्रमाण-पत्र में जन्म की तारीख हिन्दी अको में दर्ज है, तो भी उम्मीद-वार यह स्निचित्त कर लो कि जो आवदेन-प्रपत्र वह प्रयोग में लाता है उसमें जन्म की तारीख भारतीय अकों के अन्तर्राष्ट्रीय रूप में लिखी हो। वे इस बार में विशोष सावधानी बरते कि आवंदन-प्रपत्र मों की गई प्रविष्टिया स्पष्ट और स्पाठ्य हों। यदि ये प्रविष्टिया पढ़ी नहीं जा सकती है या भामक है तो उनके निवंचन में होने वाली भाति या सदिग्धता के लिये उम्मीदवार ही जिम्मदार होगे।
- (ग) सभी उम्मीदवारों को, चाहें वे पहले सरकारी नौकरीं में हों या सरकारी औद्यागिक उपक्रमां में हों, या इसी प्रकार के अन्य सगठनों में हो या गैरसारकारी सस्थाओं में नियुक्त हों, अपने आवेदन-प्रपन्न आयोग को सीधे भेजने चाहिए अगर किसी उम्मीदवार न अपना आवेदन-प्रपन्न अपने नियोक्ता के ख्वारा भेजा हो और वह सघ लोक सेवा आयोग में देर से पहुंचा हो तो आवेदन-प्रपन्न पर यिचार नहीं किया आएगा, भले ही बहु नियोक्ता को आखिरी तारील के पहल प्रस्तृत किया गया हा।

जो व्यक्ति पहले से सरकारी नौकरी में स्थायी या अस्थायी है सियत से काम कर रहे हों, या किसी काम के लिए विशिष्ट रूप से निय्क्त कर्मचारी हो, जिसमें आकस्मिक या दैनिक दर पर निय्क्त व्यक्ति शामिल नहीं है या जो लोक-उद्यमा में सेवारत है, उनको यह परिवचन (अन्डरटेकिंग) प्रस्त्त करना होगा कि उन्होंने लिखित रूप से अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष को सूचित कर दिया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिए आवेदन किया है।

उम्मीदिशारों को ध्यान रखना चाहिए कि यदि आयोग को उनके नियोक्ता से उनके उक्त परीक्षा के लिए आवेदन करने/परीक्षा में बैठने से सम्बद्ध अनुमित रोक्तो हुए कोई पत्र मिलता है सो उनका आवेदन-पत्र अस्वीकृत कर दिया जाएगा/उनकी उम्मीदिशारी रद्द कर दी जाएगी।

टिप्पणी जिन आवेदन-पत्रों के साथ निर्धारित श्रूल्क सलग्न नहीं होगा या जो अधूर या गलत भर हुए हों, उनको एकदम अस्वीकृत कर दिया जाएगा और किसी भी अवस्था में अस्वीकृति के सबध में अभ्यावदन या पत्र-व्यवहार को स्वीकार नहीं किया जाएगा। उम्मीदिवारों को अपन आवेदन प्रयत्नों के साथ आयू और शैक्षिक याग्यता, तथा 'अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति' आदि का प्रमाण-पत्र प्रस्तृत नहीं करना है। इसलिए वे इस बात को स्निहिचन कर ने कि ये परीक्षा में प्रवेश के लिए पात्रता की सभी शर्तों को पूरी करते हैं या नहीं। परीक्षा में उनका प्रवश् भी पूर्णत अनितम होगा। यदि किसी बाद की तारीख को सत्यापन करते समय यह पता चलता है कि वे पात्रता की सभी शर्तों प्री नहीं करते हैं तो उनकी उम्मीदवारी रद्द हो जाएगी।

उम्मीदवारों से अनुराध है कि वे उक्त लिखित परीक्षा का परिणाम जिसके ज्लाई, 1984 में घोषित किए जाने की सभावना है, घोषित होने के बाद आयाग को जल्दी प्रास्त्त करने के लिए निम्निलिखित प्रतिख की अन-प्रमाणित प्रतियां तैयार रखे

- 1 आयुकाप्रमाण-पत्र।
- 2 शैक्षिक सोग्यता का प्रमाण-पत्र।
- 3 जहा लागू हो, वहा परिशिष्ट । मे निर्धारित प्रपत्र म अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति का होने के दाबे के सभर्थन मे प्रमाण-पत्र।
- __4 जहा लागू हो, वहा आय्/श्लक में छूट के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र।

परीक्षा के लिखित भाग के परिणाम की घोषणा के तत्काल बाव आयोग सफल उम्मीदवारों से अतिरिक्त सूचना प्राप्त करने के लिए एक प्रपत्र भेजेगा। उपयुक्ति प्रमाण-ध्वां की अनुप्रमाणित प्रतिया इस प्रपत्र के साथ आयोग को भेजनी होंगी। मूल प्रमाणपत्र साक्षात्कार के समय प्रस्तुत करने होंगे।

यदि उनके द्वारा किए गए दाव सही नहीं पाए जाते हैं तो उनके खिलाफ आयोग द्वारा नीचे के पैरा 7 के अन्सार अनुशासनिक कार्यशहीं की जा सकती हैं।

- 7 जो उम्मीदवार निम्नाकित कदाचार का दोषी है या आयोग द्वारा घोषित हो चुका है ---
 - (i) किसी प्रकार सं अपनी उम्मीदवारी का समर्थन प्राप्त करना या
 - (ii) किसी व्यक्ति के स्थान पर स्वय प्रस्त्त होना या
 - (iii) अपने स्थान पर किसी दूसरे व्यक्ति को प्रस्त्त करना या
 - (iv) जाली प्रलेखों या फेर बदल कियो गयो प्रलेख प्रस्तृत करना या
 - (v) अश्द्रभ या असत्य वक्तव्य देना या महत्वपूर्ण सूचना को छिपाकर रश्वनाया
 - (vi) उक्त परीक्षा के लिये अपनी उम्मीववारी के सम्बन्ध में किसी अनियमित या अनुचित साधन अपनाना या
 - (VII) परीक्षा के समय अनुचित तरीके अपनाना या
 - (viii) उत्तर प्स्तिका (ऑ) पर असगत बात लिखी हों जो अवलील भाषा या अभद्र आध्य की हो या
 - (1X) परीक्षा भवन में और किसी प्रकार का वृर्व्यवहार करणा या

- (X) परीक्षा चलाने के लिए आयोग व्वारा नियुक्त कर्म-चारियों को परोशान किया हो या अन्य प्रकार की शारीरिक क्षति पहाचाई हो या
- (xi) उम्मीदवारों को परीक्षा बने की अनुमति देते हुए प्रेषित प्रवेश प्रमाण-पत्र के साथ जारी किसी अनुवेश का उल्लंघन किया हो।
- (xii) उपर के संडों में उल्लिखित सभी या किसी भी कार्य को करने का प्रयास किया हो या करने के लिए किसी को उकसाया हो

तो उत्स पर आपराधिक अभियोग चलाया जा सकता है और साथ ही :---

- (क) वह जिस परीक्षा का उम्मीदवार है उसके लिए आयोग व्वारा अयोग्य ठहराया जा सकता है अथवा वह
- '(क) '(i) आयोग इ्वारा उनकी किसी भी परीक्षा या चयन के लिए
 - (ii) केन्द्र सरकार द्वारा उत्तके अधीन किसी निय्कित के लिए; स्थायी रूप से या कट्छ अविध के लिए अपवर्णित किया जा सकता है; और
- (ग) अगर बह पहले से सरकारी नौकरी में हो तो उचित नियमावली के अनुसार अनुशासनिक कार्रवार्द्ध का पात्र होगा।

किन्तू धर्त यह है कि इस नियम के अधीन कोई शास्ति तब तक नहीं दी जाएगी जब तक:--

- (i) उम्मीदवार को इस सम्बन्ध में लिखित अभ्यावेदन, जो वह दोना चाहे उसे प्रस्तृत करने का अवसर न दिया गया हो और
- (ii) उम्मीदवार द्वारा अनुमत समय में प्रस्तूत अभ्यावदेन, यदि कोई हों, पर विचार न कर लिया गया हो।

आवेदन प्रपत्र लेने की अन्तिम तारीखः

भरा हुआ आवेदन-पत्र आवश्यक प्रलेखों के साथ सिचव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपूर हाउस, नई दिल्ली-110011, को 28 नवम्बर, 1983 (28 नवम्बर, 1983 से पहले की किसी तारीख से असम, मेंबालय, अरुणाचल प्रवेश, मिजोरम, मिणपूर, नागालैण्ड, त्रिप्रा, सिक्किम, जम्मू और कश्मीर राज्य के लव्दाख प्रभाग, हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति जिले, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह या लक्षद्वीप और विदेशों में रहने वाले उम्मीदिशारों के और जिनके आवेदन उपर्युक्त में से किसी एक क्षेत्र से डाक द्वारा प्राप्त होते हैं, उनके मामले में 12 दिसम्बर, 1983) तक या उससे पहले डाक द्वारा अवश्य भिजवा दिया जाए, या स्वयं आयोग के काउण्टर पर आकर जमा करा दिया जाए।

असम, मेघालरा, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपूर, प्रभाग, हिमाचल प्रदेश के लाहाँल और स्पीति जिले, अंडमान और निकांबार द्वीप समूह या लक्षव्वीप और विवेशों में रहने वाले उम्मीदवारों से आयोंग यदि चाहे तो इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि वह 28 नवम्बर,

1983 से पहले की किसी तारीख से असम, मेघालय, अरुणाचल प्रवेश, सिखोरम, मणिप्र, नागालण्ड, त्रिप्रा, सिल्किम जम्म और कश्मीर राज्य के लब्दाख प्रभाग, हिमाचल प्रदेश के लाहाँल और स्पीति जिले, अण्डमान और निकाबार व्वीप समूह या लक्षद्वीप और विदेशों में रह रहा था।

- टिप्पणी (i) जो उम्मीदवार एोसे क्षेत्रों के हैं जहां के रहने वाले आवेदन की प्रस्त्ति होतू अतिरिक्त समय के हकदार हैं, उन्हें आवेदन-पत्र के संगत कालम में अपने पतों में अतिरिक्त समय के हकदार इलाके या क्षेत्र का नाम (अर्थात, असम, मेघालय, जम्मू तथा काश्मीर राज्य का लद्दाख प्रभागं) स्पष्ट रूप से निर्दिष्ट करना चाहिए अन्यथा हो सकता है कि उन्हें अतिरिक्त समय का
- टिप्पणी (ii) उम्मीदयारों को सलाह वी जाती है कि वे अपने आवेदन-एत्र संघ लोक सेवा आयोग के काउण्टर पर स्वयं जमा कराए या र जिस्टर्ङ डाक द्वारा भेजे। आयोग के किसी कर्मचारी को दिए गए आवेदन-पत्र के लिए आयोग जिम्मेदार नहीं होगा। निर्धारित तारीख के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन पर विचार नहीं किया आएगा।
- 9. परीक्षा की योजना : इस परीक्षा में निम्नलिखित का समावेश होगा :---
 - (क) लिखित परीक्षा :--- उम्मीदवार दो-वो घंट की अविध के निम्निलिखित दो प्रश्न पत्रों में परीक्षा देगा जिनमें नीचे दिए गए विषयों पर वस्तुपरक प्रश्न होंगे। ये अधिकतम 200 अंकों के होंगे। दोनों प्रश्न पत्रों में एसे प्रश्न होंगे जिनमें विभिन्न विषयों के अंकों का प्रतिशत निम्न प्रकार होगा:--

प्रथन पत्न I (कोड सं \circ I)	श्रंकों का प्रतिएन
 (i) शामान्य धायुविज्ञान जिसमें हृदयरोग विज्ञान संक्रिका विज्ञान त्यचारोग विज्ञान और मनोरोग विज्ञान शम्मिलित हैं। 	60%
(ii) सल्य विज्ञान ित्रसमें कर्ण-नामिका-कंठ, नेन्न विज्ञान अभिधात विज्ञान और विकलांक विज्ञान सम्मिलिय हैं।	
प्रमन पत्न II (कोड सं० 2) (i) शिशृधोग विज्ञान	20%
(ii) स्त्रीरोग विज्ञान तथा प्रसूति विज्ञान (iii) निरोधक मामाजिक तथा मामुदायिक आयुर्विज्ञा	40% न 40%
(ख) लिखित परीक्षा में अहैताप्राप्त उम्मीदवारों का व्यक्ति- परीक्षण	त्व - 200 अंक

टिप्पणी I — नमूने के प्रश्न सिंहत वस्तूपरक परीक्षण से सम्बद्ध ब्यौरे का उल्लेख करने वाली ''उम्मीदवार सूचनार्थ विवरणिका'' उम्मीदवारों को प्रयोग प्रमाण पत्र के साथ भेजी जाएगी।

टिप्पणी II—उम्मीदवारों को वस्त्परक प्रवनपत्रों (परीक्षण पुस्तिकाओं) का उत्तर देने के लिए केलक लेटरों

के प्रयोग की अनुमति नहीं है। उन्हें कैलक्लेटर परीक्षा भवन में नहीं लाना चाहिए।

10. जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा मंं आयोग द्वारा अपनी विवक्षा से निर्धारित न्युनतम अर्हाक अंक प्राप्त कर लेते हों, उन्हों आयोग द्वारा व्यक्तिन्व परीक्षण होत् माक्षात्कार के लिए ब्लाया जाएगा।

किन्त्र भर्त यह है कि यदि आयोग का यह मत हो कि अन्-सूचित जातियों या अन्सूचित जनजातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिए इन जातियों के पर्याप्त उम्मीदवार सामान्य स्तर के आधार पर व्यक्तित्व परीक्षण के होत्र साक्षात्कार के लिए नहीं ब्लाए जा सकते हैं तो आयोग अन्सूचित जातियों या अन्मूचित जनजातियों के उम्मीदवारों को इनके लिए आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिए सामान्य स्तर में छूट बोकर व्यक्तिता परीक्षण होत् साक्षात्कार के लिए ब्ला सकता है।

व्यक्तित्व परीक्षण के लिए होने वाला साक्षात्कार लिखित परीक्षा के अनुपूरक के रूप में होगा जिसका उद्देश्य उम्मीदवारों के अध्ययन के विशिष्ट क्षेत्र में उनकी सामान्य जानकारी और क्षमता की परीक्षा करना होता है और साथ-साथ जैसा कि किसी व्यक्तित्व परीक्षण में होता है उम्मीदवारों की बौद्धिक जिज्ञासा, समीक्षात्मक सृझ-बृझ की शक्ति, संत्ितत विवेचन शीलता मानसिक जागरूकता सामाजिक सामंजस्य की क्षमता चारित्रिक सत्यनिष्ठा स्वतः प्रेरणा और नेतृत्व की योग्यसा का भी मृत्यांकन किया जाता है।

11. साक्षात्कार के बाब प्रत्येक उम्मीदवार को लिखित परीक्षा और व्यक्तित्व परीक्षण के अंकों के कमशः 66-2/3% और 33¹/8% का महत्व दोते हुए काल मिला कर प्राप्त अंकों के आधार पर उम्मीदवारों की योग्यता के कम मे आयोग द्वारा उनकी एक मूची तैयार की आएगी और जितने उम्मीदवारों को आयोग इस परीक्षा में योग्य पाता है उनमें से उतने ही की उसी कम से निय्क्ति के लिए अनुशंसित किया जाता है जिसनी बनारिक्षत रिक्सियों को इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भरने का निश्चय किया जाता है।

परन्त् अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षित रिक्तियों में सामान्य स्तर के आधार पर जितनी रिक्तियों नहीं भरी जा सकती है जितनी के लिए स्तर में छूट देकर अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के उम्मीध-वारों को आयोग द्वारा अनुशंस्तित किया जा सकता है बशतें कि परीक्षा में उनको योग्यका के कम में निरपेक्ष रूप से वे इस सेवा में नियुक्ति के योग्यका हों।

- 12. परीक्षा में बैठे उम्मीदवारों को वैयिक्तिक रूप से उनका परीक्षा परिणाम किस रूप में सुचित किया आये इसका निर्णय आयोग स्वयं अपने विवेक से करेगा और परीक्षा, परिणाम के सम्बन्ध में आयोग उनके साथ कोई पत्र-व्यवहार नहीं करेगा।
- 13. इस नोटिस में उल्लिखित अन्य उपबन्धों के अध्यधीन, सफलता प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों की निय्क्ति पर आयोग द्वारा उनकी योग्यता के कम से तैयार की गई सूची और उनके द्वारा अग्ने आवेदन पत्रों में विभिन्त पत्रों के लिये बताई गई द्वारा के अधार पर विचार किया जायेगा।

- 14. परीक्षा में सफल होने मात्र से नियुक्ति का कोई अधिकार तक तक प्राप्त नहीं होता जब तक आवश्यक पूछताछ के बाद सरकार इस बात से संतुष्ट न हो कि उम्मीदवार अपने चरित्र और पूर्व वृत के आधार पर उक्त में वा में नियुक्ति के लिये सर्वथा उपयुक्त हैं। उम्मीदवार को नियुक्ति के लिये यह भी एक धर्त होगी कि उसके अनिवार्य रोटेटिंग इन्टरिशप सफलता-पूर्वक पूरी कर लेने के सम्बन्ध में नियुक्ति प्रधिकारी सन्तृष्ट हो।
- 15. उम्मीदवार को मन और शरीर से स्वस्थ होना चाहिए और उसमें एसी कोई भी शारीरिक कमी नहीं होनी चाहिए जो उक्त सेवा के अधिकारी के रूप में कार्य करने में बाधक मिद्ध हो सके। सरकार या नियोक्ता प्राधकारी जैसी भी म्थिति हो द्वारा निथिति इस प्रकार की शारीरिक परीक्षा में उम्मीदवार इन अपेक्षाओं की पूर्ति नहीं कर पाता है, उसकी नियक्ति नहीं होगी। व्यक्तित्व परीक्षण के लिये योग्य धोषित किये गये सभी उम्मीदवारों को स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा गठित चिकित्सा बोर्ड के पास शारीरिक परीक्षा के लिये भेजा जायेगा।

16. कोई भी व्यक्ति:---

- (क) जो किसी ऐसे व्यक्ति के साथ वैवाहिक सम्बन्ध बना लेता है या इस सम्बन्ध में करार कर लेता है जिसका कोई पति या परिन जीवित है या
- (स) पित या पित के जीवित होते हुए किसी बूसरे व्यक्ति से वैवाहिक सम्बन्ध बना लेता है या इस सम्बन्ध में कोई करार कर लेता है:

इस सेवा में नियुक्ति का पात्र नहीं होगा ।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार इस बात से संतृष्ट हो कि इस प्रकार का विवाह उस व्यक्ति और विवाह से सम्बद्ध दूसरे व्यक्ति पर लागू वैयक्तिक कानून के अनुसार स्वीकार्य है और ऐसा करने के और भी आधार मौजूद है तो किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट वें सकता है।

- 17 उम्मीदवारों को सभी उत्तर अपने हाथ से लिखने होंगे। किसी भी हालत में उन्हें उत्तर लिखने के लिये अन्य व्यक्ति की सहायता लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी।
- 18. आयोग अपनी विवक्षा पर परीक्षा के लिये अह^{*}क (क्वालीफाइंग) अंक निर्धारित कर सकता ह^{*}।
 - 1. आयोग के साथ पत्र-व्यवहार :

निम्निलिखित को छोड़ कर आयोग अन्य किसी भी मामले में उम्मीदवार के साथ पत्र-व्यवहार नहीं करेगा---

(1) आयीग के कार्यालय में प्राप्त प्रत्येक आवेदन-पत्र जिसमों घेर से प्राप्त आवेदन पत्र भी सिम्मलित हैं, की पावती दी जाती हैं तथा आवेदन पत्र की प्राप्ति के प्रतीक के रूप में उम्मीदिवार की आवेदन पंजीकरण संख्या जारी की जाती हैं। इस तथ्य का िक उम्मीदिवार को आवेदन पंजीकरण संख्या जारी कर दी गई हैं अपने आप यह मतलब नहीं हैं िक आवेदनपत्र सभी प्रकार पूर्ण हैं और आयोग हवारा स्वीकार कर लिया गया है यदि परीक्षा से सम्बित आयोदन-प्रपत्नों की प्राप्ति की आसिरी तारील से एक महीने के भीतर उम्मीदवार को अपने आवेदन पत्र की

पावती न मिले तो उसे पावती प्राप्त करने के लिये आयोग से तत्काल सम्पर्क करना चाहिए।

- (2) इस परीक्षा के प्रत्येक उम्मीवरार को उसके आवेदन पत्र के परिणाम की गूचना रथाशीय दे दी जाएगी। किन्तु यह नहीं कहा जा सकता है कि आवेदन पत्र का परिणाम कब सूचित किया जायेगा। यदि परीक्षा के शुरू होने की तारील से एक महीने के पहिले तक उम्मीदवार को अपने आवेदनपत्र के परिणाम के बारे में संघ लोक सेवा आयोग से कोई सूचना व किले तो परिणाम की जानकारी के लिथे उसे आयोग से तत्काल सम्पर्क स्थापित करना चाहिए। यदि उम्मीदवार ने एसा नहीं किया तो वह अपने मामले में विचार किये जाने के वावे से वंचित हो जायेगा।
- (3) किसी भी उम्मीबवार को उक्त परीक्षा में तब तक प्रवेश नहीं दिया जायेगा जब तक उसके पास प्रवेश प्रमाण पत्र न हो।

केवल इस तथ्य का कि किसी उम्मीदवार को उक्त परीक्षा के लिए प्रवेश प्रमाण-पत्र जारी कर दिया गया है यह अर्थ नहीं होगा कि आयोग द्वारा उस्की उम्मीदवारी अन्तिम रूप से ठीक मान ली गई है या कि उम्मीदवार द्वारा अपने प्रारम्भिक परीक्षा के आदवेन पत्र में की गई प्रविष्टियां आयोग द्वारा सही और ठीक मान ली गई हैं। उम्मीदवार ध्यान रखे कि आयोग उम्मीदवार के लिखित परीक्षा के पिरणाम के आधार पर व्यक्तित परीक्षण हत् साक्षात्कार के लिये अर्हता प्राप्त कार लेने के बाद ही उसकी पात्रता की शर्ती का मूल प्रलेखों से सत्यापन का मामला उठाता है। आयोग द्वारा औपचारिक रूप से उम्मीदवारों की पृष्टि कर दिए जाने तक उम्मीदवारी अनंतिम रहोगी।

उम्मीदवार उक्त परीक्षा में प्रवेश का पात्र है या नहीं ही इस बारों में आयोग का निर्णय अन्तिम होगा।

उम्मीदवार ध्यान रखें कि प्रवेक्ष प्रमाण पत्र में कही-कहीं नाम तकनीकी कारणों से संक्षिप्त रूप में लिखे जा सकते हैं।

(4) उम्मीदिवार को इस बात की व्यवस्था कर लेगी चाहिए कि उसके आवेदन पत्र में उल्लिखित पते पर भेजे गए पत्र आदि, आवश्यक होने पर, उसको बदले हुए पते पर मिल जाया करें, पते में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर आयोग को उसका सूचना यथाशीघ वी जानी चाहिए। आयोग ऐसे परिवर्तनों पर ध्यान देने का पूरा-पूरा प्रयत्न करता है, किन्तु इस विषय में वह कोई जिम्मदारी स्वीकार नहीं कर सकता।

महत्वपूर्ण :---आयोग के साक्ष्य सभी पत्र-व्यवहार में नीचे लिखा ब्यौरा अनिवार्य रूप से होना चाहिए :

- 1. परीक्षाकानाम
- आवेदन पंजीकरण सं. अथवा उम्मीदवार के जन्म की तारीख यदि आवेदन पंजीकरण संख्या/अनुक्रमांक स्चित नहीं किया गया है
- 3. उम्मीदबार का नाम (पूरा तथा मोटे अक्षरों में)
- 4 . आवंदन-पत्र मे दिया गया आक का पता 28—286G1'83

विशेषध्यान : (1) जिन पद्यों में यह ब्यारा नहीं होगा, संभव है कि उन पर ध्यान न विचा जाए।

विशेष ध्यान (2) : यदि किसी उम्मीदवार से कोई पत्र/ संप्रेषण परीक्षा हो चूको के बाद प्राप्त होता है तथा उसमें उसका पूरा नाम, अनुक्रमांक नहीं है तो इस पर ध्यान न देते हुए कोई कार्रवाई रही की जायेगी।

- 20. आवेदन पत्र प्रस्तुत करने के बाद उम्मीववारी की वापसी के लिए उम्मीदवार के किसी प्रकार के अनुरोध पर किसी भी परिस्थिति में विचार नहीं किया जाएगा।
- 21. संघ लोक सेवा आयोग ने ''संघ लोक सेवा आयोग की वस्तुपरक परीक्षाओं होतु उम्मीदवार विवरणिका'' शीर्थक से एक समूल्य प्रितका छापी है। यह विवरणिका सं. लो. से. आ. की परीक्षाओं या चण्नों के भावी उम्मीदवारों की सहायता दोने के उद्देश्य से तैयार की गई है।

यह पुस्तिका प्रकाशन नियंत्रक, सियिल लाइन्स, घेहली110054 के पास बिकी के लिए मुलभ हैं और इन्हें उनसे
सीधे मेल आर्डर द्वारा या नकद भुगतान पर प्राप्त किया जा
सकता है। यह केवल नकद भगतान पर (1) किताब महल,
रिवोली सिनेमा के सामने एम्पोरिया ब्लिंडिंग, ''सी'' ब्लाक
बाबा खडगिसंह मार्ग, नई दिल्ली-110001 और (2) उचांग
भयन, नई दिल्ली-110011 में स्थित प्रकाशन शाखा का बिकी
काउन्टर और (3) गवर्नमेंट आफ इंडिया बुक डिपो, 8-के.
एस. राय रोड, कलकता-700001 से भी ली जा सकती हैं।
उक्त विवरणिका भारत सरकार प्रकाशनों के विभिन्न मूर्फीसल
शहरों में स्थित एजेंटों से भी उपलब्ध है।

21. संघ लोक सेवा आयोग ने ''संघ लोक सेवा आयोग की जा रही है' उनके संक्षिप्त विवरण परिचिष्ट-। में दिये गर्ये हैं"।

्रमः बालकृष्णनः, उपसचिव

परिशिष्ट-।

इस परीक्षा के माध्यम से जिन सेवाओं में भत्ती की जा रहीं है, उनके संक्षिप्त विवरण नीचे दिए गए हैं:---

- 1. रोलवे में सहायक प्रभागीय विकित्सा अधिकारी
- (क) पद अस्थायी है और ग्रुप 'क' में है। पद का देतनमान रह. 700-40-900 द. रा. 40-1100-50-1250 द. रा. 50-1600 (परिशोधित वेतनमान) हैं। इसके अलावा समय-समय पर प्रवर्तित आदेशों के अनुसार प्रतिबन्धित प्रौक्टिस निषेध भक्ते भी होंगे। फिलहाल ये दर घालू हैं:---

1~5 स्टोज रु. 150~प्र. मा. 6~10 स्टोज रु. 200~प्र. मा. 11~15 स्टोज रु. 250~प्र. मा. 16वी स्टोज रु. 300~प्र. मा.

निजी प्रैक्टिस को प्रतिविन्धित या निशिद्ध करते हुए समय-समय पर रोलवे मन्त्रालय या अन्य उच्च प्राधिकरण द्वारा जारी किए गए आदोशों का पालन करने के लिए उम्मीदवार बाध्य होगा। जो उम्मीदवार सरकारी नौकरी में हो उनकी उपयूक्त वेतनभान में नियमानुसार प्रारंभिक वेतन विया जायेगा। दूसरो लोगों को उपयुक्त वेतनमान का न्यूनतम वेतन दिया जायेगा।

- (क्ष) उम्मीदवार को दो साल की परिवीक्षा पर नियुक्त किया जायेगा और आवश्यक समझा जाये तो सरकार इस अविध को आगे वढ़ा सकती है। परिवीक्षा की अविध को सन्तोषजनक ढंग से समप्त करने पर वह अस्थायी है सियत से उनको आगे चलाया जायेगा।
- (ग) परिवीक्षा की अविध में और उसके बाद अस्थायी नियुक्ति के दौरान दोनों तरफ से एक महीने के नोटिस के द्वारा नियुक्ति को समाप्त किया जा सकता है। नोटिस के बदले एक महीने का वेतन दोने का अधिकार सरकार अपने पास रखेगी।
- (घ) उम्मीदवार को रोलवे मंत्रालय ब्वारा निर्धारित प्रशिक्षण प्राप्त करना होगा और सभी विभागीय परीक्षाओं में उत्तीर्ण होना पड़ोगा।
- (ङ) उम्मीदवार रोलवे पोंशन नियमों से नियंत्रित होगा और राज्य रोलवे भविष्य निधि (गैर-अंशदायी) के समय-समय पर लागू नियमों के अधीन उस निधि का सदस्य बनेगा।
- (च) उम्मीदनार समय-समय पर प्रवर्तित और अपने स्तर के अधिकारियों प्र लागू अवकाश निद्मों के अनुसार अवकाश का अधिकारी होगा।
- (छ) जम्मीदवार समय-समय पर प्रवर्तित नियमों के अनुसार निःशुल्कः रोनवे पास और विशोध टिकट आदाेशों का अधिकारी होगा।
- (ज) अमीदवार को उसकी नियुक्ति के बाद दो साल के अन्दर हिन्दी परीक्षा में उत्तीर्ण होना पड़िंगा।
- (स) 'नियमानुसार, उपयुक्त पद पर नियुक्त प्रत्येक व्यक्ति को अपेक्षितः होने पर किसी रक्षा सेवा में या भारत की रक्षा से संबंधित किसी पद पर कम से कम चार वर्ष की अविध के लिए काम करना पड़ सकता है जिसमें किसी प्रशिक्षण पर व्यतीत अविध शामिल है।

परन्तु उस व्यक्ति को

- (क) नियुक्ति की तारीख से 10 वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वेक्ति रूप में कार्य नहीं करना होगा।
- (ख) प्रामान्यतः 45 वर्षकी आयु हो जाने के बाद पूर्वीक्त रूप में कार्यनहीं करना होगा।
- (ग) संगणनीय सेवा—जो व्यक्ति इन नियमों के अधीन उन पदौँ पर नियुक्त होते हैं जिन पर भारतीय रोलवे स्थापना संहिता के नियम 2423-क िक. से. नि. 404(ख) में निर्धारित शतों लागू होती है, बे उस नियम में निहित उपबन्धों के लाभ के पात्र होंगे।

- (ट) जो बातें उत्पर विनिर्दिष्ट रूप से कही गर्इ हैं उनमें और अन्य मामलों में उम्मीदवार भारतीय रोलवे स्थापना संहिता और समय-समय पर परि-शोधित/प्रवर्तित नियमों के अधीन कार्य करेगा।
- (ठ) आरम्भ में उम्मीदवार को पार्श्वस्थ स्टोशनों के रोतने स्वास्थ्य केन्द्रीय औषभालयों में नियुक्त किया जायेगा। सहायक प्रभागीय चिकित्सा अधिकारियों को किसी भी रोलवे में स्थानान्तरित भी किया जा सकता है।
- (इ) उच्चतर ग्रेडों में योतनमानों और भत्तों सहित पदोन्नित के अवसर
- (1) एसे सहायक प्रभागीय चिकित्सा अधिकारी जिन्होंने उक्त ग्रेड में निथमित नियुक्ति के बाद पंच वर्ष की सेवा कर ली है, प्रभागीय चिकित्सा अधिकारी (बिरिष्ठ वेतनमान) के पवों पर पदोन्ति के पात्र हैं। इन पदों का वेतनमान रु. 1100-1800 हैं। जिसके साथ 1 से 9 तक की अवस्थाओं तक रु. 300/- प्रति मास सी मित प्रैक्टिस निषेध भत्ता तथा 10 अवस्था से आगे रु. 350/- प्र. मा. प्रैक्टिस निषेध भत्ता ग्राह्य हैं।

एंसे प्रभागीय चिकित्सा अधिकारी/विरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी जिन्होंने उक्त ग्रेड में नियमित नियमत के बाद पांच वर्ष की सेवा कर ली है, चिकित्सा अधिकारों के पदों पर पदोन्नित के पात्र हैं। इन पदों का वेतन-मान रु. 1500-2000 है तथा साथ में रु. 500/-प्र. मा. प्रैक्टिस निषेध भत्ता ग्राह्य है।

जैसा कि समया-समय पर विहित किया जाता है रह. 1500-2000 के ग्रेड में सेवा वर्षों की संख्या के आधार पर चिकित्सा अधीक्षक/अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी के पदों पर पदोन्नित के पात्र हो जाते हैं। इस पद का बेतजमान रह. 2250-2500 हैं तथा साथ में रह. 500/- ग्र. मा. प्रैक्टिस निष्धे भत्ता ग्राह्य है।

एं से अतिरिक्त मूल्य चिकित्सा अधिकारी जिन्होंने उक्त ग्रेड नियमित नियुक्ति के बाद दो वर्ष की सेवा कर ली., मूल्य चिकित्सा अधिकारी के पद पर पदोन्नित के पात्र है। इस पद का वेतनमान रह. 2500-2750 है तथा साथ में रह. 500/प्र. मा. प्रैक्टिस निषेध भत्ता ग्राह्य है।

(ढ) कर्त्तव्य और दायित्व :---सहायक प्रभागीय चिकित्सा अधिकारी :

> वह प्रतिदिन और आवश्यक होने पर भीतरी बोडों और बाहरी चिकित्सा विभाग का काम देखेगा।

- (ii) वह लागू विनियमों के अनुसार उम्मीववार और सेवारस कर्मचारियों की कारीरिक परीक्षा करेगा।
- (iii) वह अपने अधिकार क्षेत्र में परिवार नियोजन, लोक स्वास्थ्य और स्वच्छता का काम देखेगा।
- (iv) वह सामान विक्रेताओं की आंच करोगा।
- (v) वह अस्पताल के कर्मचारियों में अनुशासन और कर्सव्या पालन के लिये उत्तरदायी होगा।
- (vi) वह अपनी विशेषकता से सम्बद्ध कार्य, यदि कोई हो करेगा और अपनी विशेषकता से संबंधिस यिवरणियां और मांग पत्र तैयार करेगा।
- (vii) वह सभी उपस्करों का रखरखाव और देखभाल अपने प्रभार में रखेगा।
- टिज्जी (1): जब सहा. प्र. चि.ज. किसी प्रभाग के मूख्यालय में प्रभागीय चिकित्सा अधिकारी के प्रभार के अधीन निय्कत किया जाता है तो वह प्रभागीय चिकित्सा के सभी कर्त्तव्यों में उसे सहायता देगा किन्त् विक्षेष रूप से उसको क्छ कार्य और दायित्व भी सौंपे जा सकते हैं।
- टिप्प्णी (2) : सहा. प्र. चि. अ. को समय-समय पर सर्पिपे गये अन्य कर्त्तच्य भी निभाने होंगे।

रक्षा मंत्रालय के अन्तर्गत आय्ध्र तथा आय्ध्र उपस्कर कारखाना स्वास्थ्य सेवा में सहायक चिकित्सा अधिकारी के पव—-

(क) पद ग्रूप 'क' में अस्थायी किन्त् यथाविधि स्थायी किया जा सकता है। वेतनमान रु. 700-40-900 व. रो. 40-1100-50-1300 है तथा साथ में समय-समय पर लागू आवेरों के अनुसार प्रैक्टिस निषेध भत्ता (प्र. नि. भ.)। इस समय दर निम्नलिखित हैं:---

1-5 स्टोज रा. 150/- प्रतिमास 6-10 स्टोज रा. 200/- प्रतिमास 11 स्टोज से बागे रा. 250/- प्रतिमास

- (स) उम्मीदवार नियमित की तारील से दो वर्ष तक परिधीक्षा पर रखा जाएगा। यह अविध सक्षम प्राधिकारी की विवक्षा पर घटाई या बढ़ाई जा सकती है। परिवीक्षा अविध संताष्ठजनक ढंग से समाप्त करने पर उन्हें स्थायी रिक्ति पर स्थायी किए जाने तक अस्थायी है सियत से चलाया जाएगा।
- (ग) उम्मीदवार को भारत में कही भी किसी आयूध कारखाना अस्पताल या औषधालय में नियुक्त किया जा सकता ह⁴।
 - (घ) किसी भी प्रकार की निजी प्रैक्टिस करना मना है।

- (इ) परिधीक्षा की अविधि में और उसके बाद अस्थायी निय्वित के दौरान दोनों तरफ से एक महीने का नोटिस देकर निय्वित को समाप्त किया जा सकता है। सरकार को नोटिस के बदले एक महीने का बेनन दोने का अधिकार होगा।
- (च) उच्चतर ग्रेडों के वेसनमान और भत्तों सहित पदोन्नित के आवसर :--

वरिष्ठ देतनमान—वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी/सहायक निदशक, स्वास्थ्य सेवा

किनिष्ठ वैतनमान में कम से कम 5 वर्ष की सेवा रखने वालें अधिकार वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी/सहायक निचेशक स्वास्थ्य मेवा के वरिष्ठ वेतनमान के लिये पात्र होंगे। वेतनमान रु. 1100-50-1600 है तथा साथ में निम्नलिखित दरों पर प्रविद्यस निषेध भत्ता --

1−3 स्टेंज	रु.	250/- प्रतिमास
4-5 स्टेज	रु.	360/- प्रतिमास
6~7 स्टेंज	रुः.	350/- प्रतिमास
8-9 स्टोज	रह.	400/- प्रतिमास
10−11 स्ट ेष	रु .	450/- प्रतिमास

सुपरटाइम ग्रेड Π —प्रधान चिकित्सा अधिकारी/उप

निद्रोशक स्वास्थ्य सेवा

वरिष्ठ वेतनमान (वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी/सहायक निविशक, स्वास्थ्य सेवा) में 5 वर्ष की नियमित सेवा और स्नातकोत्तर योग्गता रखने वाले अधिकारी प्रधान चिकित्सा अधिकारी/उप निवेदक, स्वास्थ्य सेवा के सुपरटाइम ग्रेड-II में पवोन्नित के लिए विचार किये जा सकते हैं। वेतनमान रह. 1500-60-1800-100-2000 हैं तथा रह. 600/- प्र. मा. की वर से प्रे. नि. भ.।

सुपर टाइम ग्रेड । निक्शिक स्वास्थ्य सेवाएं

प्रधान चिकित्सा अधिकारी और उप-निद्याक स्वास्थ्य सेवा 6 वर्ष की सेवा पूरी कर लेने पर क. 2250-125/2-2500 प्रतिमास तथा साथ में क. 600/- प्र. मा. की दर से प्रैक्टिस निषेध भरती के वेतनमान वाले निद्याक स्वास्थ्य सेवा के सुपर टाइम प्रेड-। में नियक्ति के पात्र होंगे:

- (छ) कार्यस्वरूप—(1) सहायक चिकित्सा अधिकारी
 - (i) वे प्रतिवित्त और आवश्यक होने पर अस्पताल के बोडों के बभागों के अंतरंग रोगियों और औषधालयों/ बहिरण विभागों के रोगियों को देखेंगे।
 - (ii) वे नियमों के अनुसार कर्मचारियों और नौकरी के लिए आने वाले उम्मीधनारों की स्वास्थ्य की परीक्षा कर^रगे।
- (iii) वे सभी उपस्कारों का रख रखाव और दोसभाल अपने प्रभाग में रखोंगे।

- (iv) वे अपने अधिकार क्षेत्र' में परिवार कल्याण., लोक स्वास्थ्य और औद्योगिक कर्मचारियों के स्वास्थ्य का कार्य दोसोंगे।
- (v) वे अस्पताल और अीमधालय के कर्मचारियों के प्रशिक्षण, अनुशासन और कर्तथ्य पालन के लिए उत्तरदायी होंगे।
- (vi) हो नियमान्सार प्रभारी चिकित्सा अधिकारी द्वारा सींपे गए अन्य कार्य भी कर^नगे।
 - (2) जी. डी. ओ. ग्रेड ।—स्यास्थ्य सेवा सहायक निवोशक और घरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी
 - (क) मूल्यालय में पदस्थ स्वा. से. सं. नि./स्वा. से. उ. के निदोशन पर चिकित्सा संबंधी सभी विषयों में कर्त्तव्या निभाने में उनकी सहायता करोगा।
 - (ख) अनुभाग अधिकारी के रूप में चिकित्सा अनुभाग को दौनंदिनी कार्य करने में वह स्वा. से. नि./स्वा. से. उ. नि. की सहायता करेगा।
 - (ग) समय-समय पर स्वा. से. नि./स्वा. से. उ. नि. द्वारा सींपे गए दूसरे कार्य भी उसको करने होंगे।
 - (घ) चिकित्सा भंडार और उपस्कर से संबंधित सभी प्रक्तों का समाधान करने मे वह स्या. से. नि. की सहायता करोगा।
 - (ङ) व. चि. अ. य. चि. अ. 75 से कम पलंग दाले किसी कारख्यता, अस्पताल और वहां कि चिकित्सा स्थापना के प्रभारी होंगे।
 - (च) प्रभारी चिकित्सा अधिकारी के रूप में चिकित्सा संबंधी सभी मामलों में कारखाना, महाप्रबन्धक के सलाहकार रहोंगे और आवश्यक बनुशंसा करते रहोंगे।
 - (छ) नियमानुसार वे कर्मचारियों और उनके परिवार के सबस्यों के लिए चिकित्सा का प्रबन्ध करों।
 - (ज) वे किसी संविधि या सरकारी आदेश द्वारा निर्धारित या स्वा. से. नि!. द्वारा सौंपे गये अन्य कार्य भी करों।
 - (3) सपर टाइम ग्रेड ।।—स्वास्थ्य स्वा उप निवक्तिक और प्रधान चिकित्सा अधिकारी

- (क) मुख्यालय में पदस्थ स्वा. सो. उपनिविश्वक स्वा. सो. निविश्वक के द्वारा निर्विष्ट उनके सभी कार्यों में उनकी सहायक्षा करोगा।
- (स) स्वा. से. ति. की गैर हाजिरी, छुट्टी या दौरे की अविध में वह कारसाना, महानिविशक के आदेशा-न्सार स्वा. से. नि. के रूप में कार्य करेगा।
- (ग) प्र. चि.अ. ---प्र. चि.अ. 75 या इससे अधिक पलंग वाले किसी कारसाना, अस्पताल और नहां की चिकित्सा स्थापना का प्रभारी चिकित्सा अधिकारी रहेगा।
- (ध) प्रभारी चिकित्सा अधिकारी के रूप में व चिकित्सा संबंधी सभी मामलों में कारखाना, महाधबन्धक के सलाहकार रहाँगे और आवश्यक अनुशंसा देते रहाँगे।
- (ड) नियमान्सार ये कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों के लिये वे चिकित्सा का प्रबंध करोंगे।
- (च) किसी संयिधि या सरकारी आदिश में निहित या स्वास्थ्य सेवा निविश्वक द्वार सौंपे गये अन्य कार्य भी वे करोगे।
- (4) सुपरट टाईम ग्रेड-। स्वास्थ्य सेवा निवंशक
- (क) चिकित्सा और स्वास्थ्य संबंधी सभी मामलों में कार-खाना, महानिव शक का चिकित्सा सलाहकार— व्यावसायिक और प्राविधिक समस्त मामलों में कारखाना, महानिव शिक संगठन की चिकित्सा स्थापना का नियन्त्रक प्राधिकारों—कारखाना महानिद शक व्यारा प्रवत्त सभी प्रशासनिक अधिकारों का यह उपयोग करोगा।
- (खं) सरकार द्वारा स्वीकृत प्रतियेदनों/अन्शंसाओं का कार्यान्ययन करने के लिए यह योजनाएं तैयार करोंगे।
- (ग) नियंत्रक प्राधिकारी के रूप में वह आवश्यकतान्सार कारतानों में कर्मचारियों का वितरण कर्णे।
- (ष) संघ लोक सेवा आयोग में सामान्यतः कारखाना, महानिवंशक का प्रतिनिधित्व करंगे।
- (अं) सामान्यतः वर्ष में एक बार वह सभी कारखानों का निरीक्षण करोंगे या करा लोंगे और चिकित्सा स्थापना से संबंधित सभी मामलों में चिकित्सा प्रतिष्ठानों की कार्यविधि के संबंध से कारखाना महानिदाशक को प्रतिबंदन भेजोंगे।

(च) वे स्वास्थ्य सेवा उप निविधाक तथा स्वास्थ्य सेवा सहायक निवधाक की वार्षिक गोपनीय रिपोर्ट निवधोंगे और सभी प्रधान चिकित्सा अधिकारियों, वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारियों तथा सहायक, चिकित्सा अधिकारियों की रिपोर्टो की प्नरीक्षा कर्रेंगे।

3. कोन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा के अधीन कनिष्ठ वेतनमान के पद

(क) पद अस्थायी हैं किन्तू अनिश्चित काल तक चल सकते हैं। उम्मीदवारों को कनिष्ठ ग्रंप 'क' बेतनमान में निय्कत किया जाएगा और नियुक्ति की तारीख से दो वर्ष की अविधि तक वे परियोक्षा के अधीन रहाँगे। यह अविधि सक्षम प्राधिकारी के निर्णय पर घटाई या बढ़ाई जा सकती है। परिवीक्षा की अविधि की संतोषजनक समाप्ति के बाद उनको यथासमय किन्ष्ठ वेतनभान (रु. 700-1300) से स्थायी पदों के उपलब्ध होने पर स्थायी बनाया जाएगा।

(श्व) उम्मीदवारों को केन्द्रीय स्वास्थ्य सोधा में सम्मिलित किसी भी संगठन के अधीन किसी भी अधिधालय या अस्पताल में भारत में कही भी नियुक्त किया जा सकता है अर्थात् विल्ली बंगलार, वम्बद्दं, मेरठ आदि में चालू के.स.स्वा.से. कोयला खान/माइका खान श्रम् कल्याण संगठन, असम राइफल्स, अरुणाचल प्रवेश, लक्षव्यीप, अंडमान एगं निकोबार व्वीप समूह, डाक तार विभाग आदि। प्रयोगशाला और परामर्श सेवा सहित किसी भी प्रकार की निजी प्रैक्टिस निष्व्ध है।

(ग) वेसन की	ग्राह्य दरें निम्नलिखित	है :
कनिष्ठ प्रथम श्रेणी	वेतनमान (चिकित्साः	अधिक(री)
वेतनमान रू.	700-40-900-ব৹	रो०40-1100-50-1300

		 प्रे० नि० भ०
1 से 5 अवस्था तक	•	रू० 150 प्रतिमाम
6 से 10 अवस्थातक		रू० २०० प्रतिमास
11 अवस्था तथा आगे		रू० 250 प्रतिमास

मामान्य अपूटी संवर्ग के ऐसे चिकित्सा अधिकारी वरिष्ठ वेतनमान में पदोन्नति हेतु पात्रहों जाएंगे जिन्होंने उक्त ग्रेड में कम से कम 5 वर्ष की निथमित सेवा कर ली है।

वरिष्ठ वेतनमान (वरिष्ठ चिकित्मा अधिकारी)।

				प्रे० नि० भ०
। से 3 अवस्थातक	•	•	,	रू० 250 प्रतिमास
। से 5 अवस्था तक				रू० ३०० प्रतिमास
3 से 7 अवस्यातक				रू० ३५० प्रतिमास
3 से 9 अवस्थातक				स्ट० 400 प्र तिमास
10 से 11 अवस्थातक				रू० 450 प्रतिमास

सामान्य ड़यूटो संबर्ग के ऐसे वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी मुख्य चिकित्सा अधिकारी के रूप में पदोक्रांत के पात्र हो जायोंगे जिन्होंने उकत ग्रेड में 5 वर्ष की नियमित सेवा कर ली है।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी

वेतननान रू० 1500-60-1800-100-200 तया माय में रू० 600 प्रतिमास प्रे. नि० भार।

ऐसा मुख्य चिकित्सा अधिकारी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी (चयन ग्रेड)
में नियुक्ति का पान होगा जो इस वेतनमान का अधिकतम प्राप्त कर चुका
और जिसकी उक्त ग्रेड मे नियमित नियुक्ति के बाद कम से कम दो
वर्ष तक वेतन वृद्धि रूक गई हो।

मुख्य चिकितमा अधिकारी (चयन ग्रेड)

वेननमान रू० 2000-125/2-2250 तथा माथ में रू० 600प्रति-मास प्रे० नि० भ०।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी (चयन ग्रेड) के ग्रेड में पदस्य ऐसे अधिकारी सुपरटाइम ग्रेड (स्तर-II) में पदोन्नति हेतु पात होंगे जिन्होंने उक्त ग्रेड में 7 वर्ष की नियमित सेवा कर ली है।

सुपर टाइम ग्रेड (स्तर-II)

वेतनमान च० 2250-125/2-2500 तथा साथ में रू० 600 प्रति-मास प्रे० नि० भ०

मामान्य इयूटी उत्र-सर्वर्गमें मुपरटाष्टम ग्रेड (स्तर $-\Pi$) के ऐसे अधिकारी सुतर टाइम ग्रेड (स्तर I) में पदोन्नति के पाल होंगे जिन्होने उक्त ग्रेड में 2 वर्ष की नियमित सेवा कर ली है। सुपर टाक्ष्म ग्रेड (स्तर $-\Pi$)

वेतनमान रू० 2500~125/2-2750 तथा साथ में रू० 600 प्रति-मास श्र∘ नि० भा•।

4. चिकिस्सा अधिकारी, दिल्ली नगर निगम

(1) वर्ग 'क' का उक्त पद अस्थायी है किन्तु यथाशीध्र स्थायीं हो सकता है। क्तेनमान रु. 700-40-900-द. रो.-40-1100=50-1300 तथा साथ में समय समय पर लागू आदोशों के अनुसार प्रतिबंधित पैक्टिस निषेध भत्ता (एन. पी. ए.) इस समय दर इस प्रकार हैं:--

15 स्टेज	रः .	150/- স	मा .;
610 स्टेज	रः .	200/- A.	मा.
11 स्टेज तथा इसमे आगे	रहे ,	250/- प्र.	मा.

(2) उम्मीचनार नियुक्ति की तारीख से 2 वर्ष की अविधि तक परिनीक्षाधीन रहेगा। यह अविधि सक्षम प्राधिकारी की विवक्षा पर घटाई या बढ़ाई जा सकती है। परिवीक्षाधीन अविधि

- के संतोषजनक समापन पर वह तब तक अस्थायी पद पर रहेगा जब तक स्थायी रिक्ति पर स्थायी किया जाता है।
- (3) उम्मीदवार की नियुक्ति दिल्ली नगर निगम के अधि-कार-क्षेत्र के अन्तर्गत कहीं भी किसी अस्पताल/डिस्पॅसरी/मातृ और शिश् कल्याण तथा परिवार कल्याण केन्द्र प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र आदि में की जा सकती है।
 - (4) किसी भी प्रकार की निजी प्रैक्टिस करना मना है।
- (5) परिवीक्षा तथा उसके बाद अस्थायी है सियत से नियोजन की अविधि के दौरान किसी भी तरफ से एक महीने का नोटिस देकर नियुक्ति समाप्त की जा सकती है। दिल्ली नगर निगम को नोटिस के बदले में एक महीने का बेतन देने का अधिकार है।

उच्चतर ग्रेडों में पदोन्नित की संभावनाएं, जिनमें वेतन-मान तथा भत्ते सिम्मिलित हैं, भर्ती विनियमों के उपबन्धों के अनुसार होंगी।

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 20th September 1983

No. 99 PRS O11.—Consequent on his selection as Chief Engineer in Level-I HOD Grade in the Northern Railways, Shri Ramesh Chandra, an officer of the Indian Railways Service of Engineers, who was officiating as Chief Technical Examiner in the Central Vigilance Commission has relinquished charge of his office in the afternoon of 20th September, 1983.

No. 2/1/83-Adm.—The Central Vigilance Commissioner is hereby appoints Shri J. C. Kapoor, a permanent Assistant of this Commission as Section Officer in the scale of pay Rs. 650(710)-30-740-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in an officiating capacity on ad hoc basis, with effect from 1-8-83 to 29-10-83 or until further orders, whichever is earlier.

K. L. MALHOTRA, Under Secy. for Central Vigilance Commissioner

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R. CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 24th September 1983

No. A-20023/1/79-AD.V.—The services of Shri Ram Singh Sharma, Public Prosecutor, Central Bureau of Investigation, Dehradun are placed on repatriation at the disposal of the Government of Uttar Pradesh with effect from the forenoon of 5th September, 1983,

No. A-20023/4/83-AD.V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby appoints Shri T. L. Veerakumar as Public Prosecutor, C.B.I. on deputation with effect from the forenoon of 2nd September, 1983.

Shri T. L. Veerakumar is posted in CBI/Cochin Branch.

R. S. NAGPAL, Administrative Officer (E)

R. S. NAGPAL, Administrative Officer (E)

Central Bureau of Investigation

DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE New Delhi-110003, the 19th September 1983

No. O.II-1820/83Estt.—The President is pleased to appoint Dr. M. Babu as General Duty Officer Grade-II (Deputy

Superintendent of Police/Coy. Commander) in the CRPF in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 29th August 1983 subject to his being declared medically fit.

A. K. SURI, Asstt. Dir. (Estt)

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 5th September 1983

No. E-38013(4)/12/83-Pers.—President is pleased to appoint Shri B P Lama, on promotion, as Asstt. Comdt. (Junior Administrative Officer) CISF HQrs. New Delhi with effect from the forenoon of 4th August, 1983.

No. E-38013(4)/12/83-Pers.—President is pleased to appoint Shri Ram Sarup, on promotion as Asstt. Comdt. (Junior Administrative Officer) CISF HQrs. New Delhi with effect from the forenoon of 30th July, 1983.

No. E-38013(4)/12/83-Pers.—President is pleased to appoint Shri Nilamber Dutt, on promotion, as Asstt. Comdt. (Junior Administrative Officer) CISF HQrs. New Delhi with effect from the forenoon of 30th July, 1983.

The 17th September 1983

No. E-16013(2)/2/79-Pers.—Consequent upon his promotion to the rank of DIG of Police and his appointment as Director of Vigilance. Delhi Electric Supply Undertaking, Shri Parkash Singh, IPS (UT: 64) relinquished charge of the post of Asstt. Inspector-General (Pers.) CISF HQrs. New Delhi on the afternoon of 16th September, 1983.

SURENDRA NATH, Dir.-Gol. /CISF

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA New Delhl, the 22nd September 1983

CORRIGENDUM

No. 11/12/81-Ad.I.—The Paragraph 2 of this office Notification of even number dated the 8th September 1983 may be read as under:—

2. "His headquarters will be at Lucknow".

K. C. SETH, Dy. Director

New Delhi-11, the 22nd September, 1983

No. 11/5/82-Ad. I:—The President is pleased to appoint, on deputation, the under mentioned officials as Assistant Director (Data Processing) in the office as mentioned against each on a purely temporary and ad-hoc basis, for a period not exceeding one year, with effect from the date as mentioned against their names or till the post is filled in on a regular basis, whichever period ais shorter:—

Sl. No.	. Name Office in which wo		Office in which working	Prescribed headquarters.	Date of appointment	
1	2			3	4	5
1.	S/Shri Hari Krishan			. DCO, Rajasthan Jaipur	Jaipur	10th June, 1983 (FN).
2.	R. Narayanan	٠		. DCO, Tamil Nadu, Madras	Madras.	1st Sept. 1983, (FN).

2. The appointment, on deputation, of the above-mentioned 2 officers to the post of Assistant Director (Data Processing) will be governed under the terms and conditions of deputation as contained in the Ministry of Finance O. M. No. F. 10 (24). E. III (B)/60 dated 4-5-1961, as amended from time to time. The above-mentioned ad-hoc appointments may be reversed at any time at the discretion of the competent authority without assigning any reason therefor.

The 23rd September 1983

No. 11/2/80-Ad.I.—In continuation of this office Notification of even number dated the 12th May, 1983, the President is pleased to appoint Shri Nageshwar Prasad, an officer belonging to the Bihar Civil Service, as Deputy Director of Census Operations in the office of the Director of Census

Operations, Bihar, Patna, by transfer on deputation, on ad-hoc basis, for a further period upto the 29th February, 1984 or till the post is filled in on a regular basis, whichever is shorter.

The headquarters of Shri Prasad will be at Hazaribagh,

The 24th September 1983

No. 11/8/80 Ad.I.—The President is pleased to extend the period of ad-hoc appointment, on deputation, of S/Shri M. M. Sankhey and M. T. Anaspure, Officers of the Government of Maharashtra, Bombay, to the posts of Deputy Director of Census Operations, and Assistant Director of Census Operations, respectively in the Office of the Director of Census Operations, Maharastra, Bombay, under the exiting terms and conditions, for a further period upto the 29th February, 1984.

The headquarters of S/Shri Sankhey and Anaspure will be at Pune and Nasik respectively.

P. PADMANABHA, Registrar Gnl. India

DIRECTORATE OF PRINTING

New Delhi, the 1st October 1983

No. M(23)/AII (Vol. II).—The Director of Printing is pleased to appoint Shri Dattatray Namdeo Mali to officiate as Assstant Manager (Admn.) in the Government of India Photolitho Press, Faridabad in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the forenoon of the 12th September, 1983, until further orders

KANSHI RAM Deputy Director (Admn. II)

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I

MADHYA PRADESH

Gwalior, the 21st September 1983

No. Admn.I/G.Os. Promotion/245.—The Accountant General-I, Madhya Pradesh, Gwalior has been pleased to promote the undermentioned permanent Section Officer as Accounts Officer in an officiating capacity in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200, until further orders, with effect from the date of his taking over as noted against him.

Sl. No., Name, Permanent No. and Date of taking over.

1. Shri V. D. Gupta, 02/308, 19-9-1983 FN.

(Authority: A.G. I Orders dated 17-9-1983)

Sd /- ILLEGIBLE Sr. Dy. Accountant General (Admn)

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT CENTRAL RAILWAY

Bombay V.T., the 26th September 1983

No. Au/Admn/Misc/Con.—Shri J. C. Sharma, offg S.G. S.O. (A) of this office is promoted as Audit Officer in the offg capacity wef 24-8-83 (AN).

S. SOUNDARARAJAN, Dir. of Audit.

MINISTRY OF DEFENCE DGOF HQRS. CIVIL SERVICE ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta-16, the 20th September 1983

No 43/G/83.—On attaining the age of superannuation, Shri D. N. Saha, Offg Staff Officer (Subst. & Permt. Asstt.) retired from service wef 31st August, 1983 (AN).

V. K. MEHTA, Director

MINISTRY OF DEFENCE

ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta, the 20th September 1983

No. 134/AMO/A/M—The President is pleased to confirm the following Officers in the grade of Assistant Medical Officers on successful completion of their probationary period.

Name of the Officers		Date of confirmation
(1) Dr. Lingaraj Nayak		31-8-75
(2) Dr. K. K. Choube		31-8-75
(3) Dr. R. K. Rajpal		1-1-79
(4) Dr. V. V. Subraja Gupta		
(5) Dr. (Mrs.) V. Santa Gupta		
(6) Dr. Sundaresh Kumar P		1-11-79
(7) Dr. Prati Pal		1-11-79
(8) Dr. P. K. Rath		1-11-79
(9) Dr. S. Mohanty		1-11-79
(9) Dr. S. Mohanty		1-11-79
(11) Dr. J. N. Prusty		1-11-79
(12) Dr. P. Krishnamurthy		1-11-79
(13) Dr. Hemendra Singh		1-11-79
(14) Dr. S. C. Mishra	-	1-11-79
(15) Dr. K. K. Jain		23-12-79
(16) Dr. M. K. Langthasa		23-12-79
(17) Dr. (Smt.) Sabitri Pathkar		23-12-79
(18) Dr. B. N. Saha		23-12-79
(19) Dr. V. K. Gour		24-9-80
(20) Dr. (Kum.) Sushila Kumari Sahoo .		1-8-81
(21) Dr. Sudhir Kr. Jha (22) Dr. Ram Govind Gupta		1-8-81
(22) Dr. Ram Govind Gupta		1-8-81
(23) Dr. (Mrs.) Sujata Chakraborty .		1-8-81
(24) Dr. (Ku.) Vimla S. Iyer		1-10-81
(25) Dr. V. K. Jahagirdar .		1-10-81
(26) Dr. S. K. Mahapatra		1-10-81
(27) Dr. (Mrs.) Chhabi Roy		1-10-81
(28) Dr. Rotash Kanwar		1-10-81
(29) Dr. K. J. Dhuliya		1-10-81
(30) Dr. Phool Chand		1-10-81
(31) Dr. P. Regunath		1-10-81

R. K. CHELLAM, Member/Personnel

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 21st/22nd September 1983

IMPORT & EXPORT TRADE CONTROL

(ESTABLISHMENT)

No. 6/372/56-ADMN(G)7128.—On attaining the age of superannuation, Shri R. N. Haldar, Assistant Chief Controller of Imports and Exports in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Calcutta has been permitted to retire from Government service with effect from the afternoon of the 31st August, 1983.

M. L. BHARGAVA

Dy. Chief Controller of Imports and Exports

for Chief Controller of Imports and Exports

MINISTRY OF INDUSTRY

DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER

(SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 22nd September 1983

No. A-19018(623)/82-Admn.(G).—The Development Commissioner is pleased to appoint Smt. Prabha Gopal as Assistant Editor (English) in the office of the Development Commissioner (Small Scale Industries), New Delhi with effect from the forenoon of 1-9-1983 until further orders.

C. C. ROY, Dy. Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS (ADMNISTRATION SECTION A-1)

New Delhi, the 23rd September 1983

No. A-1/1(1219).—Shri K. Rajeswara Rao, Superintendent in the Office of the Director of Inspection, Madras is appointed to officiate as Assistant Director (Admn) (Grade II) on purely ad-hoc basis in the Office of Director of Supplies & Disposals, Madras in the leave vacancy of Shri V. K. Sankaralingam, AD (Admn), (Gr.I), wef 26-8-1983.

S. BALASUBRAMANIAN, Dy. Dir. (Admn.) for Director General of Supplies & Disposals

New Delhi-1, the 21st September 1983

No. A-1/1(742).—The President is pleased to appoint Shri K. K. Chakravarty, Asstt. Director Grade I (Gr. III of Indian Supply Service, Group A') to officiate as Deputy Director of Supplies (Gr. II of Indian Supply Service, Group 'A') purely on ad-hoc basis against a temporary vacancy with effect from the forenoon of 27-8-1983 or till a regular officer becomes available, whichever is earlier.

2. Shri Chakravarty relinquished charge of the post of Asstt. Director (Gr. I) and assumed charge of the post of Deputy Director of Supplies in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi with effect from the forenoon of 27-8-1983.

No. A-1/1(759).—The President is pleased to appoint Shri A. K. Srivastava, Deputy Director (Gr. II of Indian Supply Service, Group 'A') to officiate as Director of Supplies (Gr. I of Indian Supply Service, Group 'A') purely on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 21-7-1983 against a termiorary vacancy or till a regular officer becomes available, whichever is earlier.

2. Shri Srivastava relinquished charge of the post of Deputy Director of Supplies and assumed charge of the post of Director of Supplies in the Directorate General of Supplies & Disposals. New Delhi with effect from the forenoon of 21-7-1983.

No. A-1/1(761).—The President is pleased to appoint Shri K. K. Ghosh, Deputy Director of Supplies (Grade II of Indian Supply Service, Group 'A') to officiate as Director of Supplies (Grade I of Indian Supply Service. Group 'A') purely on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 5-9-1983 against a temporary vacancy or till a regular officer becomes available whichever is earlier.

2. Shri Ghosh relinquished charge of the post of Deputy Director of Supplies and assumed charge of the post of Director of Supplies in the Directorate General of Supplies and Disposals. New Delhi with effect from the forenoon of 5-9-1983.

No. A-1/1(1216).—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoint S/Shri K. B. Joshi, I. C. Jain. JFOs and Puran Singh, JPO in the Directorate General of Supplies & Disposals. New Delhi, to officiate on purely ad-hoc basis as Assistant Directors (Grade II) in the same Dte. 29—286GI/83

General with effect from the forenoon of 9th September, 1983 and until further orders.

- 2. The ad-hoc appointment of S/Shri Joshi, Jain and Puran Singh as Asstt. Director (Gr. II) will not bestow on them any claim for regular appointment and that ad-hoc service rendered would not count for the purpose of seniority in that grade and for eligibility for promotion and confirmation.
- 3. S/Shri K. B. Joshi, I. C. Jain relinquished charge of the post of J.F.O. and Shri Puran Singh relinquished charge of the post of J.P.O. in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi on 9-9-83 (FN) and assumed charge of the post of Assistant Director (Gr. II) in this Dtc. General with effect from the forenoon of 9th September, 1983.

S. BALASUBRAMANIAN, Dy. Dir. (Admn.)

(ADMINISTRATION SECTION A-6)

New Delhi-110001, the 21st September 1983

No. A-17011/106/76-A6.—The President is pleased to appoint Shri Rajinder Prasad Singh, Inspecting Officer (Engs.) (Grade III of Indian Inspection Service, Group 'A', Engineering Branch) to officiate as Deputy Director of Inspection (Engs) (Grade II of Indian Inspection Service, Group 'A', Engineering Branch on purely ad-hoc basis with effect from the the post is filled on regular basis whichever is earlier. The promotion of Shri Rajinder Prasad Singh is also subject to final decision on the three L.P.A.s Nos. 67/83, 68/83 and 69/83 in Civil Writ Petition Nos. 1457/81, 1590/81 and 1973/81 pending in the High Court of Delhi.

- 2. The ad-hoc appointment of Shri Rajinder Prasad Singh will not bestow on him any right or claim for regular appointment and ad-hoc service rendered would not count for the purpose of seniority in that grade and for eligiblity for promotion and confirmation.
- 3. Shri Rajinder Prasad Singh relinquished charge of the post of Inspecting Officer (Engg.) in the office of Director of Inspection Calcutta on the afternoon of 18-08-1983 and assumed charge of the office of Dy. Director of Inspection (Engg.) in the office of the Director of Inspection, Madras with effect from the forenoon of 23rd August, 1983.

S. L. KAPOOR, Dy. Dir. (Admn.)

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA (KHAN VIBHAG) GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-16, the 19th September 1983

CORRIGENDUM

No. 8165B/A-19012(4-SKS)/64-19B.—"FR-56(j)" appearing in the second line of the notification pertaining to retirement of Shri S. K. Sen, Driller, GSI vide No. 3564D/A-19012(4-SKS)/64-19B, dated 1-8-1983 may please be read as "FR-56(j) (i)".

S. K. MUKERJEE, Director General. Geological Survey of India

Calcutta-16, the 22nd September 1983

No. 8247B/A-19012(3-AKS) /83-19B.—Shri Ashok Rumar Singh has been appointed to the post of Assit, Chemist in the Geological Survey of India by the Director General, Geological Survey of India on pay according to rules or minimum of the scale of pay Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- as the case may be in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 12-8-1983, until further orders.

No. 8258B (A-19012(3-SKS))/78-19B.—On his being permanently absorbed in the Kudremukh Iron Ore Company

Limited Shri S. K. Sanyal, resigned from the post of Assistant Chemlst in Geological Survey of India with effect from the forenoon of 7-11-78. This is in supersession of this office notification No. 5693B/A-1902(3-SKS)/78-19B dated 31-7-80.

A. KUSHARI, Director (Personnel).

DEPARTMENT OF CULTURE ARCHAEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

New Delhi-110011, the 24th September 1983

No. 11/5/83-M.—In exercise of the powers conferred under Rule 6 of the Ancient Mounments and Archaeological Sites and Remains Rules, 1959, I. M. D. Khare, Director (Monuments), hereby direct that no fee shall be charged for entry into the excavated site at Nalanda and Kumrahar in Bihar on 27th September, 1983 on account of the World Tourism Day.

M. D. KHARE, Director (Monuments).

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi-1, the 20th September 1983

No. 4(61)/82-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri M. P. Modi, as Programme Executive, C.B.S., All India Radio, Bombay in a temporary capacity with effect from 12th August, 1983 (AN) and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200.

No. 4(88)/82.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri Sajal Ranjan Maiti as Programme Executive, All India Radio, Siliguri in a temporary capacity with

effect from 23rd August, 1983 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-880-40-1000-EB-40-1200.

H. C. JAYAI., Dy. Director of Admn. for Director General.

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING DIRECTORATE OF ADVERTISING & VISUAL PUBLICTY

New Delhi-1, the 5th September 1983

No. A-12011/15/80-Exh.(A).—The Director of Advertising & Visual Publicity hereby appoints Shri Sah Dev Négi as Store Officer in this Directorate in a temporary capacity with effect from the forenoon of 20th August, 1983, until further orders.

SMT. S. L. BHARDWAJ, Deputy Director (Admn.) for Director of Advertising & Visual Publicity

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY TARAPUR ATOMIC POWER STATION

PO: TAPP, the 17th September 1983

No. TAPS/2/938/73.—On his attaining the age of superannuation, Shri D. D. Banerjee, a permanent Assistant Security Officer of Bhabha Atomic Research Centre and officiating Security Officer in Tarapur Atomic Power Station has retired from Central Government service on the afternoon of August 31, 1983.

K. NARAYANASWAMY, Chief Administrative Officer.

DEPARTMENT OF SPACE

VIKRAM SARABHAI SPACE CENTRE

Trivandrum-695022, the 16th September 1983

No. VSSC/EST/F/1 (17)—The Controller, VSSC hereby promotes the undermentioned persons in the Vikram Sarabhai Space Centre (VSSC) of the Department of Space in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-830-EB-40-960/- in an officiating capacity as per the details shown against their names:

Sl. No.	Name				Promoted post	with effect from
1.	Shri P. Gopinathan Nair .				Asst. Stores Officer	19-7-1983 (FN).
2.	Shri K.K. Krishnan Kutty				Asst. Stores Officer	19-7-1983 (FN)
3.	Shri K. Bahuleyan Nair .				Asst. Accounts Officer	19-7-1983 (FN)
4.	Shri NV Iyer				Asst. Accounts Officer	8-8-1983 (FN)

K.P.R. MENON, for Administrative Officer-II (EST), Controller, VSSC

INSAT-1 MASTER CONTROL FACILITY

Hassan-573 201, the 20th August 1983

No. GN: 002.—Project Director, INSAT-1 Space Segment Project, Department of Space is pleased to appoint Shri K. K. Gopi, a permanent employee in the Department of

Space as Assistant Stores Officer in the INSAT-1 Master Control Facility with effect from the forenoon of 1st August 1983 and until further orders.

V. P. D. NAMBIAR, Administrative Officer-I, for Project Director.

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 20th September, 1983

No. A-32014/6/82-EC (Pt.)'—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following Technical Assistants to the grade of Assistant Technical Officer on ad-hoc basis in the pay scale of Rs. 650- 1200 for a period of six months w.e.f. the date of their taking over charge of the higher post and to post them to the stations indicated against each:—

S. No.	Name		Pre	sent Stn. of posting	Station to which posted	Date of taki	ing over urge
1	2	• •	 	3	4	5	·
	S/Shri		 				
1.	R. C. Khatri			Ahmedabad	ACS, Delhi	23-5-8	3 (FN)
2.	S. N. Gulati .			Sikandrabad	Barapani	5-8-83	(FN)
3,	S, V. Patnaik .			Gauhati	Calcutta	11-5-83	(FN)
4.	S. R. Ramachandran			Gauhati	Gauhati	3-5-83	(FN)
5.	Devinder Singh .			Nagpur	Nagpur	3-5-83	(FN)
6.	A. Yoosuf .			Hyderabad	Madurai	13-6-83	(FN)
7.	T. S. Bindra .			Bombay	Bombay	2-5-83	(FN)
8,	Anand Issac .			Farrukhabad	RCDU, Delhi	19-5-83	(FN)
9.	S. P. Gujar .			Bombay	Bombay	5-5-83	(FN)
10.	G. C. Chhabra .			Jaipur	CATC, Allahabad	2-7-83	(AN)
11.	Ram Dhan .			ACS, Delhi	ACS, Delhl	28-4-83	(AN)
12.	R. K. Sharma			ACS, Delhi	Madurai	24-6-83	(FN)
13.	Gurmukh Singh .			Mandsaur	ACS, Delhi	16-7-83	(FN)
14.	S. K. Sen			Ranchi	Ranchi	5-5-83	(FN)
15.	K. Krishnan .			Hyderabad	Hyderabad	28-5-83	(FN)
16.	G. S. Bal .			Srinagar	Pant Nagar	12-8-83	(FN)
17.	N. S. Rajawat .			Varanasi	Baroda	9-7-83	(AN)
18.	Mahesh Prasad .			S.T.P., DGCA, New Dell	ıi ACS, Delhi	30-4-83	(FN)
19.	R. L. Parmar .			Ahmedabad	Ahmedabad	27-5-83	(FN)
20.	J. P. Jain			Bombay	Bombay	5-5-83	(FN)
21.	B. B. Kamthe .			Nagpur	Nagpur	17 - 6-83	(FN)
22.	Sudarshan Singh .			Bombay	Bombay	2-5-83	(FN)
23.	C. Raghvan			Vijayawada	Madras	28-5-83	(FN)
24.	B. S. Nair			Trivandrum	Trivandrum	16-8-83	(FN)
25.	S. S. Bhopatkar			Bombay	Bombay	5-6-83	(FN)
26.	H. N. Bhowmick			Gauhati	Rourkela	25-5-83	(FN)
27.	S. C. Sharma .			ACS, Delhi	ACS, Delhi	28-4-83	(FN)
28.	C. P. Chhabra			Belgam	Ahmedabad	30-6-83	(FN)
29.	J. B. Guha			Jamshedpur	Silchar	25-7-83	(FN)
30.	B. D. Sangal .			Lucknow	Goa	25-8-83	(FN)
31.	Jagir Singh			Bombay	Bombay	9-8-83	(FN)
32.	A. V. Jumde			Bombay	Washim	30-7-83	(FN)
33.	S. S. Budhiraja			RCDU, N. Delhi	RCDU, N. Delhi	15-6-83	(FN)
34.	J. Bhattacharjee			Calcutta	Calcutta	29-8-83	(FN)
35.	Mrs. K. M. Khot			Indore	Indore	3-9-83	(FN)

O. P. AGGARWAL,
Assistant Director of Administration
for Director General of Civil Aviation

New Delhi, the 15th September 1983

No. A. 32013/1/82-EW(.).—The President is pleased to appoint Shri N. Subramanian, Assistant Electrical and Mechanical Officer to the grade of Electrical & Mechanical Officer on ad-hoc basis for a period of six months with effect from 12th February, 1983 or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

- 2. The ad-hoc appointment of the Officer shall not bestow on him a claim for regular appointment and service so rendered on ad-hoc basis will neither count for seniority in the grade nor eligibilty for promotion to the next higher grade.
- 3. Shri N. Subramanian is posted to the office of the Regional Director, Madras Region, Civil Aviation Department, Madras.
- No. A. 32013/1/83-EW.—The President is pleased to appoint Shri L. C. Gupta, Assistant Director of Equipment to the grade of Deputy Director of Equipment, in the scale of pay of Rs. 1500-60-1800, on an ad-hoc basis with effect from the forenoon of 20th August, 1983 for a period of six months or till a candidate recommended by the Union Public Service Commission becomes available for appointment to the post on regular basis, whichever is earlier.
- 2. The ad-hoc appointment of Shri L. C. Gupta shall not bestow on him a claim for regular appointment and service so rendered on ad-hoc basis will neither count for seniority in the grade nor for eligibility for promotion to the next higher grade.
- 3. Shri L. C. Gupta is posted at E&M Workshop, Safdarjung Airport, New Delhi.

THAKAR DATT, Asstt. Director of Admn.

New Delhi, the 19th September 1983

No. A. 12025/3/71-E.I.—In continuation of this Office Notification No. A. 12025/3/71-E.I. dated the 8-4-1983 the

Director General of Civil Aviation is pleased to continue the ad-hoc appointment of Shri K. K. Sharma as Hindi Officer in the Civil Aviation Department upto 30-9-1983 or till the post is filled on a regular basis whichever is earlier.

The 20th September 1983

No. A-38013/2/83-EC.—The undermentioned officers of the Aeronautical Communication Organisation relinquished charge of their office with effect from the dates indicated against each on retirement on attaining the age of superannuation:—

o.	Name & Designation			Station	Date of retirement -
S	/Shri		 	,···	
1.	K. Ganapathi, Asstt. Comm. Officer			ACS, Madras	30-6-83 (AN)
2.	P. N. Sharma, Asstt. Comm. Officer			ACS, Delhi	30-6-83 (AN)
3.	R. L. Sunder Raj, Asstt. Comm. Officer			ACS, Bombay	31-8-83 (AN)

O. P. AGGARWAL, Assistant Director of Administration.

New Delhi, the 22nd September 1983

No. A. 12026/2/82-ES.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri Chandra Pal Sharma as Hindi Officer in the Civil Aviation Department, with effect from 2nd September, 1983 (Forenoon) on deputation basis for a period of two years, and to post him in the Office of Principal. Civil Aviation Training Centre, Bamrauli, Allahabad.

J. C. GARG, Dy. Director of Admn.

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Vadodara, the 22nd September 1983

No. 20/1983.—Shri V. D. Boolchandnani, Asstt. Collector of Central Excise (Group 'A') Ahmedabad Din-II, has retired on attaining the age of Superannuation pension in the afternoon of 31-8-1983.

N. B. SONAVANE, Collector of Central Excise and Customs

DIRECTORATE OF INSPECTION & AUDIT CUSTOMS & CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 21st September 1983

No. 29/83.—On his retirement on superannuation Shri M. L. Gupta, relinquished charge of the post of Inspecting Officer (Customs and Central Excise) Group 'B' in the North Regional Unit of the Directorate of Inspection & Audit, Customs & Central Excise at Ghaziabad on 31st July, 1983 (AN).

The 24th September 1983

No. 30/83.—Shri E. P. Battase, lately posted as Superintendent of Central Excise, Group 'B', Central Excise Collectorate Bombay-II, assumed charge of the post of Inspecting Officer, Group 'B' in the West Regional Unit, DIACCE, Bombay with effect from 2-9-1983 (Forenoon) vide this Directorate's letter C. No. 1041/50/82 dated 30th July, 1983.

No. 31/83.—Shri V. G. Kumar, lately posted as Assistant Collector of Central Excise, Cochin, on transfer to the West Regional Unit, DIACCE, Bombay vide Ministry of Finance, Department of Revenue's Order No. 73/83 dated 26-4-1983 issued vide F. No. A-22012/23/83-Ad.II, assumed charge of the post of Assistant Director (Vig.) w.e.f. 29-8-1983 (F/N).

B. C. RASTOGI, Director of Inspection

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF WORKS CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 22nd September 1983

No. 1/138/69-EC.IX.—The President is pleased to grant extension in service to Shri K. R. Jani, Senior Architect, Central Public Works Department, for a period of 3 months with effect from 1-10-1983 to 31-12-1983 (AN) only.

A. K. NARANG, Dy. Director of Admn.

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Kapur & Wadhwa Private Limited.

Calcutta, the 9th September 1983

No. 23984/560(5).—Notice is hereby given pursuant to Sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of KAPUR & WADHWA PRIVATE LED. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

Syndicate Engineers Privote Limited, In the matter of the Companies Act, 1956 and of

Calcutta, the 9th September 1983

No. 32875/560(5).—Notice is hereby given pursuant to Sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of SYNDICATE ENGINEERS PRIVATE LTD. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Behala Engineering Private Limited

Calcutta, the 9th September 1983

No. 25867/560(5).—Notice is hereby given pursuant to Sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act. 1956, that the name of BEHALA ENGINEERING PRIVATE LIMITED, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

S. R. V. V. SATYANARAYANA, Asstt. Registrar of Companies, . West Bengal,

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th August 1983

Ref. No. 200/83-84.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 12/1 situated at Rushikonda Vizag,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Vizag in January 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weatih-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) B. Potaro & others, Vizag, Rushikonda, Yendada, Vizag.

(Transferor)

 R. Suryanarayana, Srikrishna Co-op. House Building Society, 49-26-17, Rani House, Madhuranagar, Vizag, 530004.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforestill persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land of 0-21 Cents, in S. No. 12/1, at Rushikonda, Vizag, vide document No. 261/83, registered with S.R.O. Vizag.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (AP.)

Date: 4-8-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th August 1983

Ref. No. 201/83-84.—Whereas 1,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Re. 25,000/s property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 355/1 situated at Inavelli Amalapuram, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amalapuram in January 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

- (1) Shri K. V. S. S. Prasad, and Others, 9th Ward, Palakolly, W.G. Dt. (Transferor)
- (2) Shri N. Venkatarao, S/o Varahalayya, Inavelli, Amalapuram, E.G.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land of 2-52 Cents, in R.S. No. 355/1, situated at Inavelli, registered with S.R.O., Amalapuram vide document No. 266/83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 4-8-1983

 Ch. Minashi, W/o Narayanarao, Governorpet, Kodandaramareddi, Street, D. No. 29/4/10, Vijaynwada,

(Transferor)

(2) K. Satyanarayana Kundativari St., 24-14-4, Durgapuram, Vijayawada.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th August 1983

Ref. No. 202/83-84.—Whereas I,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 23-11-117 situated at Vijayawada, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada in January 1983, for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property at D. No. 23-11-117, Nageswararaopantulu Road, Vijayawada, area of 481 Sq. yds., registered with S.R.O., Vijayawada, vide document, No. 259/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-8-1983

- (1) T. Parvathamma, & Rulminamma, W/o Late Ramakrishanyya Santhapeta, Nellore.
- (Transferor) (2) M/s Sri Laxmi Enterprises, M/p G. M. Sankararao, Mangalagiri, GTR.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

may be made in writing to the undersigned :---

whichever period expires later;

Gazette.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th August 1983

Ref. No. 203/83-84.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 693 situated at Mangalagiri Mangalagiri, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration officer at

of 1908) in the office of the Registering officer at

Mangalagii in January 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given

in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

THE SCHEDULE

Vacant land of 448-1/2 Sq. yds., at Mangalagiri in D. No. 693, registered with S.R.O., Mangalagiri, vide document No. 223/83.

M, JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 4-8-1983

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri K. Venkateswararao, S/o Vasantha Latha Devi, Model Colony, BK Guda, Hyderabad. (Transferor)

(2) Shri P. Subbarao S/o Jagannadham, Z P. High School, Pedaravuru, Pedapudi, Guntur Dt. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A P.)

Hyderabad, the 4th August 1983

Ref. No. RAC No. 204/83-84.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 1-37-11 situated at Nazarpeta Tenali, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Tenali in December 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

House property at D. No 1-37-11, TS. No. 529/14, Nazarpeta, Tenali, area of 465-1/2 Sq vds. registered with S.R.O, Tenali, vide document No 96/83

M JEGAN MOHAN
Competent Authority
rspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (AP.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
30—286 GI/83

Date: 4-8-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th September 1983

Ref. No. RAC No. 205/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 117-2, 174-2 situated at Chilakaluripet Chilakanurineta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chilakaluripeta on January, 1983

Chilakaluripeta on January, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

 K. Ramakotireddy, & Other, Pandaripuram, Chilakaluripeta, Guntur Dt.

(Transferor)

 B. Satyanarayana & 13 Others, S/o Venkatakrishnayya, Chilakaluripeta, Guntur Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act; 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Vacant land of 1-10, in S. Nos. 117-2 174-2, at Chilakaluripeta, registered with S.R.O., Chilakaluripeta, vide document No. 3/83.

M JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely;—

Date: 6-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 P. Suryanarayana, S/o Subbayya, Saliveedhi, 2nd Line, Arundelpeta, Guntur.

(Transferor)

(2) G. Koteswararao, S/o Ankamma, 2nd Line, Brodipeta, Guntur,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th September 1983

Ref. No. RAC No. 206/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 cf 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reasen to believe that the immovable property, having a fair murket value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. 12-25 76 signated in Gentur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on January, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been fully stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any moome arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

D. No. 12.25-76, area of 700 Sq. yds, at Guntur registered with S.R.O., Guntur vide document No. 209/83.

THE SCHEDULE

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 6-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th September 1983

Ref. No. RAC No. 207/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 6-6-74 situated at Arundelpeta Guntur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on January, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been rtuly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) M. Jagannatharao, S/o Late Sivaramakrishna Arandalpeta, Guntur.

(Transferor)

(2) Ch. V. Subbarao S/o Narasimharao, Laxmipuram, Guntur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property at D. No. 6-6-74, Arundalpeta, Guntur, area of 418 Sq. yds, registered with SRO, Guntur, vide document No. 443/83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the ofoles he property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 6-9-1983

I ORM ITNS----

(1) S. Venkatarao, S/o Reddy, Turangi, Kakınada.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) T. V. Krishna Reddy, Gollamamidada Kakinada Tq.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INS: TING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th September 1983

Ref. No. RAC No. 208/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 96/2 situated at Hurangi Kakinada

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Kakinada on January 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparents consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrumnet of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be desclosed by the transferee for the purpose of the Tables Transferee for the Table

THE SCHEDULE

Vacant land at Turangi, Village in S. No. 96/2, area of 1-75 Cents, registered with SRO, Kakinada, vide document No. 242/83, 243/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assit Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (AP.)

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th September 1983

Ref. No. RAC No. 209/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Comptent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,0000/- and bearing

No. 118/2B situated at Gorantla Guntur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Guntur on January, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) T. Nagaratna Reddy, & 15 Others, Reddyapalem, Guntur Dt.

(Transferor)

(2) The Guntur Co-op. House Construction Society, Ltd., Guntur.

(Transferce)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land of Ac. 741-1/2 Cents. in D. Nos. 118/2A, 118/2B, 119/A, 124/A, and 307 at Gorantla, Village, near Guntur registered with SRO, Guntur vide documents Nos, 428, 431, 432, 483, 487, 488, 490, 491, 566, 500 501, 502, 518, 556, 559, 561/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M. Ramakotayya, S/o Rattayya, Kommuru, Baptla, Guntur Dt.

(Transferor)

(2) A. Tulsi Reddy, Correspondent. Stanish English Medium Matriculation School. Kothapeta, Guntur.

(Transferce)

OFFICE J. I'LL INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th September 1983

Ref. No. RAC No. 210/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 12-25-181 situated at Kothapeta Guntur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

1908) in the Office of the Registering Officer at Guntur on January, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazettc.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weulth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

House property at D. No. 12-25-181, Kothapeta, Guntur, 5th Ward, area of 868-1/2 Sq. yds., registered with SRO, Guntur, vide document No. 396/83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 6-9-1983

eal :

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

K. Ramakotireddy, Pandaripuram, Chilakaluripeta, Guntur Dt.

(Transferor)

(2) B. Ramasubbarao, S/o Raghavayya, & Others, Chilakaluripeta, Guntur Dt.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th September 1983

Ref. No. RAC No. 211/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No. 117/174/2 situated at Chilakaluripet Chilakaluripeta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

1908) in the office of the Registering Officer at Chilakaluripeta on January, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afore-and property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and or

THE SCHEDULE

Vacant land at D. No. 117/2, & 174/2, Chilakaluripeta, area of Ac. 1/00 registered with S.R.O., Chilakaluripeta, vide document No. 18/83.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-9-1983

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

P. Nageswara Rao, S/o Sriramulu, Budampadu, Guntur.

(2) Nemichand & other, Sangidigunta, Guntur Dt. (Transferor)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)
Hyderabad, the 6th September 1983

Ref. No RAC. No. 212/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 969/1 situated at Guntur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on January 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXFLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Land of Ac. 1-68 Cents, at Guntur in D. No. 969/1, registered with SRO, Guntur vide document No. 273, 274/83. 276/83

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

owing
Date: 6-9-1983
Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—31—286 GI/83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th September 1983

No. RAC No. 213/83-84.—Whereas, I,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 16-3-5, & 6 situated at Guntur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur in January, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) K. Satyanarayana & Others, S/o Late Atchaiah, Potturuvarithota, 3rd Line, Guntur-2.

(Transferor)

(2) F. Ankamma Rao, S/o Anjenayulu, D. No. 16-3-5, Guntur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property at D. No. 16-3-5, 16-3-6, Guntur area of 621-1/2 Sq. yds, registered with SRO, Guntur, vide document No. 563/83.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 6-9-1983

Scal:

FORM 4TNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) B. Ramarao, & Others, Feeder's Road, Ongole.

(Transferor)

 P. V. Sivanarayana Narasimham, S/o Venkata Subbarao, Gandhi Road, Ongole.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th Soptember 1983

Ref. No. RAC No. 214/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No 58-5-1 situated at Ongole

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ongole on January, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incom-tax Act, 1922 (11 of 1922) or th said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) byany other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property at D. No. 58-5-14, area of 326 Sq. yds, registered with SRO, Ongole, vide document No. 100, 101/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 169D of the said Act. to the following persons, namely:—

Date: 6-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th September 1983

Ref. No. RAC No. 215/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 6-46 situated at Kandukuru

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kandukuru on January, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (b) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Ch. Kotamma, W/o Subbaiah Satti, Vidyanadha Mudali Street, Madras-1.

(Transferor)

(2) P. V. Subbaiah, Peda Bazar, Kandukur, Prakasham Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building at D. No. 6-46, at Kandukuru, area of 207-1/2 Sq. yds, registered with SRO, Kandukuru vide document No. 29/83.

M. IEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-9-1983

(1) M. Ramachandra Reddy & Others, Gollamamidada, Kakinada Tq. E.G.

(Transferor)

(2) Mohd. Shamsuddin, S/o Mohd. Jalaluddin, Near II, Town, Police Station, Nukalamma Street, Kakinada.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th September 1983

Ref. No. RAC No. 216/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No.

161/3 situated at Turangi Kakinada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Kakinada on January, 1983
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land of Ac 1-50 Cents, at Turangi Village, in S. No. 161/3, registered with SRO, Kakinada, vide document Nos. 176, 202. 95/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 6-9-1983

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th September 1983

Ref. No. RAC No. 217/83-84.--Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Indome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1-10-12 situated at Sriramnagar Kakinada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Kakinada in January, 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair 'market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) P. Subbadra, W/o Venkata Chalapathirao, Sriramnagar, Kakinada.

(Transferor)

(2) Ch. Janakiram Prasad, S/o Sri Bhaskararao, Vempati Vari Street, Kakinada.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building bearing No. 1-10-12, Sriramanagar, Kakinada, area of 204 Sq. yds, registered with SRO, Kakinada vide document No. 592/83, 713, 593/83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 6-9-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th September 1983

Ref. No. RAC No. 218/83-84,—Whereas, f, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Anthority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 483 situated at Tadepalligudem

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Tadepalligudem in January, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Infome-tex Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 N. Veeraraghavulu, & Others, S/o Atchanna, Tadepalligudem.

(Transferor)

(2) K. Dharma Rao,
 S/o Veerabhadrarao,
 The Millers Educational and Cultural Society,
 W.G. Dt. Tadepalligudem.
 (Transferee)

Obections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice m the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land of Ac. 5-89 Cents, situated on Koderu Nallajerla Road, Tadepalligudem R.S. 483, registered with SRO, Tadepalligudem, vide document No. 305/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 6-9-1983

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th September 1983

Ref. No. RAC No. 219/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 9-2-19 situated at Railpeta, Guntur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Guntur on January 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) V. L. Narasimha Sastry & 2 Others, Railpeta, Guntur.

(Transferor)

(2) Tummala Buli Anjaiah, S/o Sriramulu, Railpeta, Guntur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property at D. No. 9-2-19, at Railpeta, Guntur, area of 144 Sq. yds, registered with SRO, Guntur, vide document No. 259/83, 260/83, 265/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 6-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) B. Balaramamurthy & Others, Attili, W.G. Dt.

(Transferor)

(2) V. Rukkayya & 4 Others, Sri Venkateswara Rico Mill, Nallajarla, Tadepalligudem, Tq. W.G. Dt.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th September 1983

Ref. No. RAC No. 220/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing
No. RS 299 situated at Nallajerla Eluru

No. RS 299 situated at Nallajerla Eluru (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Eluru in January, 1983 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been tuyly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or may moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

Vacant land of 15 Cents, Mill premises with Tin Shed hullers, RS No. 299, Nallajarla, Tadepalligudem Tq., registered with SRO, Eluru, vide document No. 472 '83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

32-286 GI/83

Date: 6-9-1983

Soal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th September 1983

Ref. No. RAC No. 221/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 9/1 situated at Ithampudi Penugonda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Penugonda in January, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent

consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

 R. Nageswara Rao & Others, S/o Laxminarayana, Ayathampudi Sugars Ltd, Palakollu.

(Transferor)

(2) S. Rama Koteswara Rao, S/o Perraju, Penugonda, Tanuku W.G. Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Dry land of AC-3-00 and site AC-0-34 Cents, in R.S. No. 9/1, Ithampudi Village, in Tanuku, registered with SRO, Penugonda, vide document No. 65/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 6-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th September 1983

Ref. No. RAC No. 222/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/and bearing No. 4-15 situated at Sangita Theatre Undi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Undi on January, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market tvalue of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax. Act, 1957 (27 of 1957); (1) K. Ramarao, & Others, Akiveedu, W.G. Dt.

(Transferor)

(2) 1. Ahmed Shamsuddin, C/o Sangita Theatre, Akivetdu.

2. Mohd. Shamsuddin Begum Akiveedu W.G. Dt.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this noitce
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Property at D No. 4-15 named Sangita Theatre, at Akivecdu area of 2640-1/2 Sq. yds, registered with SRO, Undi, vide documents Nos. 184, 185/83,

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-9-1983

FORM NO. I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX AC1, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th September 1983

Ref. No. RAC No. 223/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 5 situated at Somavarapadu Eluru.

(and more fully described in the Schedule annoxed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Eluru on January, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealmen; of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mallapureddy Ramu, S/o Venkatarao, Gandhinagaram, Eluru.

(Transferor)

(2) President, The Eluru Co-op. Building Society, Ltd., Chanikyapurl Colony, Ramachandraraopet, Eluru, W.G. Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Dry land Ac-3-90, Somavarappadu, in R.S. No. 5 registered with SRO, Eluru, vide document Nos. 281, 282/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Rauge, Hyderabad (A.P.)

Date: 6-9-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M. Ramarao & Others, S/o Nagaraju, Appuswamy Koir Street, Madras.

(Transferor)

(2) President,
The Bhimavaram Educational Society,
Ward No. 20, Bhimavaram -1.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th September 1983

Ref No RAC No 224/83 84—Wherens, 1, M JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to see the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing

No. 512 situated at Bhimavaram

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhimavaram in January, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by mole than infecen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer a age of to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Dry land of 7-22 1/3 Acs at Phimavaram in RS No. 512, and 514/1, registered with SRO, Bhimavaram, vide documents Nos. 252, 264, 265, 278, 569, 627 83.

M JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (AP)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sand Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-9-1983

 N. Veeraju & others, S/o Butchiraju, Mogallu, Bhimavaram W.G. Dt.

(Transferor)

(2) M/s. Delta Paper Mills, Ltd., Vendra, Bhimavaram, Tq., W.G. Dt.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th September 1983

Ref. No. RAC No. 225/83-84.—Wherens, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
No. 287/1 & 2 ETC situated at Mogallu, Bhimavaram
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering officer at

Discovery on January, 1983

of 1908) in the office of the Registering states as Bhimavaram on January, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Dry land of 3-56 Cents, at Mogallu in R.S. No. 787/1, & 3, 793/1, & 2, registered with SRO, Bhimavaram vide documents No. 239, 240, 241, 199/83.

THE SCHEDULE

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 6-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

TICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcuta, the 13th September 1983

Ref. No. AC-51/Acq.R.IV/83-84.—Whereas, I, S. K. CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing situated at Mouja & Vill. & P. S. Malipanchghor (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 29-1-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) 1. Shri Sarajit Kumar Sethia

Shri Indrajit Sethia
 Smt. Mal Kawati Arora

4. Smt. Bimala Arora 5. Shri Mahendra Singh Chawala-of sllat 221, G. T. Road (North) Ghusury, P.S. M.P. Ghono,

Dt. Howrah.

(Transferor)

(2) Smt Puspa Devi Bhalotia W/o Shri Om Prakash Bhalotia 68, Lake Avenue, P. S. Lake, Cal-26.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: 11 cottahs, 8-chittaks 32-sqft of land with bldg. Address: Mouja & Vill P.S. Malipanchaghon, Dt. Howrah Deed No.: 794 of 1983.

S. K. CHAUDHURI Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 13-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 13th September 1983

Ref. No. AC-50/Acq.R.IV/Cal/83-84.—Whereas, I, S. K. CHAUDHURI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 35 situated at Jalapahar Road, Dist. Darjeeling (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Calcutta on 13-1-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. The Bengal National Textiles Mill Limited, 23, Brabourne Road, Calcutta-700 001.

(Transferor)

(2) M/s. Kankaria Finance Corporation 9A, Esplanade East, Calcutta-700 069.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: 107 Cottahs with building.
Addres: 35, Jalapahar Road, (Point Clear), Dist.
Darjeeling.

Deed No.: 321 of 1983.

S. K. CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Dato: 13-9-1983

(1) Abdulah Hossembhoy Kharrulla & Others
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shii Shiv Kumar Til many

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III,

Cilcutta the 8th September 1983

Ref No 1324 Acq R-III/Cal 83 84—Whereas, I, S K CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/and bearing Plot No I, Block BI situated at Mohan Co-No 5/2 situated at Gustin Place Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed herete).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 28-1-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely — 33—286 GI/83

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expues later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

I XPANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

All that undivided 1/4th share in 2k-3ch-37sq ft of land with building being pienises No 5/2, Grastin Place, Calcutta

S K CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
vequisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta 15

Date 8 9 1983

Seal

(1) Abdulali Hossenibhoy Khairulla & Others (Transferor)

(2) Sri Nripendra Kumar Tikmany

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 8th September 1983

Ref. No. 1323/Acq.R-JII/Cal/83-84.-Whereas, I,

S. K. CHAUDHURI, being the Competent Authority under Section 269B of being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5/2 situated at Grastin Place, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 28 1,1983

Calcutta on 28-1-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that undivided 1/4th share in 2k.--3ch.--37 sq. ft, of land with building being premises 5/2, Grastin Place, Calcutta,

> S. K. CHAUDHURI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta 16,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act.1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269B of the said Act to the following reasons, namely ;---

Date: 8-9-1983

18769

FORM ITNS-

(1) Abdulalı Hossm bhoy Khaırulla & Others (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Haishvaidhan Tikmany

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 8th September 1983

Ref No 1322/Acq R-III/Cal/83-84.—Whereas, I, S & CHAUDHURI,

being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/-and bearing

No 5/2 situated at Grastin Place, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 28-1-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given it that Chapter

THE SCHEDULE

All that undivided 1/4th share in 2k-3ch-37 sq 1t of land with building being piemises No 5/2, Grastip Place, Calcutta

S. K CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III.
54, Rafl Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Date 8-9-1983

Scal

(1) Abdulali Hossenibhoy Khairulla & Others

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Srı Umang Tıkmany

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION KANGE-III,
CALCUTTA

Calcutta the 8th September 1983

Ref No 1321/Acq R III/Cal/83-84 —Whereas, I, S K CHAUDHURI

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to is the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/and bearing

and bearing
No 5/2 situated at Grastin Place, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Calcutta on 28-1-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957), Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned: --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

TXPIANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

All that undivided 1/4th share in 2k-3ch-37 sq ft of land with building being premises No 5/2, Guastin Place, Culcutta

S K CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road.
Calcutta-16

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely—

Date 8 9-1983 Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 8th September 1983

Ref. No 1320/Acq.R-III/Cal/83-84.--Whereas, I, S. K. CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 203 situated at Acharya Prafulla Chandra Road,

Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Arun Dutt

(Transferor)

(2) 1. Smt. Rina Das 2. Smt. Santa Das

3. Shri Salya Narayan Ranga

4. Smt. Madubala Ranga.

('I ransferce)

(3) 1. Birendra Nath Das 2. Hanumandas Ranga

(ersons in occupation)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that Piece or parcel of land measuring 5 cottahs with buildings being premises No. 203. Acharya Prafulla Chandra Road, Calcutta.

> S. K. CHAUDHURI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 8-9-1983

(1) Amar Nath Roy & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Subir Kumar Chatterjee & Ors.

(Transferec)

(3) Tenated.

(Persons in occupation)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta- the 13th September 1983

TR-14/83-84/SI.772/IAC/Acqn.R-J/Cal.---Ref. No. Whereas, I, S. K. CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 4, Victoria Terrace situated at 4, Acharya Jagadish

Chandra Bose Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S.R.A., Calcutta on 17-1-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Two storied brick built house together with land measuring 1 Bigha-3K-18Ch-9 sq. ft. at No. 4, Victoria Terrace, Cal. (3K-10Ch-12s.ft.) and 4, Acharya Jagdish Chandra Bose Road, Cal. (area | bigha-9K-15Ch.-32sft.). Registered before the Registrar of Assurances, Cal. vide deed No. 526 dt. 17-1-1983.

> S. K. CHAUDHURI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:--

Date: 13-9-1983

(1) Md Hamif & Ors

(Transferor)

(2) Saburn Nessa & Meherun Nessa Bibi

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I CALCUITA

Calcutta, the 12th September 1983

Ref No TR-22/83-84/S1773/IAC/Acqn R-I/Cal—Whereas, I, S K CHAUDHURI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the jimmot able property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/ and bearing

No 70 situated at Pipon Street, Calcutta (and more fully described in the Schedulc annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRA, Calcutta on 27-1 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Two stoned building on 2k 4ch-30sft of land at premises No 70, Ripon Street, Calcutta Registered before the Sub Registrar of Assurances, Calcutta vide deed No 686 dt 27-1-1983

S K CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisitio Range I
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date 12-9-1983 Seal

(1) Syed Mohamed Jafar & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shii Darshan Singh Kohli

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Many tenants.

(Persons in occupation)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 13th September 1983

Ref. No. TR-9/83-84/SI.774/IAC/Acqn.R-I/Cal,—Whereas, I, S. K. CHAUDHURI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reasely to be a consider Page 25 000/ property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

and ocuring No.

No. 54 situated at Sycd Amir Ali Avenue, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
R.A., Calcutta on 21-1-1983
for an apparent consideration which is

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a peirod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that partly 3 storied and partly 4 storied building on land containing 11K-12Ch-40Sft. being Premises No. 54, Syed Ali Avenue, Calcutta. Registered before the Registered trar of Assurance, Calcutta vide deed No. 548 dt. 21-1-1983.

> S. K. CHAUDHURI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I 54, Rufi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followpersons, namely :-

Date: 13-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE-I, CALCUMA

Calcutta the 14th September 1983

Ref No IR 17/83-84/SI 775/IAC/Acqn R-I/Cal—Whereas, J. S. K. CHAUDHURI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing
No 66 situated at Tiljala Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRA Calcutta on 13-1 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely —

34—286 GI/83

(1) Partha Sarathi Banerjec & Ors

(Transferor)

(2) Smt Sana Begum & Zubeir Ahmed

(Transferee)

(3) M/s Bengal Rubber & Plastic Works

(Persons in occupation)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDUIL

11 Cottahs of land with Structure at premises No 66 Tiljala Road, Calcutta. Registered before the Sub-Registrar of Assurances, Calcutta vide deed No 13 to dt 13-1-83

S K CHAUDITUP!
Competent Authority
Inspecting Assit Commissioner of Income tax
Acquisition Range-I 54 Rafi Alimed Kidwai Road,
1 Calcutta-16

/00%06 = 14-9-1983 Seal

(1) Smt. Anusree Paul

(Transferor)

(2) Dolly Projects (P) 1.td.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Tenants.

(Persons in occupation)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Caloutta, the 14th September 1983

Ref. No. TR-1/83-84/Sl.776/IAC/Acqn.R-I/Cal.—Whereas, I, S. K. CHAUDHURI ,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and hearing

No. 97 situated at Park Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R. A. Calcutta on 20-1-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that the undivided 1/24th share of land in all that the partly one and partly two storied building together with the piece or parcel of revenue redeemed land bearing an area 29 cottahs more or less being premises No. 97, Park Street, Calcutta. Registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide deed No. 482 dt. 20-1-1983.

S. K. CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 14-9-1983

(1) Smt. Jayshree Mullick

(Transferoi)

(2) Dolly Projects (P) Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Tenants

(Persons in occupation)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 14th September 1983

Ref No IR-2/83-84/SI 777/IAC/Acqn R-I/Cal—Whereas, I, S K CHAUDHURI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000)-and bearing

and bearing No 97 situated at Park Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 20-1-1983

for an appaient consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the appaient consideration therefor by more than ifficen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not ben truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that the undivided 1/2th share of land in all that the partly one and partly two storeyed building together with the piece or parcel of revenue redeemed land bearing an area 29 cottahs more or less being premises No 97, Park Stiect, Calcutta Registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide deed No 483 dt 20/1/1983.

S. K. CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date 14 9-1983 Seal

(1) Smt. Arpana Atta

(Transferor)

(2) Dolly Projects (P) Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Tenants.

(Persons in occupation)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 14th September 1983

Ref. No. TR-3/83-84/SI.778/IAC/Acqn.R-I/Cal.--Whercas, I, S. K. CHAUDHURI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 97 situated at Park Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at R.A., Calcutta on 20-1-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said mamevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that the undivided 1/24th share of land in all that the partly one and partly two storicd building together with the piece or parcel of revenue redeemed land bearing an area 29 Cottahs more or less being premises No. 97, Park Street, Calcutta, Registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide deed No 484 dt. 20-1-1983.

> S. K. CHAUDHURI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date : 14-9-1983

Seal

FORM ITNS----

(1) Shin Santilall Atta,

(Transferor)

(2) Dolly Projects (P) Ltd

(Transferee)

(3) Tenated

(Persons in occupation)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGET, CALCUTTA

Calcutta, the 14th September 1983

Ref No FR 4/83 84/\$1779/IAC / Acqn R I/Cal —Whereds I, S K CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000|- and bearing

No 97 situated at Park Street Cilcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R A , Calcutta on 20-1 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforestid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afores and exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957), Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 3 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

All that the undivided 1/10th share of land in all that the partly one and partly two storied building together with the piece of parcel of revenue redeemed land bearing an area 29 Cottahs more or less being premises No 97, Park Street, Calcutta Registered before the Registarar of Assurances, Calcutta vide deed No 489 dt 20 1-1983

S K CHAUDHURI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta 16

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely —

Date 14-9-1983 Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 14th August 1983

Ref. No. TR-5/83-84/81.780 IAC/Acqn. R-1/Cal.—Whereas, I, S. K. CHAUDHARI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 97, situated at Park Steet, Calcutta

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R. A. Calcutta on 20-1-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Apurba Kumar Atta,

(Transferor)

(2) Dolly Projects (P) Ltd.

(Transferce)

(3) ——— Tenants.

(Persons in occupation)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that the undivided 1-16th share of land in all that the partly one and partly two storied building together with the piece or parcel of revenue redeemed land bearing an area 29 Cottahs more or less being premises No. 97, Park Street Calcutta. Registered before the Registerar of Assurances, Calcutta vide deed No. 490 D.ate 20-1-1983.

S. K. CHAUDHARI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said act, to the following persons, namely:—

Date: 14-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOMP-TAX.

ACQUISITION RANGE-I CAI CUTIA

Calcutta, the 14th September 1983

Ref. No T.R-6/83-84/Sl.781 IAC/Acqn.R-1/Cal-Whereas, I, S K CHAUDHARI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/ and bearing No 97, situated at Park Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R A. Calcutta on 20-1-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chieft of

said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Smt Aruna Atta

(Transferor)

(2) Dolly Projects (P) Ltd

(Transferee)

(3) ———— Ten ints

(Persons in occupation)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHFDULE

All that the Undivided 1/16th Share of land in all that the partly one and partly two stoned building together with the piece or parcel of revenue redeemed land bearing an 29 Cottahs more or less being premises No 97, Park Street, Calcutta Registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide deed No 491 Date 20 1 1983

> S K CHAUDHARI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-I Rafi Ahmed Kidwai Rond, Calcutta-16

Date 14-9-1983 Seal .

(1) Mukta Lal Atta

(Transferor)

(2) Dolly Projects (P) Ltd. NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

(3) ——— Tenants.

(Transferce)

(Persons in occupation)

GOVERNMENT OF INDIA

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I CAI CUTTA

Calcutta, the 14th September 1983

Ref. No. TR-7/83-84/Sl.782IAC/Acqn, R-J/Cal.--Whereas, I, S. K. CHAUDHARI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. 97, situated at Park Street, Calcutta. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R A. Calcutta on 20-1-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more has fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that the Undivided 1/8th Share of land in all that the partly one and partly two storied building together with piece or parcel of revenue redeemed land having an area of 29 Cottahs more or less being premises No. 97, Park Street, Calcutta Registered before the Registral of Assurance. Calcutta vide deed No. 492, Date 20-1-1983.

S. K CHAUDHARI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 14-9-1983.

=: =====

FORM ITNS----

(1) Motilal Atta

- =-(Transferor)

(Persons in occupation)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dolly Projects (P) Ltd. (3) ——— Tenants.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I CALCUTTA

Calcutta, the 14th September 1983

Ref. No TR-8/83-84/Sl 783 IAC/Acqn R-I/Cal — Whereas, I, S. K CHAUDHARI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and

bearing No. 97, situated at Park Street, Calcutta. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at R A, Calcutta on 20-1-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as g ven in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moncys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHFDULE

All that the Undivided 1-8th Share of land in all that the partly one and partly two storied building together with piece or parcel of revenue redeemed land having an area of 29 cottahs more or less being premises No. 97, Park Street, Calcutta. Registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vdie deed No. 493 Date 20-1-1983.

S. K. CHAUDHARI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1,
Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons pamely:—
35—286 GI/83

Date: 14-9-1983,

Scal;

(1) Smt. Sikha Atta

(Transferor)

(2) Dolly Projects (P) Ltd.

(Transferee)

(3) Tenants.

(Persons in occupation)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSOINER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I CALCUTTA

Calcutta, the 14th September 1983

Ref. No. TR-10/83-84/Sl.784 IAC/Acqn.R-I/Cal.—Whereas, I, S. K. CHAUDHARI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Ac;, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

movable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 97, situated at Park Street, Calcutta. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at R. A., Calcutta on 20-1-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that the Undivided 1/10th share of and in all that the partly one and partly two storied building together with the piece or parcel of revenue redeemed land having an area of 29 cottahs more or less being premises No. 97, Park Street, Calcutta. Registered before the Registerar of Assurance, Calcutta vide deed No. 487 Date 20-1-1983.

S. K. CHAUDHARI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road. Calcutta-16,

Date: 14-9-1983,

(1) Smt Ajana Soth

(Transferoi)

(2) Dolly Projects (P) Ltd

(Transferee)

(3) Tenants

(Persons in occupation)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I CALCUTTA

Calcutta, the 14th September 1983

Ref No TR-11/83-84/Sl 785-IAC/Acqn RI/Cal—Whereas, I, S K CHAUDHARI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and

bearing No 97, situated at Park Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at R A Calcutta on 20-1 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any mecome arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that the Undivided 1/10th share of and in all that the partly one and pa tly two storied building together with the piece or parcel of revenue redeemed land having an area of 29 cottahs more or less being premises No 97, Park Street, Calcutta vide deed No 485 Date 20 1-1983 Registered before the Registrar of Assurances Calcutta

S K CHAUDHARI
Competent Authorit
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta 16

Date 14 9-1983 Seal

FORM ITNS -----

(1) Smt. Shipra Saha,

(Transferor)

(2) Dolly Projects (P) Ltd.

(Transferce)

(3) Tenants.

(Persons in occupation)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I CALCUTTA

Calcutta, the 14th September 1983

Ref. No. TR-12/83-84/Sl.786 JAC/Acqn.R-I/Cal.-Whereas, I, S. K. CHAUDHURI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 97, situated at Park Street, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R. A. Calcutta on 20-1-1983 for an apparent consideration and which is less than the

fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :--

whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that the Undivided 1/10th share of and in all that the partly one and partly two storied building together with piece or parcel of revenue redeemed land having an area of 29 cottahs more or less being premises No. 97, Park Street, Calcutta. Registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide deed No. 488 Date 20-1-1983.

> S. K. CHAUDHURI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 14-9-1983. Scal:

FORM ITNS----

(1) Shri Sovanlall Atta

(Transferor)

(2) Dolly Projects (P) Ltd.

(3) Tenants

(Transferee)

(Persons in occupation)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE-I CALCUTTA

Calcutta, the 14th September 1983

Ref. No TR-16/83-84/Sl. 787-IAC/Acqn R-I/Cal—Whereas, I, S K CHAUDHURI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/and bearing No 97, situated at Park Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R A Calcutta on 20-1-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intuate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice, in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that the Undivided 110th share of and in all that the partly one and partly two storeyed building together with the piece or parcel of levenue redeemed land having an area of 29 cottahs mare or less being piemises No 97. Park Street, Calcutta Registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide deed No 486 Date 20-1-1983

S K CHAUDHARI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Date 14 9-1983. Seal:

(1) Sri Ajit Singh & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Dalbir Singh & Ors.,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I CALCUTTA

Calcutta, the 14th September 1983

Ref. No. TR-21-83-84/Sl.No.788.IAC/Acqn.R-I/Cal.—Whereas, I, S. K. CHAUDHURI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Flat No. 12 on 1st Floor situated at 4A, Auckland Square, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R. A Calcutta on 22-1-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and

I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealmne to any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning, as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 12 on 1st floor of a ten storeyd building an area of 1100 s.ft. at 4A, Auckland Square, Calcutta. Registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide deed No. 593 Date 22-1-1983.

S. K. CHAUDHURI
Competent Authority
Inscreeting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-9-1983.

(1) Sri Ajit Singh & Ors.

(Transferor)

(2) Mr. Taia Singh & Ors.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I CALCUTTA

Calcutta, the 12th September 1983

Ref. No. TR/20/83-84/Sl.No.789 IAC/Acqn.R-I/Cal,—Whereas, I, S. K. CHAUDHARI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing Flat No. 13 on 1st floor situated at 4A, Auckland Square, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of Registering Officer at R. A. Calcutta on 22-1-1983

cutta on 22-1-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person. whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 13 on 1st floor space of 1140 S, ft, at 4A, Auckland Square, Calcutta. Registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide deed No. 592 dt. 22-1-1983.

> S. K. CHAUDHURI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, 54, Rafl Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

Date: 12-9-1983

FORM ITNS.....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 13th September 1983

Ref. No. AC-28/Acq.R.II/Cal/83-84.—Whereas, I, S. K. CHAUDHURI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 55 situated at Indra Biswas Road, Cal-37 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Sealdah on 25-1-1983

Sealdah on 25-1-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and them. the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

1) Dr. Bejoy Gopal Mukhopadhyay & Ors. of 61/B, Indra Biswas Road, Cal-37. (Transferor)

(2) Smt. Bithika Maity and Sri Ranendar Nath Maity of 26C, Raja Manindra Road, Cal-37 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective whichever period expires later;
- (b' by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Area: 2k, 8 ch. 8 sft. land with building. Premises No. 55, Indra Biswas Road, Calcutta-37, P. S. Chitpur. Deed No. 43 of 1983.

> S. K. CHAUDHURI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following pr sons, namely:-

Date: 13-9-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-IV CALCUTTA

Calcutta, the 13th September 1983

Ref. No. AC-49/Acq. R-IV/Cal/83-84.—Whereas I, S. K. CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to sta the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

107 & 108 situated at Dharamtola Road, Howrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

Howrah on 7-1-1983 Devanagere under document No. 5675/82-83 in Jan., 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than Wheen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--36-286 GI/83

(1) 1. Sri Pranab Ch. Daw 2. Smt. Binapani Banik

3. Smt. Pratima Banik

5. Sri Banikim Ch. Daw 5. Sri Banikim Ch. Daw

6. Sri Ashim Ch. Daw 7. Smt. Aruna Rani Daw

8. Smt. Archana Rani Daw, 9. Smt. Ajanta Rani Dutta, 10. Smt. Amita Rani Daw

(Transferor)

(2) Sai Gaganand Upadhay 109 & 111/B, Dharamtola Road P.S. M. P. Ghora, District Howrah.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: 1 Bigha, 8 cottahs, 10 chittaks, 27 sq. ft. with building. Address: 107 & 108 Dhamtola Road, P.S. Marapanchghare, District Howrah Deed No. 24 of 1983

> S. K. CHAUDHURI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, 54, Rafi Ahmed Kidwal Road, Calcutta16

Date: 13-9-1983,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 13th September 1983

Ref. No. A.P. No./4659.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

and bearing No.

No. as per schedule situated at V. Raja Khana
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registration

of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaitu on January, 1983 for an apparent consideration which is

omeer at January, 1963 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Harmail Singh Urf. Gurmail Singh s/o Arjan Singh R/O V. Baja Khana Tehsil Jaitu District Farldkot.

(Transferor)

(2) Shri Sarbjit Singh s/o Harbaksh Singh r/o V. Baja Khana Teh. Jaitu District Faridkot.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 29 Kls. 11 Mls. situated in V. Baja Khana and persons as mentioned in the registeration sale deed No. 1380 of January, 1983 of the Registering Authority, Jaltu.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissionet of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 13-9-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 13th September 1983

Ref. No. A.P. No./4660.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. as per schedule situated at Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar on January, 1983 for an apparent, consideration, which is less, then the fair

of the apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer us agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Amrit Lal Sehgal s/o Jia Lal 123-Adarsh Nagar, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Jiwan Kumar S/o Barkat Ram, r/o W. T. 41, Basti Sheikh, Jalandhar Or Jiwan Petrol Pump, byc-Pass, G. T. Road, near Suchi Pind, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property factory bldg, situated at bye-pass, G. T. Road, Jalandhar and persons as mentioned in the registeration sale deed No. 6715 of January, 83 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 13-9-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 13th September 1983

Ref. No. A.P. No./4661.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable propetry, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule situated at Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on January, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other seeds which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 192? (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shrimati Ram Kaur W/o Pritam Singh r/o Abadpura, Jalandhar General attorney of Smt. Kartari.
- (2) 1. Shri Subhash Chander S/o Girdhari Lali 2. Surrinder Singh S/o Gian Singh,

3. Pritam Singh S/o Chajju Singh.

 Narinder S/o Daulat Ram r/o Model House, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Uroperty land 1 K. 15 M. situated in Buta Mandi, Jalandhar and persons as mentioned in the registeration sale deed No. 6463 of January, 83 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 13-9-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR
Jalandhar, the 13th September 1983
Ref. No. A.P.No. / 4662.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Jalandhar on January, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Tulsi Ram S/o Munish Ram r/o Buta Mandi, Jalandhar,

(Transferors)

(2) Shri Dhani Ram S/o Dass Ram, Amar Nath S/O Mela Ram, Nasib Chand S/O Atma Ram, r/o Buta Mandi, Jalandhar.

(Transferce)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person Interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 3 K-3 M. situated in Basti Sheikh, Jalandhar and persons as mentioned in the registration sale deed No. 6871 of January, 83 of Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 13-9-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 13th September 1983

Ref. No. A.P. No./4663.— Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule situated at Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Jalandhar on January, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Mohinder Singh S/o Hari Singh 9-Ashok Nagar, Basti Nau, Jalandhar,

(Transferors)

(2) Shri Jaspal Singh s/o Mohinder Singh r/o 40-Dashmesh Nagar, Jalandhar.

(3) As S. No. 2 above.

(Transferec)

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 18 Mls. 153 S. ft. situated in Ashok Nagar, (Basti Nau), Jalandhar and persons as mentioned in the registration sale deed No. 6544 of dated January, 1983, of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 13-9-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 13th September 1983

Ref. No. A.P.No./4664.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per Schedule situated at Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on January, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Jagmohan Soni S/O Ram Lal Soni Mukhtiar-ai-Khas of Jaswant Singh S/o Inder Singh Mukhtiar-ai-am of Sardara Singh s/o Parkash Singh r/o near Ralway Station, Jalandhar.

(Transferors)

(2) Shrimati Aruna Devi W/o Suraj Parkash r/o 17/17, Jalandhar Cantt.

(Transferee)

- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 19 Mls. 142 S. ft. situated in near Dada Colony, Jalandhar and persons as mentioned in the registeration sale deed No. 6638 of January, 83 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 13-9-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 13th September 1983

Ref. No. A.P.No./4665.—Whereas, 1, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per Schedule situated at Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on January, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to befleve that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than infteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obejct of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Ram Singh S/o Mula Ram attorney of Sardara Singh S/o Parkash Singh, Dada Colony, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Charanjit Singh and Balbir Singh Ss/o Ram Singh r/o Committee Bazar, Kartar Pur, District Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 18M-114S. ft. situated in Dada Colony, Jalandhar and persons as mentioned in the registration sale deed No. 6639 dated January, 83 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-9-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhai, the 13th September 1983

Rcf. No A.P.No /4666—Whereas, I, J. I GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

as per Schedule situated at Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on January, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

'b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(1) Shri Raj Kumar S/o Malik Jit Lal, 7-Adarsh Nagar, Jalandhar

(Transferor)

- (2) Shii Diwan Chand, Panna I al Ss/o Hari Chand r/o W. M 90. Basti Guzan, Jalandhai.
- (3) As S. No 2 above.

(Transferee)

(Person in occupation of the property)
(4) Any other person interested in the property.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 23½ Mls. situated in near Shaheed Babu Labh Singh Nagar, Jalendhar and persons as mentioned in the registration sale deed No. 6473 of January, 83 of the Registering Authority. Jalandhai

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
37—286 GI/83

Date: 13-9-1983,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 13th September 1983

Ref. No. A.P. No./4667.—Whereas, I, J. L GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per schedule situated at Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

of 1908) in the office of the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jelandhar on January, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shrimati Shanti Devi W/o Amarjit Kumar r/o Garha Wehida, Teh. Jalandhar.

(Transferee)

(2) Shri Raj Guru Sharma S/o Pt. Nathu Ram r'o Garha Wahida teh, Jalandhar. (Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person in occupation of the property)

interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 121 Mls. situated in V. Garha Wahinda and persons as mentioned in the registeration sale Deed No. 6499 of dated January, 83 of the Registering Authority, Julandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-9-1983.

Scal:

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 13th September 1983

Ref No A P No /4668 — Whereas, I, J L GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No as per schedule situated at Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of Officer at Jelandhar on January, 1983

ror an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

 Bhog Singh S/o Fatch Singh R/o V. Gakhal through General Attorney Sh. Gurbax Singh, Advocate, Yoga Bhawan, Milap Chowk, Jalandhar

(Transferor)

(2) Shri Guru Nanak Welfare Trust Yoga Bhawan Milap Chowk, Jalandhar through Smt. Wazir Kaur.

(Transferee)

(3) As S No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sale immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION;—The terms and expressions and herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall be the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 8 Kls situated in Basti Pn Dad Khan, Jalandhar and persons as mentioned in the registeration sale deed No 6616 dated January, 83 of the Authority, Jalandhar

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pulsuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Seal:

Date · 13-9-1983

(Transferee)

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhai, the 13th September 1983

Ref. No. A.P. No., 4669.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule situated at Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jalandhar on January, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- Shri Malkiat Singh S/o Ran Singh r/o V, Sangal Sohal through General attorney Smt. Wazir Kaur.
- (2) Shri Gurbax Singh S/o Narain Singh, Advocate r/o Yoga Bhawan Milap Chowk, Jalandhar.
 (Transferor)
- (3) As S. No. 2 above.

(Person whom the undersigned knows to be

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land S K-13 M, situated in Basti Pir Dad Khan, Jalandhar and persons as mentioned in the registeration Sale Deed No. 6617 dated January, 83 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Acquisition Range, Jalandhar
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-9 1983,

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

Jalandhar, the 13th September 1983

Ref. No. A.P. No./4670.—Whereas, I J. L. GIRDHAR.

bying the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule soituated at Jalandhar (and more fully described in the schedule

annexed hereto)

has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the I.T. Act, 1961, in the Office of the Officer at Jalandhar on Jan. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to selieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between he parties has not been tuly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid projection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Pushkar Mani S/o Sita Ram R/o 346, Adarsh Nagar, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shti Goverdhan Datt S/o Jagdish Ram, N. A. 243, Kishapura, Jalandhar and Kuldip Kumar S/o Om Parkash, ND-183, Bokrampura, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the Property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property House No. EK-215 situated at Phagwara Gate, Jalandhar and persons as mentioned in the registration sale deed No. 6678 of January, 83 of the Registering Authority Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 13-9-1983. Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

JALANDHAR

Jalandhar, the 13th September 1983

Ref No. A. P. No./4671 - - Whereas, I J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.
as per schedule situated at Jalandhar
(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Jalandhar on Jan. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shrimati Amarjit Kaur W/o Maj. Gurdial Singh R/o 30/2, Central Town, Jalandhai through Special attornney Ram Ial.

(Transferor)

(2) Shri Ved Parkash, Joginder Kumar Yash Pal ss/o Ram lal, 46, Vijay Nagar, Jalandhar.

(Transferee)

4 (3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the Property)

* (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Property land 18 Kls. 3 Mls. situated in V. Dhogri persons as mentioned in the registeration sale decd No. 6370 of January, 83 of the Registering authority Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 13-9-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 13th September 1983

Ref. No. A P. No /4672.--Whereas, 1 J. L. GIRDHAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No as per schedule soituated at Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office: at Jalandhar on Jan. 1983

for an apparent consideration and

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the fiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Chanan Singh S/o Hatnam Singh R/o 463-464, Picet Nagar Sodal Road, Jalandhar,

(Transferor)

(2) Shri Mangat Ram S/o Jawala Ram R/o 463-464, Sodal Road, Prect Nagar, Jalandhar,

" (3) As S No 2 above.

(Transferee)

(Person in occupation of the Property)

" (4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of netice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 8 Mls situated in Preet Nagar, Jalandhar and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 6381 of January, 83 of the registering authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date · 13 9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1, OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th September 1983

Ref. No. A.P. No./4673.--Wheres, I J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No, as per schedule situated at Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on Jan. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (2) Shri Jagir Singh 5/0 Partap Singh R/0 V. Garha Teh. Jalandhar.
- (2) Shrimati Prem Gupta W/o Sh. Vinod Gupta R/o BE-100, Shalimar Bagh Delhi.
- " (3) As S. No. 2 above.

(Transferce)

(Person in occupation of

the Property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property 1/5 shop No. 9 situated in Dilkusha Market Jalandhar and Persons as mentioned in the registration sale deed No. 6772 of January, 83 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 14-9-1983,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th September 1983

Ref. No. A.P. No./4674.—Whereas, I J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar in Jan. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—
38—286GI/83

(1) Shri Sawartin Singh S/o Lubh Singh R/o Civil Lines, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shrimati Prem Gupta W/o Sh. Vinod Gupta R/o BE-100, Shalimar Bagh, Delhi-33.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the Property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property 1/5 of shop No. 9, situated in Dilkusha Market, Jalandhar and persons as mentioned in the registeration sale deed No. 6773 of January, 83 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 14-9-1983.

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th September 1983

Ref. No. A.P. No./4675.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding No. as per schedule situated at Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar in Jan. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Bir Singh S/o Shanker Singh self and General attorney of Satinder Kaur Jasbir Kaur R/o Garden Colony, Jalandhar. Satbir Singh, Dalbir Singh, Raghubir Singh, Santkh Singh, and Jit Kaur Wd/o and Randhir Kaur & Tejinder Kaur.

(Transferor)

(2) Shrimati Prem Gupta W/o Vinod Gupta R/o BE-100, Shalimar Bagh, Delhi-33.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the Property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property 1/5 shop No. 9, situated in Dilkusha Market, Jalandhar and Persons as mentioned in the registeration sale deed No. 6774 of January, 1983 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-9-1983,

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th September 1983

Ref. No. A.P. No./4676.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Jalandhar in Jan. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Naunihal Singh S/o Gopal Singh, r/o V. Garha Teh. Jajandnar.

(Transferor)

(2) Shrimati Prem Gupta W/o Vinod Gupta R/o BE-100, Shalimar Bagh, Delhi-33.

(Transferce)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the Property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property 1/5 shop No. 9 situated in Dilkusha Market, Jalandhar and persons as mentioned in the registeration sale deed No. 6775 of January, 83 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandher

Date: 14-9-1983.

FORM ITNS-------

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th September 1983

Ref. No. A. P. No./4677.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Jalandhar in Jan. 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Karam Singh Mann S/o Basant Singh R/o Janta Colony, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shrimati Prem Gupta W/o Vinod Gupta ,R/o BE-100, Shalimar Bagh, Delhi-33. (Transferce)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the Property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property 1/5 of shop No. 9, situated in Dikusha Market, Jalandhar and persons as mentioned in the registration sale deed No. 6779 of January, 83 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 14-9-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE.

JALANDHAR

Jalandhar, the 15th September 1983

Ref. No. A.P. No. 4678.—Whereas I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. as per Schedule situated at V. Kingra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar in Jan. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Tarlochan Singh S/o Darshan Singh R/o V. Kingra, Teh. Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shrimati Balwinder Kaur W/o Maj. Malkiat Singh R/o 47-Waryam Nagar, Jalandhar.

(Transferce)

- (3) As S. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in he registration sale deed No. 6505 of January, 1983 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 15-9-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th September 1983

Ref. No. A.P. No. 4679.—Whereas I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at Kaitapur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kaitapur in Jan. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid propert yand I have reason to believe that the fair market value of the property as aforsesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said ingrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

(2) Shri Harsahoi Bhatnagar, S/o Gauri Sahai R/o Mohalla Mulna, Kartarpur. presently at House No. 285, Gali No. 6, Thaper Nagar, Meerut.

(Transferor)

(2) Shri Radhey Sham Jolli S/o Lahori Lal Jolly Mohalla Mulua, Kartarpur, Distt. Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows)

to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property House situated in Mohalla Mulna, Kartarpur and persons as mentioned in the registration sale deed No. 834 of January, 1983 of the Registering Authority, Kartarpur.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 15-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE. **JALANDHAR**

Jalandhar, the 16th September 1983

AP. No 4680—Whereas, I. J L GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No as per Schedule situated at Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on Jan, 1983

Jalandhar on Jan, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the patters has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(1) Shri Tarlok Chand S/o Kirpa Ram R/o Kishan Nagar, Jalandhar through special attorney Shri Subash Suri R/o NK-259. Charanjit Pura, Jalandhar

(Transferoi)

(2) Shrimati Manjit Kaur W/o Bhupinder Eingh, R/o V Nadala, Distt Kapurthala

(Transferce)

(3) As S No. 2 above

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days, from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 11 Mls 198 S Ft situated in Link Colony, Jalandhar and persons as mentioned in the registration sale deed No 6331 of January, 1983 of the Registering Authority, Jalandhar

> J L GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date · 16-9-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 16th September 1983

Ref. No. A.P. No. 4681.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000-/- and bearing No.

as per Schedule situated at Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jalandhar on Jan., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any inceme stricing from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conceniment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Tarlok Chand S/o Kirpa Ram through special attorney Shri Sher Singh S/o Jiwan Ram R/o W.E. 362, Ali Mohalla near Gurdwara, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Smt. Jaswant Kaur W/o Amrik Singh R/o FM-299, Model House Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 6 Mls. 8 S. ft. situated in Link Colony, Jalandhar and persons as mentioned in the registration sale deed No. 6332 of January, 1983 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 16-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 16th September 1983

Ref. No. A.P. No. 4682.—Wheeas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing No.

as per Schedule situated at Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on Jan., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

39-286GI/83

(1) Shri Tarlok Chand S/o Kirpa Ram through special attorney Subash Suri S/o Charan Dass R/o N-K-259, Charanj't Pura, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Hardev Singh S/o Sham Singh R/o Link Colony near Abadpura, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of sublication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whicheve, period expires late
- (b) by any other person interested in the aid immovemable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDIII E

Property land 21 Mls. 176 Sq. ft. 9 inch situated in Link Colony, Jalandhar and persons as mentioned in the registration sale deed No. 6557 of January, 1983 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 16-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 16th September 1983

Ref. No. A.P. No. 4583.—Whereas, J. J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per Schedule situated at Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on Jan., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate prochedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Tarlok Chand
S/o Kirpa Ram
through special attorney
Shri Partap Singh
S/o Sham Singh
Link Colony,
Jalandhar
Mukhtiar-ai-am Mohinder Singh
S/o Gurdit Singh
R/o Taran Taran Distt. Amritsar.

(Transferor)

(2) Shrimati Sukhwant Kaur W/o Mohinder Singh R/o Link Colony, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above,

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 12 Mls. 61 Sq. ft. situated in Link Colony, Jalandhar and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 6558 of January, 1983 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 16-9-1983.

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 16th September 1983

Ref. No. A.P. No. 4684.—Whereas, I,

J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

as per schedule situated at Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar in Jan., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any monkeys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Jiwan Dass S/o Bahadur Chand R/o Nakodar Road, Jalandhar. Jalandhar. Mukhtiar Raj Rani W/o Ratten Lal R/o EN 36, Rasta Mohalla, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Raten Lal S/o Ram Lal R/o EN-36, Rasta Mohala, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used hereiv as are defined in Chapter XXA of the sal Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 10 Mls. 27 sk, it. and construction thereon situated in Link Colony, Jalandhar and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 6665 of January, 1983 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 16-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

JITICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE. **JALANDHAR**

Jalandhar, the 16th September 1983

Ref No AP No 4686 -- Whereas, I, J. L GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the to as the 'sac Act) has exceen to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000 - an' b in as per schedule situated at Jalandher

(and rive fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at

Jalandhar on Jan, 1963 for all rent consideration which is less than the fair market value of the afor said property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen a rest to the property and I that than fifteen for cent of such apparent consideration and that the consider of such transfer as a great defect the consideration of the such transfer as a great defect to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under he said Act in respec of any income arising from the transfer;
- (b) from ating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the jurpo es of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely - -

(1) Shri Satnam Singh S/o Ladha Singh R/o Link Colony, Nakodar Road, Jalandhar

(Transferor)

(2) Shrı Malkıat Sıngh S/o Lachhman Singh R/o V Talwandı Sanghorai, Tehsil Nakodar, Distt. Jalandhar

(Transferee)

(3) As S No 2 above and 1 Canadian Furnitures

- 2 Mex Investment & Genl Savings Ltd
- Sandcep Enterprises Urgent Dry Cleaners
- Venus Electric Store
- Golden Studio
- Arota Khal House
- 8 Arola Medicine Centre
 9 Dhiman TV Centre
 10 Assam Glass House
 11 Deep Wood Works
 12 Vijay Laksnmi Enterprises

13 Jyoti Sale Corp
(Person in occupation of the property) (4) Any other person in erested in the property.

(Person whom the undersigned kno vs to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the esaid immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property Bulding No B 9/2-790/B situat d at Nakodai Road, Ia'andhar (portions) and persons as mentioned in the registeration sale deed Nos 6580 and 6624 of January, 1983 of the Registering Authority, Jalandhar

> J. J. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range, Jalandhar

Date 16 9 1983 Seal.

FORM I.T.N S.———

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, **JALANDHAR**

Jalandhar, the 16th September 1983

Ref. No. A.P. No. 4687.—Whereas, I,

J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

as per schedule cituated at Jajandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of

the Registering Officer at

Jalandhar in Jan., 1983
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the properly as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Harbans Singh S/o Chanan Singh R/o Link Colony, Nakodar Road, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shrimati Surjit Kaur W/o Malkiat Singh R/o Taiwandi Sangorai, Teh. Nakodar, Distt. Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above and

1. Canadian Furnitures

- 2. Mex Investment & Genl. Savings Ltd.
- Sandeep Enterprises
 Urgent Dry Cleaners

- Urgent Dry Cleaners
 Venus Electric Store
 Golden Studio
 Arora Khal House
 Arora Medicine Centre
 Dhiman TV Centre
 Assam Glass House
 Deep Wood Works
 Vijay Lakshmi Enterprises
 Iyoti Sale Corp

- 13. Jyoti Sale Corp.
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows)

to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expues later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property building No. B-9/2-790/B situated at Nakodar Road, Jalandhar and persons as mentioned in the registeration sale deed No. 6607 of January, 1983 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 16-9-1983

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OPFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX
ACOUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 26th August 1983

Ref No IAC/Acqn/Bpl/3809.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot Number 45, situated at Lala Lajpatrai co-operative housing society, Shahpura, Bhopal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 20-1-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration tor such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Prasadkumar Benarjee
 s/o Satyendranath Benerjee,
 R/o E-7/37, State Bank Colony,
 Arera Colony Bhopal, M.P.

(Transferor)

(2) Shri Shrikamal Jain s/o Seimal Jain, R/o Jain Mendir Road, Loha Bazar, Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot Number 45, Lala Lajpatrai Co op Housing Society, Shahpura, Bhopal.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 26-8-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Ramshankar Tiwari s/o P. N. Tiwani, R/o 90/28, South, T. Γ. Nagar, Bhopal.

(Transferor)

(2) Smt. Santosh D. Vaish s/o Prahladsinghji, R/o Gwalior, M.P.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 26th August 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3810.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding As. 25,000/- and bearing Plot Number 44 situated at Major shoping centre Scheme

number 13, Habibganj, Bhopal
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bhopal on 6-1-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than aftern per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Inlan Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot number 44 situated Major shopping centre number 2 scheme No. 13, Habibgani, Bhopal,

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range
> 4th Floor, Gangotri Building
> T. T. Nagar, Bhopal

Date: 26-8-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 26th August 1983

Ref. No. I.A..C/ Acqn/Bpl/3811.—Whereas, I, D. P. PANTA

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 52F situated at Udhvognagar, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 21-1-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

 Shri Aadeshwar Jain 8/0 Chabilal Jain R/0 Radio Colony, Indore,
 Vinod Jain w/0 Sarju Prashad Jain R/0 3 North Raj Mohalla, Indore
 Rajendra Kumar Agarwal S/0 Tikamchand Agarwal R/0 109/4, Muraj Mohalla, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Kiratram s/o Kodomal & Murlidhar Kodomal, R/o 138, Jairampur Colony, Jaipal s/o Deepchandani R/o 36, Jairampur Colony, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, o the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 52-F, situated at Jairampur Colony, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopol

Date: 26-8-1983

Seal;

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 26th August 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3812.—Whereas, I, D. P. PANTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

as the said Act) have reason to believe that the fillinovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 131/3 situated at Maharana Pratap Complex, Habibgani, Shopping Centre, Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Cofficer at 1908) in the office of the Registering Officer at

Bhopal on 4-1-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer an aggreed to between the parties has not been traily stated in as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shri S. Gurdeep Singh Jaspal, s/o Dilipsingh R/o S. E. Kolar Project, Bhopal.

(Transferor)

(2) 1. Smt .Sudha Wadhwa W/o P. C. Wadhwa 2. Rajiv s/o Shri P C Wadhwa 3. Sanjiv s/o Shri P. C. Wadhwa 4. Ompiakash Wadhwa 5. Wadhwa 4. Ompiakash Wadhwa 5. Wathwa 6. Wathwa 6.

5. Krishna Kumar Wadhwa s/o Bhojraj Wadhwa R/o Krishna Ganj, Gandhi Road,

Gwalior.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sadi property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 131/3, Maharana Pratap Complex, Habibgani, Shopping Centre, Bhopal.

> D. P. PANIA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range
> 4th Floor, Gangotri Building
> T. T. Nagar, Bhopal

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

40—286GI/83 Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

Date: 26-8-1983

FORM LINS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) 1. Smt. Sheela Kaur Chaula 2. Amrajeet Singh s/o Sampuransingh R/o Jail Road, Raipur.

(Transferor)

(2) Shii Paramjeet Singh 9/0 Kuldeepsing R/0 Gol Bazar, Raipur.

(Transferee)

UFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 2nd September 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3813. —Whereas, I, D. P. PANIA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-mx Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and brating

plot No. 12/12 Kh. No. 143/3 situated at Pandritarai, Raipur

(and more fully described in the schelule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 12-1-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evagion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concentment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Diverted land Kh. No. 143/3, Plot No. 12/12, situated at Pandritarai, Raipur.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely;—

Date: 2-9-1983

FORM ITNS ---- --

(1) Shri Mahadeo Prashad 5/0 Pt. Kamta Prasad Tiwati R/o Brehimanpara, Durg.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Nathu Prasad Tiwari 5/0 M. P. Tiwari R/o Brahimanpara, Durg.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 2nd September 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3814.—Whereas, I, D. P. PANTA

being the Competent Authority under Section 269B cf the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. House at Distt. Durg situated at Brahimanpara/Kestapara.

Durg (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Duig on 24-1-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the some meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Double storied house which is situated at Brahmanpara/ Kestapara, Durg. This is the immovable property described in the form No. 37-G verified by the transferce.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 2-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER

OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M P

Bhopal, the 9th September 1983

Ref. No IAC, Acqn/Bpl/3815—Whereas, I, D P PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

House Kh number 141/1 situated at village Devguradiya 1chsil Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 29 1-1983

Indore on 29 1-1983
for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Kanhaiya 5/0 Shankarlal Yadava, 2/5, Chhoti Gwal Toli Indore

(2) Shri Swaioopchand s/o Raghubirdayal Gupta, R/o 4/5, Parasi Mohall, Indore.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from 4. A service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

House No 141/1 situated at Village Devguradiya Tehsil and Disti Indoic M P

D. P PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

Date 9-9-1983 Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 9th September 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3816 -Whereas, I,

D. P. PANTA
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) 'hereinafter referred to as the (said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 105 & guarrage built thereon situated at Indore Vikas Pıadhikaran Yojna No. 47

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 31-1-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transleror to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, In pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269 of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Bhajanlal Laxmichand Meghani, 34, Juna Tukoganj, Indore Tarfe Aam Mukh, Amarnath s/o Shii Melaram R/o 4/1 Dr. Sarju Prashad Bhandari Marg, Indote.

(Transferor)

(2) Smt. Chamelibai w/o Shri Mathuralal Agarwal, R/o 9, Prajapat Nagar (Kumhar Bakhal),

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 105 situated at Indore Vikas Pradhikaran Yojna Scheme No 47 and guartage built thereon

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range
> 4th Floor, Gangotri Building
> T. T. Nagar, Bhopal

Date: 9-9-1983

FOR ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 15th September 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3817.—Whereas, I, D. P. PANTA

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House Mun. No. 6/98 Old No. 6/296 situated at Bhaiawake-Kui, Ratlam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ratlam on January 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

- Shri Kaluram s/o Pannalal
 Smt. Kanchanbai w/o Kaluram
 Smt. Sajjanbai w/o Kaluramji
 - Dhidamchand s/o Kaluramji Shri Anandilal s/o Kaluram 4.
 - Jhamallal s/o Keluram
 - Shri Dineshchand s/o Kaluram Mahajan Shri Subhashchand s/o Kaluram Mahajan
 - Shri Shelendra Kumar s/o Kaluramij Mahajan

Manakchauk, Ratlam. (Transferors)

(2) 1. Shri Iqbal Hussain

s/o Hazi Fabruddinji Bohara, Imambada,

Ratlam,

2. Shri Qutubiddin

s/o Hazi Faqruddin Bohra

R/o Imambada, Ratlam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 6/98 (Old House No. 6/296) Bharaws-Ki-kui,

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 15/9, 1983

el limber temes temes FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 1st September 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3818.—Whereas, I,

D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land survey Number 15 situated at Itawa circle, Dewas (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Dewas on 12-1-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act' is the following persons, namely:-

(1) Shri Onkarsingh s/o Shankarsingh Thakur R/o Village Itawa, Tehsil, Dewas.

(Transferor)

(2) M/s Uttam Land and Finance Company, Subhash Chowk, Dewas through Partner Shri Ishwarsingh s/o Shri Jalamsingh Chodhari, R/o Subhash Chowk, Dewas.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land survey number 15 situated at Itawa, Tehsil Dewas, M.P.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range
> 4th Floor, Gangotri Building
> T. T. Nagar, Bhopal

Date · 1-9-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 2nd September 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3819.—Whereas, I, D. P. PANTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land survey No. 15 situated at Itawa circle, Dewas (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Authority,

at Dewas on 20-1-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shii Onkarsingh s/o Shankarsingh Rathore, R/o village Itawa, Dewas M.P.

(Transferor)

(2) M/s Uttam Land and Finance Company, Registered Company, Partnership Firm, Subhash Chow Dewas, through Partner Ishwarsing s/o Jalamsingh, R/o Subhash Chowk, Dewas M.P.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land survey Number 15 situated at Itawa Circle, Dewas, M.P.

D. P. PANAT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 2-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Dr. Rajendrakumar Jain 6/o Nirmalkumar Jain, R/o Hukum Chand Maig, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Rampiasad s/o Balaprasad Kanungo, R/o 57, Shikshaknagar, Indore.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 2nd September 1983

Ref. No fAC/Acqn/Bpl/3820.—Whereas, f, D. P. PANTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House number 57 situated at Shikshaknagar, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registration Officer at

1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 4-1-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House number 57 situated at Shikshaknagar Aerodrome Road, Indore, M.P.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 41-286GI/83

Date: 2-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 3rd September 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3822.--Whereas, I, D. P. PANTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing No.

Jond Khasra No. 167/2/2 situated at Gram Samarda Kaliasaut, Teh. Huzur, Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 31-1-1983

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1)Shri Babulal s/o Shri Shrikishan R/o Mandi-Decp Teh., Goharganj, Distt. Raisen.

(Transferor)

(2) Chairman Danish Housing Co-operative Society Ltd., Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Khasra No. 167/2/2 area 1 Acre 26 decimal situated at village Samarda Kalia Saur, Bhopal.

D. P. PANTA Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 3-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 3rd September 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3823,-Whereas, I, D. P. PANTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land Kh. No. 167/4 situated at Gram Samarda, Kaliasaut, Teh. Husur, Bhopal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Bhopal on 31-1-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sald Act, to the following persons, namely: -

(1) Shri Raghunath s/o Shri Shrikishan R/o Mandi-Deep, Distt. Raisen.

(Transferor)

(2) Chair, Danish Housing Co-operative Society Ltd., Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Khasra No. 167/4 area 1 Acre 26 Dec. situated at Gram Samarda Kalia Saut, Teh. Huzur Distt. Bhopal.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date . 3-9-1983

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 3rd September 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3824.—Whereas, I. D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 29 situated at Helly Ped, Jai-Villash Parisar, Gwalior (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Gwalior on January, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Govind Ballabh Pant Grah Nirman Sahkari Sanstha Maryadit, Gwalior.

(Transferor)

(2) Shri Pran Nath s/o Premnath R/o Khasgi-Bazar, Lashkar, Gwalior.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 29, sector 12, situated at Helly Ped, Jai-Villosh Parisar, Lashkar, Gwalior,

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date : 3-9-1983

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 3rd September 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3825.—Whereas, I, D. P. PANTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 31 situated at Jai Vilash Parisar, Gwalior (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on 29-1-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Govind Ballabh Pant Grah Nirman Sahkari Sanstha Maryadit, Gend Ghar, Gwallor.

(Transferor)

(2) Shri Laxmi Chand Raheja s/o Shri Jai Ram Das Raheja Nimbalkar Ki Goth, Loshkar, Gwalior.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 31. Helly Ped, Jai Vilas Parisar, Gwalior.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Rango
4th Floor, Gangotri Bullding
T. T. Nagar, Bhopol

Date: 3-9-1983

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 3rd September 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3826.--Whereas, I,

D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 38, Helly Ped, situated at Jai Vilas Parisar, Gwaltor (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on 29-1-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely: ---

(1) Shri Govind Ballabh Pant Grah Nirman Sahkari Sanstha Gend Ghar, Jai Villash Parisar, Lashkar, Gwallor,

(Transferor)

(2) Shri Suresh Kumar Sharma s/o Shri Bhagwati Prasad Sharma C/o Deleep Kumar Sharma, 13/SR Opp. Central Excise Office Kheda Pati Colony, Lashkar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 38, Helly Ped, Jai Vilash Parisar, Gwalior.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 3-9-1983

 Shri Govind Ballabh Pant Grah Nirman Sahkari Sanstha Maryadit Helly Ped Gend Ghar, Jai Villash Parisar, Gwalior.

('Fransferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Saroj Gaur w/o Dr. Shri R. S. Gaur, R/o Behind Alankar Hotel, Lashkar, Gwalior.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhapal, the 3rd September 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3827.—Whereas, I, D. P. PANTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing No.

Plot No. 72, situated at Helly Ped, Jai-Vilas Parisar, Gwalior, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Gwalior on 29-1-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfor with the subject of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Plot No. 72 situated at Helly Ped, Jai Vilas Parisar, Gwalior

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ing persons, namely:—

Date: 3-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 3rd September 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3828.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 70 situated at Helly Ped, Jai Vilas Parisar, Gwalior

Plot No. 70 situated at Helly Ped, Jai Vilas Parisar, Gwalior (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on 29-1-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

 Shri Govind Ballabh Pant Grah Nirman Sahkari Sanstha Gend Ghar, Jai Villash Parisar, Lashkar, Gwalion.

(Transferor)

(2) Shri Jawaharlal Gupta s/o Shri Durga Prashade Gupta R/o Topi Bazar, Lashkar, Gwalior.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I herbey initiate procedeings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

THE SCHEDULE

Plot No. 70, Helly Ped, Jai-Villas Parisar, Gwalior.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date : 3-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 3rd September 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3829.—Whereas, I, D. P. PANTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 49, situated at Helly Pcd, Jai (Vilas Parisar, Lashkar

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Gwalior in 29-1-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; sad/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-42—286GI/83

(1) Shri Govind Ballabh Pant Grah Nirman Sahkari Sanstha Gend Ghar. Jai-Villash Parisar, Lashkar, Gwalior.

(Transferor)

(2) Smt. Tara Pendharkar w/o Shri V. R. Pendharkar, R/o 13, Gandhi Nagar, Lashkar, Gwalior.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period express latera
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 49, Helly Ped, Jai-Vilas Parisar, Lashkar, Gwalior.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Committeened of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. Nagar, Bhopal

Date: 3-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 3rd September 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3830.—Whereas I, D. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot No. 82, Sector No. 12 situated at Jai-Vilas Parisar, Lashkar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior in January 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Shri Govind Ballabh Pant Grah Nrman Sahkari Sanstha, Gend-Gar, Heli Pad, Jai-Vilash Parisar, Gwalior.
- (2) Shri Surendra Singh Raghubanshi, Prem-Nagar, Lushkar, Gwalior.

(Transferee)

(Transferoi)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesad persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 82, Sector No. 12, Heli Ped, Jal-Vilash Parisar, Lashkar, Gwalior.

> D. P. PANTA Commetent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notic under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 3-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 3rd September 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3831.—Whereas I, D. P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot No. 40, Sector No. 12 situated at Jai-Vilas Parisar, Lashkar, Gwalier

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior in January, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

(1) Shri Govind Ballabh Pant Grah Nirman Sahkari Sanstha, Gend Gar, Gwalior.

(Transferors)

(2) Shri Kuldeep Raj 8/0 Lamboo Ram Gandotra R/o Daulat-Ganj, Lashkar, Gwalior. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 40, Sector No. 12 Helly Ped situated at Jai-Vilas Parisar, Lashkar, Gwalior.

D. P. PANTA
Competent Authority.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-taa
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 3 9-1983

Seai :

FORM 1.T.N.S.--

(1) Govind Grah Nrman Sahkari Sansthan Maryadit, Gwalior.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Vimla Gyani w/o Jairam Dac, R/o Daulatganj, Lashkar, Gwalior.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 3rd September 1983

Ref. 1AC/Acqn/Bpl/3832,—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Plot No. 34 situated at Jaivilas Parisar, Lashkar, No. Plot No. 34 situated at Jalvilas Parisar, Lashkar, Gwalior

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior in January, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Weelth of Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the stroresald property by the issue of this notice under subsection '1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires jater;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 34, Sector No. 2 situated at Jai Vilas parisat Lashkar, Gwallo...

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 3-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th September 1983

Ref. No. 1AC/Acqn/Bpl/3833.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House Mun. No. 38/166 situated at Naya Bazar, Lashkar, Gwalior

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior in January, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiat, proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Gopaldas s/o Shti Kanhaiyalal
 Sau. Bhagwatibal w/o Kanhaiyalalji
 R/o Naya Bazar, Lashkar, Gwalior.

(Transferor)

(2) Shri Ganeshchand s/o Shri Radhamohanji Bansal, R/o Lohiya Bazar, Lashkar, Gwalior.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Mun. No. 38/166, Naya Bazar, I ashkar, Gwalior. This is that immovable property of which complete details are described in 37-G Form and have been duly verified by transferee.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floot, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopat

Date: 6-9-1983

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th September 1983

Ref. IAC/Acqn/Bpl/3834.—Whereas, I, D. P. PANTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a exceeding Rs. 25,000/- and bearing market value

House Mun. No. 38/166 situated at Naya Bazar, Lashkar, Gwalior

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Gwalior in January, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Gopaldas s/o Shri Kanhaiyalalji
 Sau. Bhagwatibai w/o Kanhaiyalalji
 R/o Naya Bazar, Lashkar, Gwalior. (Transferor)

(2) Shri Ganeshehand Bansal s/o Shri Radhamohanji R/o Lohiya Bazar, Lashkar, Gwallor.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Mun. No. 38/166, Naya Bazar, Lashkar, Gwalior This is that immovable property of which complete details are described in 37-G Form and have been duly verified by transferce.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-9-1983

FORM I.T.N.S.--

(1) Shr. Punau s/o Laxman R/o Telibandha, Raipur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Kavita Sahakari Grah Nirman Samiti, Raipur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 5th September 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3835.—Whereas, 1, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land Khasra No. 457 situated at Telibandha, Ralpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 24-1-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 457 situated at Telibandha, Raipur.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-9-1983

(1) Shr Punau s/o Laxman R/o Telibandha, Raipur

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Kavi a Sahakati Grah Nirman Samiti, Raipur

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, MP.

Bhopal, the 5th September 1983

Ref No 1AC/Acqn/Bpl 3836—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961,43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

Land Khasia No 457 stuated at Telibandha, Ralpur (and more tully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 24-1 1983

for an apparent consideration which is less than the fairmarket value of the afo esaid property and I have reason to believe that the tair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has of been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of .--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

Explanation —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concearment of any income or any moneys or other assets which he a not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income 'ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land Kh No. 457 situated at Telibandha, Raipur, MP.

D P PANTA
Competent Authority
Inscreeting Assit Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Build ng
T T Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely.—

Date: 5-9-1983

Sea: :

FORM I.T.N.S.-

(1) Shri Tanau s/o Ballu, R/o Telibandha, Raipur.

(Transferor)

(2) Kavita Sahkari Grih Nirman Samiti, Raipur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 5th September 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3837.—Whereas, I, D. P. PANT'A, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land Khasra Number 322 situated at Telibandha, Raipur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 6-1-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—43—286GI/83

may be made in writing to the undersigned—

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XX/4 of the said Act, shall have the same meaning a siven in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Khasra number 322 situated at Telibandha, Raipur, M.P.

Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Dato: 5-9-1983

 Mu. Kacharabhai and Keja D/o Adhar, R/o Telibandha, Raipur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Kavita Sahkari Grih Nirman Samiti, Raipur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 5th September 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3838.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land Khasra Number 454 situated at Telibndha, Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Raipur on 10-1-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land Khasra number 454 situated at Telibandha, Raipur.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Date: 5-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Mu. Kachara and Keja D/o Adhar, R/o Telibandha, Raipur.

(Transferor)

(2) Kavita Sahkari Grih Nirman Samiti, Raipur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 5th September 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3839.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and Land Khasra Number 454 situated at Telibandha, Raipur

Land Khasra Number 454 situated at Telibandha, Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 10-1-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the some meaning as given up that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Khasra number 454 situated at Telibandha, Raipur.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 5-9-1983

(1) Mu. Kachara and Keja D/o Adhar. R/o Telibandha, Raipur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(2) Kavita Sahkari Grih Nirman Samiti, Raipur.

(Transferces)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 5th September 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3840.-Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing a

Land Khasra No. 332 sunated at Telibandha, Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Raipur on 10-1-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen, per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official the Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herem as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land Khasra Number 332 situated at Telibandha, Raipur, M.P.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 5-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 5th September 1983

Ref. No.IAC/Acqn/Bpl 3841.—Whereas, I, D. P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land situated at Telibandha, Raipur

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act ,1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Raipur on 10-1-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mu Kachra and Keja D/o Adhar, R/o Telibandha, Raipur.

(Transferor)

(2) Kavita Sahkari Grih Nirman Samiti, Raipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at Telibandha, Raipur.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 5-9-1983

FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 9th September 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3842.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House Mun. No 47 situated at Pandrinath Nath (Ada-Bazar), Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 3-1-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Shri Daulatsingh s/o Bherusingh

2. Smt. Gitabai w/o Baburaoji 3. Madansingh s/o Saudansingh

 Ashok Kumar s/o Ganpatraoji Holkar R/o 47, Pandrinath Path Ada, Bazar, Indore. (Transferor)

(2) Sau. Smt. Radhabai w/o Sunderlal, R/o 129, Pandrinath Path, Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Mun. No. 47 situated at Pandrinath Path (Ada-Bazar), Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 9-9-1983

(1) Shri Vijaikumar so Shri Nandlalji, 145, Jirampur Colony, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 9th September 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3843.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing

Flat Number 4 situated at Javeri Colony, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 28-1-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Firm Climax Chemicals,
 Javeri Colony, Indore, through partner Parkash Navlani s/o Gajumal and Shamuhan Dawani s/o Happomalji.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4 constructed on plot No. 1 Block No. A situated at Javeri Colony, Indore, M.P.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 9-9-1983

(1) Shri Ramprasad s/o Jairam Kulmi, R/o village Khajrana, Indore.

(Transferor)

(2) Shushilabai w/o Manoharlalji Badjatya, R/o 666, Mahatma Gandhi, Marg, Indore.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 9th September 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3844.—Whereas I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land Khasra No. 207 situated at village Kanadiya Tehsil

and Disti. Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Ac (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Act, 1908

findore on 18-1-1983
for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesord exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Land Khasra number 207 situated at village Kanadiya, Tehsil and Distt. Indore, M.P.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 9-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONFR OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 9th September 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3845.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House Municipal No. 29 situated at Rajwada Chowk, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Indore on 4-1-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely:—
44—296GI/83

(1) Shri Ganpatrao Puranik s/o Pamchandra Puranik R/o 53, Vyasfala, Indore.

(Transferor)

1. Indrakumar
 2. Ashok Kumar
 3. Mukeshkumar
 4. Shekhar s/o Mansukhialji Sojatiya,
 R/o 29. Itajwada Chowk, Indore, M.P.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Municipal No. 29 situated at Rajwada Chowk, Indore, M.P.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Bui'ding,
T. T. Nagar Bhopal

Date: 9-9-1983

FORM ITNS----

 Shii Ganpatrao Puranik s/o Ramchandra Puranik R/o 53, Vyasfala, Indore.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 9th September 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3846.—Whereas, I, D. P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House Municipal No. 29 situated at Rajwada Chowk, Indore (and more fully described in the Scheduled annexed nereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Indore on 12-1-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(2) Smt. Kantabai w/o Om Prakash Sojatiya, R/o 29, Chowk Rajwada, Indore, M P.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Municipal No. 29 situated at Rajwada Chowk, Indore, M.P.

D P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 9-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGL, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 9th September 1983

Ref. No IAC/Acqn./Bpl/3847.—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Survey No. 391/1 situated at village Pitampui, Distt. Dhai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Dhar on 24-1-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have leason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Siyaram s/o Jaganathdas Bairagi, r/o Pitampur, Distt. Dhar, M.P.
 - (Transferor)
- M/s. Shakti I lectricals Industries, Pitampur through Partners 1 Ramchandra; 2. Shivnarayan;
 Amitkumar; 4. Manoharlaf; 5. Chandrashekhar;
 Smt Kamalabar; 7. Bhagvantibai, r/o Dewas, M.P.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Survey number 39/1, village Pithampur, Dhar.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 9-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 9th September 1983

Ref. No. IAC/Acqn. Bpl/3848.—Whereas I, D. P PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land survey No. 9/ situated at village Akolya, Tehsil and Distt. Dnar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

Dhar on 13-1-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Saudarabai w/o Sitaramji, r/o village Akolya, Distt. Dhar.
- (Transferor)
 (2) Malava Metals Private Limited through Pramod Kailashchandra Kulwal, r o 170, Ravindranath lagore Marg, Indore, M.P.

 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land survey No. 97 situated at village Akoya, Tehsil and Distt. Dhar, M.P.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date . 9-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 9th September 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3849.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land—new number 33/1 situated at village Mahmandpura, Fehsil Burhanpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhuranpur on January, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said, Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of 'his notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Sandu
 S/o Shri Chhipa Mahajan Kachhi Mali etc.
 R/o Bahadarpur Tehsil,
 Burhanpur, M.P.

(Transferor)

(2) Shri Chandrakant S/o Shri Sohanlal Gujarati R/o Shikarpura Ward, Burhanpur, M.P.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land new number 33/1 situated at village Mahmandpur. This is the property described in form No. 37 G verified by the transferec.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 9-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 16th September 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3850.—Whereas, I. D. P. PANTA,

D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Single storied house and land plot No. 170 situated at Sector E-1, Arera Colony, Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Bhopal on January, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more

said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

(1) Shri S. Sharma S/o Shri Charan Sharma R/o Sri Mushal Fabricators Shed No. 8, Govindpura Industrial Area, Bhopal. (Transferor)

(2) Smt. Snehalata Sarkar W/o Shri L. M. Sarkar R/o Civil Lines, Rewa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single storied house and land Plot No. 170, Sector E-1, Arera Colony, Bhopal.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following percent product. ing persons, namely:---

Date: 16-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 8th September 1983

Ref. No. 1AC/Acqn/Bpl/3852.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing

No. House situated at Laxmibai Colony, Gwalior, and more fully described in the Schedulc annexed herto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on 19-1-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any incume or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Babusingh S/o Ochhesingh, R/o Lohlya Bazar, Lashkar, Gwalior.

(Transferor)

(2) Smt. Phoolarani w/o Ram Murti Suri, R/o Patankar Bazar, Lashkar, Gwalior.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House situated at Laxmibai Colony, Gwalior, M.P.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
D. P. PANTA
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhonal

Date: 8-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOMF FAX ACT 1961 (43 OF1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

BHOPAL, MP.

Bhopal, the 8th September 1983

Ref. No IAC Acqn/Bpl/3853 —Whereas I, D. P PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have resign to believe that the improved the proposity begins a fair market value expending.

movable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No House Mun No 14 72 squated at Freeganj Road,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ratlam on 28-1-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belie e that the for market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) ficilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the nuiposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afo and process, by his server the notice under subsection 1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

(1) Smt Lalabai S/o Mulchandji Jeswani Sindhi, R/o Ratlam Mukh, Aam Nandlal S/o Hernandas Tindwani R/o Ratlam Hall mukam Ahmedabad No. Bara Julcial Society Jawahar Chauk, Sawarmati, Ahmedabad (Gujarat)

(Transferor

(2) Shii Fida Hussain S/o Rajabali Behaia. R/o Bombay 79, Pakmodia Street Saraalamji Peer Bhai-Ke Chall, Bombay (MS)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Mun No 14/72, situated at Freeganj Road Ratlam

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor Gangotri Building
T Nagar, Bh _ 1

Date · 8-9-1983 Seal :

FORM I.T.N.S.---

- (1) 4. Shri Ramesh Nandwani S/o Jawaharlal Nandwani
 - R/o 19, Palsikar Colony.
 2. Shri M. K. Shirvekar S/o Ramana Shirvekar R/o 74/2 Manoramaganj.
 - 3. Dr. J. J. Nerurker S/o Jairam Nerurker, R/2 2, White Church Colony, Indore.
- (Transferor) (2) 1. Shri Shrikant S70 Mohanlalji Agrawal
 - R/o 25/4, Ushaganj, Indore.

 2. Amarnath S/o Mohanlalji Agarwal, R/o 25/4 Ushaganj, Indore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 8th September 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3854.--Whereas I, D. P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Land at Khasra No. 395/2 situated at Gram Iohar Pipliya Distt. Dewas.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dewas on 27-1-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiftuen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein 48 are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have 'not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land Kh. No. 395/2 Gram Johar Pipliya Distt., Dewas.

THF SCHEDULE

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---45--286GI/83

Date: 8-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSION OF INCOME-TAX · ACOUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 8th September 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3857.—Whereas I. D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 564 situated at Mahatma Gandhi Marg.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore in 13-1-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;-

(1) Smt. Kamalbal W/o Kailashchandra Sethi, R/o Hukumchand Marg, Indore.

(Transferor)

(2) 1. Shri Hukumchand S/o Phoolchand,

2. Shushilchand. 3. Sharadchand.

4. Santoshkumari S/o Sureshchand Patni. R/o 564, Mahatma Gandhi Marg, Indore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said kmmovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Number 564, Mahatma Gandhi Marg, Indore. (Land and building).

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 8-9-1983 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th September 1983

Ref. No. 1AC/Acq./BPL/3860.--Whereas 1, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Flat No. 6-C, Megh Building, Mahatma Gandhi Road, Indore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhopal in January 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Smt: Usha Sureka W/o Shri Nathamal Sureka, R/o B-92, Ishita Apartment, Behind Commerce College Hostel, Navarangapura, Ahmedabad.
- (2) Snit. Savitridevi W/o Shri Devendra Kumar, 22/2 Manoramagani, Indore.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6-C, Megh Building, Mahatma Gandhi Road (13/2), Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Rano
4th Floor, Gangoth Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 12-9-1983

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Ramdayal S/o Ramrakhamal, R/o Phalke ke Goth, Near Gwalior Talkies, Lashkar, Gwalior.

(Transferor) (2) Dr. Govind Prashad Gupta S/o Semaldas Gupta. R/o Govind Oil Mills, Shivpuri.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE

BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th September 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3861,-Whereas 1, D. P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. House No. 38/375 situated at Gwalior Talkies Ke-pass,

Lashkar. Gwalior, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (15 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Gwalior in January 1983, for an apparent consideration which is less than the fair, market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- 4b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

THE SCHEDULE

House No. 38/375 (only Ground Floor) Situated near Gwalior Talkies, Lashkar, Gwalior.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 12-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Shri Ramdayal S/o Shu Ramtakhamal, R/o Phalke-de-Goth, Near Gwalior Talkics, Gwalior.

(2) Smt. Suman Gupta W/o Dr. Govind Prasad Gupta, R/o Govind Oil Mill, Shivpuri.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th September 1983

Ref. No. IAC/Acan 'Bp!/3862.—Whereas I, D. P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 18/375 situated at Lashkar, Gwalior, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior in January 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the gaid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely:——

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of House Mun. No. 38/375 situated at Lashkar, Gwalior.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Hoor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 12-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE NICOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Babulal S/o Chhadamilal Kaurav, R/o Khamariya Tehsil Gadarwara, Distt. Narsinghpur, M.P.

(Transferor)

(2) Kapil Viniyog Private Limited, Calcutta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 15th Soptember 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3863.--Whereas I,

D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land Khasra Number 145 situated at Mauja Kheri

Tehsil Kareli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Narsinghpur on 21-1-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitee in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Khasra Number 145, situated at Mauja Kheri Tehsil Karcli.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Now, increfore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 15-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 15th September 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3864.—Whereas I,

D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Land Khasra Number 145 situated at Mauja Kheri

Tehsil Kareli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Narsinghpur on 21-1-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the asquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Manoharsingh S/o Chhidamilal Kaurav, R/o Khamariya Tehsil Gadarwara, Distt. Narsinghpur, M.P.

(Transferor)

(2) Kapil Viniyog Private Limited, Calcutta, M.P.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Khasra Number 145 situated at Mauja Kheri Tehail Kareli, Distt. Narsinghpur.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Rhopal

Date: 15-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th September 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3865.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. House No. 619/1 situated at Baldeo Bagh Niwadgang.

Ward, Jabalpur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 25-1-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Agt, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Shri Yogendra Kumar Pande.

- Mahendra Kumar Pande.
 Satyendra Kumar Pande Ss/o Puranlal Pande. 428, Niwadgani, Jabalpur.
- (Transferor) Shri Sardar Dharamsing S/o Shri Manshasingh,
 S. Gyansingh S/o S. Sardar Singh, R/o 750, Sarafa, Jabalpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used hereig as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 619/1, Kh. No. 267 At Baldeo Bagh Niwadgani, Ward, Jabalpur and land,

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 12-9-1983

Seal ;

- (1) Shri Akhtar Hussain S/o Sheikh Yusufali. Calcuttawala, R/o Daudpura, Burhanpur.
 - (Transferor)
- (2) Smt. Kamalabai W/o Asharam More. R/o Alamgani, Burhanpur, M.P.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 15th September 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3866.--Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

and bearing
No. House No. 264 Block No. 1 Ward No. 16 situated at
Daudpura, Burhanpur,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been registered under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Burhanpur on January 1983,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the excess the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective per-sons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 264, Block No. 14 Ward No. 16 situated at Daudpura, Burhanpur M.P.

> D. P. PANTA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---46-296GI/83

Date: 15-9-1983

Scal:

 Smt. Gansa Bai, W/o Jagannathpiasad, R/o Main Road, Katni, M.P.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Rameshkumar S/o Ramdulare Soni, R/o 675, Sarafa Bazar, Jabalpur, M.P.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 15th September 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3867.—Whereas J,

D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 753/3, 752/1A situated at Sarafa Bazar,

Jabalpur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jabalpur on 5-1-1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 753/3, 752/1A Block No. 48, Main Road, Sarafa Bazaar, Jabalpur, M.P.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 15-9-1983

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 15th September 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3868.--Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 753/3, 752/1A situated at Sarafa Bazar, Jabalpur,

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 6-1-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—
48—276GI/83

 Smt. Gansa Bai Wd/o Late Shri Jagannath Prashad Kankane R/o Katni Main Road, Teh. Katni, Distt. Jabalpur.

(2) Shri Rajendra Prashad S/o Gulzarilal Soni, Lordganj, Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 753/3, 752/1A Block No. 48, Plot No. 173 situated at Sarafa Bazar, Jabalpur.

D. P. PANIA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 15-9-1983

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Smt. Gansa Bai Wd/o Late Shri Jagannath Prashad Kankane R/o Katni Main Road, Teh. Katni, Distt. Jabalpur.

(2) Smt. Lata Bai Jaule Maheshkumar Soni, Dixitpura, Jabalpur.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 15th September 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3869.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Ast, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 753/3, 752/1A situated at Sarafa Bazar, Jabalpur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 6-1-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 753/3, 752/1A, situated at Block No. 48 Sarafa-Bazar, Jabalpur,

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 15-9-1983

(1) Shri Hariprasad Jaiswal S/o Late Bindraprasad Jaiswal, R/o 766, Madhatal Ward, Jabalpur, M.P. (Transferor)

(2) Shri Ramdas Jaiswal, S/o Late Dhanlram, R/o House No. 29 Mukadamganj, Jabalpur.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 15th September 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3870.--Whereas I,

Jabalpur on 24-1-1983,

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3870.—Whereas I.
D. P. PANTA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. House No. 766 situated at Madhatal Ward, Jabalpur,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registering Officer at

1908) in the office of the Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as sideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the trensferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Single storeys house No. 766, situated at Madhatal Ward, Jabalpur.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 15-9-1983

Y JRM TINS----

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) M/s. Mutha Apartments, 322/11 Shankar shet Rd., Pune-2.

(Transferor)

(2) Shri Arun Omprakash Bajaj, 1213, Cycle Co-op. Housing Society, Pune-11.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN, 60/6, ERANDAVANE, POONA-4

Poona-4, the 13th September 1983

Ref. No. CA-5/37EE/83-84/231.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. F.P. 469/A, Gultekadi, Pune-37 situataed at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at I.A.C. Acqn. Range, Pune on Jan., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from t_k > date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shal be the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Final plot No. 469/A, Gultekadi, Pune-37. (Area—682 sq. ft.)

(Property as described in the sale of agreement which is registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 2844 in the month of January, 1983.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date: 13-9-1983.

FORM ITNS----

(1) M/s. Shri Sai Builders, 'Amogh' 48, Mukundnagar, Pune-37.

('Transferor)

(2) M/s. Pandit Joshi and Associates, 216 Narayan Peth, Pune-411 030.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN, 60/6, ERANDAVANE, POONA-4

Poona-4, the 13th September 1983

Ref. No. CA-5/37EE/83-84/232.--Whereas, I.

SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

Rs. 25,000/- and bearing
C.T.S. No. 216, Narayan Peth, situated at Pune-30
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

has been transfered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at I.A.C. Acqn. Range, Pune on Jan., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any which ought to be disclosed by the transferee for moneys or other acsets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tav Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

C.T.S. No. 216, Narayan Peth, Pune-411 030. (Area-385 sq. ft.)

(Property as described in the sale of agreement which is registered with the I.A.C. Acquisition Range, Pune under No. 279 in the month of January, 1983.)

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Poona

Date: 13-9-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- M/s. Makawana Construction Co., Divine Terrace, 913-914 Synagogue St., Pune-1.
- (2) Smt. Shakuntala S. Rao and Shri Gopal Swaminathan Rao, 247/1, Rasta Peth, Pune-11.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN, 60/6, ERANDAVANE, POONA-4

Poona-4, the 13th September 1983

Rof. No. CA-5/37EE/83-84/233.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 15, Trupti Apt. 4th floor, 147/1 Rasta Peth, situated at Pune-11

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acqn. Range, Pune on Jan., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are Defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 15, in Trupti Apartment, on 4th floor, at 247/1, Rasta Peth, Pune-11.

(Area-500 sq. ft.)

(Property as described in the sale of agreement which is registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 366 in the month of Jan., 1983.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 13-9-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN, 60/6, ERANDAVANE, POONA-4

Poons-4, the 13th September 1983

Ref. No. CA-5/37EE/83-84/234.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 8, Plot No. 41, Ideal Colony situated at Pune-29 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acqn. Range, Pune on Jan 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, threfore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—
47—286 GI/83

- (1) M/s Kataria Associates, 1365, Sadashiv Peth, Pune-30.
- (2) Mr. Dhanenjaya Shripad Gandhe, 46/2, Shivaji Nagar, N. Tanajiwadi, Pune-5.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 8 situated at Plot No. 41, Ideal Colony Pune-29. (Area—682 sq. ft.)
(Property as described in the sale of agreement which is

(Property as described in the sale of agreement which is registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 523 in the month of January, 1983.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 13-9-1983.

Scal:

M/s. Swananda Concern, 33/6, Erandawana, Punc-4.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mr. K. R. Joshi, Mr. S. K. Joshi, C/o V. N. Natu, 1391, Sadashiv Peth, Punc-30.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN, 60/6, ERANDAVANE, POONA-4

Poona-4, the 13th September 1983

Ref. No. CA-5/37EE/83-84/235.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKÁRNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Flat at 44/2 Rambag Colony, S. No. 121/122 Kothrud

situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at I.A.C. Acqn. Range, Pune on Jan., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sad instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCEDULE

Flat at 44/2, Rambag Colony, S. No. 121/122 Kothrud, Pune.

Area—74 sq. meters)

(Property as described in the sale of agreement which is registered in the office of the I.A.C. Acqn. Range Pune under document No. 432 in the month of Jan., 1983.)

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incomt-tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the accquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 13-9-1983,

Scal:

 M/s Ankoor Promoters and Builders, 37/2, Avishankar Aprts, Erandawana, Pune-411 004.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Shriram Vishnu Sohoni and Mr. Vishnu Narhar Sohoni, Both residing at 1118/A/7, Ewanand Lakaki Road, Shivajinagar, Pune-5

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN,
60/6, ERANDAVANE, POONA-4

Poona-4, the 13th September 1983

Ref. No. CA-5/37EE/83-84/236.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat at Plot No. 45, 1st floor, Happy Colony, Kothrud situated

at Pune 29

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acqn. Range Pune on Jan., 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A flat at Plot No. 45, at Happy Colony, Kothrud, Pune-29. (Area—690 sq. ft.)
(Property as described in the sale of agreement which is registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 276 in the month of Jan., 1983.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269°D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 13-9-83

(1) M/s. Padmavati Enterprises, 619, Sadashiv Peth, Pune-30.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Vilas Murlidhar Purandare, Mrs. Madhuri Vilas Purandare, 36, Budhawar Peth, Punc-2.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN, 60/6, ERANDAVANE, POONA-4

Poona-4, the 13th September 1983

Ref. No. CA-5/37EE/83-84/237.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 29, Dahanukar Colony Kothrud Flat No. 2, ground floor, Padmavati Apt., situated at Pune-29.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in office of the Registring Officer at

I.A.C. Acqn. Range, Pune on Jan., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 29, Flat No. 2, Dahanukar Colony, Kothrud, Pune-29.

(Arca-608 sq.ft.)

(Property as described in the sale of agreement which is registered in the office of the I.A.C. Acqn. Range, Pune under document No. 462 in the month of Jan., 1983).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 13-9-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN, 60/6, ERANDAVANE, POONA-4

Poona-4, the 13th September 1983

Ref. No. CA-5/37EE/83-84/238.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI being the Competent Authority under Section 269B of the being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 8, 'Neelkanth' Apt., 2nd floor, 60 Rasta Peth, situated at Pune 11

at Punc-11

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acqn. Range, Pune on Jan., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s. Mokwana Construction Co., (S.S.W.), 'Divine Terrace' 913-914, Synagogue Street, Pune-1.

(Transferor)

(2) Shri Pralhad Shankar Gaikwad and Shankar Pralhad Gaikwad, 255, Nana Peth, Pune-2. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 8, in 'Neelkanth' Apartment on 2nd floor at 60 Rasta Peth, Pune-411 011. (Area—410 sq. ft.)

(Property as described in the sale deed which is registered in the office of the I.A.C. Acqn. Range, Pune under document No. 364 in the month of January, 1983.)

SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 13-9-1983-

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN, 60/6, ERANDAVANE, POONA-4

Poona-4, the 13th September 1983

Ref. No. CA-5/37EE/83-84/239.--Whereas, I, SHASHIKANT KÚLKARNI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 17, Trupti Apt, 5th floor, 247/1 Rasta Peth, Pune-11

situated at Punc-11

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

1.A.C. Acqn. Range, Pune on Jan., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) M/s 'Makawana Construction Co., (S.S.W.), 'Divine Terrace' 913-914 Synagogue St., Pune-1, (Transferor)
- (2) Smt. Jamuna S. Moharkar, 247/1, Rasta Peth, Punc-11.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 17, in 'Trupti' Apartments, on 5th floor, at 247/1, Rasta Peth, Pune-11.

(Area - 641 sq ft.)

(Property as described in the sale of agreement which is registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under No.3 67 in the month of January, 1983.

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 13-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN, 60/6, ERANDAVANE, POONA-4

Poona-4, the 13th September 1983

Ref No. CA-5/37EE/83-84/240.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Flat No. 13, in 'Trupti' Apt., 3rd floor, 247/I Rasta Peth, Pune-11 situated at Pune-11. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at I.A.C. Acq. Range, Pune on Jan., 1983. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s Makawana Construction Co., (S.S.W.),
 'Divine Terrece '913-914 Synagogue St., Pune-1.
 (Transferor)
- (2) Smt. Rakumabai V. Rao, 247/1, Rasta Peth, Pune-11.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 13, in 'Trupti' Apartment, on 3rd floor, at 247/1, Rasta Peth, Pune-411011.

(Area-641 sq ft.)

(Property as described in the sale of agreement which is registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 365 in the month of January, 1983.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Poona

Date: 13-9-1983,

Şeal ;

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 14th September 1983

Ref. No. AR-I/4842/83-84.—Whereas, I, R. K. BAQAYA,

being the Competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

C.S. No. 2/1080 of Fort Division situated at Mint Road, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering at

Bombay on 27-1-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Amtuzarabai alias Amtuzehrabai Hassanalli (Transferor)
- (2) Smt. Meena Himat Mehta & Himat Hargovind Mehta.

(Transferec)

(3) White & Co., Prabhudas Khushal 3.Eastern Trading & Engg. Co.4. Praser & Co.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Regd. Deed No. BOM.2304/82 and registered with the Sub-Registrar, Bombay, on 27-1-1983.

R. K. BAQAYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 14-9-1983

Scal:

(1) Shri B G Dheerendra

(Transferor)

(2) Shri R P. D'Silva

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOMF-TAX ACT 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 14th September 1983

Ref. No ACQN.RANGE-I/37EE /113/83-84.--Whereas, I, R. K. BAQAYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Block No. D-8, Adinath CHS situated at Wadala (E) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bombay on 27-1-1983 and the Agreement is registered under section 269AB of the I.T. Act, 1961, in the Office of the Competent Authority for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facultating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in putsuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
48—286 GI 83

Objections, if any, to the acquisition of the said propert may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block D-8, 4th floor, Adinath Co-op. Housing Society. Sheikh Misri Road, Antop Hill, Wadala (East) Bombay-400 037. The Agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay, under Serial No. ACQN,RANGF-1/103 /82-83 dated 27-1-1983.

R. K. BAQAYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 14-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 13th September 1983

Ref. No. Acqn.Range-1/37EE/49/83-84.—Whereas, I. R. K. BAQAYA,

R. K. BAQAYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 2, Sca-Lord 'A' and the Agreement is registered under section 269AB of the I.T. Act, 1961, in the Office of the Competent Authority s'tuated at Custe Parade Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 23-1-1983

Bombay on 23-1-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the connideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfer re for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Someshchandra Bose, Arup Krishna Sarabdhlkary (Partners of M/s Bose Engineering & Construction Co.

(Transferor)

(2) Essar Construction Limited.

(Transferee)

(3) Transferee

(Persons in occupation of the property)

(4) Transferee.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, 2nd floor, Sea-Lord 'A' 117, Cuffe Parade, Bombay-400 005. The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay, under Serial No. Acqn. Range-I/100/82-83 dated 23-1-1983.

R. K. BAQAYA Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 13-9-1983

(1) M/s. Shital Construction Co.

(Transferor)

(2) Shri Ramesh Namdeo Mane.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

(4) Transferor

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 15th September 1983

Ref. No. AR-III/37EE-248/82-83.—Whereas, 1, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat No. B-1, Shital Apartment, Mahatma Phule Road, Mulund (E), Bombay-81 situated at Muland and the agreement is registered under section 269AB. of the IT. Act, 1961 in the office of the Competent Authority (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 17-1-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to 'he following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-1 on Shital Apartment, Opp. Municipal Hospital, Mahatma Phul Road, Mulund, Bombay-400 081. The agreement has been registered by the Competent Authority under serial No. Ar-III/453/83-84 dated 17-1-1983.

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (AP)

Date : 15-9-1983

FORM I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGF-III, BOMBAY

Bombay, the 15th September 1983

Ref. No. AR-III/37-EE/203/82-83.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat No. A/5, Arihant, Gopal Krishan Gokhale Road, Muland (F), Bombay-81 situated at Muland and the agreement is registered under section 269AB. of the I.T. Act 1961 in the office of the Competent Authority (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 15-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay sax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-use Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ramji Bhanji Shah

(Transferor)

(2) Shri Uttam Ramjibhai Gala.

(Transferee)

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

(4) M/s. Goshal Builders3/83 Anubhav Park, Garodia Nagar,Ghatkopar (E), Bombay-77.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A/5. 2nd floor in the Building 'Arihant' Gopal Krishna Kokhale Road, Mulund (E), Bombay-81. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. ARII/210/82-83 dated 14-1-1983.

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 15-9-1983

FORM TINS-

(1) Shri R. N. Gupta

(Transferor)

(2) Smt. Sheeladevi Nansingh Thakur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th September 1983

Ref. No. AR-III/37EE/484/82-83.—Whereas, 1, S H. ABBAS ABIDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred

the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referre to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and beating Flat No. 20 in Malevika Co. operative Hsg. Society Ltd., Kanti Nagar, Bamanpuri Rd., Andheri (E) situated at Bombay

and the agreement is registered under section 269AB. of the I.T. Act, 1961 in the officer of the Competent Authority (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 17-1-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the afroesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 20 in Malavika Co. operative Housing Soc. Ltd., Andheii (East), Bombay-59. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. Acqn.Range-III/503/83-84, dated 17-1-1983.

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 14-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th September 1983

Ref. No. AR-II/37EE/439/82-83.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABJDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 3, Prakurti Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Pranjape Scheme Rd. No. 2 Vile Parle (F) Bombay situated at Vile Parle and the Agreement is registered under sec. 269AB of the I.T. Act 1961, in the Office of the Competent Authority (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 15-1-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent

consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereb yinitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Ushaben Indrakant Shah
- (2) Shri Shantilal Laherchand Shah

(Transferor)

(2) Shii Shahthai Laherchand

(Transferce)

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

(4)N.A.

(Person whom the undersigned known to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, Prakurti Co.op. Housing Soc. Ltd., Pranjepe Scheme Road No. 2 Vile Parle (E), Bombay-57. The agreement has been Registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. Acqn. Range-II/459 dated 15-1-1983,

S. H. ABBAS ABIDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 12-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th September 1983

Ref. No AR-II/37EE-454/82-83.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat No. A/4, 2nd floor, Shamas Palace Co. op. Hsg. Soc. Ltd., Hill Road, Bandra, situated at Bombay-400 050 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority.

at Bombay on 25-1-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the sa d Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Razia Mohamed Hanif Kazi

(Transferor)

(2) 1 Shri Shafaqquet Husein E. Lokhandwalla 2. Smt. Marlyam S. Lokhandwalla

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in thest Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A/4, 2nd floor, Shams Palace Co-op Hsg. Socy. Ltd., 98. Hill Road, Bandra, Bombay-50. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. Acqn.Range-II/396 dt. 25-1-1983.

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Date:13-9-1983

FORM ITNS----

(1) M/s. Pattathu Brothers.

(Transferor)

(2) Mr. Francies Xavier Chacko.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th September 1983

Ref. No. AR-II/37EE-424/82-83.---Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Green Park Co.op Hsg. Soc. Ltd., No. 27, 4th floor Linking Road, Extension, Mid Chowk, Orlem, Malad (W) Bombay-64 situated at Malad (E)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred at

Bombay on 25-1-1983

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the servcei of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Green Park Co.Operative Housing Society Ltd. No. 27. 4th floor, Linking Road Extension, Mid Chowk, Orlem. Malad (W), Bombay-64. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. Acqn. II /368 dt. 25-1-1983.

S. H. ABBAS ABIDE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-to-Acquisition Range-II, Bomba,

Date: 13-9-1983

(1) M/s. Jitendra Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. R. D. Parab

(Transferce)

(3) None.

(Person in occupation of the property)

(4) Trænsferee

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

GOVERNMENT OF INDIA

GFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th September 1983

Ref. No. AR-1I/37EE-1672(/82-83.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,0000/- and bearing No.

Flat No. 33 in Gaurev Bldg at Bhadranagar, Kandivli, Bombay-67, CST No. 414 to 416, 418 to 422 & 427. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the Office of the Registering Officer at and the agreement is registered under sec. 269B of the I.T. Act 1961, in the Office of the Competent Authority for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Flat No. 33 on ground floor, in Gaurev Bldg., at Bhadranagar, Kandivli, Bombay-67 constructed on CTS No. 414 to 416, 418 to 422 and 427. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. Acqn. I/649 dt. 14-1-1983.

> S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bomba

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

49-286 GI/83

Date:13-9-198"

(Person in occupation of the property)

FORM ITNS-

(1) Shri Satyanarayan Ramanlal Agarwal,

(2) Mrs. Mohini Shantilal Sharma

(Transferor)

(3) Transferce

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th September 1983

Ref. No. AR-II/37EE-397/82-83.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and hearing No.

25,000/- and bearing No. Flat No. 3 in Deepmala, Nasir Co-op. Hsg. Society Ltd., Khar Road, situated at Bombay-52

Bombay on 15-1-1983

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at

and the Agreement is registered under sec. 269AB of the I.T. Act 1961, in the Office of the Competent Authority for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (21 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other p erson interested in the s aid immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, 'Deepmala' Nasir Co-op. Tsg. Society Ltd., Khar, Bombay-52. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II/315 dt. 15-1-1983.

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bomba

Date: 14-9-1983

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 15th September 1983

Ref. No. AR-II/37EE-671/82-83.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter teferred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 1, Pandurang Wadi, Goregaon (E), situated at Bombay-63

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under sec. 269AB of the I.T. Act 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-1-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as inforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Ram & Associates.
- (Transferor)
- (2) Mrs. Vasundhara Pramod Deodhar, and Shri Achuyuta Hari Date.

(Transferee)

- (3) Transferee.
- (Person in occupation of the property)
- (4) No.
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

I:XPIANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, Pandurang Wadi, Goregaon (East), Bombay-63. The Agreement has been registered in the office of the Competent Authority under seral No. AR-II/648 dated 14-1-1983.

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bomb

Date: 15-9-1983

PORM ITNS

(1) M/s. Kamdhenu Enterprises

(Transferor)

(2) Mrs. Irene Mehta

(Transferce)

(3) Nil.

(Person in occupation of the property)

(4) Kamdhenu Enterprises Miss. Irene Mehta

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (45 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BOMBAY

Bombay, the 13th September 1983

Ref. No. AR-II/37EE-715/82-83.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and

A flat, bearings CTS No. 1120, 9th floor, Shorli Mala Road Bandra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under sec. 269AB. of the I.T. Act 1961, in the Office of the competent Authority situated at Bandra Bombay on 14-1-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the religible of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11-95, 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Aut, 1957- (27/ef) 1937-);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act; to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30, days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immirovable property within 45 days from the date of this publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 91 on 9th floor, of the Bldg. being constructed on land bearing CTS No. 1120 at Aherli Mala Rd., Bandra. The Agreement has been registered by the competent Authority, Bombay under serial No. ACQN-R-II/687 dt. 14-1-1983.

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 13-9-1983

- (1) Stat. Kumud Chandulal Pau
- (Transferor)
- (2) Mr. Surendra C. Butala

(Transferee)

(3) Transfered

(Person in occupation of the property)

(4) N.A.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BOMBAY

Bombay, the 14th September 1983

Ref. No. AR-II/37EE-350/82-83.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section, 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. G-5, Kalpana Co-operative Hsg. Society Ltd., Besant St., Santacruz (West), Bombay-54 situated at Santacruz (W) Bombay-54

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under sec. 269AB. of the I.T. Act 1961 in the Office of the competent Authority Bombay on 15-1-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issued of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

mg persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kalpana Co.op. Housing Society Ltd., Flat No. G-5, Besant Street, Santacruz (West), Bombay-54. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. Acqn.Range-II/291 dated 15-1-1983.

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Rangs-II, Bombay

Date: 14-9-1983

 Shri Jayantilal Madhavji Purohit and Smt. Dhanlaxmi Jayantilal Purohit

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BOMBAY

Bombay, the 14th September 1983

Ref. No. AR-II/37EE-425/82-83.—Whereas, I. S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. B/9, 2nd floor, Nirmala Niketan, Plot No. 21D, TPS 17/A, SV. Road, Santacruz(W), Bombay-54 situated at Santacruz (W), Bombay-54

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under sec. 269AB. of the I.T. Act 1961, in the Office of the competent Authority Bombay on 25-1-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (2) Shri Gautam Ishwarlal Shah

(Transferee)

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

(4) Nil.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B/9, 2nd floor, Nirmal Niketan, Plot No. 21-B, TPS. 17/A, S. V. Road, Santacruz (West), Bombay-54. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. Acqn.Range-II/369 dt. 25-1-1983.

S. H. ABBAS ABIDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (2) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-1-1983

(1) Shri Rai & Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri C. M. Laxmanarao (2) Shri Jasvantlal Jalkishandas Shah.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE II BOMBAY

Bombay, the 14th September 1983

No. AR-II/37EE-33/82-83.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI

being the competent authority under Section 269D of the Incompetent Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Introvable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 1057, Rajdcep, 319 Teak Road, Santacruz (W),

Bombay-54

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under sec. 269AB, of the I.T. Act 1961, in the office of the Competent Authority

Bombay on 15-1-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act ir respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1057, Rajdeep, 319 Tank Road, Santacruz (West), Bombay-54. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II/343 dt. 15-1 1983.

> S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 14-9-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE II

Bombay, the 14th September 1983

No. AR-II/37EE-670/82-83.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Hsg. Soc. Ltd., CS. No. 325 (Part) S. No. 28, Hissa No. 4 (Part) Linking Road, Orlen, Malad (West), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under sec. 269AB, of the I.T. Act 1961, in the office of the Competent Authority Bombay on 14-1-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the ransferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Mr. Antony Joseph Pattathu.

(Transferor)

(2) Mr. William Dantes.

(Transferee)

(3) Transferor

(Person in occupation of the property)

(4) Transferor

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the agryice of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Green Park Co-op. Hsg. Society Ltd., C.S. No. 325 (Part) S. No. 28 Hissa No. 4 (Part) Linking Road, Orlem, Malad (W), Bombay. The Agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under serial No. Acqn. Range-II/647, dt. 14-1-1983.

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 13-9-1983

Scal :

FORM ITNS----

(1) Mrs. Geraldine Hazel Brodie.

(Transferor)

(2)1. M₁₅. Theresa L. M. Pereira. 2. Mr. Joseph 1.. M. Pereira.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

(4) Nil.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE II BOMBAY

Bombay, the 13th September 1983

No. AR-II/37-EE/696/82-83.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Flat No. 25, Bldg. 'E' Nirmala Colony, St. John Baptist Road, Bandra, Bombay-50,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the Agreement is registered under sec. 269AB, of the I.T. Act 1961, in the office of the Competent Authority

Bombay on 15-1-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 25, Bldg. 'E' Nirmala Colony, St. John Baptist Road, Bandra, Bombay-400 050. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. Acqn.11/670, dated 15-1-1983.

THE SCHEDULE

S. H. ABBAS ABIDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
50—286 GI/83

Date: 13-9-1983

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BOMBAY

Bombay, the 13th September 1983

Ref. No. AR-II/37EE-367/82-83.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

B-108, Vindhiyachal at Mount Mary Road, Bandra, Bombay-50

and the agreement is registered under section 269 AB of the I.T. Act 1961, in the Office of the Competent Authority Bandra

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred

Bombay on 15-1-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in reepect of any income arising from the transfer; and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:———

(1) Shri A. Kakkar.

(2) Smt. Zaibunnisa Anwar Kazi.

(2) Shit. Zalouminsa Aliwai Kazi.

(Transferce)

(3) Transferee. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 108, Vrindhiachal Building, Mount Mary Road, Bundra (West), Bombay-50. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. Acqn.11/307 dated 15-1-1983.

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 13-9-1983

(1) M/s. Amber Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Lakhmichand Notiram Kartari.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BOMBAY

Bombay, the 13th September 1983

Ref. No. AR-II/37EE-367/82-83.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 1 in '(Sea Side" Building Chinbar Road, Bandra, Bombay-50

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), and the agreement is registered under section 269AB of the I.T. Act 1961, in the office of the Competent Authority Bandra

has been transferred Bombay on 15-1-1983

for an apparent consideration which is less than the fair marker value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning of given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, Ground Floos in 'Sca Side Building, Chinbai Road, Bandra, Bombay-50. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. Acqn.II/658 dated 15-1-1983.

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 13-9-1983.

Scal:

FORM I.T N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME (AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE KALATHIPARAMBIL ROAD, COCHIN-662 016

Cochin-662016, the 6th September 1983

Ref L C 655/83-84 —Whereas, I, P J THOMAS-KUTTY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/ and bearing
Sy No as per schedule situated at Palghat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

1908) in the Officer of the registering Officer at Palghat on January, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair marke value of the aforesaid proprty and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been tally stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the pulposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

(1) Shri Mohamad Haneefa and 4 others 5/o Muthu alias Mohamed Ismail Rawther, Pazhayakottar, Palghat

(Transferor)

(2) Shii Saidali and his wife Pathumabi, S/o Veeran Sahib, Prop Fazal Medicals, Market Road, Palghat

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation —Inc terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

0 008 Hectic in Sy No 819/1, 0 008 Hectic in Sy No 820/1 and 0 0026 Hectre in Sy No 822/1 and a shop room extending 1200 sq ft in area therein the Koppam Amsom and Kizhmuri Desom in Palghat Town Village No. 1 as per capability attracted to Posturat New 168 schedule attached to Document Nos 168 and 169/83 of SRO, Palghat

> P. J. THOMASKUTTY Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ernakulam

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely -

6-9-1983 Date Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Shri K. P. Kunhalavi, Koppathparambil House, Main Road, Pattambi.

(Transferor)

(2) Shri Kunhi Bava, S/o Moideen, Menoth Valappil, Pattambi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE KALATHIPARAMBIL ROAD, COCHIN-662 016

Cochin-662 016, the 6th September 1983

Ref. L. C. No. 656/83-84.—Whereas, I, P. J. THOMASKUTTY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
Sy. No. as per schedule situated at Pattambi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Pattambi on January 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid proprety and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

3/4th Cent in Sy. No. 35/4 and 1/4 Cent in Sy No. 35/5 and two shoprooms therein situated in Neythiri Mangalam Amsom and Desom in Pattambi Village as per schedule attached to Doc. No. 47/83 of S.R.O., Pattambi.

P. J. THOMASKUTTY
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Date: 6-9-1983

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt Saraswathy amma, W/o Shir Ravunnykutty Menon, Mattathody House, Perumudiyooi, Pattambi

(Transferor)

(2) Shii Praveenkumar, By Guardian and father Shri A Sivaraman, HSA, Nooini High School, Palghat

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE KALATHIPARAMBII ROAD COCHIN-662 016

Cochin 662 016 the 6th September 1983

Ret I C No 654/83-84 -- Whereas, I, P J THOMASKUTTY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

Sy No as per schedule situated at Palghat (and morefully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officer

at Palghat on January 1983 for an apparent consideration which is less than the faur market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

14 Cents of land with a building in Sy No 2523 in Koppum Amsom and Desom in Palghat Village No 2 as per Schedule attached to Doc No 297/83 of SRO, Pal ghat

> P J THOMASKUTTY Competent Authority Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax Acquisition Range Ernakula:

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said section (1) of Section 269D of the said Act, to the following Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subpersons, namely -

6 9-1983 Date Seal

(1) Sh. Dalut Singh S/o Shri Sewa Singh, R/o Bazai Bagh Jhanda Singh, Amritsar

(Transferor) (2) Shri Kamal Kishote S/o Shri Kushan kumar, R/o Bazai Kaserian, Amiitsai.

(Transferees)

(3) As at S. No. 2 overleaf and tenants if any (Person in occupation of the property)

(4) Δnv other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 12th September 1983

Ref. No. ASR/83-84/181.—Whereas, I, C. S. KAHLON, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

A plot of land situated at Tung Bala, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registeration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at S. R. Amritsar on January 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be desclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land situated at Tung Bala Circular Road, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 14777 dated 4th January 1983 of Registering Authority, at Amritsar.

C. S KAHLON, IRS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amutsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-34-276GI/83

Date: 12-9-1983, Seal:

FORM NO. I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 12th September 1983

Ref. No. ASR/83-84/182.—Whereas, I, C. S. KAHLON, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 846,

No. A plot of land situated at Tung Bala, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S. R. A mritsar on January 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Daljit Singh S/o Sh. Sewa Singh, R/o Bazar Bagh Jhanda Singh, Amritsar.

(2) Sh. Surinder Kumar Rana 5/o Sh. Gian Chand Rana, R/o Dhab Khatikan, Amritsar.
(3) As at S. No. 2 overleaf and tenants if any .

(3) As at S. No. 2 overleaf and tenants if any .

(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersign

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land situated at Tung Bala Circular Road, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 14778 dated 4th January 1983 of Registering Authority, Amritsar.

C. S. KAHLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

Date: 12-9-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 12th September 1983

Ref. No. ASR/83-84/183.—Whereas I, C. S. KAHLON, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. One plot of land situated at Kashmir Avenue, Amiitsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S. R. Amritsar on January 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the garfier has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the folling persons, namely—

(1) Sh. Haswant Shigh S/o Shri Nand Singh, House No. 2399, Gali No. 2, Bagh Rama Nand, Amritsar.
(Transferor)

(2) Sh. Raghbir Singh Bhullar S/o Sh. Kesar Singh R/o 295, K. G. R. Opp. Mall Mandi, Amritsar. (Transferee)

(3) As at S. No. 2 overleaf and tenants if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned ki

(Person whom the undersigned knows to be interested in the proper y)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land situated at Kashmir Avenue, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 15092 dated 10-1-1983 of Registering Authority, Amritsar.

C. S. KAHLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsa1.

Date; 12-9-1983.

Scal:

51-286 GI/83

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 12th September 1983

Ref. No. ASR/83-84/184.—Whereas, I, C. S. KAHLON, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. One plot of land situated at Nirankari Colony, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)) in the office of the Registering Officer at S. R. Amritsar on January 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 169D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Sh. Anil Kumar S/o Shri Tilak Raj, Shri Harish Chander Beebra S/o Shri Beant Lal, R/o Fatchgarh Churian, Amritsar,
- (2) Dr. Darshan Singh S/o Shri Bhagwan Singh Bagga, 350/9 Gali Calcatian, Katra Sufaid, Amritsar.
- (3) As at S. No. 2 overleaf and tenants if any .

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land situated at Nirankari Colony, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 15564 dated 19-1-1983 of Registering Authority, Amritsar.

C. S. KAHLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 12-9-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 12th September 1983

Ref. No. ASR/83-84/185.—Whereas, I, C. S. KAHLON, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. A plot of land situated at Tung Bala, Amsitsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Amritsar on January 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— (1) Sh. Rakesh Kumar S/o Shri Darshan Kumar, R/o Lohgarh, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Bau Ram Sharma, S/o Sh. Lal Chand, R/o Tandon Nagar, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 overleaf and tenants if any,
- (Person in occupation of the property) (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid prsons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One plot of land situated at Tung Bala, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 15521 dated 19-1-1983 of Registering Authority, at Amritsar.

> C. S. KAHLON, IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 12-9-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD AMRITSAR

Amritsar, the 12th September 1983

Ref. No. ASR/83-84/186.—Whereas I, C. S. KAHLON, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. One plot of land situated at Model Town, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R. Amritsar in January 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Devinder Kaur W/o Shri Mohinder Singh, r \(\rho \) 16/12 Gagar Mal Road, Katra Sher Singh, Amritsar.

 (Transferor)
- (2) Smt. Raj Karni W/o Shri Piara Lal r/o Vill. Kasel, Teh. Tarn Taran, Distt. Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 overleaf and tenants if any, (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land situated at Model Town, G.T. Road, Near Mayur Hotel, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 15928 dated 25-1-1983 of registering authority at Amritsar. Date: 12-9-1983

C. S. KAHLON, 1RS
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 12-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD
AMRITSAR

Amritsar, the 12th September 1983

Ref. No. ASR/83-84/187.—Whereas I, C. S. KAHLON, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. A plot of land situated at Tilak Nagar, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of Registering Officer at S.R. Amritsar in January 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ram Lubhaya S/o Shri Mohan Lal r/o Lohgarh, Amritsar.

(Transferor)

- (2) Smt. Dev Kumarni Sharma W/o Shri Dharam Chand Sharma, r/o 278 Basant Avenue, Amritsar.
- (3) As at S. No. 2 overleaf and tenants if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said incomovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot of land situated at Tilak Nagar, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 15091 dated 10-1-1983 of registering authority, Amritsar.

C. S. KAHLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 12-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, 'TAYLOR ROAD AMRITSAR

Amritsar, the 12th September 1983

Ref. No. ASR/83-84/188.—Whereas I, C. S. KAHLON, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. A plot of land situated at Basant Avenue, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar in January 1983

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Amritsar Improvement Trust, Amritsar, (Transferor)

(2) S/Shri Arun Khanna and Sunil Khanna ss/o Sh. Brij Mohan Khanna, r/o 569 Basant Avenue, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 overleaf and tenants if any.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land situated at Basant Avenue, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 15149 dated 11-1-1983 of registering authority, at Amritsar.

C. S. KAHLON, 1RS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 12-9-1983

(1) Shri Vinod Kumar s/o Sh. Om Parkash C/o Lahore Book Depot, Kairon Market, Amritsar. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kundan Singh S/o Shri Arjan Singh, r/o Basti Nizammudin, Ferozepur, (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) As at S. No. 2 overleaf and tenants if any, (Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD AMRITSAR

(4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property

Amritsas, the 12th September 1983

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- Ref. No. ASR3-84/189.—Whereas I, C. S. KAHLON, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One property situated at Rayya Teh. Baba Bakala, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Authority, S.R. Baba Bakala in January 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

One property situated at Rayya, Teh. Baba Bakala, as mentioned in sale deed No. 2838 dated 4-1-1983 of registering authoriy, Baba Bakala, Distt. Amritsar.

C. S. KAHLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-9-1983

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD AMRITSAR

Amritsar, the 12th September 1983

Ref. No. ASR/83-84/190.—Whereas I, C. S. KAHLON, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. One property situated at Rayya Teh. Baba Bakala, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R. Baba Bakala in January 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Om Parkash S/o Shri Dhirat Ram C/o Lahore Book Deptt. Kairon Market, Amritsai.

(Transferor)

- (2) Shri Jagtar Singh S/o Shri Labh Singh, r/o 166 Railway Road, Ferozepur Cantt.
 - (Transferee)
- (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property situated at Rayya, Teh. Baba Bakala, as mentioned in sale deed No. 2839 dated 4-1-1983 of registering authority Baba Bakala, Distt. Amritsar.

C. S. KAHLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 12-9-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD AMRITSAR

Amritsar, the 12th September 1983

Ref. No. ASR/83-84/191.—Whereas I. S. KAHLON, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

One property situated at Rayya Teh. Baba Bakala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) racilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cought to be disclosed by the transferee for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) Shri Vijay Kumar S/o Shri Om Parkash, r/o Lahore Book Depot, Kairon Market, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Mukhtiar Singh s/o Shri Labh Singh, r/o 166 Railway Road, Ferozepur Cantt. (Transferee)

- (3) As at S. No. 2 overleaf and tenants if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property situated at Rayya, Teh. Baba Bakala, as mentioned in sale deed No. 2840 dated 4-1-1983 of registering authority at Baba Bakala, Distt. Amrltsar.

> S. KAHLON, IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amritsa

Date: 12-9-1983

Scal:

52---286 GI/83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD AMRITSAR

Amritsar, the 12th September 1983

Ref. No. ASR/83-84/192.--Whereas I,

C. S. KAHLON, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One property situated at Rayya Teh. Baba Bakala, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Baba Bakala in January 1983, for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by trasferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-rection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(1) Shri Ashok Kumar s/o Shri Om Parkash r/o Lahore Book Depot, Kairon, Market, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Mohinder Singh 5/0 Shri Labh Singh, r/o 166 Railway Road, Ferozepur Cantt. (Transferee)

- (3) As at S. No. 2 overleaf and tenants if any, (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
 (Person whom the undensigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned: -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property situated at Rayya Teh. Baba Bakala, as mentioned in sale deed No. 2841 dated 4-1-1983 of registering authority, at Baba Bakala, Distt. Amritsar,

> C. S. KAHLON, IRS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Amritsar

Date: 12-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD AMRITSAR

Amritsar, the 12th September 1983

Ref. No. ASR/83-84/193,---Whereas I,

C. S. KAHLON, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the impossible in the competence of the impossible terminal actions and the impossible terminal terminal actions. property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. One property situated at Rayya Teh. Baba Bakala, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S.R. Baba Bakala in January 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid porperty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

- (1) Shri Om Parkash s/o Shri Dhirat Ram c/o Lahore Book Depot, Kairon Market, Amritsar. Shri Vijay Kumar S/o Shri Om Parkash C/o above. (Transferor)
- (2) Smt. Inderjit Kaur d/o Shrl Inder Singh r/o Bazar Papran wala, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 overleaf and tenants if any.
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property situated at Rayya Teh. Baba Bakala, as mentioned in sale deed No. 2872 dated 6-1-1983 of registering authority, at Baba Bakala, Amritsar.

> C. S. KAHLON, IRS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amritsar

Date: 12-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 12th September 1983

Ref. No. ASR/83-84/194.—Whereas, I, C. S. KAHLON, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One property situated at Rayya Teh. Baba Bakala, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Baba Bakala in January 1983

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- Shri Ashok Kumar s/o. Shri Om Parkash, r/o Lahore Book Depot, Kairon Market, Amritsar.
 - Shri Vinod Kumar s/o Shri Om Parkash r/o Lahore Book Depot, Kairon Market, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Ram Sarup s/o Shri Baru Ram, r/o Sunam Near Hospital

(Transferce)

(3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property situated at Rayya, Teh: Baba Bakala, as mentioned in sale deed No. 2873 dt. 6-1-83 of registering authority, at Baba Bakala, Distt. Amritsar.

C. S. KAHLON IRS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 14th September 1983

Ref. No. ASR/83-84/195.—Whereas, I, C. S. KAHLON, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One property situated at Inside Hathi Gate, Ammitsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S.R. Amritsar on Jan., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Smt. Rama Rani Kapur w/o Sh. Raj Kumar Kapur w/o Sh. Raj Kumar Kapur r/o Kucha Beli Ram, Inside Hathi Gate, Amritsar.
- (2) Shri Surinder Kumar s/o Shri Kishan Dutt, Kucha Beli Ram,, Inside Hathl Gate, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above & tenants, if any.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property situated at Kucha Bell Ram, Inside Hathi Gate, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 15611 dt. 20-1-83 of registering authority, Amritsar.

C. S. KAHLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Amritaar

Date : 14-9-1983

FORM I.T.N.S.——

(1) Smt. Rama Rani Kapur w/o Shri Rai Kumar Kapur, r/o Kucha Beli Ram, Inside Hathi Gate, Amritaar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kishan Dutt s/o Shri Salig Ram, r/o Kucha Beli Ram, Inside Hathi Gate, Amritsar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) As at S. No. 2 above & tenants, if any. (Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Amritsar, the 14th September 1983

Ref. No. ASR/83-84/196.—Whereas, I, C. S. KAHLON, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

and bearing

No. One property situated at Inside Hathi Gate, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the egistering Officer at S.R. Amritsar on Jan., 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (37 of 1957);

One property situated at Kucha Beli Ram, Inside Hathi Gate, Amritsar as mentioned in sale deed No. 15670, dated 21-1-1983 of registering authority, at Amritsar.

> C. S. KAHLON, IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 14-9-1983.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 14th September 1983

Ref. No. ASR/83-84/197.—Whereas, I, C. S. KAHLON, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. One property situated at Inside Hathi Gate, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on Jan., 1983

for an apparent consideration which is less than the fall market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weahh-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Smt. Rama Rani Kapur w/o. Shri Raj Kumar Kapur r/o Kucha Beli Ram, Inside Hathi Gate, Amritsar.
- (2) Smt. Satya Wanti w/o. Shri Krishan Dutt, r/o Kucha Beli Ram, Inside Hathi Gate, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above & tenants, if any.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property situated at Kucha Beli Ram, Inside Hathi Gate, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 15562, dated, 19-1-83 of registering authority, Amritsar.

C. S. KAHLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Amritsar

Date: 14-9-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269 (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 9th September 1983

C. R. No. 62/38137/82-83/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Uo. 66, situated at East Park Road, 14th cross, Malleswaram Bangalore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Gandhinagar under document No. 3580/82-83 on 28-2-1983, for an apparent consideration whi is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any incomic or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

 Shri Kamala, w/o late K. Gopalan, No. 66, East Park Road, 14th cross, Malleswaram, Bangalore.

Transferor (S)

(2) Shri K. S. Gopalakrishna, 73/1, V Temple Road, 15th Cross, Malleswaram, Bangalore.

Transferee (S)

Objections, if any, to the actualition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3580/82-83] Dated 28-2-83] All that property bearing No. 66, situated at East Park Road, 14th Cross, Malleswaram, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely;—

Date: 9-9-1983

Şĕal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 12th September 1983

C. R. No. 62/37050/82-83/ACQ/B.—Whereas, J. MANJU MADHAVAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. RS. 117/IA, TS No. 53IA situated at Kodialbail village, Mangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Mangalore under document No. 611/82-83 on 9-1-1983. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—53—286 GI/83

(1) Maj. Godfrey T. Lobo, 333, I Main, Cambridge, Layout, Blore.

(Transferor)

 Shri Santosh D'Souza, Rose villa, By Pass Road, M'Iore,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the re-pective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 611/82-83 Dated 7-1-83] Portion of the property measuring 40 cents bearing No. RS. 1.17-1A, TS No. 53- A1, situated at Kodialbail village, M'lore Tq.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 12-9-1983

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSION O FINCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 15th September 1983

C. R. No. 62/37232/82-83/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herchiafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 698, situated at VI Main Road, Vijayanagar Exta., Bangalore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Srirampuram under Document No. 3329/82-83 on 4-1-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269B of the said Act to the following persons, namely:—

 Mrs. Seraphina Lobo, No. 698, VI Main Road, Vijayanagar Extn., B'lore-40.

(Transferor)

(2) Shri Joseph Michael Lobo & 2. Mrs. Sylnia Veroniva Lobo, No. 698, VI Main Road, Vijayanagar Extn., B'lore-40.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3329/82-83 Dated 4-1-83]
All that property bearing No. 698, situated at VI Main Road
Vijayanagar Extn., Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 15-9-1983

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 9th September 1983

C. R. No. 62/37432/82-83/ACQ/B,--Whereas, I, MANJU MADHAVAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. 166/1, situated at VIII Main Road,

Malleswaram, B'lore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajajinagar under document No. 4057/82-83 on 19-1-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri B. G. S. Iyengar, 50/10, H. B. C. (LIG), Acharya Vinobha Bhawa Nagar, Kurla, Bombay-70.

(Transferor)

 Shrimeti B. S. Vinutha, No. 248, V Main, Vyalikaval, B'Lore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice is, the Official Gazette or a period of 30 days from the narvies of notice on the respective persons, whichever period expires inter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 4057/82-83 Dated 19-1-83]
All that property bearing No. 166/1, situated at VIII Main Road, Malleswaram, B'lore-3.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 9-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

COMMISSION OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

Bangalore-560 001, the 12th September 1983

C. R. No. 62/37051/82-83/ACQ/B.—Whereas, I., MANJU MADHAVAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act' have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing No. RS. No. 117-1A, TS. No. 53-1A, situated at Kadialbail Village, M'lore 1q. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at M'lore under document No. 610/82-83 on 7-1-1983, for an apparent consideration, which is less than the fair for under document No. 610/82-83 on 7-1-1983, tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-and exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mal. Godfrey T. Lobo, No. 233, I Main, Combridge Layout, B'lore.

(Transferor)

(2) Shri Joachim D'Souza, Achulavady House, Boudel, M'lore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 610/82-83 Dated 7-1-83] Portion of the property measuring 40 cents bearing No. RS-117-IA, TS No. 53-IA, situated at Kodialbail Village, M'lore Tq.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely -

Date: 12-9-1983

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri S. Gopalakrishna, No. 6-E, I Street, Ulsoor, B'lore.

(Transferor)

(2) Shri Rajarshi Vasishtha, No. 206-C, 27th cross, III Block, Jayanagar, B'lore.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 12th September 1983.

C. R. No. 62/37303A/82-83/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing

No. 525, situated at Banashankari II Stage, B'lore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jayanagar under Document No 3623/82-83 on 19-1-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds as apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between

the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3623/82-83 Dated 19-1-83] All that property bearing No. 525, situated at Banashankari II Stage, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 12-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 14th September 1983

Ref. No. CHD/208/82-83.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Incompetent Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 1312, Sector 37-B, situated at Chandigarh.

(and mure fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in January, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen pay cout of each apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tast under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Jetinderpal Singh r/o 82, Sector 18-A, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Sh. Ram Kumar and Mrs. Krishana Devi c/o Laxmi Building, SCO No. 341-42, Sector 35-B, Chandigarh.

(Transferce)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understanced:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1312, situated in Sector 37-B, Chandigarh. (The property as mentioned in the Registered deed No. 1388 of January, 1983 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 149-1983

Scal:

FORM I'ENS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 14th September 1983

Ref. No. CHD/210/82-83.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing H. No. 2029, Sector 15-C, Chandigarh. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in January, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Mrs. Parkash Kaur, r/o 2099, Sector 15-C, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Sh. Kuldip Singh Bhattal and Smt. Sukhjinder Kaur Bhattal, r/o H. No. 2099, Sector 15-C, Chandigarh.

(Transferee)

 Sh. Harcharan Singh r/o 2029, Sector 15-C, Chandigarh.

(Person in occupation of the Property)

Obections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesad persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Genette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 2029, situated in Sector 15-C, Chandigarh. (The property as mentioned in the Registered deed No. 1391 of January, 1983 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 14-9-1983

 Major D. N. Chhabra through Mrs. Mecna Khanna, r/o D-9, Nizamudin West, Now Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Lt. Col. R. Khanna s/o Sh. A. S. Khanna, r/o D-9, Nizammudin West, New Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 14th September 1983

Ref. No. CHD/211/82-83.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No Plot No 1514, Sector 34-D situated at Chandigarh. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in January, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the donsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1514, situated in Sector 34-D, Chandigarh. (The property as mentioned in the registered deed No. 1393 of January, 1983 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 14-9-1983

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDIDANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 14th September 1983

Ref. No. CHD/217/82-83.—Whereas, 1, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 279, Industrial Area, situated at Chandigath. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigath in January, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said in frument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

54-286GI/83

(1) Sh. Dhaiam Raj s/o Shi Ram (ii) Sh. Ram Parkash s/o Babu Ram c/o M/S Popular Motor Workshop Mani Majia, U. T. Chandigaih through G. P. A. Sh. Haibhajan Singh s/o Sh. Aljan Singh, r/o 3467, Sector 35-D, Chandigaih.

(2)Sh. Gurdev Singh

s/o Sh. Bachan Singh, r/o 279, Indl. Area, Chandigarh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 279, situated in Industrial Area, Chandigarh. (The property as mentioned in the Registered deed No. 1486 of January, 1983 of the Registering Authority, Chandigath.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 14-9 1983

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

Faridabad.

(Transferor)

(2) M/Sb Samanta Pvt. Limited, N-146, Panchsheel Park, New Delhi.

(1) M/S Baba Dyeing Mills,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th Soptember 1983

Ref No BGR/261/82-83.-Whereas, I, R. K. BHAYANA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plant & Machinary of Baba Dyeing Mills situated at Fandabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ballabgarh in January, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely '-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being plant and Machinary of M/s Baba Dyeing Mills Faridabad and as more mentioned in the sale deed registered at No. 11279 dated 21-1-1983 with the S. R Ballabgarh.

> R. K. BIIAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15-9-1983 Seal :

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 17th September 1983

Rci. No. HSR/350/82-83.--Whereas, 1,

R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 23,000/- and bearing

Land measuring 8 kanals situated at Mavar (Hissar), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hissar in January 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen ner control of the property as a series of the property and I have reason to be a series of the property and I have reason to be a series of the property and I have reason to be a series of the property and I have reason to be a series of the property as a se than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the narties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of i-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-55-286GI/83

(1) Shri Ishwar Singh s/o Sh. Risal Singh, r/o V.P.O. Mahiyar, Teh, & Distt. Hissar.

(Transferor)

(2) Smt. Kirno Devi, w/o Sh. Padam Kumar Jain, 1/o Mohalla Bhiwani Wala, Bazar Halwayian.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 8 kanals situated at Mavar and as more mentioned in the sale deed registered at No. 4131 dated 27-1-1983 with the S. R., Hissar

R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 17-9-1983

Scal:

FORM I.T.N.S. -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Robtak, the 13th September 1983

Ref. No. HSR /353 /82-83.—Whereas, I. R. K. BMAYANA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have leason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land measuring 15 kanels 14 mails situated at Satroad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hissar in January, 1983

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of the sai

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/S Rej Moti Industries, Satroad Khurad, Hissar through Sh. Kidar Mal Aggarwal & Deep Chand Aggarwal s/o Shri Kidar Mal Agarwal, Hissar.

(2) M/S Tiruptati Rasain Udyog Pvt. Ltd., Satroad Khurad, Delhi Road, Hissar through Shri Rajinder Parshad Kedia (Director).

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as nives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 15 kanals 14 marlas attuated at Satroad and as more mentioned in the sale deed registered at No. 4212 dated 31-1-1983 with the S.R., Hissar,

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 13-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

-OPFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 17th September 1983

Ref. No. HSR/354/82-83.—Whereas, I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value encounting

Rs. 25,000/- and bearing

Land measuring 16 kanals 16 marlas situated at Satrond (and more fully described in the Schedule annexed bereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hissar in January 1983, for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

M/S Raj Moti Industries, Satroad Khurad, through Sh. Kidar Mai Aggatwal & Shri Deep Chand Aggarwal s/o Shri Kidar Mul Aggarwal, Hissar.

(Transferor)

(2) M/S Tirputy Oils Pvt. Ltd. Satroad Khurad through Shri Parshad Kedia (Director).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 16 knnals 16 marlas situated at Satroad and as more mentioned in the sale deed registered at No. 4213 dated 31-1-1983 with the S.R., Hissar.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Dat e: 139-1983

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION NOTICE

COMBINED MEDICAL SERVICES EXAMINATION, 1984

New Delhi, the 15th October 1983

No. F.14/2/83EI(B).—A combined examination for recruitment to the Services & posts mentioned in para 2 below will be held by the Union Public Service Commission of 8th April 1984 at Agartala, Ahmedabad, Aizawl, Allahabad, Bangalore, Bhopal, Bombay, Calcutta, Chandigarh, Cochin, Cuttack. Delhi, Dispur (Gauhati), Hyderabad, Imphal Itanagar, Jaipur, Jammu, Jorhat, Kohima, Lucknow, Madras, Nagpur, Panaji (Goa), Patna, Port Blair, Raipur, Shillong, Simla, Srinagai, Tirupati, Trivandrum and Vishakhapatnam.

THE CENTRES AND THE DATE OF HOLDING THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. WHILE EVERY EFFORT WILL BE MADE TO ALLOT THE CANDIDATES TO THE CENTRE OF THEIR CHOICE FOR EXAMINATION, THE COMMISSION MAY AT THEIR DISCRETION. ALLOT A DIFFERENT CENTRE TO A CANDIDATE, WHEN CIRCUMSTANCES SO WARRANT, CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION [See para 19(ii) below].

Candidates should note that no request for change of centre will normally be granted. When a candidate, however desires a change in centre, from the one he had indicated in his application form for the Examination, he must send a letter addressed to the Secretary, Union Public Service Commission by registered post, giving full justification as to why he desires a change in centre. Such requests will be considered on merits but requests received after 8th March 1984 will not be entertained under any circumstances.

- 2. The posts/services to which recruitment is to be made and the approximate number of vacancles to be filled are given below:—
 - (i) Assistant Divisional Medical Officer in the Railways—,**
 - (ii) Junior Scale posts in Ordnance and Ordnance Equipment Factories Health Service—.**
 - (iii) Junior Scale Posts in Central Health Service-200*
 - (iv) Medical Officers, in the Municipal Corporation of Delhi-50 (includes 8 vacancies reserved for Scheduled Castes and 4 reserved for Scheduled Tribes candidates

The number of vacancies is liable to alteration.

*"Vacancies not yet intimated by Government.

*Reservations will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government of India.

3. A candidate may apply for admission to the Examination in respect of any one or more of the Services/Posts mentioned in para 2 above. Candidates will be required to indicate preferences for Services/posts at the appropriate time.

If a candidate wishes to be admitted for more than one Service/post he need send in only one application. He will be required to pay the fee mentioned in Para 5 below once only and will not be required to pay separate fee for each of the services/posts for which he applies.

4. FLIGIBII ITY CONDITIONS:-

(a) Nationality

A candidate must be either :-

- (1) a citizen of India, or
- (ii) a subject of Nepal, or
- (iii) a subject of Bhutan, or
- (iv) a Tibetan refugee who came over to India before the 1st January, 1962 with the intention of permanently settling in India, or

(v) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka, East African countries of Kenya Uganda, the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzbar) Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to categories (ii) (iii), (iv) and (v) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination but the offer of appointment may be given only after the necessary eligibility certificate has been issued to him by the Government of India

(b) Age Limit.—Age below 30 years as on 1st January, 1984.

The upper age limit is relaxable as follows:--

- (i) up to a maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe;
- (ii) up to a maximum of three years if a candidate is a bonafide displaced person, from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971;
- (iii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971;
- (iv) up to a maximum of three years if a candidate is a bona fide repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;
- (v) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October 1964;
- (vi) up to a maximum of three years if a candidate is of Indian origin and has migrated from Kenya. Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) or is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia;
- (vii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide repatriate of Indian origin and has migrated from Kenya, Uganda, and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) or is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia.
- (vlii) up to a maximum of three years if a candidate is a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st Juno 1963;
- (ix) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June 1963;
- (x) up to a maximum of three years in the case of Defence Services personnel, disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area; and released as a consequence thereof:
- (xi) up to a maximum of eight years in the case of Defence Services personnel, disabled in operations during hostilities with any foreign country or in

a disturbed area, and released as a consequence thereof, who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes:

- (xii) up to a maximum of three years if a candidate is a bona fide repatriate of Indian origin (Indian Passport holder) as also a candidate holding emergency certificate issued to him by the Indian Embassy in Vietnam and who arrived in India from Vietnam not earlier than July 1975;
- (xiii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide repatriate of Indian origin (Indian passport holder) as also a candidate holding emergency certificate issued by him by the Indian Embassy in Vietnam and who arrived in India from Vietnam not earlier than July 1975;
- (xiv) up to a maximum of five years in the case of ex-servicemen and Commissioned Officers including ECOs/SSCOs who have rendered at least five years Military Service as on 1st January, 1984 and have been released on completion of assignment (including those whose assignment is due to be completed within six monhs from 1st January 1984) otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency, or on account of Physical disability attributable to Military Service or on invalidment.
- (xv) up to a maximum of ten years in the case of ex-servicemen and Commissioned Officers including ECOs/SSCOs who have rendered at least five years Military Service as on 1st January, 1984 and have been released on completion of assignment (including those whose assignment is due to be completed within six months from 1st January, 1984 otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency, or on account of Physical disability attributable to Military Service or on invalidment: who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes.
- (xvi) up to a maximum of three years if a candidate is a hona fide displaced person from erstwhile. West Pakistan and had migrated to India during the period between 1st January, 1971 and 31st March, 1973;
- (xvii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a hona fide displaced person from erstwhile West Pakistan and had migrated to India during the period between 1st January, 1971 and 31st March, 1973.

SAVE AS PROVIDED AROVE THE AGE LIMIT PRESCRIBED CAN IN NO CASE BE RELAXED.

The date of hirth accented by the Commission is that entered in the Matriculation or Secondary School Leaving Certificate or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University which extract must be certified by the proper authority of the University or in the Higher Secondary or an equivalent examination certificate. These certificates are required to be submitted only after the declaration of the result of the written part of the examination.

No other document relating to age like horoscopes, affidavits, birth extracts from Municipal Corporation, service records and the like will be accepted.

The expression Matriculation/Secondary Examination Certificate in this part of the instruction includes the alternative certificates mentioned above.

NOTE 1:—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONLY THE DATE OF BIRTH AS RECORDED IN THE MATRICULATION/SECONDARY EXAMINATION CERTIFICATE OR AN EQUIVALENT CERTIFICATE AS ON THE DATE OF SUBMISSION OF APPLICATION WILL BE ACCEPTED BY THE COMMISSION, AND NO SUBSEQUENT REQUEST FOR ITS

CHANGE WILL BE CONSIDERED OR GRANTED.

NOTE 2:—CANDIDATES SHOULD ALSO NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ENTERED IN THE RECORDS OF THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION. NO CHANGE WILL BE ALLOWED SUBSEQUENTLY OR AT ANY OTHER EXAMINATION OF THE COMMISSION.

(c) Educational Qualification

For admission to the examination, a candidate should have passed the written and practical parts of the final M.B.B.S. Examination.

Note 1.—A candidate who has appeared/or has yet to appear at the final M.B.B.S. Examination may also apply—Such candidates will be admitted to the examination, if official-wise eligible but the admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce proof of having passed the written and practical parts of the final M.B.B.S. Examination along with the detailed application which will be required to be submitted to the Commission by the candidates who qualify on the result of the written part of the examination (cf. Note below para 6).

Note 2.—A candidate who has yet to complete the compulsory rotating internship is educationally eligible for admission to the examination but on selection he will be appointed only after he has completed the compulsory rotating internship.

5. FEE:

A candidate seeking admission to the examination must pay to the Commission a fee of Rs. 28.00 (Rupees twenty eight) [Rs. 7.00 (Rupees Seven) in the case of SC and ST candidates]. Payment must be made through crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi or through crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the New Delhi General Post Office. Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the Office of India's High Commissioner, Ambassador of Representative abroad, as the case may be, for credit to account head "0.51—Public Service Commission—Examination Fees' and attach the receipt with the application.

APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THIS REQUIREMENT WILL BE SUMMARILY REJECTED.

Note (i)—Candidates should write their name and address on the reverse of the Bank Draft at the top at the time of submission of their applications. In the case of Postal Orders the name and address should be written by the candidates on the reverse of the Postal Orders at the space provided for the purpose.

Note (ii)—If any candidate, who took the "Combined Medical Services Examination, 1983" wishes to apply for admission to 1984 examination he must submit his application so as to reach the Commission's Office by the prescribed date without waiting for the results or an offer of appointment. If he is recommended for appointment on the results of the 1983 examination, his candidature for the 1984 examination will be cancelled on request, provided his request for cancellation of his candidature and refund of fee is received in the Commission's Office within 30 days of the date of publication of the final result of the 1983 Examination in the Employment News.

6. HOW TO APPLY:

A candidate seeking admission to the Examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission Dholpur House, New Delhi-110011, through the application form published in Appendix II to the Commission's Notice, as published in the Employment News dated 15th October, 1983, The candidates may utilise in original the form pub-

lished in the newspapers or in "Employment News", filling up the columns in their own handwriting with ball-point pen. They may also use the application form neatly type-written on white paper (foolscape size) in double space and typed on only one side of the paper. There is no objection to candidates using printed Application Form and Attendance sheet, if available, from private agencies, as long as the format is exactly the same as published in Appendix II to the Commission's notice, as published in the Employment News dated 15th October, 1983. Candidates should note that applications filled in on the format used for the previous examinations will not be considered. The envelope containing the application should be superscribed in bold letters as "APPLICATION FOR COMBINED MEDICAL SER-VICES EXAMINATION 1984".

- (a) A candidate must send the following documents with his application :--
 - (i) Crossed Bank Draft/Indian Postal Orders or Indian Mission Receipt for the prescribed fee.
 - (ii) Attendance Sheet (Appendix II to the Commission's Notice, as published in the Employment News dated 15th October, 1983) duly filled in on foolscap size paper.
 - (iii) Two identical copies of recent passport size (5 cm×7 cm approx.) photograph of the candidate—one pasted on the application form and the other on the Attendance Sheet in the space provided therein
 - (iv) One self-addressed post-card.
 - (v) Two self-addressed unstamped envelopes of 11.5 cms×27.5 cms size.
- (b) Candidates should note that only International candidates should note that only international form of Indian numerals is to be used while filling up the application form. Even if the date of birth in the SSLC or its equivalent certificate has been recorded in Hindi numerals, the candidates should ensure that while entering it in the Application Form he uses International form of Indian numerals only. They should take special care that the entries made in the application form should be clear and legible. In case there are any illegible or misleading entries, the candidates will be responsible for the confusion and the ambiguity caused in interpreting such entries.
- (c) All candidates, whether already in Government Service, in Covernment owned industrial undertakings or other similar organisations or in private employment, should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application, even if submitted to the employer before the closing date, will not be considered.

Persons already in Government service whether in perminent or temporary capacity or as work charged em-ployees other than casual or daily rated employees or those serving under the Public Enterprises are, however, required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office/Department that they have applied for the Examination.

Candidates should note that in case a communication is received from their employers by the Commission withholding permission to the candidates applying for/appearing at the examination, their application shall be rejected/candidature shall be cancelled.

NOTE: APPLICATIONS NOT ACCOMPANIED BY THE PRESCRIBED FFE OR INCOMPLETE OR DEFECTIVE APPLICATIONS SHALL BE SUMMARILY RESPECTED NO REPRESENTATION OR CORRESPONDENCE REGARDING SUCH REJECTION SHALL BE ENTERTAINED UNDER ANY CIR-CUMSTANCES,

CANDIDATES ARE NOT REQUIRED TO SUBMIT ALONGWITH THEIR APPLICATIONS ANY CERTIFICATES IN SUPPORT OF THEIR CLAIMS REGARDING AGE, EDUCATIONAL QUALIFICATIONS. SCHEDULED CASTES AND SCHEDULED TRIBES ETC. THEY SHOULD THEREFORE ENSURE THAT THEY FULFIL ALL THE ELIGIBILITY CONDITIONS FOR ADMISSION TO THE EXAMINATION WILL ALSO THEREFORE BE PURELY PROVISIONAL IF ON VERIFICATION AT ANY LATER DATE IT IS FOUND THAT THEY DO NOT FULFIL ALL THE ELIGIBILITY CONDITIONS THEIR CANDIDATURE WILL BE CANCELLED. CANDIDATURE WILL BE CANCELLED. CANDIDATURE WILL BE CANCELLED. CANDIDATES ARE REQUESTED TO KEEP READY THE DOCUMENTS FOR SUBMISSION TO THE COMMISSION SOON AFTER THE DECLARATION OF THE RESULTS OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION WHICH IS LIKELY TO BE DECLARED IN THE MONTH OF JULY, 1984.

- 1. CERTIFICATE OF AGE.
- 2. CERTIFICATE OF EDUCATIONAL QUALIFI-
- 3. CERTIFICATE IN SUPPORT OF CLAIM TO BELONG TO SCHEDULED CASTE/SCHEDULED TRIBE, WHERE APPLICABLE.
- 4. CERTIFICATE IN SUPPORT OF CLAIM FOR AGE CONCESSION, WHERE APPLICA-

IMMEDIATELY AFTER THE DECLARATION OF THE RESULTS OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION SUCCESSFUL CANDIDATES WILL BE SENT A FORM BY THE COMMISSION REQUIRING ADDITIONAL INFORMATION TO BE FURNISHED. THE ATTESTED COPIES OF THE ABOVE MENTIONED CERTIFICATES WILL HAVE TO BE SENT TO THE COMMISSION AT THAT TIME. ORIGINALS WILL HAVE TO BE PRODUCED AT THE TIME OF INTERVIEW, IF ANY OF THEIR CLAIMS IS FOUND TO BE INCORRECT. THEY MAY RENDER THEMSELVES LIABLE TO DISCIPLINARY ACTION BY THE COMMISSION IN TERMS OF PARA 7 BELOW.

- 7. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of-
 - (i) obtaining support for his candidature by any means,
 - (ii) impersonating, or
 - (iii) Procuring impersonation by any person, or
 - (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with, or
 - (v) making statements which are incorrect or false, or supperessing material information, or
 - (vi) resorting to any other irregular or improper means his candidature in connection with for examination, or
 - (vii) using unfair means during the examination, or
 - (viii) writing irrelevant matter, including obscene language or pornographic matter, in the script(s), or
 - (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall, or
 - (x) harassing or doing bodily harm to the Staff ploved by the Commission for the conduct of their examinations, or
 - (xi) violating any of the instructions issued to candidates along with their Admission Certificates permitting them to take the examination, or
 - (xii) attempting to commit or as the case may be abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses,

May in addition to rendering himself liable to criminal prosecution be liable :---

(a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate, or

- (b) to be debarred either permanently or for a specified period.—
 - (i) by the Commission, from any examination or selection held by them;
 - (ii) by the Central Government, from any employment under them; and
- (c) if he is already in service under Government to disciplinary action under the appropriate rules.

Provided that no penalty under this rule shall be imposed except after—

- giving the candidate an opportunity of making such representation in writing as he may wish to make in that behalf; and
- (ii) taking the representation, if any, submitted by the candidate, within the period allowed to him, into consideration.

8. LAST DATE FOR RECEIPT OF APPLICATIONS

The completed application form must reach the Secretary, Union Rubic Service Commission, Dholpur House, New Debth-110011 by post or by personal delivery at the counter on or before the 28th November, 1983 (12th December, 1983 in the case of candidates residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Triputa, Sikkim, Ladakh Division of J & K State, Lahaul and Spiti District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands of Lakshaweep and for candidates residing abroad from a date prior to 28th November, 1983 and whose applications are received by post from one of the areas mentioned above) accompanied by necessary documents.

A candidate residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura Sikkim, Ladakh Division of J & K State, Lahaul and Spiti District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and candidates residing abroad may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing in Assam, Meghalaya, Arunchal Pradesh, Mizoram, Mampur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J & K State, Lahaul and Spiti District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep or abroad from a date prior to 28th November, 1983.

NOTE: (i)—Candidates who are from areas entitled to additional time for submission of applications should also clearly indicate in their addresses in the relevant Column of the application the name of the particular area or region entitled to additional time (e.g. Assam, Meghalaya, Ladakh Division of J & K State, etc.) otherwise they may not get the benefit of additional time.

Note: (ii)—Candidates are advised to deliver their applications by hand at the UPSC counter or send it by Registered Post. The Commission will not be responsible for the applications delivered to any other functionary of the Commission.

NO APPLICATION RECEIVED AFTER THE PRESCRIBED DATE WILL BE CONSIDERED.

- 9. SCHEME OF EXAMINATION: The examination will comprise:
- (A) Written Examination—The candidates will take the examination in the following two papers each of two hours duration containing objective type questions covering the following subjects and each carrying a maximum of 200 marks. The questions in both the papers will be so designed as to give the following weightage to different subjects:—

Paper I (Code No. 1) Weightage

60%

- General Medicine including Cardialogy, Neurology, Dermatology and Psychiatry,
- (II) Surgery including E.N.T., Opthalmology, 40% Traumatology and Orthopaedics.

Paper H(Code No. 2)

(III) Preventive, Social and

- (I) Paediatrics 20%
- (II) Gynaecology and Obstetrics 40%
- Community Medicine 40%

 (B) Personality test of candidates, who qualify in the
 - written examination 200 marks

NOTE I:—The 'Candidates' Information Manual' containing details pertaining to objective type Test including sample questions will be supplied to candidates alongwith the Admission Certificate.

Note II:—Candidates are not permitted to use calculators for answering objective type papers (Test Booklets). They should not, therefore, bring the same inside the Examination Hall.

10. Candidates who obtain such minimum qualifying marks in the written examination as may be fixed by the Commission in their discretion shall be summoned by them for an interview for a personality test.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or Scheduled Tribes may be summoned for an interview for a personality test by the Commission by applying relaxed standards if the Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities are not likely to be summoned for interview for a personality test on the basis of the general standard in order to fill up the vacancies reserved for them.

The interview for Personality Test will be intended to serve as a supplement to the written examination for testing the General knowledge and ability of the candidates in the fields of their academic study and also in the nature of a personality test to assess the candidates intellectual curiosity critical powers of assimilation, balance of judgment and alertness of mind, ability for social cohesion, integrity of character, initiative and capability for leadership.

11. After the interview, the candidates will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate in the written examination and the personality test with 66 2/3% and 33 1/3% weightage respectively and in that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified by the examination shall be recommended for appointment upto the number of unreserved vacancies decided to be filled on the results of the examination.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may, to the extent the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled tribes cannot be filled on the basis of the general standard be recommended by the Commission by a relaxed standard to make up the deficiency in the reserved quota, subject to the fitness of these candidates for appointment to the Services irrespective of their ranks in the order of merit at the examination.

- 12. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.
- 13. Subject to other provisions contained in this Notice, successful candidates will be considered for appointment on the basis of the order of merit assigned to them by the Commission and the preferences expressed by them for various posts:
- 14. Success in the examination confers no right to appointment, unless Government are satisfied after such enquiry as may be considered necessary, that the candidate having regard to his character and antecedent is suitable in all respects for appointment to the service. The appointment will be further subject to the candidate satisfying the appointing auhority of his having satisfactorily completed the compulsory rotating internship.

15. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the discharge of his duties as an officer of the Service. A candidate who after such physical examination as Government or the appointing authority, as the case may be, may prescribe is found not to satisfy these requirements, will not be appointed. All candidates who are declared qualified for the Personality Test will be physically examined by the medical board set up by the Ministry of Health and Family Welfare (Department of Health).

16. No person.

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living or
- (b) who having a spouse living has entered into or contracted a marriage with any person.

shall be eligible for appointment to service.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

- 17. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write the answers for them.
- 18. The Commission have discretion to fix qualifying marks for the examination.

19. CORRESPONDENCE WITH THE COMMISSION

The Commission will not enter into any correspondence with the candidates about their candidature except in the following cases:

- (i) Every application including late ones received in the Commission's Office is acknowledged and Application Registration No. is issued to the candidate in token of receipt of application. The fact that the Application registration No. has been issued to the candidate does not, *ipso facto*, mean that the application is complete in all respects and has been accepted by the Commission. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date of receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.
- (ii) Every candidate for this examination will be informed at the earliest possible date of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result of the application will be communicated. But if a candidate does not receive from the Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination, he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.
- (iii) No candidate will be admitted to the Examination unless he holds a certificate of admission to the Examination.

The mere fact that a certificate of admission to the Examination has been issued to a candidate will not imply that his candidature has been finally cleared by the Commission, or that the entries made by the candidate in his application for the Examination have been accepted by the Commission as true and correct. Candidates may note that the Commission takes up the verification of eligibility conditions of a candidate; with reference to original documents, only after the candidate has qualified for interview for Personality Test on the results of the written Examination. Unless candidature is formally confirmed by the Commission, it continues to be provisional.

The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the Examination shall be final.

Candidates should note that the name, in the Admission Certificate, in some cases, may be abbreviated due to technical reasons.

(iv) A candidate must see that communications sent to him at the address stated in his application are redirected, if necessary. Change in address should be communicated to the Commission at the earliest opportunity. Although the Commission make every effort to take account of such changes, they cannot accept any responsibility in the matter.

IMPORTANT: ALL COMMUNICATIONS TO THE COMMISSION SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS:

- 1. NAME OF THE EXAMINATION.
- 2. APPLICATION REGISTRATION NO./ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE APPLICATION REGISTRATION NO./ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
- 3. NAME OF CANDIDATE IN FULL AND IN BLOCK LETTERS.
- POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN THE APPLI-CATION.

N.B.(I):—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

N.B. (II):—IF A LETTER/COMMUNICATION IS RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER AN EXAMINATION HAS BEEN HELD AND IT DOES NOT GIVE HIS FULL NAME AND ROLL NUMBER, IT WILL BE IGNORED AND NO ACTION WILL BE TAKEN THEREON.

- 20. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.
- 21. The Union Public Service Commission have brought out at priced publication entitled "Candidates Manual for U.P.S.C. Objective Type Examinations". This publication is designed to be of assistance to prospective candidates of U.P.S.C. Examinations or Selections.

This publication is on sale with Controller of Publications, Civil Lines, Delhi-110054 and may be obtained from him direct by Mail Orders or on cash payment. This can also be obtained only against cash payment from (1) the Kitab Mahal, Opposite Rivoli Cinema, Emporia Building, 'C' Block, Baba Kharag Singh Marg, New Delhi-110001 (ii) Sale Counter of the Publications Branch at Udyog Bhawan, New Delhi-110011 and (iii) The Government of India Book Depot, 8, K. S. Roy Road, Calcutta-700001. The Manual is also obtainable from the agents for the Government of India Publications at various mofussil Towns.

22. Brief particulars relating to the Services to which recruitment is being made through this examination are given in Appendix I.

M. BALAKRISHNAN Dv. Secretary

APPENDIX I

Brief particulars relating to the Services to which recruitment is being made through this examination are given below; I. Assistant Divisional Medical Officer in the Railways.—

(a) The post is temporary and in Group A. The scale of the post is Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1250-EB-50-1600 (Revised Scale) plus restricted non-practicing allowance as per orders in force from time to time. The rates at present are '----

1-5 Stages-Rs. 150/- P.M.

6-10 Stages-Rs. 200/- P.M.

11—15 Stages—Rs. 250/- P.M.

16th stage onwards Rs. 300/- P.M.

The candidate will be bound to observe the orders which the Ministry of Railways or any higher authority may issue from time to time, restricting or prohibiting private practice by him. The candidates in Government service will be given sound of Supposse of pougnett should be given the minimum of the pay scale mentioned above.

- (b) A candidate will be appointed on probation for a period of two years which may be extended by the Government if considered necessary. On satisfactory completion of the probationary period, he will continue in a temporary capacity.
- (c) The appointment can be terminated by one month's notice on either side during the period of probation and there after while employed in a temporary capacity. The Government reserve the right to give one month's pay in lieu of notice.
- (d) A candidate will have to undergo training as prescribed by the Ministry of Railways and pass all the Departmental Examinations.
- (c) A candidate will be governed by the Railway Pension Rules and shall subscribe to the State Railway Provident Fund (Non-contributory) under the rules of that Fund as in force from time to time.
- (f) A candidate will be eligible for leave in accordance with the leave rules as in force from time to time and applicable to officers of his status.
- (g) A candidate will be eligible for free Railway Passes and Privilege Ticket Orders in accordance with the Rules in force from time to time.
- (h) A candidate will be required to pass a Hindi test within two years of his appointment.
- (i) Under the rules every person appointed to the above post shall, if so required, be liable to serve in any Defence Service or post connected with Defence of India for a period of not less than four years including the period spent on training, if any;

Provided that such person-

- (a) shall not be required to service as aforesaid after the expiry of ten years from the date of such appointment:
- (b) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of 45 years.
- (j) Reckoning Service—The persons who are recruited under these rules to posts to which the conditions prescribed in Rule 2423—A. (C.S.R. 404-B) of the Indian Railway Establishment. Code are applicable, shall be eligible to the benefit of the provisions contained in that rule.
- (k) A candidate will be governed in respect of the matters specifically referred to above as well as other matters by the provisions of the Indian Railway Establishment Code and the extant orders as amended/issued from time to time.
- (1) In the first instance a candidate will be posted to the Railway Health Units/Dispensaries at wayside Stations. A.D.M.O.s are also liable to transfer to any Railway.
- (m) Prospects of promotion including pay scales and allowances attached to higher grades.
 - (i) Assistant Divisional Medical Officers with five years service in the grade rendered after appointment thereto on a regular basis are eligible for promotion to the posts of Divisional Medical Officers (Senior Scale) of Rs. 1100—1800 plus restricted nonpracticing allowance of Rs. 300 p.m. from 1st to 9 stages and Rs. 350 per month from 10th Stage onwards.
 - (ii) Divisional Medical Officers/Senior Medical Officers with five years service in the grade rendered after appointment thereto on a regular basis are eligible for promotion to the posts of Medical Superintendents in the scale of Rs. 1500—2000/- plus non-practicing allowance of Rc. 500/- per month.

- (iii) Depending upon the number of years of service in grade of Rs. 1500—2000/- as prescribed from time to time. Medical Superintendents become eligible for promotion to the posts of Addl. Chief Medical Officers in the scale of Rs. 2250—2500/- with a non-practicing allowance of Rs. 500/- p.m.
- (iv) Addl. Chief Medical Officers with 2 years service in the grade rendered after appointment thereto on a regular basis are eligible for promotion to the posts of Chief Medical Officers in the scale of Rs. 2500—2750/- plus non-practicing allowance of Rs. 500/- per month.
- (n) Duties and Responsibilities-

Assistant Divisional Medical Officers:

- (i) He will attend the indoor wards and out-patient department daily and as required.
- (ii) He will carry out prysical examination of candidates and of employees in service in accordance with the regulations in force.
- (iii) He will look after family planning, public health and sanitation in his jurisdiction.
- (iv) He will carry out examination of vendors.
- (v) He will be responsible for discipline and proper discharge of duties of the Hospital Staff.
- (vi) He will carry out duties assigned to the speciality, if any, and will prepare returns and indents connected with his speciality.
- (vii) He will maintain and upkeep all equipments, in his charge.
- NOTE (1): When an ADMO is posted at the Headquarters of a division under the charge of a Divisional Medical Officer, he will assist the Divisional Medical Officer and all his duties, but may be specially assigned with certain duties and responsibilities.
- Note (2): ADMOs will also be required to perform such other duties as may be assigned to them from time to time.
- II. Posts of Assistant Medical Officer in the Ordnance and Ordnance Equipment Factories Health Service under the Ministry of Defence—
- (a) The Post is temporary in Group A but likely to be made permanent in due course. The scale of pay is Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300 plus non-practicing allowance (NPA) as per orders in force from time to time. The rates at present are—

1—5 stages 6—10 stages 11 stage onward Rs. 150/- per month Rs. 200/- per month Rs. 250/- per month

- (b) The candidate will be on probation for a period of 2 years from the date of appointment which may be curtailed or extended at the discretion of the competent authority. On satisfactory completion of the probation period he will continue in the temporary post till confirmed against the permanent vacancy.
- (c) The candidate can be posted anywhere in India in any one of the Ordnance Factory Hospitals or Dispensaries.
 - (d) Private practice of any kind whatsoever is prohibited.
- (e) The appointment can be terminated on one month's notice on either side during the period of probation and thereafter while employed in temporary capacity. The Government reserves the right to give one month's pay in licu of notice
- (f) Prospects of promotion including pay scales and allowances attached to the higher grades—

(i) SENIOR SCALE...SENIOR MEDICAL OFFICER/ ASSISTANT DIRECTOR OF HEALTH SERVICES.

Officers who have put in at least 5 years service in the unior scale will become eligible to senior scale.—Senior Medical Officer/Assistant Director of Health Service. The scale of pay is Rs. 1100—50—1600 plus NPA—

1—3	stagen	Rs. 250/- per month
4—5	stages	Rs. 300/- per month
6 —7	stages	Rs. 350/- per month
89	stages	Ra. 400/- per month
1011	stages	Rs. 450/- per month

(ii) SUPER-TIME GR. II—PRINCIPAL MEDICAL OFFICER/DEPUTY DIRECTOR OF HEALTH SERVICES.

Officers who have put in 5 years of regular service in the senior scale (Senior Medical Officer/Assistant Director of Health Services) can be considered for promotion to Supertime Gr. II—Principal Medical Officer/Deputy Director of Health Services. The scale of pay is Rs. 1500—60—1800—100—2000 plus Rs. 600/- N.P.A.

(iii) SUPER-TIME GR. I—DIRECTOR OF HEALTH SERVICES.

Principal Medical Officers and Deputy Director of Health Services on completion of 6 years of service in the grade will be eligible for appointment of Super-time Gr. I—Director of Health Services with the pay scale of Rs. 2230—125/2—2500 per month plus Rs. 600/- N.P.A.

- (g) Nature of duties—(i) ASSISTANT MEDICAL OFFICERS.
 - (i) They will attend to indoor patients in wards/departments of hospitals and out patients in dispensaries/out patients departments daily and as required.
 - (ii) They will carry out medical examination of employees and candidates for employment in accordance with the regulations in force.
 - (iii) They will maintain and upkeep all equipment in their charge.
 - (iv) They will look after the family Welfare, Public Health and Industrial Health of employees in their jurisdiction.
 - (v) They will be responsible for training, discipline and proper discharge of duties of the hospital and dispensary staff.
 - (vi) They will perform such other duties as are allotted to them; by the Medical Officer-in-Charges as per rules.
- (2) GDO GR I—ASSISTANT DIRECTOR OF HEALTH SERVICES AND SENIOR MEDICAL OFFICER
 - (a) ADHS posted at the Hqrs. will assist the DHS/DDHS in the discharge of their duties on all medical matters as directed by them.
 - (b) He will assist the DHS/DDHS in the day to day work of the Medical Section as the Section Officer.
 - (c) He will perform such other duties as may be assigned to him the DHS/DDHS from time to time.
 - (d) He will assist the DHS ir dealing with all questions relating to Medical Stores & equipments.
 - (e) SMO-SMOs will be incharge of any factory hospital with less than 75 beds and Medical Estt. there.
 - (f) As M.O. Incharge they will be advisers to the GM of Fys on all medical matters and make recommendations as considered necessary.
 - (g) They will arrange medical attention to the employees and their families as per rules.
 - (h) They will perform such other duties as may be laid down under any statute or Govt, orders or delegated to him by the DHS.

...(3), SUPER TIME GRADE H-DY, DIRECTOR OF HEALTH SERVICES & PRINCIPAL MEDICAL OFFICER.

- (a) DDHS posted at the Hars, will assist the DHS in the discharge of the latter's duties in matters as directed by him.
- (b) He will, set as DHS under orders of DGOF in the latter's absence on leave, tour etc.
- (c) PMO—PMO will be M.O. Incharge of any Factory hospital with 75 beds or above and the Medical Estas, there.
- (d)" As M.O. Incharge they will be advisers to the GM of Fys on all medical matters and make recommendations as considered necessary
- (e) They will arrange medical attention to the employees and their families as per rules.
- (f) They will perform such o.her duties as may be laid down under any statute or Govt, orders or delegated to him by the DHS.

(4) SUPER-TIME GRADE I-DIRECTOR OF HEALTH SERVICES:

- (a) Medical Advsier to DGOF on all Medical and health matters. Controlling authority of the Medical Establishment in DGOF Organisation on all Professional and Technical matters. He will exercise the administrative powers as delegated to him by the DGOF.
- (b) He will work out the plans for Implementation of the reports/recommendations accepted by Govt.
- (c) As the Controlling authority he will distribute the personnel according to the requirement of Factories.
- (d) He will normally represent the DGOF on the UPSC.
- (e) He will normally once a year make or caused to be made inspection of all factories and report to the DGOF on the working of Medical installation there on all matters connected with Medical Estis.
- (f) He will initiate ACR's of DDHS and ADHS and will review the reports of all PMOs, SMOs and AMOs.

III. Junior Scale posts in the Central Health Service:

- (a) The posts are temporary but likely to continue indefinitely. Candidates will be appointed to junior Group 'A' scale and they will be on probation for a period of 2 years from the date of appointment which may be curtailed or extended at the discretion of the competent authority. They will be confirmed in Junior Scale (Rs. 700—1300) in their turn after the satisfactory completion of probation subject to availability of permanent poets.
- (b) The candidates can be posted anywhere in India in any dispensary or hospital, under any organisation participating in the Central Health Service viz. C.G.H.S. operating at Delhi, Bangalore, Bombay, Meerut, e.c., Coal Mines/Mica Mines, Labour Welfare Organisations, Assam Rifles, Arunachal Pradesh, Lakshadweep, Andaman and Nicobar Islands, P&T dispartment etc. Private Practice of any kind whatsoever including lab, and consultants Practice is prohibited.
 - (c) The following are the rates of pay admissible :-

Junior Group A Stale (Medical Officer)

Scale Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300.

N.P.A.

Ist to 5 stages Rs. 150 per month
6 to 10 stages Rs. 200 per month
11th stage onwards Rs. 250 per month

Medical Officers in the General Duty Cadre who have put in at least 5 years regular service in the grade will become eligible for promotion to Senior Scale.

Sentor Scale (Senior Medical Officer)

Scale Rs. 1100-50-1600

	N.P.A.		
1 to 3 stages	Rs, 250 per month		
4 to 5 stages	Rs. 300 per month		
6 to 7 stages	Rs. 350 per month		
8 to 9 stages	Rs. 400 per month		
10 to 11 stages	Rs. 450 per month		

Senoir Medical Officers in the General Duty Cadre with 5 years regular service in the grade will be eligible for appointment as Chief Medical Officer.

Chief Medical Officer

Scale Rs. 1500-60-1800-100-2000 plus NPA Rs. 600 per month.

Chief Medical Officer who has reached maximum of the scale and has stagnated for not less than 2 years after regular appointment in the grade will be eligible for appointment as Chief Medical Officer (Selection Grade).

Chief Medical Officer (Selection Grade)

Scale: Rs. 2000-125/2-2250 plus NPA Rs. 600 per month.

Officers holding post in the grade of Chief Medical Officers selection grade with 7 years regular service in the grade will be eligible for promotion to Supertime Grade (Level-II).

Supertime Grade (Level-II)

Scale: Rs. 2250-125/2-2500 plus NPA Rs. 600 per month.

Officers in the Supertime Grade (Level-II) in General Duty Sub-cadre with 2 years regular service in the grade will be eligible for promotion to Supertime Grade (Level-I).

Supertime Grade (Level-I)

Scale: Rs. 2500-125/2-2750 plus NPA Rs. 600 per month. IV. MEDICAL OFFICER IN THE MUNICIPAL CORPORATION OF DELHI.

(i) The post is temporary in category 'A' but likely to be permanent in due course. The scale of pay is Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300 plus restricted non-practicing allowance (NPA) as per orders in force from time to time. The rates at present are:

1—5 stage Rs. 150 per month
6—10 stages Rs. 200 per month
11 stage and onwards Rs. 250 per month

- (ii) The candidates will be on probation for a period of 2 years from the date of appointment which may be curtailed or extended at the discretion of competent authority. On satisfactory completion of the probation period, he will continue in the temporary post till confirmed against the permanent vacancy.
- (iii) The candidate can be posted anywhere within the jurisdiction of the Municipal Corporation of Delhi in any one of the Hospital/Dispensaries/M&CW and Family Welfare Centres/Primary Health Centres etc. etc.
 - (iv) Private practice of any kind whatsoever is prohibited.
- (v) The appointment can be terminated on one month's notice on either side during the period of probation and thereafter while employed in temporary capacity. The Municipal Corporation of Delhi reserves the right to pay one month's pay in lieu of notice.

Prospects of promotion including pay scales and allowances attached to the higher grades shall be according to the provisions of the Recruitment Regulations.